

Sample



DADASHRIE

AT POST BAMANVEL

TALUKA CHIKHLI

DISTRICT NAVSARI GUJRAT-396409

Contact - +91 97 374 11 111/ 99 794 99 154



श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ॥

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काशपेयं महाद्युतिम् ।	तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ॥
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्यवसम्भवम् ।	नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम् ॥
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम् ।	कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम् ॥
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।	सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ॥
देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसंनिभम् ।	बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ॥
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम् ।	सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ॥
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।	छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम् ।	सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ॥
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् ।	रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ॥

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः ।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति ।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःखघ्ननाशम् ।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम् ॥
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्रिसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो व्रूते न संशयः ॥

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ॥

जो जपापुष्प के समान अरुणिम आभावाले, महान तेज से संपन्न, अंधकार के विनाशक, सभी पापों को दूर करने वाले तथा महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, उन सूर्य को मैं प्रणाम करता हूँ। जो दधि, शंख तथा हिम के समान आभा वाले, क्षीर समुद्र से प्रादुर्भूत, भगवान शंकर के शिरोभूषण तथा अमृतस्वरूप हैं, उन चंद्रमा को मैं नमस्कार करता हूँ। जो पृथ्वी देवी से उद्भूत, विद्युत् की कान्ति के समान प्रभावाले, कुमारावस्था वाले तथा हाथ में शक्ति लिए हुए हैं, उन मंगल को मैं प्रणाम करता हूँ। जो प्रियंगु लता की कली के समान गहरे हरित वर्ण वाले, अतुलनीय सौन्दर्य वाले तथा सौम्य गुण से संपन्न हैं, उन चंद्रमा के पुत्र बुध को मैं प्रणाम करता हूँ। जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, स्वर्णिम आभा वाले हैं, ज्ञान से संपन्न हैं तथा लोकों के स्वामी हैं, उन बृहस्पति जी को मैं नमस्कार करता हूँ। जो हिम, कुन्दपुष्प तथा कमलनाल के तन्तु के समान श्वेत आभा वाले, दैत्यों के परम गुरु, सभी शास्त्रों के उपदेष्टा तथा महर्षि भृगु के पुत्र हैं, उन शुक्र को मैं प्रणाम करता हूँ। जो नीले कज्जल के समान आभा वाले, सूर्य के पुत्र, यमराज के ज्येष्ठ भ्राता तथा सूर्य पत्नी छाया तथा मार्तण्ड से उत्पन्न हैं, उन शनैश्चर को मैं नमस्कार करता हूँ। जो आधे शरीर वाले हैं, महान पराक्रम से संपन्न हैं, सूर्य तथा चंद्र को ग्रसने वाले हैं तथा सिंहिका के गर्भ से उत्पन्न हैं, उन राहु को मैं प्रणाम करता हूँ। पलाश पुष्प के समान जिनकी आभा है, जो रुद्र स्वभाव वाले और रुद्र के पुत्र हैं, भयंकर हैं, तारकादि ग्रहों में प्रधान हैं, उन केतु को मैं प्रणाम करता हूँ। भगवान वेदव्यास जी के मुख से प्रकट इस स्तुति का जो दिन में अथवा रात में एकाग्रचित्त होकर पाठ करता है, उसके समस्त विघ्न शान्त हो जाते हैं, स्त्रीपुरुष और राजाओं के दुःस्वप्नों का नाश हो जाता है। पाठ करने वालों को अतुलनीय ऐश्वर्य और आरोग्य प्राप्त होता है तथा उनके पुष्टि की वृद्धि होती है।

Sample DOB: 18:12:1973 ; TOB: 01:45:00 ; POB: Ballia (up) (INDIA)

Astrological Particulars

Date of Birth	: 18 December 1973 (Tuesday)	Sidreal Time	: 07:36:55 hrs
Astrological Day :	: Monday/Tuesday	Sun Rise Time	: 06:36:32AM
Time of Birth	: 01:45:00	Sun Set Time	: 05:03:05PM
Place of Birth	: Ballia (up) , INDIA	Aynamsha	: N.C.Lahiri (023:29:36)
Longitude	: 084:10:00E	Vikram Samvat-	: 2030
Latitude	: 025:45:00N	Saka Samvat-	: 1895
Time Zone	: -05:30:00 hrs	Samvatsar-	: Pramadi
War/Daylight Corr.	: 00:00:00 hrs	Samvatsara Lord	: Indragni
GMT at Birth	: 20:15:00 hrs	Current Dasha	: Sat-Sat-Merc
LMT Correction	: 00:06:40 hrs	Balance of Dasha	: Moon-5 y.5 m.26 d.
Local Mean Time	: 01:51:40 hrs	Bhayat	: 27: 30: 35 Ghati
IshtKaal	: 47: 52: 16 Ghati	Bhabhog	: 61: 31: 25 Ghati

Avakahada Chakra

Lagna (Ascendant)	: Virgo
Lagna Lord	: Mercury
Rashi (Moon-sign)	: Virgo
Rashi Lord	: Mercury
Nakshatra (Constellation)	: Hastha
Nakshatra-lord	: Moon
Nakshatra Charan	: 2
Paya (Posture)	: Swarna
Ritu (Season) :	: Hemanta
Masa (Month)	: Pousha
Paksha	: Krishna
Tithi (Moon's elongation)	: Navami
Tithi Class	: Rikta
Tithi Lord	: Sun
Karana (Half-Tithi)	: Garija
Karana Class	: Chara
Karana Lord	: Vasudeva
Gana (Spiritual inclination)	: Deva
Varna (Ego development)	: Vaishya
Yoni (Nature)	: Buffalo(F)
Surya Siddhanta Yoga	: Soubhagya
Rajju (Prone part)	: Kantha
Vashya (Compatibility)	: DwiPada

Planet of DOB : **Mars**

Planet of TOB : **Saturn**

Tatwa (Element)	: Agni
Tatwa Lord	: Mars
Vihaga (Symbol)	: Vayasa
Nadi (Health)	: Adi(Vata)
Nadi-pada (Constitution)	: Madhya(Pitta)
Vedha (Incompatibility with)	: Shatavisha
Adyakshara (First letter)	: Shaa

Ghatak Chakra

Rashi	: Mithuna
Masa	: Bhadra
Tithi	: 5,10,15
Day	: Saturday
Nakshatra	: Shrivana
Prahar	: 1
Lagna	: Meena
S S Yoga	: Sukarman
Karana	: Koulava

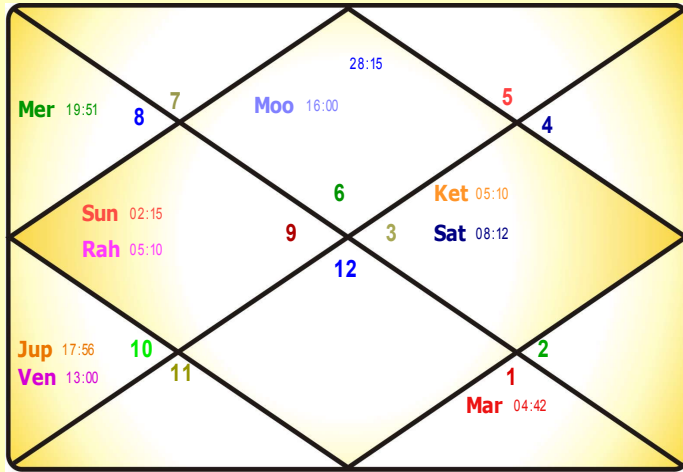
Western Astrological Particulars

Sun-sign (Western)	: Sagittarius
Decanate	: 3
Face	: VI
Moon-sign (Western)	: Libra
Ascndt-sign (Western)	: Libra
Term-lord of Sun	: Mars
Term-lord of Moon	: Venus
Term-exchange	: (Mars, Sat), (Merc, Ven), (Ven, Merc), (Sat, Mars)

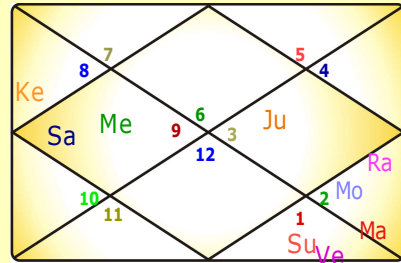
Planetary Positions & Dispositions

Planets	Signs	SignL	Degree	Nak-Pada	NakL	Karaka	Dignity	Association
Ascendant	Virgo	Mercury	28:15:29	Chitra-2	Mars	---	---	---
Sun	Sagittarius	Jupiter	02:15:49	Moola-1	Ketu	Dara	Friend's House	Eclipsed
Moon	Virgo	Mercury	16:00:57	Hastha-2	Moon	Bratri	Own Nakshtra	---
Mars	Aries	Mars	04:42:18	Ashwini-2	Ketu	Jnyati	MoolTrikona	---
Mercury	Scorpio	Mars	19:51:24	Jyestha-1	Mercury	Atma	Own Nakshtra	Combust
Jupiter	Capricorn	Saturn	17:56:39	Shravana-3	Moon	Amatya	Neutral's House	With Benefic
Venus	Capricorn	Saturn	13:00:16	Shravana-1	Moon	Matri	Friend's House	With Benefic
Saturn R	Cemini	Mercury	08:12:33	Aridra-1	Rahu	Apatya	Neutral's House	Eclipsed
Rahu R	Sagittarius	Jupiter	05:10:35	Moola-2	Ketu	---	Friend's House	With Malefic
Ketu R	Cemini	Mercury	05:10:35	Mrigashira-4	Mars	---	Neutral's House	With Malefic
Uranus	Libra	Venus	03:20:59	Chitra-4	Mars	---	---	---
Neptune	Scorpio	Mars	14:20:41	Anuradha-4	Saturn	---	---	With Benefic
Pluto	Virgo	Mercury	13:11:14	Hastha-1	Moon	---	---	With Malefic

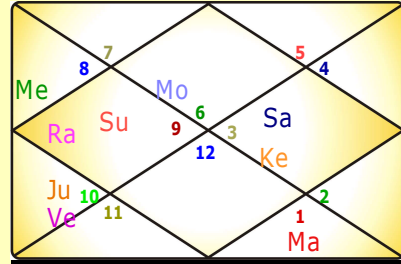
Lagna Kundali



Navamsha Kundali



Moon Kundali



Degree-Distances between Planet to Planet & Planet to Ascendant

	Asc	Sun	Moon	Mars	Mercury	Jupiter	Venus	Saturn	Rahu	Ketu	Uranus	Neptune	Pluto
Asc	---	64	348	186	52	110	105	250	67	247	5	46	345
Sun	296	---	284	122	348	46	41	186	3	183	301	342	281
Moon	12	76	---	199	64	122	117	262	79	259	17	58	357
Mars	174	238	161	---	225	283	278	64	240	60	179	220	158
Mercury	308	12	296	135	---	58	53	198	15	195	313	354	293
Jupiter	250	314	238	77	302	---	355	140	317	137	255	296	235
Venus	255	319	243	82	307	5	---	145	322	142	260	301	240
Saturn	110	174	98	296	162	220	215	---	177	357	115	156	95
Rahu	293	357	281	120	345	43	38	183	---	180	298	339	278
Ketu	113	177	101	300	165	223	218	3	180	---	118	159	98
Uranus	355	59	343	181	47	105	100	245	62	242	---	41	340
Neptune	314	18	302	140	6	64	59	204	21	201	319	---	299
Pluto	15	79	3	202	67	125	120	265	82	262	20	61	---

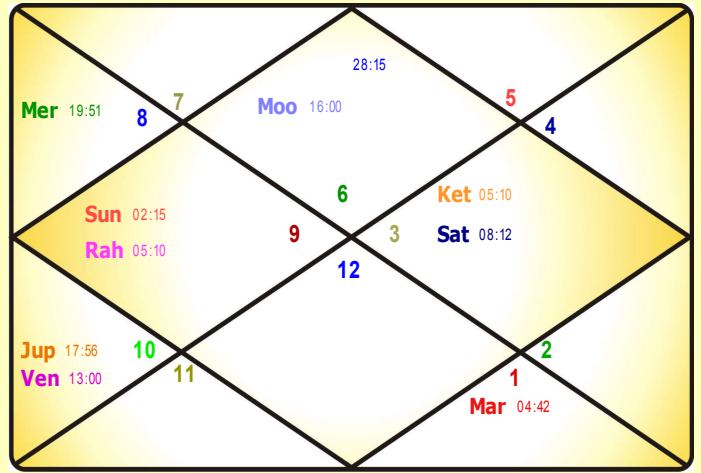
0,1,359	Conjunction	59,60,61,299,300,301	Sextile	89,90,91,269,270,271	Square
119,120,121,239,240,241	Trine	149,150,151,209,210,211	Quincunx	179,180,181	Opposition

Sample DOB: 18:12:1973 ; TOB: 01:45:00AM ; POB: Ballia (up) (INDIA)

Planetary Positions

Ascendant	Virgo	28:15:29	Chitra (2)
Sun	Sagittarius	02:15:49	Moola (1)
Moon	Virgo	16:00:57	Hastha (2)
Mars	Aries	04:42:18	Ashwini (2)
Mercury	Scorpio	19:51:24	Jyestha (1)
Jupiter	Capricorn	17:56:39	Shravana (3)
Venus	Capricorn	13:00:16	Shravana (1)
Saturn R	Gemini	08:12:33	Aridra (1)
Rahu R	Sagittarius	05:10:35	Moola (2)
Ketu R	Gemini	05:10:35	Mrigashira (4)
Uranus	Libra	03:20:59	Chitra (4)
Neptune	Scorpio	14:20:41	Anuradha (4)
Pluto	Virgo	13:11:14	Hastha (1)

Lagna Kundali

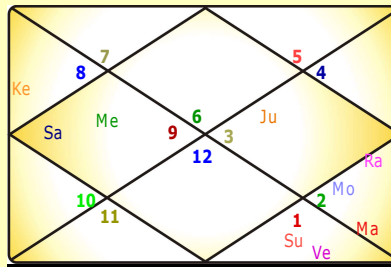


Vimshottari Dasha

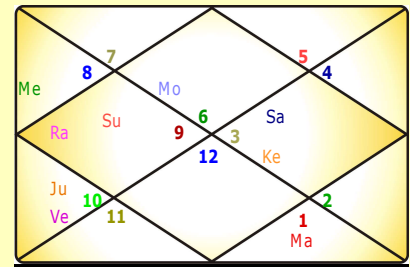
Dasha balance at birth : Moon (5 y.5 m.26 d.)

Dasha Lord	Duration	From.....To
Moon Dasha	5 y.5 m.26 d.	18:12:1973 --- 14:06:1979
Mars Dasha	7 y.0 m.0 d.	14:06:1979 --- 14:06:1986
Rahu Dasha	18 y.0 m.0 d.	14:06:1986 --- 13:06:2004
Jupiter Dasha	16 y.0 m.0 d.	13:06:2004 --- 13:06:2020
Saturn Dasha	19 y.0 m.0 d.	13:06:2020 --- 14:06:2039
Mercury Dasha	17 y.0 m.0 d.	14:06:2039 --- 13:06:2056
Ketu Dasha	7 y.0 m.0 d.	13:06:2056 --- 14:06:2063
Venus Dasha	20 y.0 m.0 d.	14:06:2063 --- 14:06:2083
Sun Dasha	6 y.0 m.0 d.	14:06:2083 --- 14:06:2089

Navamsha Kundali



Moon Kundali



Saturn Dasha
13:06:2020 --- 14:06:2039

Antara	Staring From
Saturn	13:06:2020
Mercury	17:06:2023
Ketu	24:02:2026
Venus	05:04:2027
Sun	05:06:2030
Moon	17:05:2031
Mars	16:12:2032
Rahu	25:01:2034
Jupiter	01:12:2036

Saturn Antara
13:06:2020 To 17:06:2023

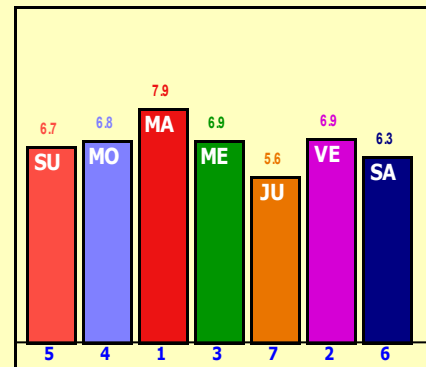
Patyantara	Staring From
Saturn	13:06:2020
Mercury	05:12:2020
Ketu	09:05:2021
Venus	12:07:2021
Sun	11:01:2022
Moon	07:03:2022
Mars	07:06:2022
Rahu	10:08:2022
Jupiter	21:01:2023

Sarvashtaka Varga

Signs	Ar	Ta	Ge	Cn	Le	Vi	Li	Sc	Sa	Cp	Aq	Pi	
Houses	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
Saturn	2	1	6	4	3	4	3	5	4	2	3	2	39
Jupiter	3	5	3	6	4	4	7	5	3	5	6	5	56
Mars	4	2	4	3	1	4	3	5	3	3	5	2	39
Sun	3	2	6	7	3	4	3	4	5	4	4	3	48
Venus	5	4	1	4	5	7	6	5	3	5	3	4	52
Mercury	7	3	4	5	4	4	5	5	5	4	5	3	54
Moon	3	4	5	5	4	5	4	6	2	3	5	3	49
Total	27	21	29	34	24	32	31	35	25	26	31	22	337
Ascndt	5	3	6	3	4	6	2	6	1	3	7	3	49
Rahu	4	5	6	2	4	2	3	3	5	4	2	4	44

Bhava	Bhava Mid	Bhava Span (FromTo)				
I	Virgo	28:15:29	Virgo	13:22:19	Libra	13:22:19
II	Libra	28:29:08	Libra	13:22:19	Scorpio	13:35:58
III	Scorpio	28:42:47	Scorpio	13:35:58	Sagittarius	13:49:37
IV	Sagittarius	28:56:27	Sagittarius	13:49:37	Capricorn	13:49:37
V	Capricorn	28:42:47	Capricorn	13:49:37	Aquarius	13:35:58
VI	Aquarius	28:29:08	Aquarius	13:35:58	Pisces	13:22:19
VII	Pisces	28:15:29	Pisces	13:22:19	Aries	13:22:19
VIII	Aries	28:29:08	Aries	13:22:19	Taurus	13:35:58
IX	Taurus	28:42:47	Taurus	13:35:58	Gemini	13:49:37
X	Gemini	28:56:27	Gemini	13:49:37	Cancer	13:49:37
XI	Cancer	28:42:47	Cancer	13:49:37	Leo	13:35:58
XII	Leo	28:29:08	Leo	13:35:58	Virgo	13:22:19

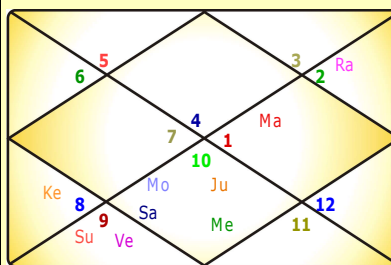
Shadbala



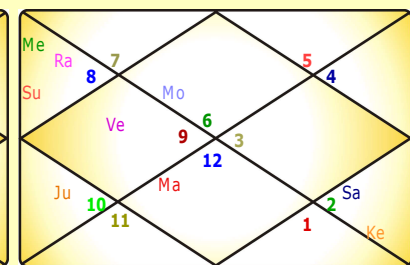
Transit Saturn (Shani-Sadhesati)

First Dhayya	Leo	01:11:2006-10:01:2007	Tamra
	Leo	16:07:2007-10:09:2009	
Second Dhayya	Virg	10:09:2009-15:11:2011	Swarna
	Virg	16:05:2012-04:08:2012	
Third Dhayya	Libr	15:11:2011-16:05:2012	Roupya
	Libr	04:08:2012-02:11:2014	
Kantak Shani	Sagi	26:01:2017-21:06:2017	Tamra
	Sagi	26:10:2017-24:01:2020	
Ashtam Shani	Arie	03:06:2027-20:10:2027	Tamra
	Arie	23:02:2028-08:08:2029	

Transit Kundali



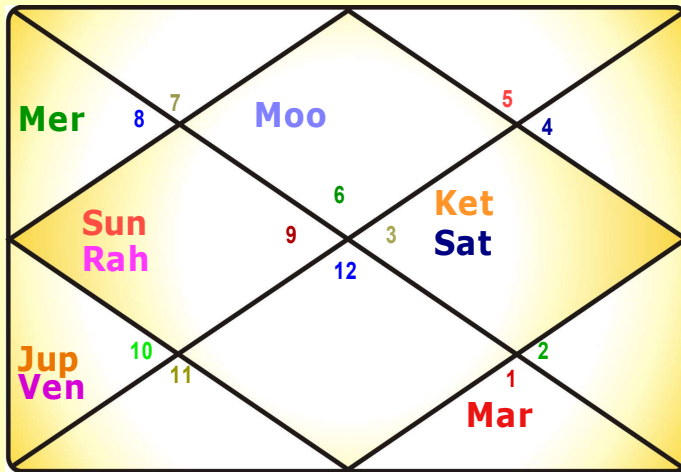
Bhava-Chalit Kundali



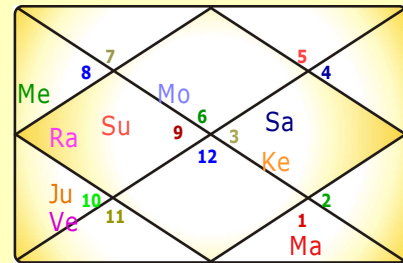
Bhava Sphutas & Kundalis

Bhava No.	Bhava Mid		Bhava Span (FromTo)			
I	Virgo	28:15:29	Virgo	13:22:19	Libra	13:22:19
II	Libra	28:29:08	Libra	13:22:19	Scorpio	13:35:58
III	Scorpio	28:42:47	Scorpio	13:35:58	Sagittarius	13:49:37
IV	Sagittarius	28:56:27	Sagittarius	13:49:37	Capricorn	13:49:37
V	Capricorn	28:42:47	Capricorn	13:49:37	Aquarius	13:35:58
VI	Aquarius	28:29:08	Aquarius	13:35:58	Pisces	13:22:19
VII	Pisces	28:15:29	Pisces	13:22:19	Aries	13:22:19
VIII	Aries	28:29:08	Aries	13:22:19	Taurus	13:35:58
IX	Taurus	28:42:47	Taurus	13:35:58	Gemini	13:49:37
X	Gemini	28:56:27	Gemini	13:49:37	Cancer	13:49:37
XI	Cancer	28:42:47	Cancer	13:49:37	Leo	13:35:58
XII	Leo	28:29:08	Leo	13:35:58	Virgo	13:22:19

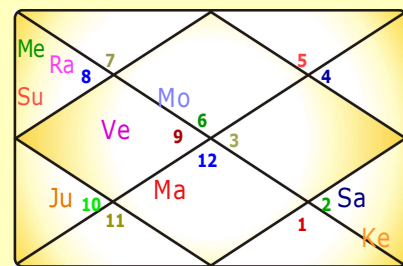
Lagna Kundali



Bhava Kundali



Bhava-Chalit Kundali



Degree-Distances between Planet to House-Cusps (Bhava-Mid)

	Sun	Moon	Mars	Mercury	Jupiter	Venus	Saturn	Rahu	Ketu	Uranus	Neptune	Pluto
Asc dt	64	348	186	52	110	105	250	67	247	5	46	345
H-II	34	318	156	21	79	75	220	37	217	335	16	315
H-III	4	287	126	351	49	44	189	6	186	305	346	284
Nadir	333	257	96	321	19	14	159	336	156	274	315	254
H-V	304	227	66	291	349	344	129	306	126	245	286	224
H-VI	274	198	36	261	319	315	100	277	97	215	256	195
Desc dt	244	168	6	232	290	285	70	247	67	185	226	165
H-VIII	214	138	336	201	259	255	40	217	37	155	196	135
H-IX	184	107	306	171	229	224	9	186	6	125	166	104
M.C.	153	77	276	141	199	194	339	156	336	94	135	74
H-XI	124	47	246	111	169	164	309	126	306	65	106	44
H-XII	94	18	216	81	139	135	280	97	277	35	76	15

0,1,359	Conjunction	59,60,61,299,300,301	Sextile	89,90,91,269,270,271	Square
119,120,121,239,240,241	Trine	149,150,151,209,210,211	Quincunx	179,180,181	Opposition

Maitri Chakra

Naisargika Maitri

Planets	Sun	Moon	Mars	Mercury	Jupiter	Venus	Saturn	Rahu	Ketu	
☉	Sun	----	Friend	Friend	Neutral	Friend	Enemy	Enemy	Enemy	Enemy
☾	Moon	Friend	----	Neutral	Friend	Neutral	Neutral	Neutral	Enemy	Enemy
♂	Mars	Friend	Friend	----	Enemy	Friend	Neutral	Neutral	Enemy	Friend
☿	Mercury	Friend	Enemy	Neutral	----	Neutral	Friend	Neutral	Neutral	Neutral
♃	Jupiter	Friend	Friend	Friend	Enemy	----	Enemy	Neutral	Friend	Neutral
♀	Venus	Enemy	Enemy	Neutral	Friend	Neutral	----	Friend	Friend	Friend
♄	Saturn	Enemy	Enemy	Enemy	Friend	Neutral	Friend	----	Friend	Friend
♁	Rahu	Enemy	Enemy	Enemy	Neutral	Friend	Friend	Friend	----	Neutral
♂	Ketu	Enemy	Enemy	Friend	Neutral	Neutral	Friend	Friend	Neutral	----

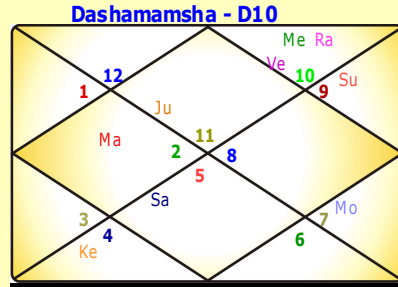
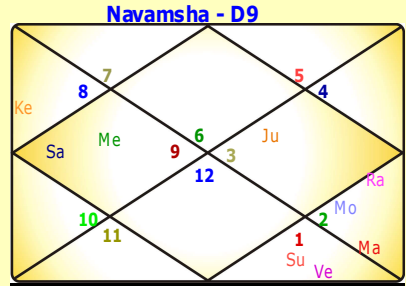
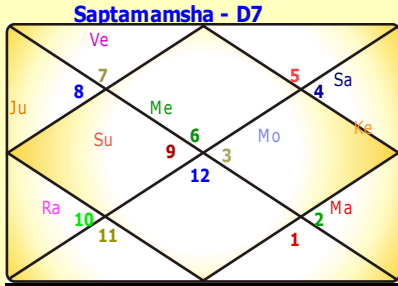
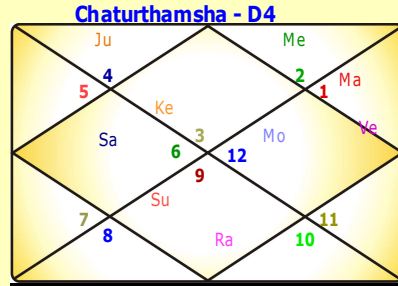
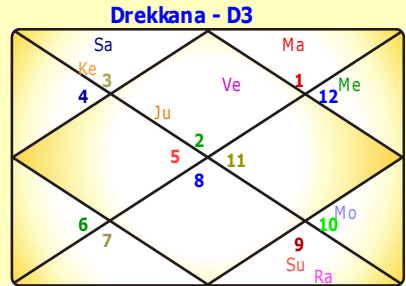
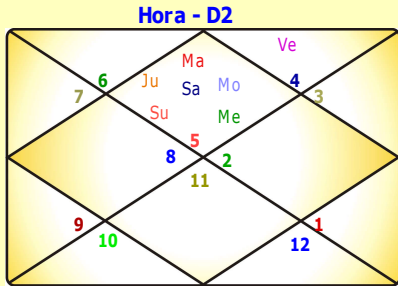
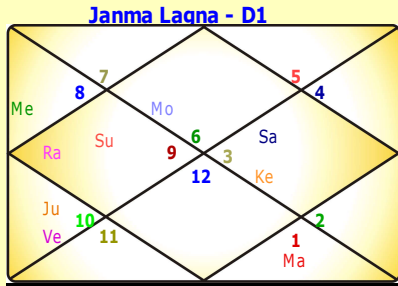
Tatkalika Maitri

Planets	Sun	Moon	Mars	Mercury	Jupiter	Venus	Saturn	Rahu	Ketu	
☉	Sun	----	Friend	Enemy	Friend	Friend	Friend	Enemy	Enemy	Enemy
☾	Moon	Friend	----	Enemy	Friend	Enemy	Enemy	Friend	Friend	Friend
♂	Mars	Enemy	Enemy	----	Enemy	Friend	Friend	Friend	Enemy	Friend
☿	Mercury	Friend	Friend	Enemy	----	Friend	Friend	Enemy	Friend	Enemy
♃	Jupiter	Friend	Enemy	Friend	Friend	----	Enemy	Enemy	Friend	Enemy
♀	Venus	Friend	Enemy	Friend	Friend	Enemy	----	Enemy	Friend	Enemy
♄	Saturn	Enemy	Friend	Friend	Enemy	Enemy	Enemy	----	Enemy	Enemy
♁	Rahu	Enemy	Friend	Enemy	Friend	Friend	Friend	Enemy	----	Enemy
♂	Ketu	Enemy	Friend	Friend	Enemy	Enemy	Enemy	Enemy	Enemy	----

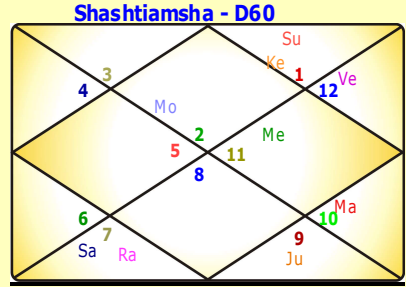
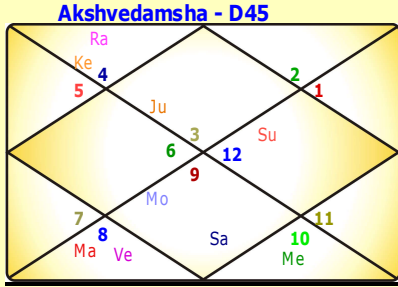
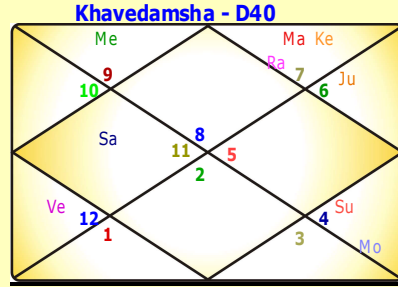
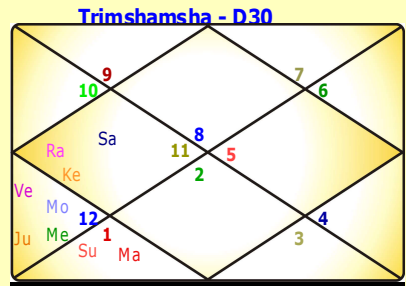
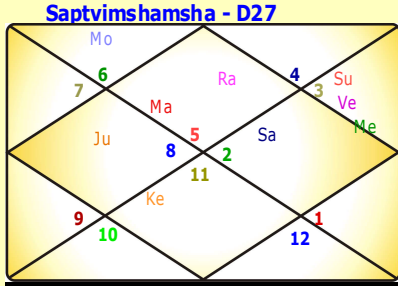
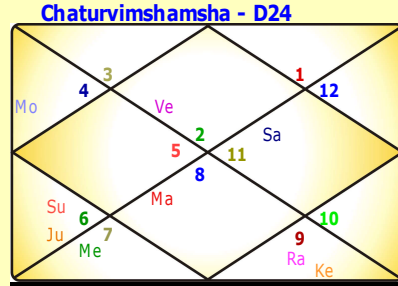
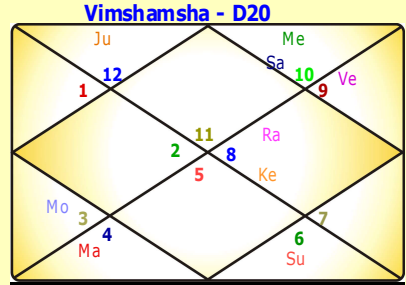
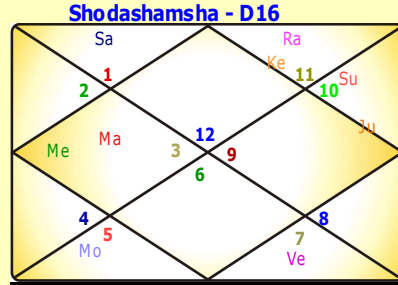
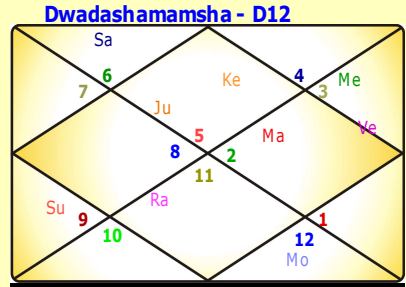
Panchadha Maitri

Planets	Sun	Moon	Mars	Mercury	Jupiter	Venus	Saturn	Rahu	Ketu	
☉	Sun	----	G.Friend	Neutral	Friend	G.Friend	Neutral	G.Enemy	G.Enemy	G.Enemy
☾	Moon	G.Friend	----	Enemy	G.Friend	Enemy	Enemy	Friend	Neutral	Neutral
♂	Mars	Neutral	Neutral	----	G.Enemy	G.Friend	Friend	Friend	G.Enemy	G.Friend
☿	Mercury	G.Friend	Neutral	Enemy	----	Friend	G.Friend	Enemy	Friend	Enemy
♃	Jupiter	G.Friend	Neutral	G.Friend	Neutral	----	G.Enemy	Enemy	G.Friend	Enemy
♀	Venus	Neutral	G.Enemy	Friend	G.Friend	Enemy	----	Neutral	G.Friend	Neutral
♄	Saturn	G.Enemy	Neutral	Neutral	Neutral	Enemy	Neutral	----	Neutral	Neutral
♁	Rahu	G.Enemy	Neutral	G.Enemy	Friend	G.Friend	G.Friend	Neutral	----	Enemy
♂	Ketu	G.Enemy	Neutral	G.Friend	Enemy	Enemy	Neutral	Neutral	Enemy	----

Shodash Varga



- D1** Main Chart, Everything, Overall
- D2** Prosperity, Wealth
- D3** Siblings, their lives and well being
- D4** Luck and Residence
- D7** Children, Grand Children
- D9** Spouce, General overall with Rashi
- D10** Profession, Success of all matters
- D12** Parents, their lives and well being
- D16** Ones relationship to Vehicles
- D20** Spiritual undertakings
- D24** Education, Learning, Brains
- D27** Strenths and Weaknesses
- D30** Miseries, Troubles, Disasters
- D40** Auspicious/Inauspicious Events
- D45** All things-Everythings-Overall
- D60** All things-Everythings-Overall



Shadbala of Planets

Strength Name	Sun	Moon	Mars	Mercury	Jupiter	Venus	Saturn
Uchcha Bala	17.42	15.66	37.77	38.38	04.31	35.33	16.07
Sapta-Varga Bala	135.00	93.75	157.50	131.25	110.63	110.63	65.63
Yugma-Ayugma Bala	30.00	30.00	15.00	15.00	15.00	15.00	30.00
Kendradi Bala	60.00	60.00	30.00	15.00	30.00	30.00	60.00
Drekkana Bala	15.00	00.00	15.00	15.00	00.00	00.00	00.00
Sthana Bala	257.42	199.41	255.27	214.63	159.94	190.96	171.69
Required Sthana Bala	165	133	96	165	165	133	96
% of Required	156.01	149.93	265.90	130.08	96.93	143.58	178.85
Dig Bala	08.89	25.69	31.92	42.80	23.44	55.31	36.68
Required Dig Bala	35	50	30	35	35	50	30
% of Required	25.41	51.38	106.40	122.29	66.97	110.62	122.28
Natonnata Bala	09.58	50.42	50.42	09.58	00.00	09.58	50.42
Paksha Bala	34.58	25.42	34.58	25.42	25.42	25.42	34.58
Tribhaga Bala	00.00	00.00	00.00	00.00	60.00	60.00	00.00
Varsha Bala	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	15.00
Masa Bala	00.00	00.00	00.00	30.00	00.00	00.00	00.00
Dina Bala	00.00	00.00	45.00	00.00	00.00	00.00	00.00
Hora Bala	60.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
Ayana Bala	00.30	34.23	43.09	57.64	07.83	06.24	00.12
Yuddha Bala	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
Kaala Bala	104.47	110.06	173.09	122.64	93.25	101.24	100.12
Required Kaala Bala	112	100	67	112	112	100	67
% of Required	93.28	110.06	258.35	109.50	83.26	101.24	149.44
Chesta Bala	00.30	25.42	07.50	30.00	45.00	45.00	60.00
Required Chesta Bala	50	30	40	50	50	30	40
% of Required	00.60	84.72	18.75	60.00	90.00	150.00	150.00
Naisargika Bala	60.00	51.43	17.14	25.71	34.29	42.86	08.57
Drik Bala	-31.39	-02.62	-10.34	-23.64	-17.60	-19.69	00.23
Total Shadbala	399.69	409.39	474.58	412.14	338.31	415.68	377.30
Shadbala in Rupas	6.66	6.82	7.91	6.87	5.64	6.93	6.29
Minimum Required	390	360	300	420	390	330	300
% of Required	102.48	113.72	158.19	98.13	86.75	125.96	125.77
Relative Ranking	5	4	1	3	7	2	6
Ishta Phala	04.96	19.95	16.83	33.93	13.93	39.88	31.05
Kashta Phala	55.04	40.05	43.17	26.07	46.07	20.12	28.95
Deepti Bala	100.00	25.42	40.81	26.59	15.23	52.01	58.02

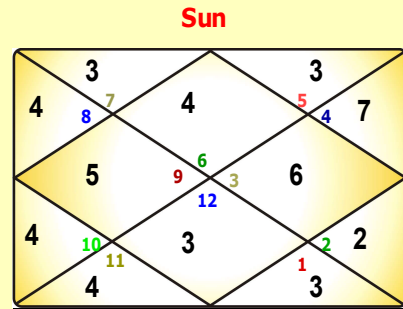
Bhava Bala

Bhava No.	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
Bhava Rashi	Virg	Libr	Scor	Sagi	Cpcn	Aqua	Pisc	Arie	Taur	Gemi	Cncr	Leo
Bhavahipati Bala	412.14	415.68	474.58	338.31	377.30	377.30	338.31	474.58	415.68	412.14	409.39	399.69
Bhava Dik-Bala	60.00	50.00	20.00	00.00	50.00	10.00	30.00	40.00	50.00	30.00	10.00	40.00
Bhava Drishti-Bala	-09.32	26.29	-27.68	-21.62	-14.73	-13.15	-22.75	24.81	-23.33	-07.66	-09.70	-01.82
Total Bhava Bala	462.82	491.97	466.91	316.69	412.57	374.15	345.57	539.39	442.35	434.49	409.69	437.87
Bhava Bala in Rupas	7.71	8.20	7.78	5.28	6.88	6.24	5.76	8.99	7.37	7.24	6.83	7.30
Bhava Rank	4	2	3	12	8	10	11	1	5	7	9	6

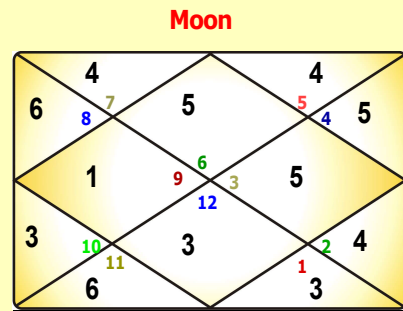
Ashtakvarga System - Bhinnashtakvarga

[AshtakVarga Sidhant - Parashar For Janma Lagna Kundali (Parashari Sidhant)]

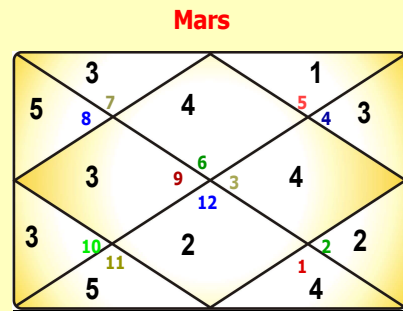
Sun													
Signs	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
Houses	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♃ Sat	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
♃ Jup	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	4
♂ Mar	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
☉ Sun	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	8
♀ Ven	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	3
♁ Merc	1	0	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	7
☾ Moon	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
♈ Asc	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	6
Total	3	2	6	7	3	4	3	4	5	4	4	3	48



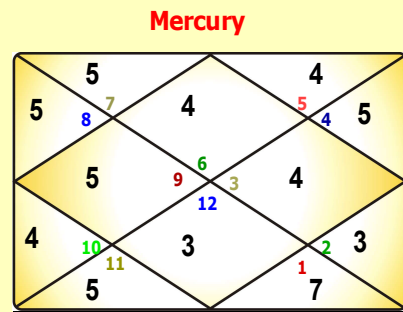
Moon													
Signs	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
Houses	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♃ Sat	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
♃ Jup	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	7
♂ Mar	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	1	0	7
☉ Sun	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	6
♀ Ven	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	7
♁ Merc	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
☾ Moon	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	1	6
♈ Asc	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
Total	3	4	5	5	4	5	4	6	1	3	6	3	49



Mars													
Signs	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
Houses	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♃ Sat	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	7
♃ Jup	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	0	4
♂ Mar	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
☉ Sun	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	5
♀ Ven	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	4
♁ Merc	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	4
☾ Moon	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	3
♈ Asc	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
Total	4	2	4	3	1	4	3	5	3	3	5	2	39



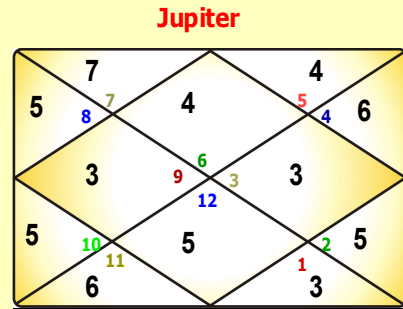
Mercury													
Signs	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
Houses	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♃ Sat	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
♃ Jup	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	4
♂ Mar	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
☉ Sun	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	5
♀ Ven	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
♁ Merc	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	1	8
☾ Moon	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	6
♈ Asc	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	7
Total	7	3	4	5	4	4	5	5	5	4	5	3	54



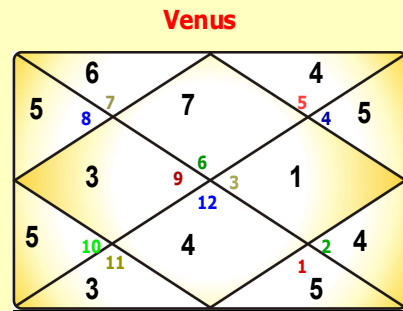
Ashtakvarga System - Bhinnashtakvarga

[AshtakVarga Sidhant - Parashar For Janma Lagna Kundali (Parashari Sidhant)]

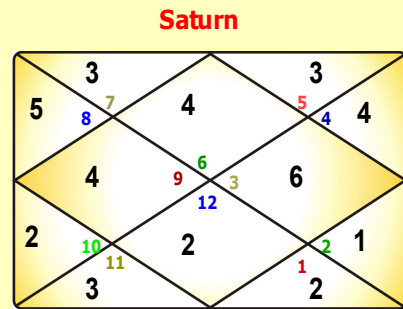
Jupiter												
Signs	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
houses	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
Sat	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
Jup	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	8
Mar	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
Sun	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	9
Ven	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	6
Merc	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	1	8
Moon	0	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	5
Asc	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	9
Total	3	5	3	6	4	4	7	5	3	5	6	56



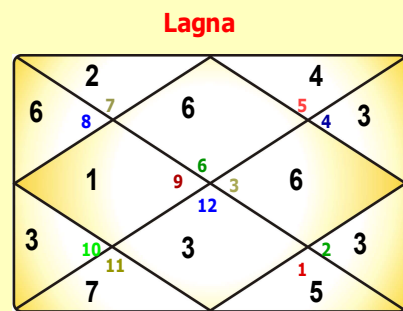
Venus													
Signs	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
houses	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
Sat	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	7	
Jup	0	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	5	
Mar	0	0	1	1	0	1	0	0	1	0	1	6	
Sun	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	0	3	
Ven	1	1	0	0	1	1	1	1	0	1	1	9	
Merc	1	0	0	1	0	1	0	0	0	1	0	5	
Moon	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	9	
Asc	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	8	
Total	5	4	1	5	4	7	6	5	3	5	3	4	52



Saturn													
Signs	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
houses	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
Sat	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4	
Jup	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	4	
Mar	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	6	
Sun	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	7	
Ven	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	3	
Merc	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	6	
Moon	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3	
Asc	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	6	
Total	2	1	6	4	3	4	3	5	4	2	3	2	39



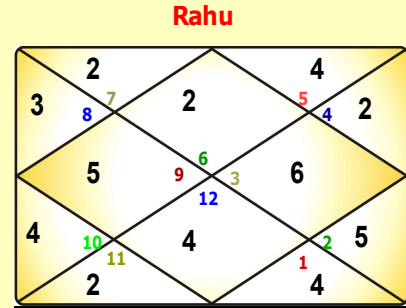
Ascendant													
Signs	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
houses	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
Sat	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	6	
Jup	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	9	
Mar	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5	
Sun	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	6	
Ven	1	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	7	
Merc	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7	
Moon	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	5	
Asc	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	4	
Total	5	3	6	3	4	6	2	6	1	3	7	3	49



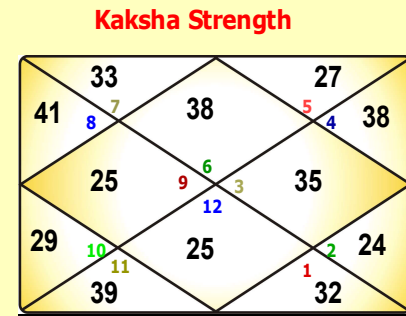
Ashtakvarga System - Bhinnashtakvarga

[AshtakVarga Sidhant - Parashar For Janma Lagna Kundali (Parashari Sidhant)]

Rahu													
Signs	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
houses	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ Sat	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	0	1	6
♃ Jup	1	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	1	5
♂ Mar	0	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	4
☉ Sun	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	0	7
♀ Ven	0	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	4
♁ Merc	0	1	1	0	0	0	1	0	1	0	1	0	5
☾ Moon	1	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	7
♅ Asc	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	0	0	5
Total	4	5	6	2	4	2	2	3	5	4	2	4	43



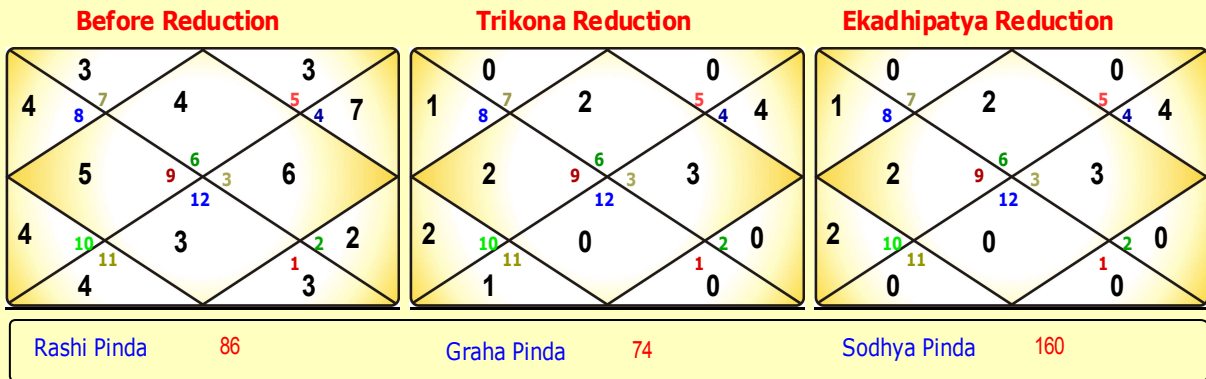
Kaksha Strength													
Signs	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
houses	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ Sat	7	1	4	2	5	5	4	4	3	4	4	5	48
♃ Jup	3	4	5	3	4	3	5	8	3	3	3	1	45
♂ Mar	5	5	4	5	2	4	4	4	4	7	8	2	54
☉ Sun	2	4	4	5	3	6	8	3	3	3	4	4	49
♀ Ven	4	5	4	2	4	5	3	6	3	3	4	4	47
♁ Merc	7	1	3	5	6	8	3	4	2	5	3	6	53
☾ Moon	2	2	4	8	2	2	3	6	2	2	6	2	41
♅ Asc	2	2	7	8	1	5	3	6	5	2	7	1	49
Total	32	24	35	38	27	38	33	41	25	29	39	25	86



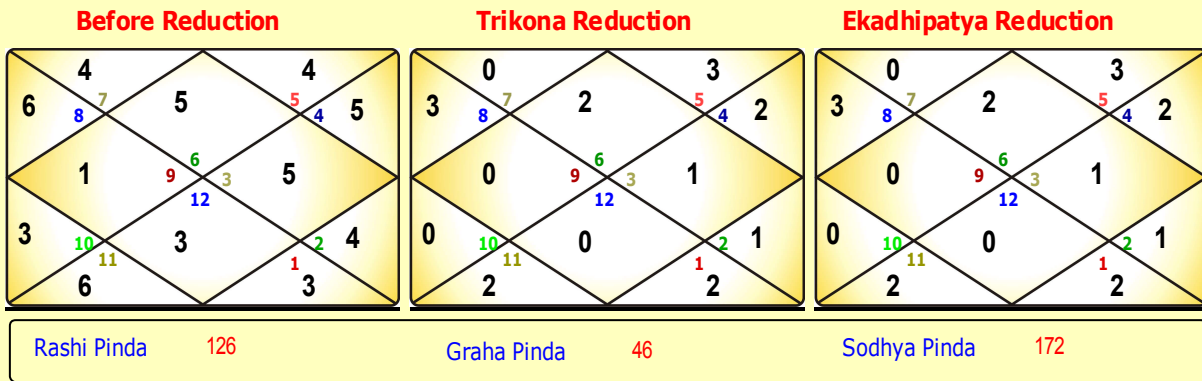
Ashtakvarga System - Trikona & Ekadhipatya Sodhan

[AshtakVarga Sidhant - Parashar For Janma Lagna Kundali (Parashari Sidhant)]

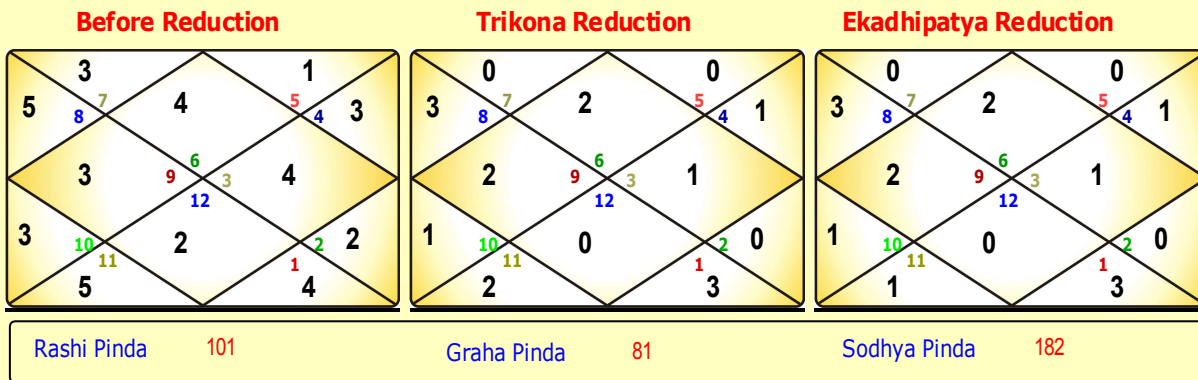
Sun



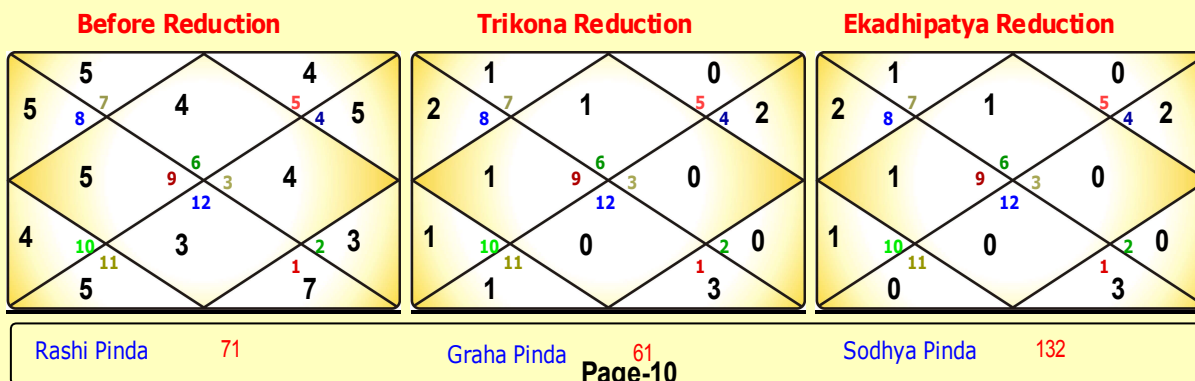
Moon



Mars



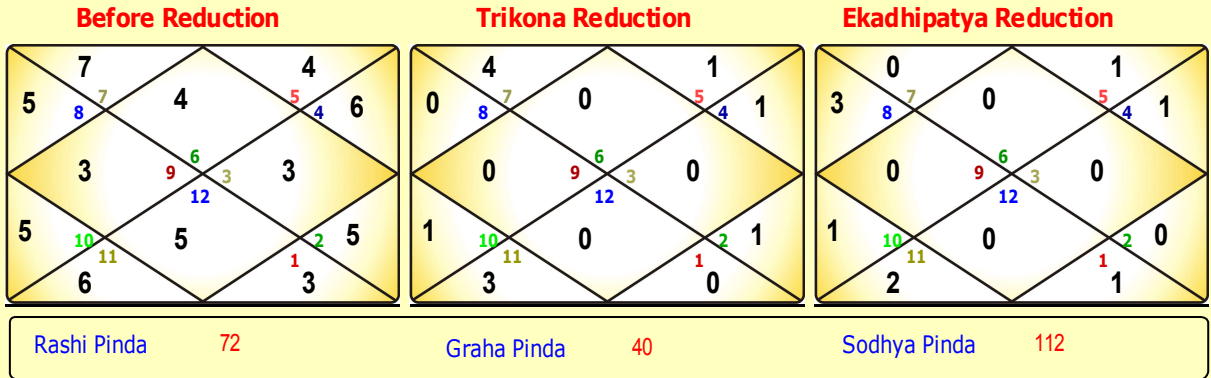
Mercury



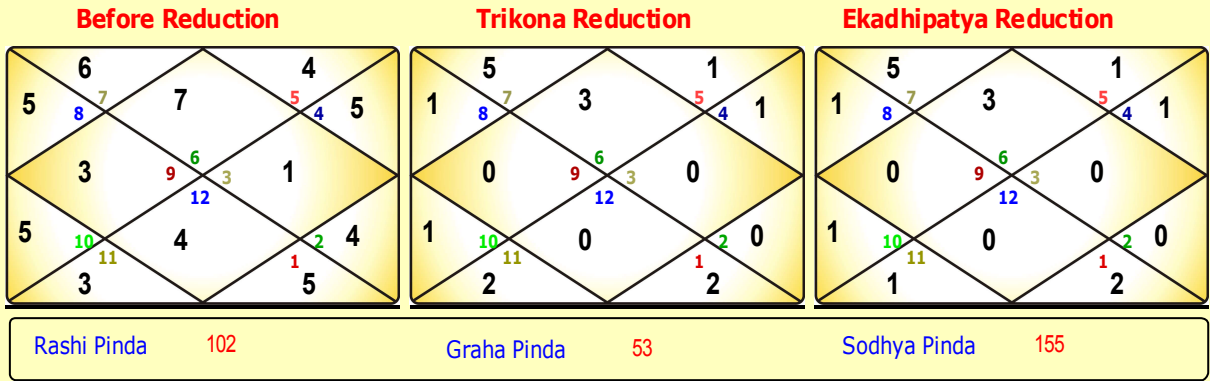
Ashtakvarga System - Trikona & Ekadhipatya Sodhan

[AshtakVarga Sidhant - Parashar For Janma Lagna Kundali (Parashari Sidhant)]

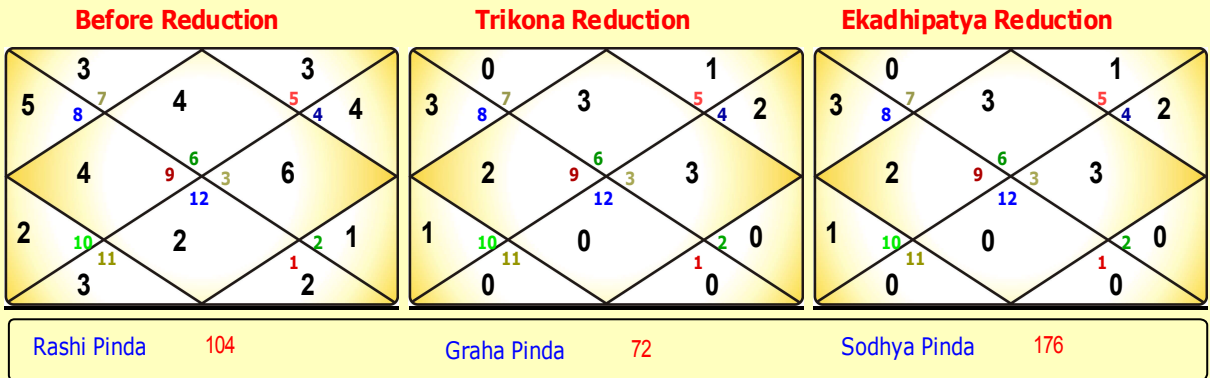
Jupiter



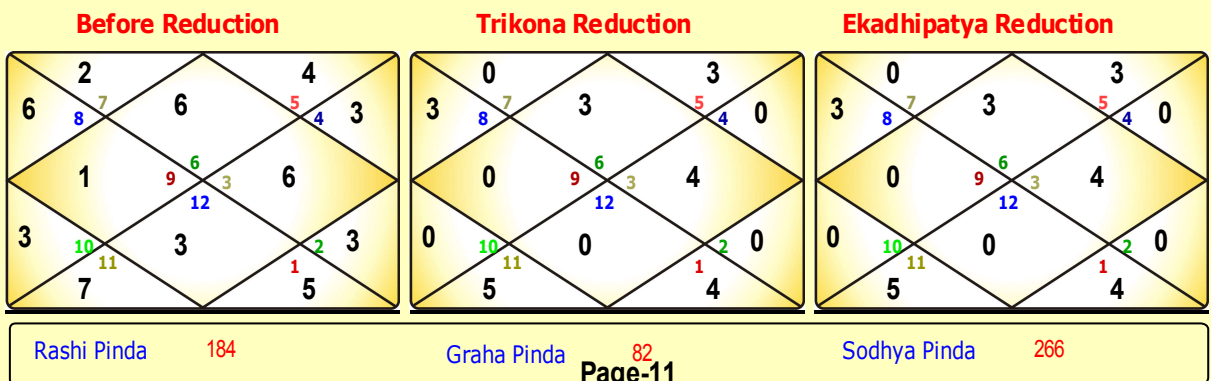
Venus



Saturn



Ascendant



Observations from Sarvashtakavarga

SarvashtakaVarga

Signs	Arie	Taur	Gemi	Cncr	Leo	Virg	Libr	Scor	Sagi	Cpcn	Aqua	Pisc	
Houses	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ Saturn	2	1	6	4	3	4	3	5	4	2	3	2	39
♃ Jupiter	3	5	3	6	4	4	7	5	3	5	6	5	56
♂ Mars	4	2	4	3	1	4	3	5	3	3	5	2	39
☉ Sun	3	2	6	7	3	4	3	4	5	4	4	3	48
♀ Venus	5	4	1	5	4	7	6	5	3	5	3	4	52
☿ Mercury	7	3	4	5	4	4	5	5	5	4	5	3	54
☾ Moon	3	4	5	5	4	5	4	6	1	3	6	3	49
Total	27	21	29	35	23	32	31	35	24	26	32	22	337
♈ Ascndt	5	3	6	3	4	6	2	6	1	3	7	3	49
♆ Rahu	4	5	6	2	4	2	2	3	5	4	2	4	43

Tatwa Chakra

SAV Dots In	Optimum	Obtained	Favorable Direction
Agni Trikona	84.25	74	East
Prithvi Trikona	84.25	79	South
Vayu Trikona	84.25	92	West
Jala Trikona	84.25	92	North

[N.B. : The highest number of dots indicate the most favourable direction (E, S, W or N). If two sections have equal or near-equal number of dots, then the direction will be somewhere in-between (NE, NW, SE or SW); it might even be completely changed -- in case of diametrically opposites (N/ S to E or W; E/ W to N or S) -- depending on which of the two possible options has more number of dots.]

Bhubana Chakra

SAV Dots In	Optimum	Obtained	Indications
Kendra House-signs	112.33	107	Actions & Endeavours
Panaphara House-signs	112.33	119	Financial position
Apoklima House-signs	112.33	111	Wasteful expenses

Disha Chakra

Bhaga	SAV Dots In	Optimum	Obtained	Indications
Bandhuka	Bhagya Trikona	84.25	79	Help from relatives/ friends
Sevaka	Karma Trikona	84.25	92	Gains from service
Poshaka	Labha Trikona	84.25	92	Advantages & Wealth
Ghataka	Vyaya Trikona	84.25	74	Misfortunes & Losses

Yoga from Sarvashtakavarga

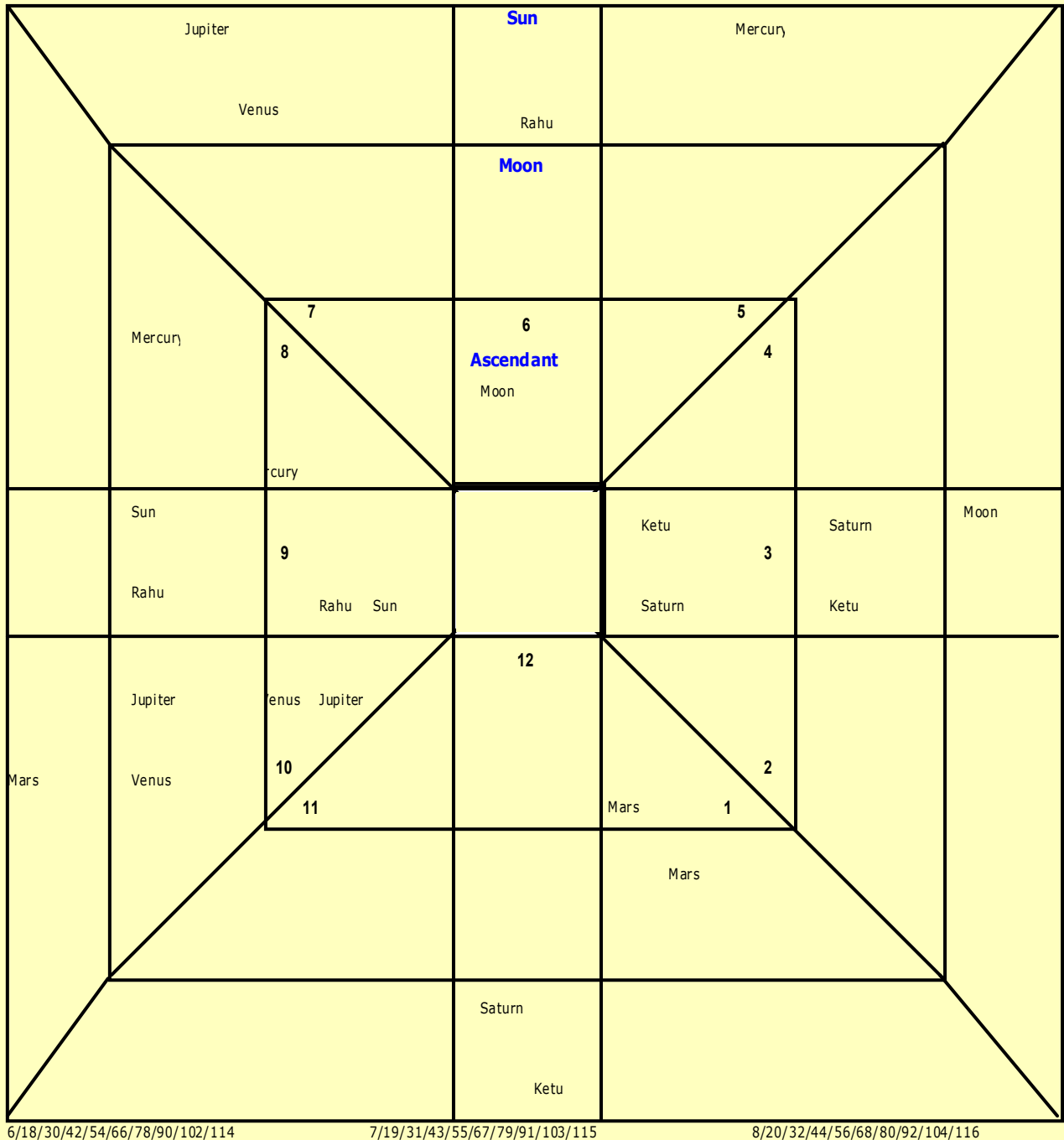
Damruka Yoga : Since the middle zone (from 5th to 8th house-signs) contain the least number of benefic dots in Sarvashtakavarga, Damruka Yoga is present in your chart. You will enjoy more prosperity during the first part (till about 24 years) and the third part (approx 48 to 72 years) of life, in comparison to the second part (approx 24 to 48 years).

Sudarshan Chakra

2/14/26/38/50/62/74/86/98/110

1/13/25/37/49/61/73/85/97/109

12/24/36/48/60/72/84/96/108/120



Sudarshan Chakra indicates the cumulative influence of benefic and malefic planets as reckoned from : (i) the Ascendant, (ii) the Moon and (iii) the Sun at a glance. This also pinpoints the corresponding age-periods during which those influences will operate.

If the influences are of natural benefic planets (Jupiter, Venus, Mercury, Waxing Moon) only, then the whole year will be enjoyable and auspicious events will take place.

If the influences are of natural malefic planets (Mars, Saturn, Rahu, Ketu, Sun, Waning Moon) only, then the year might be problematic and inauspicious happenings are likely to take place.

Saturn Transit**(Shani-Sadhesati)**










द्वादशे जन्मगौ राशौ द्वितीये च शनैश्चर।
सर्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुर्खैर्युतो भवेत् ॥

(The seven and half year period during which Saturn transits in the twelfth, first and second from the birth rashi (Moon Sign) is called sadhesati of Saturn.)

First Cycle of Sadhesati					
Sadhesati Cycle	Transit in Sign	Begining Date	Ending Date	Duration (Y-M-D)	Saturn Moorti
First Dhayya (Twelfth from birth rashi)	Leo	07:09:1977	04:11:1979	2 y.1 m.27 d.	Tamra
Second Dhayya (On birth rashi)	Virgo	04:11:1979	15:03:1980	0 y.4 m.12 d.	Swarna
Third Dhayya (Second from birth rashi)	Virgo	27:07:1980	06:10:1982	2 y.2 m.10 d.	Roupya
Kantak Shani (4th from birth rashi)	Libra	06:10:1982	21:12:1984	2 y.2 m.15 d.	Tamra
Ashtam Shani (8th from birth rashi)	Libra	01:06:1985	17:09:1985	0 y.3 m.17 d.	Tamra
	Sagittarius	17:12:1987	21:03:1990	2 y.3 m.3 d.	Tamra
	Sagittarius	20:06:1990	15:12:1990	0 y.5 m.26 d.	Tamra
	Aries	17:04:1998	07:06:2000	2 y.1 m.21 d.	Tamra
Second Cycle of Sadhesati					
Sadhesati Cycle	Transit in Sign	Begining Date	Ending Date	Duration (Y-M-D)	Saturn Moorti
First Dhayya (Twelfth from birth rashi)	Leo	01:11:2006	10:01:2007	0 y.2 m.9 d.	Tamra
Second Dhayya (On birth rashi)	Leo	16:07:2007	10:09:2009	2 y.1 m.25 d.	Swarna
Third Dhayya (Second from birth rashi)	Virgo	10:09:2009	15:11:2011	2 y.2 m.5 d.	Roupya
Kantak Shani (4th from birth rashi)	Virgo	16:05:2012	04:08:2012	0 y.2 m.19 d.	Tamra
Ashtam Shani (8th from birth rashi)	Libra	15:11:2011	16:05:2012	0 y.6 m.0 d.	Tamra
	Libra	04:08:2012	02:11:2014	2 y.2 m.28 d.	Tamra
	Sagittarius	26:01:2017	21:06:2017	0 y.4 m.24 d.	Tamra
	Sagittarius	26:10:2017	24:01:2020	2 y.2 m.29 d.	Tamra
	Aries	03:06:2027	20:10:2027	0 y.4 m.17 d.	Tamra
	Aries	23:02:2028	08:08:2029	1 y.5 m.14 d.	Tamra
Third Cycle of Sadhesati					
Sadhesati Cycle	Transit in Sign	Begining Date	Ending Date	Duration (Y-M-D)	Saturn Moorti
First Dhayya (Twelfth from birth rashi)	Leo	27:08:2036	22:10:2038	2 y.1 m.25 d.	Tamra
Second Dhayya (On birth rashi)	Leo	05:04:2039	13:07:2039	0 y.3 m.8 d.	Swarna
Third Dhayya (Second from birth rashi)	Virgo	22:10:2038	05:04:2039	0 y.5 m.13 d.	Roupya
Kantak Shani (4th from birth rashi)	Virgo	13:07:2039	28:01:2041	1 y.6 m.16 d.	Tamra
Ashtam Shani (8th from birth rashi)	Libra	28:01:2041	06:02:2041	0 y.0 m.9 d.	Tamra
	Libra	26:09:2041	12:12:2043	2 y.2 m.16 d.	Tamra
	Sagittarius	08:12:2046	06:03:2049	2 y.2 m.27 d.	Tamra
	Sagittarius	10:07:2049	04:12:2049	0 y.4 m.25 d.	Tamra
	Aries	07:04:2057	28:05:2059	2 y.1 m.20 d.	Tamra

Vimshottari Dasha

Vimshottari Balance of Dasha at birth (as per N.C.Lahiri Ayanamsha : 023:29:36) : Moon : 5 y.5 m.26 d.

S.N	Dasha of Planet	Duration	From.....To
1	 Moon Dasha	5 y.5 m.26 d.	18:12:1973 --- 14:06:1979
2	 Mars Dasha	7 y.0 m.0 d.	14:06:1979 --- 14:06:1986
3	 Rahu Dasha	18 y.0 m.0 d.	14:06:1986 --- 13:06:2004
4	 Jupiter Dasha	16 y.0 m.0 d.	13:06:2004 --- 13:06:2020
5	 Saturn Dasha	19 y.0 m.0 d.	13:06:2020 --- 14:06:2039
6	 Mercury Dasha	17 y.0 m.0 d.	14:06:2039 --- 13:06:2056
7	 Ketu Dasha	7 y.0 m.0 d.	13:06:2056 --- 14:06:2063
8	 Venus Dasha	20 y.0 m.0 d.	14:06:2063 --- 14:06:2083
9	 Sun Dasha	6 y.0 m.0 d.	14:06:2083 --- 14:06:2089

Antara of Vimshottari Dasha

Moon Dasha		Mars Dasha		Rahu Dasha	
Antara	From-----To	Antara	From-----To	Antara	From-----To
Moon		Mars	14:06:1979 - 10:11:1979	Rahu	14:06:1986 - 24:02:1989
Mars		Rahu	10:11:1979 - 28:11:1980	Jupiter	24:02:1989 - 20:07:1991
Rahu		Jupiter	28:11:1980 - 04:11:1981	Saturn	20:07:1991 - 27:05:1994
Jupiter		Saturn	04:11:1981 - 13:12:1982	Mercury	27:05:1994 - 13:12:1996
Saturn	18:12:1973 - 14:04:1975	Mercury	13:12:1982 - 10:12:1983	Ketu	13:12:1996 - 01:01:1998
Mercury	14:04:1975 - 13:09:1976	Ketu	10:12:1983 - 08:05:1984	Venus	01:01:1998 - 01:01:2001
Ketu	13:09:1976 - 14:04:1977	Venus	08:05:1984 - 08:07:1985	Sun	01:01:2001 - 25:11:2001
Venus	14:04:1977 - 13:12:1978	Sun	08:07:1985 - 13:11:1985	Moon	25:11:2001 - 27:05:2003
Sun	13:12:1978 - 14:06:1979	Moon	13:11:1985 - 14:06:1986	Mars	27:05:2003 - 13:06:2004
Jupiter Dasha		Saturn Dasha		Mercury Dasha	
Antara	From-----To	Antara	From-----To	Antara	From-----To
Jupiter	13:06:2004 - 01:08:2006	Saturn	13:06:2020 - 17:06:2023	Mercury	14:06:2039 - 10:11:2041
Saturn	01:08:2006 - 12:02:2009	Mercury	17:06:2023 - 24:02:2026	Ketu	10:11:2041 - 07:11:2042
Mercury	12:02:2009 - 20:05:2011	Ketu	24:02:2026 - 05:04:2027	Venus	07:11:2042 - 07:09:2045
Ketu	20:05:2011 - 25:04:2012	Venus	05:04:2027 - 05:06:2030	Sun	07:09:2045 - 14:07:2046
Venus	25:04:2012 - 25:12:2014	Sun	05:06:2030 - 17:05:2031	Moon	14:07:2046 - 13:12:2047
Sun	25:12:2014 - 13:10:2015	Moon	17:05:2031 - 16:12:2032	Mars	13:12:2047 - 10:12:2048
Moon	13:10:2015 - 12:02:2017	Mars	16:12:2032 - 25:01:2034	Rahu	10:12:2048 - 29:06:2051
Mars	12:02:2017 - 19:01:2018	Rahu	25:01:2034 - 01:12:2036	Jupiter	29:06:2051 - 04:10:2053
Rahu	19:01:2018 - 13:06:2020	Jupiter	01:12:2036 - 14:06:2039	Saturn	04:10:2053 - 13:06:2056
Ketu Dasha		Venus Dasha		Sun Dasha	
Antara	From-----To	Antara	From-----To	Antara	From-----To
Ketu	13:06:2056 - 10:11:2056	Venus	14:06:2063 - 13:10:2066	Sun	14:06:2083 - 01:10:2083
Venus	10:11:2056 - 10:01:2058	Sun	13:10:2066 - 13:10:2067	Moon	01:10:2083 - 01:04:2084
Sun	10:01:2058 - 17:05:2058	Moon	13:10:2067 - 14:06:2069	Mars	01:04:2084 - 07:08:2084
Moon	17:05:2058 - 16:12:2058	Mars	14:06:2069 - 14:08:2070	Rahu	07:08:2084 - 02:07:2085
Mars	16:12:2058 - 14:05:2059	Rahu	14:08:2070 - 14:08:2073	Jupiter	02:07:2085 - 20:04:2086
Rahu	14:05:2059 - 01:06:2060	Jupiter	14:08:2073 - 13:04:2076	Saturn	20:04:2086 - 02:04:2087
Jupiter	01:06:2060 - 08:05:2061	Saturn	13:04:2076 - 14:06:2079	Mercury	02:04:2087 - 06:02:2088
Saturn	08:05:2061 - 17:06:2062	Mercury	14:06:2079 - 14:04:2082	Ketu	06:02:2088 - 13:06:2088
Mercury	17:06:2062 - 14:06:2063	Ketu	14:04:2082 - 14:06:2083	Venus	13:06:2088 - 14:06:2089

Vimshottari Dasha

Moon Dasha (18:12:1973 To 14:06:1979)

Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---

		Saturn Antara		Mercury Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
				Mercury	14:04:1975
		Mercury	18:12:1973	Ketu	26:06:1975
		Ketu	05:03:1974	Venus	26:07:1975
		Venus	08:04:1974	Sun	21:10:1975
		Sun	13:07:1974	Moon	15:11:1975
		Moon	11:08:1974	Mars	28:12:1975
		Mars	28:09:1974	Rahu	28:01:1976
		Rahu	01:11:1974	Jupiter	14:04:1976
		Jupiter	27:01:1975	Saturn	23:06:1976

Ketu Antara		Venus Antara		Sun Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Ketu	13:09:1976	Venus	14:04:1977	Sun	13:12:1978
Venus	25:09:1976	Sun	24:07:1977	Moon	22:12:1978
Sun	31:10:1976	Moon	24:08:1977	Mars	07:01:1979
Moon	10:11:1976	Mars	13:10:1977	Rahu	17:01:1979
Mars	28:11:1976	Rahu	18:11:1977	Jupiter	14:02:1979
Rahu	11:12:1976	Jupiter	17:02:1978	Saturn	10:03:1979
Jupiter	12:01:1977	Saturn	09:05:1978	Mercury	08:04:1979
Saturn	09:02:1977	Mercury	14:08:1978	Ketu	04:05:1979
Mercury	15:03:1977	Ketu	08:11:1978	Venus	14:05:1979

Vimshottari Dasha

Mars Dasha (14:06:1979 To 14:06:1986)

Mars Antara		Rahu Antara		Jupiter Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Mars	14:06:1979	Rahu	10:11:1979	Jupiter	28:11:1980
Rahu	22:06:1979	Jupiter	06:01:1980	Saturn	12:01:1981
Jupiter	15:07:1979	Saturn	27:02:1980	Mercury	07:03:1981
Saturn	04:08:1979	Mercury	27:04:1980	Ketu	25:04:1981
Mercury	27:08:1979	Ketu	21:06:1980	Venus	15:05:1981
Ketu	17:09:1979	Venus	13:07:1980	Sun	10:07:1981
Venus	26:09:1979	Sun	15:09:1980	Moon	27:07:1981
Sun	21:10:1979	Moon	05:10:1980	Mars	25:08:1981
Moon	28:10:1979	Mars	06:11:1980	Rahu	14:09:1981

Saturn Antara		Mercury Antara		Ketu Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Saturn	04:11:1981	Mercury	13:12:1982	Ketu	10:12:1983
Mercury	07:01:1982	Ketu	03:02:1983	Venus	19:12:1983
Ketu	05:03:1982	Venus	24:02:1983	Sun	13:01:1984
Venus	29:03:1982	Sun	25:04:1983	Moon	20:01:1984
Sun	04:06:1982	Moon	13:05:1983	Mars	02:02:1984
Moon	24:06:1982	Mars	12:06:1983	Rahu	10:02:1984
Mars	28:07:1982	Rahu	03:07:1983	Jupiter	04:03:1984
Rahu	21:08:1982	Jupiter	27:08:1983	Saturn	24:03:1984
Jupiter	20:10:1982	Saturn	14:10:1983	Mercury	16:04:1984

Venus Antara		Sun Antara		Moon Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Venus	08:05:1984	Sun	08:07:1985	Moon	13:11:1985
Sun	18:07:1984	Moon	14:07:1985	Mars	01:12:1985
Moon	08:08:1984	Mars	25:07:1985	Rahu	13:12:1985
Mars	13:09:1984	Rahu	02:08:1985	Jupiter	14:01:1986
Rahu	08:10:1984	Jupiter	21:08:1985	Saturn	11:02:1986
Jupiter	11:12:1984	Saturn	07:09:1985	Mercury	17:03:1986
Saturn	06:02:1985	Mercury	27:09:1985	Ketu	16:04:1986
Mercury	14:04:1985	Ketu	15:10:1985	Venus	29:04:1986
Ketu	13:06:1985	Venus	23:10:1985	Sun	03:06:1986

Vimshottari Dasha

Rahu Dasha (14:06:1986 To 13:06:2004)

Rahu Antara		Jupiter Antara		Saturn Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Rahu	14:06:1986	Jupiter	24:02:1989	Saturn	20:07:1991
Jupiter	09:11:1986	Saturn	21:06:1989	Mercury	01:01:1992
Saturn	20:03:1987	Mercury	07:11:1989	Ketu	28:05:1992
Mercury	23:08:1987	Ketu	11:03:1990	Venus	28:07:1992
Ketu	10:01:1988	Venus	01:05:1990	Sun	17:01:1993
Venus	07:03:1988	Sun	24:09:1990	Moon	10:03:1993
Sun	19:08:1988	Moon	07:11:1990	Mars	05:06:1993
Moon	07:10:1988	Mars	19:01:1991	Rahu	05:08:1993
Mars	29:12:1988	Rahu	11:03:1991	Jupiter	08:01:1994

Mercury Antara		Ketu Antara		Venus Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Mercury	27:05:1994	Ketu	13:12:1996	Venus	01:01:1998
Ketu	05:10:1994	Venus	05:01:1997	Sun	02:07:1998
Venus	29:11:1994	Sun	10:03:1997	Moon	26:08:1998
Sun	03:05:1995	Moon	29:03:1997	Mars	25:11:1998
Moon	18:06:1995	Mars	30:04:1997	Rahu	28:01:1999
Mars	04:09:1995	Rahu	22:05:1997	Jupiter	11:07:1999
Rahu	28:10:1995	Jupiter	18:07:1997	Saturn	04:12:1999
Jupiter	16:03:1996	Saturn	08:09:1997	Mercury	26:05:2000
Saturn	18:07:1996	Mercury	07:11:1997	Ketu	28:10:2000

Sun Antara		Moon Antara		Mars Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Sun	01:01:2001	Moon	25:11:2001	Mars	27:05:2003
Moon	17:01:2001	Mars	10:01:2002	Rahu	18:06:2003
Mars	13:02:2001	Rahu	11:02:2002	Jupiter	14:08:2003
Rahu	04:03:2001	Jupiter	04:05:2002	Saturn	04:10:2003
Jupiter	23:04:2001	Saturn	16:07:2002	Mercury	04:12:2003
Saturn	06:06:2001	Mercury	10:10:2002	Ketu	28:01:2004
Mercury	28:07:2001	Ketu	27:12:2002	Venus	19:02:2004
Ketu	12:09:2001	Venus	28:01:2003	Sun	23:04:2004
Venus	01:10:2001	Sun	29:04:2003	Moon	12:05:2004

Vimshottari Dasha

Jupiter Dasha (13:06:2004 To 13:06:2020)

Jupiter Antara		Saturn Antara		Mercury Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Jupiter	13:06:2004	Saturn	01:08:2006	Mercury	12:02:2009
Saturn	25:09:2004	Mercury	26:12:2006	Ketu	09:06:2009
Mercury	27:01:2005	Ketu	06:05:2007	Venus	28:07:2009
Ketu	17:05:2005	Venus	29:06:2007	Sun	12:12:2009
Venus	02:07:2005	Sun	30:11:2007	Moon	23:01:2010
Sun	08:11:2005	Moon	15:01:2008	Mars	02:04:2010
Moon	17:12:2005	Mars	01:04:2008	Rahu	20:05:2010
Mars	20:02:2006	Rahu	26:05:2008	Jupiter	21:09:2010
Rahu	07:04:2006	Jupiter	12:10:2008	Saturn	09:01:2011

Ketu Antara		Venus Antara		Sun Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Ketu	20:05:2011	Venus	25:04:2012	Sun	25:12:2014
Venus	09:06:2011	Sun	05:10:2012	Moon	09:01:2015
Sun	05:08:2011	Moon	23:11:2012	Mars	02:02:2015
Moon	22:08:2011	Mars	12:02:2013	Rahu	19:02:2015
Mars	20:09:2011	Rahu	10:04:2013	Jupiter	04:04:2015
Rahu	09:10:2011	Jupiter	03:09:2013	Saturn	13:05:2015
Jupiter	29:11:2011	Saturn	11:01:2014	Mercury	28:06:2015
Saturn	14:01:2012	Mercury	14:06:2014	Ketu	09:08:2015
Mercury	08:03:2012	Ketu	30:10:2014	Venus	26:08:2015

Moon Antara		Mars Antara		Rahu Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Moon	13:10:2015	Mars	12:02:2017	Rahu	19:01:2018
Mars	23:11:2015	Rahu	04:03:2017	Jupiter	30:05:2018
Rahu	21:12:2015	Jupiter	24:04:2017	Saturn	24:09:2018
Jupiter	04:03:2016	Saturn	08:06:2017	Mercury	10:02:2019
Saturn	08:05:2016	Mercury	01:08:2017	Ketu	14:06:2019
Mercury	24:07:2016	Ketu	19:09:2017	Venus	04:08:2019
Ketu	01:10:2016	Venus	09:10:2017	Sun	28:12:2019
Venus	29:10:2016	Sun	04:12:2017	Moon	10:02:2020
Sun	19:01:2017	Moon	21:12:2017	Mars	23:04:2020

Vimshottari Dasha

Saturn Dasha (13:06:2020 To 14:06:2039)

Saturn Antara		Mercury Antara		Ketu Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Saturn	13:06:2020	Mercury	17:06:2023	Ketu	24:02:2026
Mercury	05:12:2020	Ketu	03:11:2023	Venus	20:03:2026
Ketu	09:05:2021	Venus	30:12:2023	Sun	26:05:2026
Venus	12:07:2021	Sun	11:06:2024	Moon	16:06:2026
Sun	11:01:2022	Moon	31:07:2024	Mars	19:07:2026
Moon	07:03:2022	Mars	21:10:2024	Rahu	12:08:2026
Mars	07:06:2022	Rahu	17:12:2024	Jupiter	12:10:2026
Rahu	10:08:2022	Jupiter	14:05:2025	Saturn	04:12:2026
Jupiter	21:01:2023	Saturn	22:09:2025	Mercury	07:02:2027

Venus Antara		Sun Antara		Moon Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Venus	05:04:2027	Sun	05:06:2030	Moon	17:05:2031
Sun	14:10:2027	Moon	22:06:2030	Mars	05:07:2031
Moon	11:12:2027	Mars	21:07:2030	Rahu	07:08:2031
Mars	17:03:2028	Rahu	10:08:2030	Jupiter	02:11:2031
Rahu	23:05:2028	Jupiter	01:10:2030	Saturn	18:01:2032
Jupiter	13:11:2028	Saturn	16:11:2030	Mercury	19:04:2032
Saturn	16:04:2029	Mercury	10:01:2031	Ketu	10:07:2032
Mercury	16:10:2029	Ketu	28:02:2031	Venus	13:08:2032
Ketu	29:03:2030	Venus	21:03:2031	Sun	17:11:2032

Mars Antara		Rahu Antara		Jupiter Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Mars	16:12:2032	Rahu	25:01:2034	Jupiter	01:12:2036
Rahu	09:01:2033	Jupiter	30:06:2034	Saturn	03:04:2037
Jupiter	11:03:2033	Saturn	16:11:2034	Mercury	28:08:2037
Saturn	04:05:2033	Mercury	29:04:2035	Ketu	06:01:2038
Mercury	07:07:2033	Ketu	24:09:2035	Venus	01:03:2038
Ketu	02:09:2033	Venus	23:11:2035	Sun	02:08:2038
Venus	25:09:2033	Sun	15:05:2036	Moon	17:09:2038
Sun	02:12:2033	Moon	06:07:2036	Mars	03:12:2038
Moon	22:12:2033	Mars	01:10:2036	Rahu	26:01:2039

Vimshottari Dasha

Mercury Dasha (14:06:2039 To 13:06:2056)

Mercury Antara		Ketu Antara		Venus Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Mercury	14:06:2039	Ketu	10:11:2041	Venus	07:11:2042
Ketu	16:10:2039	Venus	01:12:2041	Sun	28:04:2043
Venus	07:12:2039	Sun	30:01:2042	Moon	19:06:2043
Sun	01:05:2040	Moon	17:02:2042	Mars	13:09:2043
Moon	14:06:2040	Mars	20:03:2042	Rahu	12:11:2043
Mars	27:08:2040	Rahu	10:04:2042	Jupiter	16:04:2044
Rahu	17:10:2040	Jupiter	03:06:2042	Saturn	01:09:2044
Jupiter	26:02:2041	Saturn	21:07:2042	Mercury	12:02:2045
Saturn	24:06:2041	Mercury	16:09:2042	Ketu	09:07:2045

Sun Antara		Moon Antara		Mars Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Sun	07:09:2045	Moon	14:07:2046	Mars	13:12:2047
Moon	22:09:2045	Mars	26:08:2046	Rahu	03:01:2048
Mars	18:10:2045	Rahu	25:09:2046	Jupiter	27:02:2048
Rahu	05:11:2045	Jupiter	12:12:2046	Saturn	15:04:2048
Jupiter	22:12:2045	Saturn	19:02:2047	Mercury	12:06:2048
Saturn	01:02:2046	Mercury	12:05:2047	Ketu	02:08:2048
Mercury	22:03:2046	Ketu	24:07:2047	Venus	23:08:2048
Ketu	05:05:2046	Venus	23:08:2047	Sun	23:10:2048
Venus	23:05:2046	Sun	17:11:2047	Moon	10:11:2048

Rahu Antara		Jupiter Antara		Saturn Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Rahu	10:12:2048	Jupiter	29:06:2051	Saturn	04:10:2053
Jupiter	29:04:2049	Saturn	17:10:2051	Mercury	09:03:2054
Saturn	31:08:2049	Mercury	25:02:2052	Ketu	26:07:2054
Mercury	25:01:2050	Ketu	22:06:2052	Venus	21:09:2054
Ketu	06:06:2050	Venus	09:08:2052	Sun	04:03:2055
Venus	30:07:2050	Sun	26:12:2052	Moon	22:04:2055
Sun	02:01:2051	Moon	05:02:2053	Mars	13:07:2055
Moon	17:02:2051	Mars	15:04:2053	Rahu	08:09:2055
Mars	06:05:2051	Rahu	02:06:2053	Jupiter	03:02:2056

Vimshottari Dasha

Ketu Dasha (13:06:2056 To 14:06:2063)

Ketu Antara

Venus Antara

Sun Antara

Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Ketu	13:06:2056	Venus	10:11:2056	Sun	10:01:2058
Venus	22:06:2056	Sun	20:01:2057	Moon	16:01:2058
Sun	17:07:2056	Moon	10:02:2057	Mars	27:01:2058
Moon	24:07:2056	Mars	18:03:2057	Rahu	03:02:2058
Mars	06:08:2056	Rahu	11:04:2057	Jupiter	22:02:2058
Rahu	14:08:2056	Jupiter	14:06:2057	Saturn	11:03:2058
Jupiter	06:09:2056	Saturn	10:08:2057	Mercury	01:04:2058
Saturn	26:09:2056	Mercury	16:10:2057	Ketu	19:04:2058
Mercury	20:10:2056	Ketu	16:12:2057	Venus	26:04:2058

Moon Antara

Mars Antara

Rahu Antara

Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Moon	17:05:2058	Mars	16:12:2058	Rahu	14:05:2059
Mars	04:06:2058	Rahu	25:12:2058	Jupiter	11:07:2059
Rahu	17:06:2058	Jupiter	16:01:2059	Saturn	31:08:2059
Jupiter	18:07:2058	Saturn	05:02:2059	Mercury	31:10:2059
Saturn	16:08:2058	Mercury	01:03:2059	Ketu	24:12:2059
Mercury	19:09:2058	Ketu	22:03:2059	Venus	15:01:2060
Ketu	19:10:2058	Venus	31:03:2059	Sun	19:03:2060
Venus	31:10:2058	Sun	24:04:2059	Moon	08:04:2060
Sun	06:12:2058	Moon	02:05:2059	Mars	10:05:2060

Jupiter Antara

Saturn Antara

Mercury Antara

Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Jupiter	01:06:2060	Saturn	08:05:2061	Mercury	17:06:2062
Saturn	17:07:2060	Mercury	11:07:2061	Ketu	07:08:2062
Mercury	09:09:2060	Ketu	07:09:2061	Venus	28:08:2062
Ketu	27:10:2060	Venus	30:09:2061	Sun	28:10:2062
Venus	16:11:2060	Sun	07:12:2061	Moon	15:11:2062
Sun	12:01:2061	Moon	27:12:2061	Mars	15:12:2062
Moon	29:01:2061	Mars	30:01:2062	Rahu	05:01:2063
Mars	26:02:2061	Rahu	22:02:2062	Jupiter	28:02:2063
Rahu	18:03:2061	Jupiter	24:04:2062	Saturn	17:04:2063

Vimshottari Dasha

Venus Dasha (14:06:2063 To 14:06:2083)

Venus Antara		Sun Antara		Moon Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Venus	14:06:2063	Sun	13:10:2066	Moon	13:10:2067
Sun	03:01:2064	Moon	01:11:2066	Mars	03:12:2067
Moon	04:03:2064	Mars	01:12:2066	Rahu	08:01:2068
Mars	13:06:2064	Rahu	22:12:2066	Jupiter	08:04:2068
Rahu	23:08:2064	Jupiter	15:02:2067	Saturn	28:06:2068
Jupiter	22:02:2065	Saturn	05:04:2067	Mercury	03:10:2068
Saturn	03:08:2065	Mercury	02:06:2067	Ketu	28:12:2068
Mercury	12:02:2066	Ketu	23:07:2067	Venus	02:02:2069
Ketu	03:08:2066	Venus	14:08:2067	Sun	14:05:2069

Mars Antara		Rahu Antara		Jupiter Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Mars	14:06:2069	Rahu	14:08:2070	Jupiter	14:08:2073
Rahu	09:07:2069	Jupiter	25:01:2071	Saturn	21:12:2073
Jupiter	10:09:2069	Saturn	20:06:2071	Mercury	24:05:2074
Saturn	06:11:2069	Mercury	10:12:2071	Ketu	09:10:2074
Mercury	13:01:2070	Ketu	14:05:2072	Venus	05:12:2074
Ketu	14:03:2070	Venus	17:07:2072	Sun	16:05:2075
Venus	08:04:2070	Sun	16:01:2073	Moon	04:07:2075
Sun	18:06:2070	Moon	11:03:2073	Mars	23:09:2075
Moon	09:07:2070	Mars	11:06:2073	Rahu	19:11:2075

Saturn Antara		Mercury Antara		Ketu Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Saturn	13:04:2076	Mercury	14:06:2079	Ketu	14:04:2082
Mercury	14:10:2076	Ketu	07:11:2079	Venus	09:05:2082
Ketu	27:03:2077	Venus	07:01:2080	Sun	19:07:2082
Venus	02:06:2077	Sun	27:06:2080	Moon	09:08:2082
Sun	12:12:2077	Moon	18:08:2080	Mars	14:09:2082
Moon	08:02:2078	Mars	13:11:2080	Rahu	08:10:2082
Mars	15:05:2078	Rahu	12:01:2081	Jupiter	11:12:2082
Rahu	21:07:2078	Jupiter	16:06:2081	Saturn	06:02:2083
Jupiter	11:01:2079	Saturn	01:11:2081	Mercury	14:04:2083

Vimshottari Dasha

Sun Dasha (14:06:2083 To 14:06:2089)

Sun Antara		Moon Antara		Mars Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Sun	14:06:2083	Moon	01:10:2083	Mars	01:04:2084
Moon	19:06:2083	Mars	16:10:2083	Rahu	08:04:2084
Mars	28:06:2083	Rahu	27:10:2083	Jupiter	28:04:2084
Rahu	05:07:2083	Jupiter	24:11:2083	Saturn	15:05:2084
Jupiter	21:07:2083	Saturn	18:12:2083	Mercury	04:06:2084
Saturn	05:08:2083	Mercury	16:01:2084	Ketu	22:06:2084
Mercury	22:08:2083	Ketu	11:02:2084	Venus	30:06:2084
Ketu	07:09:2083	Venus	21:02:2084	Sun	21:07:2084
Venus	13:09:2083	Sun	23:03:2084	Moon	27:07:2084

Rahu Antara		Jupiter Antara		Saturn Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Rahu	07:08:2084	Jupiter	02:07:2085	Saturn	20:04:2086
Jupiter	26:09:2084	Saturn	10:08:2085	Mercury	14:06:2086
Saturn	08:11:2084	Mercury	25:09:2085	Ketu	02:08:2086
Mercury	31:12:2084	Ketu	06:11:2085	Venus	22:08:2086
Ketu	15:02:2085	Venus	23:11:2085	Sun	19:10:2086
Venus	06:03:2085	Sun	10:01:2086	Moon	05:11:2086
Sun	30:04:2085	Moon	25:01:2086	Mars	04:12:2086
Moon	16:05:2085	Mars	18:02:2086	Rahu	25:12:2086
Mars	13:06:2085	Rahu	07:03:2086	Jupiter	15:02:2087

Mercury Antara		Ketu Antara		Venus Antara	
Patyantara	From---	Patyantara	From---	Patyantara	From---
Mercury	02:04:2087	Ketu	06:02:2088	Venus	13:06:2088
Ketu	16:05:2087	Venus	14:02:2088	Sun	13:08:2088
Venus	03:06:2087	Sun	06:03:2088	Moon	01:09:2088
Sun	25:07:2087	Moon	12:03:2088	Mars	01:10:2088
Moon	09:08:2087	Mars	23:03:2088	Rahu	22:10:2088
Mars	04:09:2087	Rahu	30:03:2088	Jupiter	16:12:2088
Rahu	22:09:2087	Jupiter	19:04:2088	Saturn	03:02:2089
Jupiter	08:11:2087	Saturn	06:05:2088	Mercury	02:04:2089
Saturn	19:12:2087	Mercury	26:05:2088	Ketu	23:05:2089

Recommendation for suitable Gemstone (Ratna)

Gemstone(Ratna) For Ascendant-Lord



Ascendant Lord -Mercury

Your Ascendant-lord is Mercury. Since it is not debilitated and is neither placed in a trika-house, nor situated in a 'maraka' house, you can wear a gemstone for the planet Mercury.

Ratna (Gemstone) for Planet Mercury



Physical Attributes of Emerald

Emerald is very attractive and hard stone, but it may be chipped easily. It is available in dark and bright green colors. It symbolizes adjustment, love towards nature and happiness. Green Jade, Peridot, Green Tourmaline, Tsavorite, Green Diopside etc. are substitutes for Emerald.

Benefits of wearing Emerald

By wearing emerald, wearer gets success, fortune and happiness. It sharpens the intelligence and improves learning ability, foresight, recalling power, faith, insight and clear vision. Wearing emerald is beneficial for health - especially for nervous system and eyes. It is helpful in getting deep and complete knowledge of anything.

It protects from fear from poisonous animals and envious people. It removes the effect of poison and helps in digestion. It removes all sins. By wearing emerald, wealth, property and children gets increases.

Impact of Emerald on diseases

By wearing emerald or using ash of emerald, following diseases get cured - stone, burl of anal, polyuria, bleeding, piles, bile fever, fever, cough, kidney related problems, blood related problems, migraine etc.

Important instructions for wearing Emerald



Wearer should always wear emerald with good luster, clean color and free from blemishes, it will increase fortune. Emerald should be worn in ring or locket made of gold. It should be in constant touch with the skin, so wearing in ring will be more beneficial. The weight of emerald should be 3-7 carat (3-7 ratti). Men should wear stones in right hand and women should wear in left hand. When Mercury is transiting through Gemini or Virgo sign or Mercury is in Ashlesha, Jyeshtha or Rewati constellation or Mercury is placed in Navamsha of Mercury or Sun, then set emerald in ring made of gold between sunrise to 2 hours after sunrise on Wednesday.

On Wednesday, get free from routine work, take a bath and wear clean/fresh clothes after 2 hours of sunrise. After that, sit in front of the idol of Lord Ganesha to perform worship while facing towards east. First of all, light a lamp filled with Ghee and light some incense sticks, then offer flowers, fruits and sweets to deity. After that, wash the gemstone ring or locket with Panchamrita (mix of milk, curd, ghee, sugar and honey). Now re-wash this gemstone ring or locket with Ganga Jala or pure water and place it to the feet of deity.

Now, recite the beeja mantra of Mercury for 9 times. After this, recite dhyana mantra and rigveda mantra for once. And at the end, recite Budha ashtottara shatanamavali (108 names of Mercury). Now, hold your palms together, close your eyes and concentrate on Lord Mercury and kneel down. After that, wear ring in little finger or locket around your neck with full faith.

Procedure for donation of Emerald

Mercury Yantra

9	4	11
10	8	6
5	12	7

Write Mercury Yantra on silver plate, set an emerald in the middle of yantra and perform "Prana-Pratishtha". Then enchant the emerald on Wednesday by Mercury mantra. Keep worshiping yantra for 64 days by reciting Mercury mantra. Now, donate yantra with gold, coral, bronze, ghee, camphor, green cloth, ivory and dakshina to the priest. All the malefic effects gets removed and desires gets fulfilled by donating this way.

Time period for effect of Emerald

Starting from the day, stone set in ring, emerald remains effective till 3 years and after that it becomes ineffective. So, wearer should change emerald after 3 years.

Gemstone(Ratna) For 9th house Lord (Navamesh)



9th house Lord (Navamesh) -Venus

Since your 9th-lord is the lord of a maraka house, wearing a gem-stone for the 9th-lord will not be advisable for you.

Gemstone(Ratna) For Yoga-Karaka Planet

There is no natural yoga-karaka planet for your Ascendant.

Gemstone(Ratna) For Temporal Yoga-Karaka Planet



Temporal Yoga-Karaka Planet -Saturn

The planet Saturn is the temporal yoga-karaka in your chart. Since it is not exalted or debilitated or situated in own house, you can wear a gemstone for the planet Saturn.

Ratna (Gemstone) for Planet Saturn



Physical Attributes of Sapphire

Blue Sapphire is very attractive stone. It is known for its beauty, magnificent color, transparency, resistance and stability. Generally, it is available in blue color. It is symbol of adjustment, sympathy, friendship, credit and loyalty. Tanzanite, Blue spinal, and Amethyst are substitutes for Blue Sapphire.

Benefits of wearing Sapphire

By wearing Blue Sapphire, wearer gets success, fortune and happiness. It bestows stability in wearer's life. Blue Sapphire protects from evil eye and envy from others. It also protects from danger while traveling. Blue Sapphire is very helpful in recovering from illness and mental unrest or mental problems. It improves creativeness/thinking, intuition and concentration. It is beneficial in cold and biliousness and protects from outburst of Saturn. By wearing Blue Sapphire, wearer gets longevity, respect, fame, knowledge and wealth. It ensures respect from government, protects from enemies and frees from enchantment.

Impact of Sapphire on diseases

By wearing Blue sapphire or using it as medicine, following diseases get cured - eyediseases, bleeding from mouth, hiccup, madness, cough, fever, sermon, indigestion, odd fever etc.

Important instructions for wearing Sapphire



Wearer should always wear blue sapphire with good luster, clean color and free from blemishes, it will increase fortune. Blue sapphire should be worn in ring or locket made of gold, silver or iron. It should be in constant touch with the skin, so wearing in ring will be more beneficial. The weight of emerald should be 3-7 carat (minimum 4 ratti). Men should wear stones in right hand and women should wear in left hand. When Saturn is transiting through Capricorn or Aquarius sign or exalted in Libra sign or there is Uttarashadha, Sravan, Dhanishtha, Shatabhisha, Purvabhadrapada, Chitra, Swati or Vishakha constellation on Saturday, then that day wear Blue Sapphire settled in gold, silver or Iron.

On Saturday, get free from routine work, take a bath and wear clean/fresh clothes before 2 hours 40 minutes of sunrise. After that, sit in front of the idol of Lord Ganesha to perform worship while facing towards east. First of all, light a

lamp filled with Ghee and light some incense sticks, then offer flowers, fruits and sweets to deity. After that, wash the gemstone ring or locket with Panchamrita (mix of milk, curd, ghee, sugar and honey). Now re-wash this gemstone ring or locket with Ganga Jala or pure water and place it to the feet of deity.

Now, recite the beeja mantra of Saturn for 23 times. After this, recite dhyan mantra and rigaveda mantra for once. And at the end, recite Shani ashtottara shatanamavali (108 names of Saturn). Now, hold your palms together, close your eyes and concentrate on Lord Saturn and kneel down. After that, wear ring in middle finger or locket around your neck with full faith.

Procedure for donation of Sapphire

Saturn Yantra

12	7	14
13	11	9
8	15	10

Write Saturn Yantra on lead, iron or 'Ranga' plate, set a blue sapphire in the middle of yantra and perform 'Prana-Pratishtha'. Then enchant the blue sapphire on Saturday by Saturn mantra. Perform 'Deep Bali' during noon. After that, donate yantra with iron, urad, mustard oil, buffalo, black cloth and dakshina to the priest. All the malefic effects gets removed and desires gets fulfilled by donating this way.

Time period for effect of Sapphire

Starting from the day, stone set in ring, blue sapphire remains effective till 5 years and after that it becomes ineffective. So, wearer should change blue sapphire after 5 years.

Gem (Ratna) Recommendations for Virgo Lagna

Wear gem accordingly for overcoming from problems or getting rid of troubles or enhancing the luck or increasing the numbers of auspicious results and diminishing the inauspicious results.

Recommendations for Ruby



Sun is lord of expenditure house in your horoscope. Wearing of ruby may be inauspicious for you.

Recommendations for Pearl



In your horoscope, Moon is the lord of 11th house, which will give you mixed results. You may not get very much favorable results by wearing Pearl.

In your horoscope, Moon is not a significator planet. Wear Pearl only after consultation with learned astrologer.

If you are suffering from mental restlessness or cold-cough or there is lack of Calcium in your body and Moon is not situated with malefic planets Rahu and Saturn in your horoscope, then wearing Pearl will be beneficial.

Recommendations for Coral



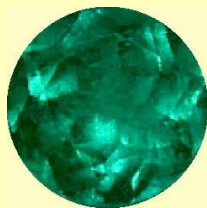
In your horoscope, Mars is lord of 3rd and 8th house. You should not wear Coral.

If you are suffering from blood, muscular, marrow etc. related diseases, then you should wear Coral.

Mars is situated in 8th house in your horoscope. You should not wear coral.

You have Mars blemish in your horoscope. You should wear coral.

Recommendations for Emerald



Mercury is lord of ascendant & 10th house in your horoscope. Wearing of emerald will be beneficial for you.

If you are suffering from mental or speech disorder, epilepsy, hysteria, facing impediments in education, wearing of emerald will be beneficial for you.

Recomendations for Yellow Sapphire



In your horoscope, Jupiter is lord of 4th and 7th house. Wearing Yellow Sapphire will be beneficial for you.

If you are engaged in any business related to cotton, textile, literature etc., wearing of Yellow Sapphire will be beneficial for you.

Jupiter has enmity with ascendant lord Mercury in your horoscope. So wear Yellow Sapphire after consulting with a learned astrologer.

If you are facing impediments in your marriage or your marriage is delaying or facing problems in married life, you must wear dark yellow Yellow Sapphire.

Recomendations for Diamond



In your horoscope, Venus is lord of 2nd and luck/fortune house. To get favirable results in adverse circumstances, you should wear diamond.

Venus is lord of Luck house in your horoscope. Wearing of diamond may be beneficial for you.

If you are facing impediments in your marriage or your marriage is delaying or facing problems in married life or you are not getting comfort of spouse due to anyreason, you should wear diamond.

If you are engaged in any business related to food, juice, cosmetic etc., wearing of Yellow Sapphire will be beneficial for

you.

In your horoscope, Venus is not situated with Mercury or Saturn. If you are suffering from any sexual or secret diseases, then wearing Diamond will be beneficial for you.

Recommendations for Sapphire



In your horoscope, Saturn is lord of 5th and 6th house. Wearing Sapphire will be beneficial for you.

You must wear sapphire during the beginning of Sadesati or Dhaiya.

In your horoscop, Saturn has influence on 9th, 10th or first house. Wearing of sapphire will be beneficial for you.

In your horoscope, Ascendant lord is friend planet of Saturn. To get favorable results related with diseases, enemy, education, children, speech etc., you may wear Sapphire.

Recommendations for Gomed



Rahu is not lord of any specific sign, therefore final decision of auspiciousness and inauspiciousness of Rahu is based on position of Rahu (House and Sign) and Saturnin horoscope.

Always wear Zireon (Gomed) according to planetary position of Saturn in your horoscope, otherwise this may prove harmful.

Rahu is situated in quadrant (1, 4, 7, 10) or trine (5, 9) house in your horoscope. If you want to get position, earn honour & fame in society, wearing of Zireon (Gomed) will be beneficial for you.

Your moon sign is not Aries, Scorpio or Sagittarius. Wearing Zireon (Gomed) will bebeneficial for you.

Recommendations for Cat's Eye



Ketu is not lord of any specific sign, therefore final decision of auspiciousness and inauspiciousness of Ketu is based on position of Ketu in horoscope.

Don't wear Cat's Eye without consulting any learned astrologer. Cat's Eye should wear only for limited period. After receiving favorable results, it should be conge.

Ketu is situated in quadrant or trine house from ascendant & Moon both in your horoscope, you should wear cat's eye.

If there is any possibility of unknown fear, terror, accident, blame or you are suffering from any mental ailment, you should wear cat's eye.

Your moon sign is Taurus, Gemini or Cancer and Ketu is situated in 6th, 8th, 10th or 12th house. You should not wear Cat's Eye.

Astrologers Note-

If you have Kalsarp or Brahm, Mother, Father, Wife blemish in your horoscope or you are facing problems related to debt, insult, sorrow, poverty, disease etc., you should wear ring or locket of silver or gold embedding three gems.

Pendant-



1. Emerald
2. Sapphire
3. Diamond

Ring -

1. Diamond - In index finger
2. Sapphire - In Middle finger
3. Emerald - In ring finger



Important -

1. Gem for enhancing your luck - Diamond
2. Gem for job, profession & wealth - Emerald
3. Gem for children, education, fame -

Sapphire

4. Gem causing severe trouble, diseases, enemy, loss - Coral, Ruby

Mantra, Yantra and Remedies related to planet Sun



ॐ आदित्याय विद्महे दिवाकराय धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ।



भास्वान्काश्यपगोत्रजोऽरुणरुचिर्यः सिंहराशीश्वरः
षट्त्रिस्थो दश शोभनो गुरुशशीभौमेषु मित्र सदा ।
शुक्रो मंदरिपुकलिङ्गजनितश्चाऽग्नीश्वरो देवता
मध्येवर्तुल पूर्वादिग् दिनकरः कुर्यात् सदा मंगलम् ॥

Ratna (Gems) for Planet Sun



Result of Sun according to its position in house/Sign

In your horoscope, Sun is situated in sign Sagittarius. As Sun is happily placed in a friendly sign, you will be fortunate in many respects. You will be endowed with an elegant and impressive physical structure of broad build. You will be highly enthusiastic, energetic, and always optimistic. You will be a learned, wise, and prudent person; people will attach value and importance to your ideas and opinions, and hold you in high esteem. You will be respectful to elders, treat pious people with reverence, and have firm faith in religion and God. Although inherently you will be a peace-loving person, you may have great interest in mastering martial arts for defensive purpose; you may efficiently utilize your expertise for

rendering suitable training to the conscientious eligible persons. You will achieve excellence in your sphere of work, and be a source of inspiration to many followers.

In your horoscope, Sun is situated in the 4th-house. As your Ascendant is Virgo, the position of the 12th-lord Sun in the 4th is not a favorable combination in certain respects. Your mother may not be in good health, and your domestic life may not be peaceful or happy. Besides, there could be division of- or even loss of- property owing to typical dissension among your family-members. If some modifying influences are not present in your chart, then your family might lose its honor - probably owing to some of your thoughtless deeds. Your education might be disrupted, and you may have to leave your home and native place all on a sudden under circumstantial compulsion.

Blemish related to Planet Sun and their Remedies

Birth on complete dark night (Amavashya) day



If you are born on Amavasya, your family and mental comfort may be lesser, deserving honour may reduce and you may face impediment in child comfort. You may have to struggle hard to get success and can not get recognition even after having abilities.

You are not born on Amavasya tithi.

Debilitated Sun (Kartik Masa) Birth

Kartik Birth blemish is applicable when native is born during position of Sun in its debilitated sign Libra. Influence of Kartik birth blemish is maximum around its lowest point.

Kartik Birth blemish is not applicable in your Horoscope.

Birth on Sun Sankranti day

The day when Sun enters in its next sign, is called as Transition day. If you have been born on this day, sun may produce malefic effects on your financial position, health and generation inherent legacy.

Transition day (snakranti) Birth blemish is not applicable in your Horoscope.

Sarpshirsha blemish

If Sarpshirsh blemish is applicable in your horoscope, then according to Shastra, you may lack all kinds of comforts and may remain in death like pain.

Sarpshirsh blemish is not applicable in your horoscope.

Birth during Kranti Samya or Mahapat

If you have born During Kranti Samya or Mahapat, then your health and physical comfort may lessen. You may be helpless.

Kranti Samya or Mahapat birth blemish is not applicable in your horoscope.

Sapat (Sun with Rahu or Ketu) blemish

If sun is situated with Rahu or Ketu in your birth horoscope, then Sapat (with Rahu or Ketu) Sun blemish is applicable in your horoscope. Your decision making power may be affected and you may meet with any sudden accident.

Sapat (with Rahu or Ketu) Sun blemish is applicable in your horoscope.

Remedies for peace -

You should recite Rudrasukta Path along with Traymbakam mantra as Samput to remove this blemish. Every year on your birth day, give 28 or 108 Aahuti by dipping green grass (Doob) in Ghee with Traymbakam mantra. Have fast on same day.

Fasting (Vrata) for Planet Sun



It may be little difficult for many people to recite hymn (Mantra) properly. Having fast on the ruling day of troublesome planet is an easy remedy for them.

You should have fast on Sunday during Gochar, Mahadasha or Antardasha of Sun to diminish the inauspicious effect of Sun. Fast should start from first Sunday of ascending moon (Waxing Moon) of Jyeshtha month. This fast should perform minimum for 12 Sundays and maximum for 30 Sundays. You should eat wheat flour bread, Gud, Halawa & Ghee during fast. Don't have salt. You should have your food before Sunset. If you recite Beej mantra or Tantrik mantra of Sun for 540 times (5 rosaries) while wearing red clothes & applying red sandal on forehead, it will be more beneficial to you. At last perform Holocaust with Hawan and donate grains, money and food to Brahmins as per your capacity.

Respect your parents and elders. You will be happy, long lived and prosperous by practicing it, because it is believed that haven exists in feet of parents. If you serve your parents, take care of them properly, you will get respect and happiness from your children.

As you sow, so as you reap - you will get results according to your actions. You will get mental peace, happiness and prosperity due to your good deeds. On the contrary, you may face various kinds of problems in your life due to bad deeds.

Use of roots to pacify the malefic effects of Sun



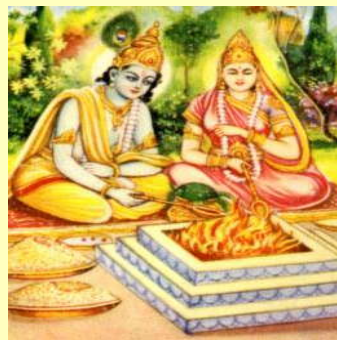
There are several methods of distress pacification of planets like donation, recitation of mantra, wearing of gem etc. Wearing of roots is also an easy method for it and it is beneficial

too.

Dig up and bring the roots on day related to planet during any auspicious time. Before digging up any root, invite after smoldering the Dhoop and pouring water in it in previous evening. Then dig it up next day before sun rise without using any tool. Root should not cut with any tool.

For Sun, wear the root of Bel or Bent around your neck, arm or waist on Sunday or during Kritika, Uttaraphalguni or Uttarashadha castellation during sunrise after sewing it in pink cloth.

Hawan stuffs used to pacify the malefic effects of planet Sun



To get rid from inauspicious results of planet, Hawan is a significant remedy. Materials used in Hawan is enough beneficial. These stuffs make surroundings holy along with pacifying planet. Hawan stuffs contain several kinds of roots and herbs and due to this reason its ashes is also very beneficial and alleviate the some diseases totally.

Materials: Khas, Honey, Nagarmotha, Amaltas, Green Cardamom
Roots: Bel Mool aand Kamal Bent

Method and Mantras for pouring water (arghya) on sun



By pouring water on Sun, all desires are getting fulfilled. It enhances intelligence and provides much more favors and benefits

During Sunrise, fill copper vessel with pure water and mix red sandal, red flower, rice and milk in it and then pour water to Sun while facing towards Sun. First of all, contemplate Sun and recite following Viniyoga Mantra -

ॐ तत्सवितु रित्यस्य विश्वामित्र ऋषिः सविता देवता, गायत्री छन्दः, सूर्यार्घ्यदाने

Then pour water to sun while reciting following Mantra -

एहि सूर्य सहस्रांशो तेजोराशे जगत्पते ।
करुणाकर मे देव गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तुते ॥

Dhyan Mantra -

रक्ताम्बुजासनमशेषगुणैकसिन्धुं भानुं समस्तजगतामधिपं भजामि ।
पद्मद्वयाभयवरान् दधतः कराब्जैर्माणिक्यमौलिमरुणाङ्गरुचिं त्रिनेत्रम् ॥

Surya Namaskar



Surya Namaskar (Greeting Sun) Mantra -

जपा कुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम् ।
तमोऽरि सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ॥

By greeting Sun (Surya Namaskar), soul becomes purified, get relief from mental embroilments and obstructions and health becomes better.

Easy remedies for Planet Sun

After getting up in the morning, wash your mouth and recite Gayatri mantra for 10 or 28 times while facing towards east. After taking bath, recite Dwadashakshar mantra of Lord Ganesha and Surya kavach and then offer water to Sun. Recite Ashtakshar mantra of Sun for 10 or 28 times while facing towards Sun. Recite Gayatri mantra for 10 or 28 times before sleeping at

night.

- 1-Don't discharge urine or feces while facing towards Sun & Moon or in running water, river or pond.
- 2-Don't disrespect your parents.
- 3-Stay away from mental or physical violence, malicious behavior.
- 4-Don't lose your temper without any reason.

Bath & Donation for planet Sun

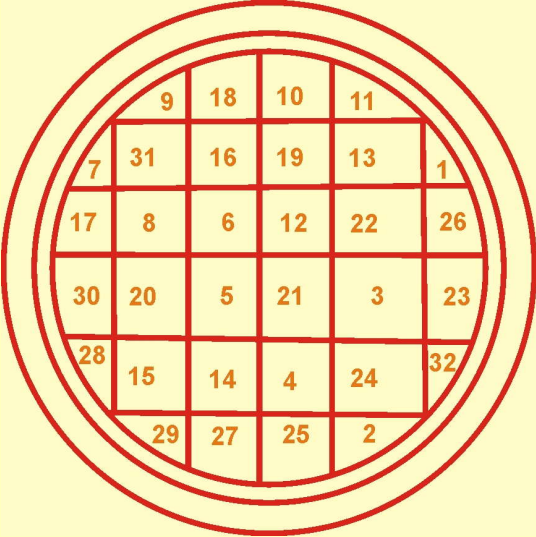
You should donate wheat, whole Masoor, Gud, any matter of copper and red flowers. You should mix saffron or crushed cardamom or its scent in water and take bath from same.

Yantra for Planet Sun

Draw yantra on birch by using red sandal, Ashtgandh or sandal mixed with saffron by pen made of gold, silver, basil or pomegranate. Yantra can be drawn on gold, silver or copper. But these types of yantras can be worshiped only. For wearing purpose, always draw yantra on birch only. Yantra should always wear in an amulet made of gold, silver or copper. Yantra should be made by person who is wearing sacred thread. In this way, Yantra becomes more powerful and gives full impact on wearer.

6	1	8
7	5	3
2	9	4

Tantrik Yantra



Mantra, Yantra and Remedies related to planet Moon



ॐ अत्रिपुत्राय विद्महे सागरोद्भवाय धीमहि तन्नश्चन्द्रः प्रचोदयात् ।



चन्द्रः कर्कटकप्रभुः सितनिभश्चात्रेय गोत्रोद्भव-
श्चाग्नेयश्चतुरस्र वारुणमुखश्चापोऽप्युमाधीश्वरः।
षट् सप्तानि दशैक शोभनफल शौरिः प्रियोऽर्को गुरुः
स्वामी यामुनदेशजो हिमकरः कुर्यात् सदा मंगलम् ॥

Ratna (Gemstone) for Planet Moon



Result of Moon according to its position in house/Sign

In your horoscope, Moon is situated in sign Virgo. Owing to this reason, you will be fortunate in many respects. You will be endowed with beautiful/ handsome appearance with attractive physical features, graceful manners, compromising nature, and pleasing disposition. You will be a learned person, well versed in sacred ancient classics, endowed with eloquence, and have true compassion for others. You will be quite popular in your walk of life, and have a large circle of friends and acquaintances. You will be fond of having company of the agreeable members of the opposite gender. Your marriage will be fruitful, have more daughters, and your domestic life will be blissful and happy. Your religious inclination will be profound;

you will regularly observe the traditional rites, listen to discourses from a relatively early age-period, and visit many holy shrines.

In your horoscope, Moon is situated in the Ascendant. For this, you will be endowed with a fruitful imagination and sensitive nature; you may also have the gift of intuition. You may have a timid nature, but will also be somewhat restless and inconstant; you may have change of employment and of residence quite a few times. If Moon is situated in sign Cancer, then you are sure to become very wealthy; and if Moon is in sign Scorpio, then you may suffer from health-problems and become quite indolent. However, if Moon is in Taurus, then your family wealth will increase; but you may have the fear of facing traffic accident a few times.

Blemish related to Planet Moon and their Remedies

Birth in same Nakshatra (Star) of Father, Mother, Brother or Sister

If you have born in castellation of your siblings or parents, One castellation birth blemish is applicable in your horoscope. This blemish can create disturbances in comforts and peace of entire family. It may affect your health badly.

Remedies for peace -

Make a worshipping place at a clean place in your home and install a Kalash in Ishan Kone from that place. Cover the Kalash with new cloth. Then worship all the castellation after worshipping god. Now worship birth castellation deity on Kalash specifically. Perform Hawan by giving 108 Aahuti from mantra of birth castellation. Donate grains, clothes according to your capacity. You should perform this remedy in favorable transit of Moon during Waxing Moon (From 9th Tithi to Poornima), auspicious ascendant, Rikta Tithi and Bhadra Karan.

Moon in Ascendant blemish

If Moon is situated in ascendant in your birth horoscope, then this blemish is applicable in your horoscope. Your ideology may be so strong that you can not change it with time. You may be obstinate and somewhat impractical. Your mental condition may affect your working ability.

Moon is in ascendant blemish is applicable in your horoscope.

Remedies for peace -

You should recite Rudrasukta Path along with practicing simple remedies of Moon to remove this blemish.

Weak Moon Blemish

If you have born on any day between 8th day of Krishna Paksha to 5th day of Shukla Paksha. Then weak Moon blemish is applicable in your horoscope. You may be short tempered, careless and doer of aimless work. Sometimes you may get depressed.

Weak Moon blemish is applicable in your horoscope.

Remedies for peace -

Apart from easy remedies for peace of Moon, worshipping of lord Shiva is one of the best remedy to remove this blemish. The worship should be in proportion of weakness of Moon, i.e., weaker the Moon, more the worship.

Kemdruma yoga

If there is no any planet is situated in previous and next houses of Moon. Then Kemdrum Yoga is applicable in your horoscope. You may face the scarcity of money through out the life and your family comfort and mental peace may reduce on this account. If any planet is situated with Moon or any planet aspects Moon or any planet is situated in quadrant from Moon or ascendant in your horoscope, then influence of Kemdrum Yoga is reduced.

Kemdrum Yoga blemish is applicable in your horoscope.

Remedies for peace -

Apart from easy remedies for peace of Moon, you should recite Daridrayadahan Strot of lord Shiva written by sage Vashishth to remove this blemish.

Sapat (Moon with Rahu or Ketu) blemish

If Moon is situated with Rahu or Ketu in your birth horoscope. Then Sapat (Moon with Rahu or Ketu) Moon blemish is applicable in your horoscope. Your decision making power may be affected and you may meet with any sudden accident.

Sapat (Moon with Rahu or Ketu) Moon blemish is not applicable in your horoscope.

Debilitated Moon blemish

If Moon is situated in debilitated sign in your birth horoscope, then debilitated Moon blemish is applicable in your chart. Due to this blemish, your mental condition may be affected.

Debilitated Moon blemish is not applicable in your chart.

Birth on Krishna Chaturdashi (14th tithi) blemish

If you have born on 14th day of Krishna Paksh, then according to Shastra, your children side may be weak. There may be impediment in your married life; your honour in family may reduce. You may face financial crisis. It may influence your spouse also. You may have suicidal tendency more.

Krishna Chaturdashi birth blemish is not applicable in your horoscope.

Gandmool blemish

If your birth castellation is Rewati, Ashwini, Jyeshtha, Moola, Shlesha or Magha, then Gandmool blemish is applicable in your horoscope.

Gandmool blemish is not applicable in your horoscope.

Nakshatra Gandant blemish

If you are born during last 12 minutes of Rewati, Jyeshtha or Shlesha or first 12 minutes of Moola, Ashvini or Magha Nakshatra of Moon, then Nakshatra Gandant blemish is applicable in your horoscope. According to Shastra, you may get inauspicious results during birth, journeys or marriage.

Nakshatra Gandant blemish is not applicable in your horoscope.

Lagna (Ascendant) Gandant blemish

If you are born during last 12 minutes of Rewati, Jyeshtha or Shlesha or first 12 minutes of Moola, Ashvini or Magha Nakshatra of Ascendant, then Lagna Gandant blemish is applicable in your horoscope. According to Shastra, you may get inauspicious results during birth, journeys or marriage.

Lagna Gandant blemish is not applicable in your horoscope.

Tithi Gandant blemish

If you are born during last 48 minutes of Poorna (5,10,15) tithis or first 48 minutes of Nanda (1,6,11) tithis , then Tithi Gandant blemish is applicable in your horoscope. According to Shastra, you may get inauspicious results during birth, journeys or marriage.

Tithi Gandant blemish is not applicable in your horoscope.

Easy remedies for Planet Moon

First of all have Darshan of Sun and recite Gayatri mantra. Then have bath and recite mantra of Ganesha, lord Shiva and Goddess Parvati. then Recite AUM NAMA SHIVAYA mantra for 108 times. Recite Moon Kavach and offer water to Sun. Don't have non vegetarian food and alcohol on Monday.

- 1-Don't discharge urine or feces while facing towards Sun & Moon or in running water, river or pond.
- 2-Don't disrespect your parents.
- 3-Stay away from mental or physical violence, malicious behavior.
- 4-Don't lose your temper without any reason.

Fasting (Vrata) for Planet Moon



It may be little difficult for many people to recite hymn (Mantra) properly. Having fast on the ruling day of troublesome planet is an easy remedy for them.

You should have fast on Monday to diminish the inauspicious effect of Moon. Fast should start from first Monday of ascending moon (Waxing Moon) of Jyeshtha month. This fast should perform minimum for 10 Mondays and maximum for 54 Mondays. Don't use Gud, Rice, Curd, Salt & Ghee in your food. Offer white flowers to moon and recite Beej mantra or Tantrik mantra of Moon for 324 or 1188 times(3 or 11 rosaries). You should wear white clothes & apply white sandal paste on your forehead before breaking fast. On last Monday perform Holocaust with Hawan and distribute food to poor people.

Respect your parents and elders. You will be happy, long lived and prosperous by practicing it, because it is believed that haven exists in feet of parents. If you serve your parents, take care of them properly, you will get respect and happiness from your children.

As you sow, so as you reap - you will get results according to your actions. You

will get mental peace, happiness and prosperity due to your good deeds. On the contrary, you may face various kinds of problems in your life due to bad deeds.

Use of roots to pacify the malefic effects of Moon



There are several methods of distress pacification of planets like donation, recitation of mantra, wearing of gem etc. Wearing of roots is also an easy method for it and it is beneficial too.

Dig up and bring the roots on day related to planet during any auspicious time. Before digging up any root, invite after smoldering the Dhoop and pouring water in it in previous evening. Then dig it up next day before sun rise without using any tool. Root should not cut with any tool.

For Moon, wear the root of Khirani around your neck, arm or waist on Monday or during Rohini, Hast or Shravan castellation after sewing it in white cloth.

Hawan stuffs used to pacify the malefic effects of planet Moon



To get rid from inauspicious results of planet, Hawan is a significant remedy. Materials used in Hawan is enough beneficial. These stuffs make surroundings holy along with pacifying planet. Hawan stuffs contain several kinds of roots and herbs and due to this reason its ashes is also very beneficial and alleviate the some diseases totally.

Materials : Red sandal, camphor, saffron, Agar, Tagar,

Gorochan
Roots: Khirani Root

Bath & Donation for planet Moon

New Vessel filled with pure Ghee, white clothes, sugarcane, milk, rice, silver, conch, camphor, cardamom, sugar, sandal, bronze vessel ect. should donate for Moon. Mix little milk or curd in water and take bath from same water. It makes Moon happy .

Yantra for Planet Moon

Draw yantra on birch by using red sandal, Ashtgandh or sandal mixed with saffron by pen made of gold, silver, basil or pomegranate. Yantra can be drawn on gold, silver or copper. But these types of yantras can be worshiped only. For wearing purpose, always draw yantra on birch only. Yantra should always wear in an amulet made of gold, silver or copper. Yantra should be made by person who is wearing sacred thread. In this way, Yantra becomes more powerful and gives full impact on wearer.

7	2	9
8	6	4
3	10	5

Tantrik Yantra

Sample DOB-18:12:1973 TOB-01:45:00 POB-Ballia (up)

40	39	24	38	23					
41	6	53	9	8	22				
15	37	16	45	1					
14	43	5	44	46	24				
36	17	52	18	28					
26	13	4	19	2	27				
7	34	33	20	29					
60	35	32	3	59	30				
42	12	21	31	11					
57	54	55	52	58	10	56	47	48	49

Mantra, Yantra and Remedies related to planet Mars



ओं क्षितिपुत्राय विद्महे लोहितांगाय धीमहि तन्नो भौमः प्रचोदयात् ।



भौमो दक्षिणादिक् त्रिकोण यमदिग् विघ्नेश्वरो रक्तभः,
स्वामी वृश्चिक मेषयोः सुगुरुश्चाऽर्कः शशी सौहृदः ।
ज्ञोऽरि षट्त्रिफलप्रदश्च वसुधास्कन्दौ क्रमाद् देवते,
भारद्वाजकुलोद्भवः क्षितिसुतः कुर्यात् सदा मंगलम् ॥

Ratna (Gems) for Planet Mars



Result of Mars according to its position in house/Sign

In your horoscope, Mars is situated in sign Aries. Owing to this reason, you will be fortunate in many respects. You will be truthful, energetic, enthusiastic, optimistic, courageous, valorous, and endowed with grace and splendor. You will have interest in outdoor games and sports, adventurous activities, and feel special pleasure in battle and strife. You will have enough of material possessions, and your prospects will be fairly secured. You will enjoy favors and benefits from

powerful and influential persons, and earn your living from a respectable stream of profession as a chief of the section, head of the department, manager, controller, or director. Socially you will be very popular.

In your horoscope, Mars is situated in the 8th-house. If Mars is situated in sign Aries or Scorpio, then you will be long-lived and fortunate in many respects - particularly in respect of inheritance. If it is situated in sign Capricorn, then you will be financially well off, but may face some troubles from enemies; you may also have narrow escape from facing an accidental mishap or untoward happening. If it is situated in sign Cancer, then you may run the risk of facing an accidental mishap or undergo a surgical operation. If Mars is situated elsewhere, then it is not favorable for the health and well being of your spouse, and you may run the risk of becoming a victim of physical violence.

Other Result of Mars according to its position in house / Sign

Mars is situated in Aries sign in your horoscope. Your disposition may be violent and tyrant. Member of opposite sex may feel special attraction towards you.

Mars is situated in 8th house in your horoscope. Health of your spouse may be cause of concern for you. You may get separated from him / her due to any reason.

If health of your spouse is not good, recite 'Mangal Kashta Nivaran' mantra for 8 times daily.

If relation with your spouse is not very harmonious, recite Sunderkand of Ramcharitmanas.

If there is no peace at your home, recite following mantra for 108 times. If this recitation is done by chief of home or his wife, chances of getting benefits are more.

ओं हां हां सः खं खः।

If you lack enthusiasm or are unable to express your thoughts or are very shot tempered, recite Mangal Gayatri mantra for 28 times.

If you are getting hurt again and again due to Mars blemish, you should recite 'Mangal Kavach'.

If your child is suffering from bad effects of Mars and his / her health does not remain good or he / she doesn't listen to you, you should recite 'Mangal Kashta Nivarak' mantra daily.

If you are worried due to financial losses, increasing debts, have fast on Tuesday regularly for one year. It can remove sign or house produced blemish of Mars.

Easy remedies for Planet Mars

You should recite Rudrasukt Path daily. Worship to Lord Hanuman and Bhairav regularly. Recite Hanuman Chalisa daily. If recitation of Rudrasukt is difficult, recite following mantra for 28 times daily-

Affectionate and warm behavior with friends and relatives diminishes inauspicious influence of Mars.

Fasting (Vrata) for Planet Mars



It may be little difficult for many people to recite hymn (Mantra) properly. Having fast on the ruling day of troublesome planet is an easy remedy for them.

You should have fast on Tuesday to diminish the inauspicious effect of Mars. Fast should start from first Tuesday of ascending moon (Waxing Moon) of Jyeshtha month. This fast should perform minimum for 21 Tuesdays and maximum for 45 Tuesdays. If it is possible, you can have fast for long life. Having only jaggery and Halwa will be better during fast. You may distribute Halwa among poor according to your capacity. Before breaking the fast, you should wear red clothes and recite Beej mantra or Tantrik mantra of Mars for 108, 540 or 756 times (1, 5 or 7 rosaries) according to your available time. You should feed Gud to bull. If you have this fast, you will become debt free, get child and devastate your enemies. On last Tuesday perform Holocaust with Hawan and donate Red Cloth, Copper, Masoor, Gud and Coconut to poor people as per your capacity.

Respect your parents and elders. You will be happy, long lived and prosperous by

practicing it, because it is believed that haven exists in feet of parents. If you serve your parents, take care of them properly, you will get respect and happiness from your children.

As you sow, so as you reap - you will get results according to your actions. You will get mental peace, happiness and prosperity due to your good deeds. On the contrary, you may face various kinds of problems in your life due to bad deeds.

Use of roots to pacify the malefic effects of Mars

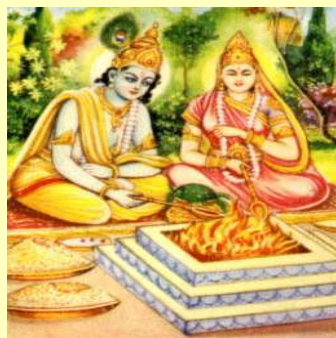


There are several methods of distress pacification of planets like donation, recitation of mantra, wearing of gem etc. Wearing of roots is also an easy method for it and it is beneficial too.

Dig up and bring the roots on day related to planet during any auspicious time. Before digging up any root, invite after smoldering the Dhoop and pouring water in it in previous evening. Then dig it up next day before sun rise without using any tool. Root should not cut with any tool.

For Mars, wear the root of Anantmool or cactus around your neck, arm or waist on Tuesday or during Mrigshira, Chitra or Ghanishtha castellation during sunrise after sewing it in red cloth.

Hawan stuffs used to pacify the malefic effects of planet Mars



To get rid from inauspicious results of planet, Hawan is a significant remedy.

Materials used in Hawan is enough beneficial. These stuffs make surroundings holy along with pacifying planet. Hawan stuffs contain several kinds of roots and herbs and due to this reason its ashes is also very beneficial and alleviate the some diseases totally.

Materials : Jasmine oil, Kumkum, Dry Ginger
Roots: Saunf, Nag Jivha, Anantmool

Bath & Donation for planet Mars

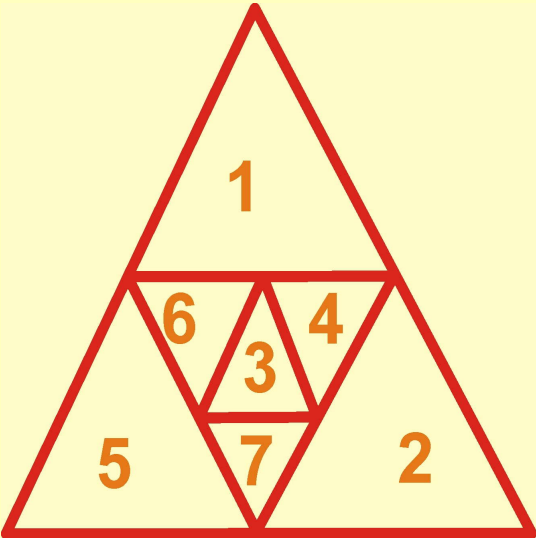
You should take bath from water after mixing red sandal or Belpatra in it. Donation of red flowers, red sandal, ghee, wheat, Masoor or copper vessel filled with bettle nut makes Mars happy.

Yantra for Planet Mars

Draw yantra on birch by using red sandal, Ashtgandh or sandal mixed with saffron by pen made of gold, silver, basil or pomegranate. Yantra can be drawn on gold, silver or copper. But these types of yantras can be worshiped only. For wearing purpose, always draw yantra on birch only. Yantra should always wear in an amulet made of gold, silver or copper. Yantra should be made by person who is wearing sacred thread. In this way, Yantra becomes more powerful and gives full impact on wearer.

8	3	10
9	7	5
4	11	6

Tantrik Yantra



Mantra, Yantra and Remedies related to planet Mercury

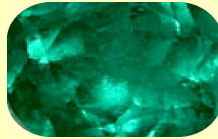


ओं चन्द्रपुत्राय विद्महे रोहिणीप्रियाय धीमहि तन्नो बुधः प्रचोदयात् ।



सौम्योदङ्मुख पीतवर्ण मगधरचात्रेय गोत्रोद्भवो ।
बाणेशानदिशः सुहृच्छनिभृगुः शत्रु सदा शीतगुः ॥
कन्या युग्मपतिर्दशाष्ट चतुरः षड्नेत्रकः शोभनो ।
विष्णुः पौरुषदेवते शशिसुतः कुर्यात् सदा मंगलम् ॥

Ratna (Gems) for Planet Mercury



Result of Mercury according to its position in house/Sign

In your horoscope, Mercury is situated in sign Scorpio. Owing to this reason, you may not be fortunate in certain respects. However, if Mercury is situated in its own nakshatra (Jyeshtha), and/ or if Mars is either exalted or situated in own-sign, then you will rather be fortunate in many respects, and come up in life at a relatively early age-period by making use of your education, intelligence, and discretion in an effective manner. But if any modifying influence is not present in your chart, then you may not be intelligent - for which you may not have good education. From sometime in your mid-teens, you may fall in bad company, take

to evil ways, and ruin your prospects.

In your horoscope, Mercury is situated in the 3rd-house. For this, you will be fortunate in respect of your (younger) siblings. You will be restless, active, and busy; you will have interest in gathering knowledge and information in a wide range of subjects, and continue informal studies for a number of years. Your profession may involve much of writing and sending communications; you may also undertake many journeys. You may have special interest in music, and you may enjoy listening to music as a pastime. If a natural malefic planet afflicts Mercury by conjunction or aspect, then you may suffer from mental confusion, and commit some unworthy deeds.

Other Result of Mercury according to its position in house / Sign

Mercury is situated in Scorpio sign in your horoscope. You may be clever and quarrelsome. Your friends may be selfish and you may meet financial losses due to this reason.

Mercury is situated in 3rd, 6th or 12th house in your horoscope. Sometimes you may become very hesitant and get disappointed.

If you have speech defect like stammering etc. or your mind is weak or you don't have control on your tongue, recite Kartikeya mantra for 10 times while sitting under banyan tree. Start this process from Pushya Nakshtra and continue for next 27 days.

If you are unable to express your thoughts or speak before mass gathering, recite Budh Kavach regularly.

If you are not able to sleep well due to tension or see bad dreams, you should recite 'Mercury Gaytri Mantra' 3 for times during day time.

If you are unable to save your money or your earning is less, you should recite Srisukta Path.

If you are unable to save your money or your earning is less, you should recite Srisukta Path.

If you are suffering from any skin disorder, recite Sheetla mantra for 10000 times to cure same. Then offer 1000 Aahuti from same mantra after accomplishing recitation.

If you are not getting success in business due to any blemish of Mercury, You should recite Mercury Gayatri mantra for 10000 times. Donate Moong, ghee, silver or thing made up of ivory according to your capacity after recitation.

If you are suffering from any incurable disease due to blemish of Mercury, you should recite Vishnusahstranam.

Easy remedies for Planet Mercury

You should recite Vishnusahstranam daily or on every Wednesday. Recite Dwadashakshari Vishnu Mantra AUM NAMO BHAGAVATE VASUDEVAYA for 28 or 108 times daily.

- 1-Don't abuse anybody.
- 2-Behave in affectionate manner with your younger.
- 3-Don't adopt wrong practices to do your work.

Fasting (Vrata) for Planet Mercury



It may be little difficult for many people to recite hymn (Mantra) properly. Having fast on the ruling day of troublesome planet is an easy remedy for them.

You should have fast on Wednesday to diminish the inauspicious effect of Mercury. Fast should start from first Wednesday of ascending moon (Waxing Moon) of Jyeshtha month. This fast should perform minimum for 21 Wednesdays and maximum for 45 Wednesdays. You should wear green clothes during fast and recite Beej mantra or Tantrik mantra of Mercury for 324 or 1836 times (3 or 17 rosaries). After that, distribute Halwa or Laddu made up of Masoor dal or any other stuff made up of Gud among poor and you too eat same. On last Wednesday perform Holocaust with Hawan. You may get success in educational & professional spheres by observing this fast. It is believed that if you have fast on Amavashya, Mercury becomes favorable.

Respect your parents and elders. You will be happy, long lived and prosperous by

practicing it, because it is believed that haven exists in feet of parents. If you serve your parents, take care of them properly, you will get respect and happiness from your children.

As you sow, so as you reap - you will get results according to your actions. You will get mental peace, happiness and prosperity due to your good deeds. On the contrary, you may face various kinds of problems in your life due to bad deeds.

Use of roots to pacify the malefic effects of Mercury



There are several methods of distress pacification of planets like donation, recitation of mantra, wearing of gem etc. Wearing of roots is also an easy method for it and it is beneficial too.

Dig up and bring the roots on day related to planet during any auspicious time. Before digging up any root, invite after smoldering the Dhoop and pouring water in it in previous evening. Then dig it up next day before sun rise without using any tool. Root should not cut with any tool.

For Mercury, wear the root of Vidhara or Bharangi (Bidayre or Var dhara root) around your neck, arm or waist on Wednesday or Aashlesha, Jyeshtha or Rewati castellation during sunrise after sewing it in green cloth.

Hawan stuffs used to pacify the malefic effects of planet Mercury



To get rid from inauspicious results of planet, Hawan is a significant remedy.

Materials used in Hawan is enough beneficial. These stuffs make surroundings holy along with pacifying planet. Hawan stuffs contain several kinds of roots and herbs and due to this reason its ashes is also very beneficial and alleviate the some diseases totally.

Materials : Vidhara root, Deodar, white mustard
Roots: Bharangi

Bath & Donation for planet Mercury

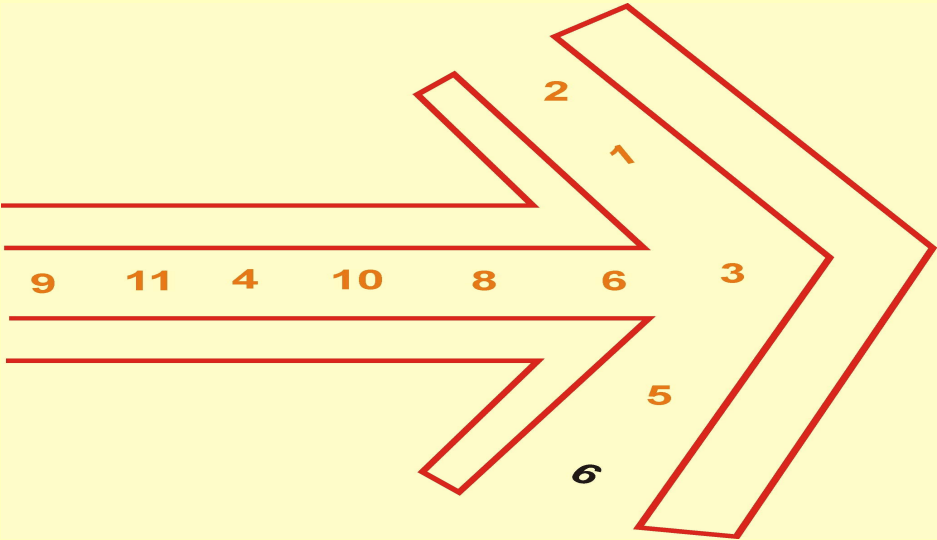
You should have bath from water after putting any gold ornament or whole rice in it. You should donate any article made up of silver or ivory, blue cloth, ghee or Moong to make Mercury happy.

Yantra for Planet Mercury

Draw yantra on birch by using red sandal, Ashtgandh or sandal mixed with saffron by pen made of gold, silver, basil or pomegranate. Yantra can be drawn on gold, silver or copper. But these types of yantras can be worshiped only. For wearing purpose, always draw yantra on birch only. Yantra should always wear in an amulet made of gold, silver or copper. Yantra should be made by person who is wearing sacred thread. In this way, Yantra becomes more powerful and gives full impact on wearer.

9	4	11
10	8	6
5	12	7

Tantrik Yantra



Mantra, Yantra and Remedies related to planet Jupiter



ओं अंगिरोजाताय विद्महे वाचस्पतये धीमहि तन्नो गुरुः प्रचोदयात् ।



जीवश्चांगिर-गोत्रजोत्तरमुखो दीर्घोत्तरा संस्थितः ।
पीतोऽश्वत्थ समिद्ध सिन्धुजनितश्चापोऽथमीनाधिपः ॥
सूर्येन्दु क्षितिज प्रियो बुध सितौ शत्रूममाश्चापरे ।
सप्तांकद्विभवः शुभः सुरगुरुः कुर्यात् सदा मङ्गलम् ॥

Ratna (Gems) for Planet Jupiter



Result of Jupiter according to its position in house/Sign

In your horoscope, Jupiter is situated in sign Capricorn. Jupiter becomes debilitated here; owing to this reason, you may experience some difficulties in your early life. If Jupiter is conjoined with any of the 7 planets except Sun, then you are likely to come up in life in a spectacular manner during a period when the Dasha or Bhukti of Jupiter operates. For Jupiter's debilitation, your knowledge of grammar might be inadequate, and command in languages may not be very good. In addition, you

may experience some difficulties at the time of your childbirth, as miscarriage is feared. If your Ascendant is either Sagittarius or Pisces, then you must have been born in a wealthy family.

In your horoscope, Jupiter is situated in the 5th-house. For this, you will be very fortunate in many respects. You will remain in good health, and your father will be a respectable and responsible person; your spouse is likely to be the eldest born in her/ his family, and your children will be worthy and dutiful. You will be highly intelligent, well educated, endowed with discrimination and sense of propriety. You will have a large circle of friends and acquaintances, and your earnings from profession will be quite substantial. You will lead a very peaceful and comfortable life, become well known for your good deeds, and people in general will treat you with due respect. Your credibility and honor will always be on the wane.

Other Result of Jupiter according to its position in house / Sign

Jupiter is situated in Capricorn sign in your birth horoscope. You may lack patience and intelligence. You may not get appropriate success even after enough hard work. Your married life may not be harmonious. You may not be able to understand what is right or wrong for you. Your brothers or relatives may not adore and cooperate you enough.

If you are not able to amass wealth due to weakness of Jupiter, recite Jupiter Gaytri mantra for 10 times during day time.

Sprinkle Gangajal at your work place after enchanting it from 8 'Jupiter Mantra' for progress in business.

If you have differences with your spouse, recite 'Jupiter Gaytri' mantra daily for 10 times in the morning.

If you have clashes with your spouse, worship Shiv - Parvati and recite Ardhanarateshwar Stot during morning and evening.

If marriage of girl is not settling, worship 300 Parthiv Ling. If marriage of boy is not settling, recite 17 lessons of Durgasaptasati.

Easy remedies for Planet Jupiter

You should recite Brahaspati Stot written in Skand Puran to remove the blemishes caused by Jupiter and hear Satyanarayan Katha on full Moon (Poornima) day. You

should offer rice coloured in turmeric, yellow flowers, yellow sandal. Donate gram pulse, salt, turmeric etc. on Thursday.

1-Behave warmly with teachers, preachers, saints, old people and highly educated people.

2-Don't tell a lie in court being as a witness.

Fasting (Vrata) for Planet Jupiter



It may be little difficult for many people to recite hymn (Mantra) properly. Having fast on the ruling day of troublesome planet is an easy remedy for them.

You should have fast on Thursday to diminish the inauspicious effect of Jupiter. Fast should start from first Thursday of ascending moon (Waxing Moon) of Jyeshtha month. This fast should perform minimum for 21 Thursdays and maximum for 3 years. You should take bath & wear yellow clothes on Thursday and recite Beej mantra or Tantrik mantra of Jupiter for 324 or 1188 times (3 or 11 rosaries). Offer yellow flowers to Lord Brihaspati. You should distribute Laddu made up of gram flour & Gud or sweet yellow or saffron colored rice among poor people and eat yourself. On last Thursday, perform Holocaust with Hawan and distribute food (Yellow Colored) to Brahmins. You will be intelligent, erudite and wealthy by observing this fast. If any unmarried girl have this fast, she may get married soon.

Respect your parents and elders. You will be happy, long lived and prosperous by practicing it, because it is believed that haven exists in feet of parents. If you serve your parents, take care of them properly, you will get respect and happiness from your children.

As you sow, so as you reap - you will get results according to your actions. You will get mental peace, happiness and prosperity due to your good deeds. On the contrary, you may face various kinds of problems in your life due to bad deeds.

Use of roots to pacify the malefic effects of Jupiter

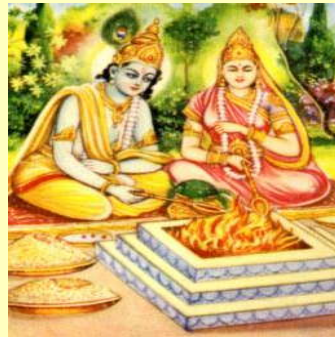


There are several methods of distress pacification of planets like donation, recitation of mantra, wearing of gem etc. Wearing of roots is also an easy method for it and it is beneficial too.

Dig up and bring the roots on day related to planet during any auspicious time. Before digging up any root, invite after smoldering the Dhoop and pouring water in it in previous evening. Then dig it up next day before sun rise without using any tool. Root should not cut with any tool.

For Jupiter, wear the root of banana or turmeric knot around your neck, arm or waist on Thursday or Punarvasu, Vishakha or Purv Bhadrapad castellation in evening after sewing it in yellow cloth.

Hawan stuffs used to pacify the malefic effects of planet Jupiter



To get rid from inauspicious results of planet, Hawan is a significant remedy. Materials used in Hawan is enough beneficial. These stuffs make surroundings holy along with pacifying planet. Hawan stuffs contain several kinds of roots and herbs and due to this reason its ashes is also very beneficial and alleviate the some diseases totally.

Materials : Turmeric, dry rose
Roots: Banana Root

Bath & Donation for planet Jupiter

Mix grains of yellow mustard and black cardamoms in water and take bath from same. It will remove the blemishes of Jupiter. You should donate turmeric, yellow clothe, yellow grains, salt, lemon or Menhadi to make happy Jupiter.

Yantra for Planet Jupiter

Draw yantra on birch by using red sandal, Ashtgandh or sandal mixed with saffron by pen made of gold, silver, basil or pomegranate. Yantra can be drawn on gold, silver or copper. But these types of yantras can be worshiped only. For wearing purpose, always draw yantra on birch only. Yantra should always wear in an amulet made of gold, silver or copper. Yantra should be made by person who is wearing sacred thread. In this way, Yantra becomes more powerful and gives full impact on wearer.

10	5	12
11	9	7
6	13	8

Tantrik Yantra

15	28	29	30	32	31	
14	6	13	10	16	17	26
11	22	1	9	21	8	
23	5	4	12	2	7	20
26	24	25	3	18	19	

Mantra, Yantra and Remedies related to planet Venus



ओं भृगुपुत्राय विद्महे श्वेतवाहनाय धीमहि तन्नः शुक्रः प्रचोदयात् ।



शुक्रो भार्गवगोत्रजः सितनिभः प्राचीमुखः पूर्वदिक् ।
पञ्चाङ्गो वृषभस्तुलाधिप महाराष्ट्राधिपोदुम्बरः ॥
इन्द्राणी मघवानुभौ बुध शनी मित्रार्क चन्द्रौ रिपू ।
षष्ठो द्विर्दश वर्जितो भृगुसुतः कुर्यात् सदा मंगलम् ॥

Ratna (Gems) for Planet Venus



Result of Venus according to its position in house/Sign

In your horoscope, Venus is situated in sign Capricorn. Venus is not happily placed in this sign; for this reason, you may not be fortunate in certain respects. You may suffer from some disease, be endowed with an emaciated appearance, and behave miserly in respect of money-matters. As you may not be in the habit of fulfilling your commitments, people may not consider you dependable. You may have much of interest in other people's affairs, and the thought of lacking what some other people have might make you unhappy. Your married life may neither

be happy nor long lasting. However, your prospects in late age will be secured, and you will fare well in that part of your life.

In your horoscope, Venus is situated in the 5th-house. For this, you will be a soft-spoken, cultured person with refined nature, polished behavior, winning manners, and just disposition. You will be an embodiment of modesty, learning, and intellect; you are likely to gain proficiency in some branch of fine arts, and will become known for your creative abilities. You may attain some desired effects by chanting sacred 'mantras' (mystic words), and may even acquire the quality of alleviating people's suffering by mystical healing. Your spouse and you will consider each other to be dearer than own life; you may have more of female children - who will be beautiful and dutiful as well, and your domestic life will be really very joyful and happy. If Venus is situated in sign Taurus or Libra or Pisces, then the beneficial results will be even more.

Special Results of Venus with remedies

Venus is situated in Capricorn sign in your horoscope. You may have close contact with an elder person of opposite sex, which may harm you. You may suffer from heart ailment.

For the comfort of child, don't hurt the girls. Worship girls during Navaratri and give them food and clothes according to your capacity. Gift a photograph of Shiva -Parvati or Vishnu -Laxmi to any person once in year or donate a bed sheet, pillow or a pair of clothes to a Brahmin. Recitation of Saundarya Lahari Stot or Devi Sukta and Srikavach daily will be also beneficial.

If you don't have any control on your lustful desire or are attracted towards unnatural sex, recite Shiv Sankalp Sukta for one time mentioned in Atharva Ved daily before going to bed. You may recite Shukra Gayatri Mantra for 10 times daily.

If there is poverty in your home or you have financial problem, recite Argla and Kilak Stot in the morning.

You should recite Ratrisukta in morning and at night before sleeping, if you feel laziness or your works are not being completed due to drowsiness.

You should recite Shukra Stavaraj Path, if you are facing impediments in your marriage or your marriage is not settling down.

You should recite Shukra Kavach, if you are getting injury again and again or suffering from any physical disorder.

Easy remedies for Planet Venus

Recite following mantra for one time after offering water to Osmium (Tulsi) plant in the morning after taking bath. Then recite Tulsi Kavach while standing over there.

- 1- Have contact with your spouse only.
- 2- Respect others' women and girls.

Fasting (Vrata) for Planet Venus



It may be little difficult for many people to recite hymn (Mantra) properly. Having fast on the ruling day of troublesome planet is an easy remedy for them.

You should have fast on Friday to diminish the inauspicious effect of Venus. Fast should start from first Friday of ascending moon (Waxing Moon) of Jyeshtha month. This fast should perform minimum for 21 Fridays and maximum for 31 Fridays. You should take bath & wear white clothes on Friday and recite Beej mantra or Tantrik mantra of Venus for 324 or 2268 times (3 or 21 rosaries). You should have sweet rice or milk products and feed same to one eyed man or white cow on the day of fast. On last Friday, perform Holocaust with Hawan and donate silver, white clothes, Kheer etc. to poor people. If you have fast on Friday, Venus will become favorable and you will earn financial gains & your married life will be happy.

Respect your parents and elders. You will be happy, long lived and prosperous by practicing it, because it is believed that haven exists in feet of parents. If you serve your parents, take care of them properly, you will get respect and happiness from your children.

As you sow, so as you reap - you will get results according to your actions. You will get mental peace, happiness and prosperity due to your good deeds. On the contrary, you may face various kinds of problems in your life due to bad deeds.

Use of roots to pacify the malefic effects of Venus

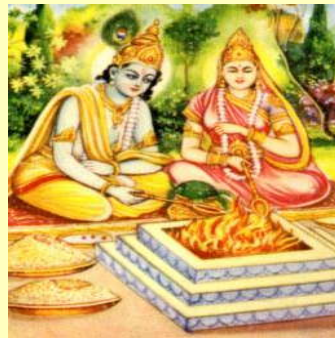


There are several methods of distress pacification of planets like donation, recitation of mantra, wearing of gem etc. Wearing of roots is also an easy method for it and it is beneficial too.

Dig up and bring the roots on day related to planet during any auspicious time. Before digging up any root, invite after smoldering the Dhoop and pouring water in it in previous evening. Then dig it up next day before sun rise without using any tool. Root should not cut with any tool.

For Venus, wear the root of pomgrannate, castor or Sarponkha around your neck, arm or waist on Friday or Bharani, Purv Phalguni or Uttarashatha castellation at noon after sewing it in white cloth.

Hawan stuffs used to pacify the malefic effects of planet Venus



To get rid from inauspicious results of planet, Hawan is a significant remedy. Materials used in Hawan is enough beneficial. These stuffs make surroundings holy along with pacifying planet. Hawan stuffs contain several kinds of roots and herbs and due to this reason its ashes is also very beneficial and alleviate the some diseases totally.

Materials : Sarponkho, pomegranate root, dry amala
Roots: castor

Bath & Donation for planet Venus

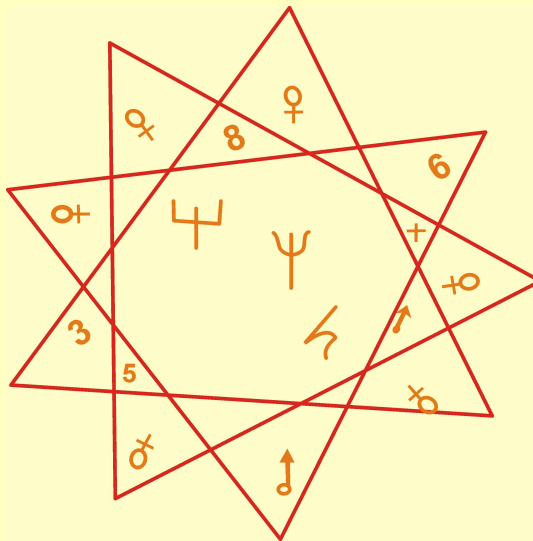
Mix green cardamom, lemon juice or perfume in water and take bath from same. Donation of Basmati rice, ghee, white sandal, silver, white clothes, camphor, Dhoop and scented sticks (Agarbatti), Scent and silk clothes make Venus happy.

Yantra for Planet Venus

Draw yantra on birch by using red sandal, Ashtgandh or sandal mixed with saffron by pen made of gold, silver, basil or pomegranate. Yantra can be drawn on gold, silver or copper. But these types of yantras can be worshiped only. For wearing purpose, always draw yantra on birch only. Yantra should always wear in an amulet made of gold, silver or copper. Yantra should be made by person who is wearing sacred thread. In this way, Yantra becomes more powerful and gives full impact on wearer.

11	6	13
12	10	8
7	14	9

Tantrik Yantra



Mantra, Yantra and Remedies related to planet Saturn



ओं कृष्णांगाय विद्महे रविपुत्राय धीमहि तन्नः सौरिः प्रचोदयात् ।



मन्दः कृष्णनिभस्तु परिचममुखः सौराष्ट्रकः काश्यपः।
स्वामी नक्रभकुम्भयोर्बुधसितौ मित्रे समश्चाऽङ्गिराः॥
स्थानं परिचमदिक्प्रजापति यमौ देवौ धनुष्यासनः।
षटत्रिस्थः शुभकृच्छनी रविसुतः कुर्यात् मंगलम् ॥

Ratna (Gems) for Planet Saturn



Result of Saturn according to its position in house / Sign

In your horoscope, Saturn is situated in sign Gemini. Owing to this reason, you will be endowed with a youthful mind, and be a fairly intelligent, very energetic, and highly enthusiastic person. You will not be in the habit of taking hasty decisions, and tend to give final shape to your well thought out plans only after careful analysis of the various possibilities and due consideration of the utility aspects. You will be extremely conscious in respect of your field of action, duties and responsibilities, and scope of achievements. You may prosper in a place quite far away from your own, and remain busy in making your own fortune by expending endeavors in

constructive activities. You may have deep interest in sacred ancient classics, and firm faith in chanting hymns and prayers.

In your horoscope, Saturn is situated in the 10th-house. This position is very tricky and potentially dangerous; you will have to remain very careful and cautious, should maintain a regulated and disciplined lifestyle, and never be tempted to deviate from the righteous path. You will have the uncanny ability to divert people's attention, and can make people believe in what you actually imagine. If you work for a social cause or get involved in politics, then you will be able to surpass your contemporaries by far - by obtaining support from the majority. But as you can't be able to fulfill the great expectations, you may suddenly face a precipitous fall - more so if Saturn is 'retrograde'. If Mars is conjoined with Saturn, then the deterioration of mental condition of one of your younger siblings might make you worried. If Saturn is situated in sign Aquarius or Capricorn or Libra, then you will be highly fortunate - as you will enjoy the beneficial results of 'Shasha Yoga' (a 'Pancha Maha-Purusha Yoga' combination). You will live as an important and respectable person in the society; but you may have to live away from your kinsmen.

Other results of Saturn with remedies

Saturn is situated in Gemini sign in your horoscope. You may often face trouble due to debts.

Saturn is situated in 10th house in your horoscope. you may have differences with senior officers. There is possibility of your suffering from any mental or head ailment. You may face trouble due to your in-laws.

To remove the blemishes of Saturn due to its sign position or house position, Gaytri mantra of Saturn for a certain times daily while standing on Aasan (seat).

If your life is in trouble due to any kind of disease or accident during Dasha or Gochar of Saturn, you should recite Mahamrityunjay mantra of Lord Shiva written by Markandey ji.

If your child is not listening you and disobeying you, you should recite following Shani Gayatri mantra daily for 28 or 108 times. Recitation of Bhujang Strot of lord Hanuman while mediating on Hanumanji or Shivtandav Strot will be beneficial for you.

During Sadesati ,Gochar period or Dasha or Anterdasha of Saturn, if you are getting inauspicious results, recite Saturn Stavaraj mantra.

If you are getting injured again and again during Dasha or Gochar of Saturn or suffering from any disease, you should recite Shanashcharashtak Strot.

Easy remedies for Planet Saturn

Massage mustard oil on body on Monday, Wednesday and Saturday and then take bath. General blemishes of Saturn are removed spontaneously if you will keep yoursurrounding clean. You should recite prayer of Lord Shiva, Hanuman or Bhairavdaily after taking bath. Don't use broken vessels or mirror or cots.

Don't misbehave with servants, laborers, employees and don't cut their remunerations what they deserve. Don't insult them.

Fasting (Vrata) for Planet Saturn



It may be little difficult for many people to recite hymn (Mantra) properly. Having fast on the ruling day of troublesome planet is an easy remedy for them.

You should have fast on Saturday to diminish the inauspicious effect of Saturn. Fast should start from first Saturday of ascending moon (Waxing Moon) of Jyeshtha month. You should take bath & wear black clothes on Saturday and reciteBeej mantra or Tantrik mantra of Saturn for 324 or 2052 times (3 or 19 rosaries). Then Offer water, black sesame seeds, black or blue flowers, cloves, Gangajal, sugar & milk on root of banyan tree facing towards east. You should have any food made up of Black Urad & oil and donate same. On last Saturday, perform Holocaust with Hawan and donate food (made up of oil), black clothe, leather shoe etc. You will get success in quarrels and disputes by observing this fast. If you are a factory owner and engaged in business of iron or steel, you will get enough success.

Respect your parents and elders. You will be happy, long lived and prosperous by practicing it, because it is believed that haven exists in feet of parents. If you serve your parents, take care of them properly, you will get respect and happiness from your children.

As you sow, so as you reap - you will get results according to your actions. You will get mental peace, happiness and prosperity due to your good deeds. On the

contrary, you may face various kinds of problems in your life due to bad deeds.

Use of roots to pacify the malefic effects of Saturn

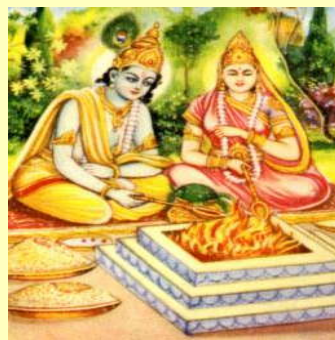


There are several methods of distress pacification of planets like donation, recitation of mantra, wearing of gem etc. Wearing of roots is also an easy method for it and it is beneficial too.

Dig up and bring the roots on day related to planet during any auspicious time. Before digging up any root, invite after smoldering the Dhoop and pouring water in it in previous evening. Then dig it up next day before sun rise without using any tool. Root should not cut with any tool.

For Saturn, wear the root of Bichua around your neck, arm or waist on Saturday or Pushya, Anuradha or Uttar Bhadrapad castellation at noon after sewing it in blue cloth.

Hawan stuffs used to pacify the malefic effects of planet Saturn



To get rid from inauspicious results of planet, Hawan is a significant remedy. Materials used in Hawan is enough beneficial. These stuffs make surroundings holy along with pacifying planet. Hawan stuffs contain several kinds of roots and herbs and due to this reason its ashes is also very beneficial and alleviate the some diseases totally.

Materials : Black sesame, black Urd, Bichua root

Roots: Oak (Dhatura)

Bath & Donation for planet Saturn

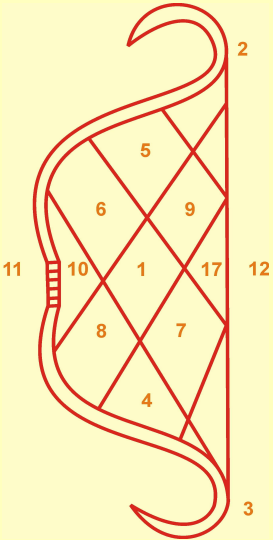
Mix coat of paddy, green grass with roots or black sesame in water and take bath from same water. It removes blemish of Saturn. Donation of Black cardamom, black sesame, cloves, iron articles, blue or black clothe, Gugal, whole black Urd according to your capacity makes Saturn happy.

Yantra for Planet Saturn

Draw yantra on birch by using red sandal, Ashtgandh or sandal mixed with saffron by pen made of gold, silver, basil or pomegranate. Yantra can be drawn on gold, silver or copper. But these types of yantras can be worshiped only. For wearing purpose, always draw yantra on birch only. Yantra should always wear in an amulet made of gold, silver or copper. Yantra should be made by person who is wearing sacred thread. In this way, Yantra becomes more powerful and gives full impact on wearer.

12	7	14
13	11	9
8	15	10

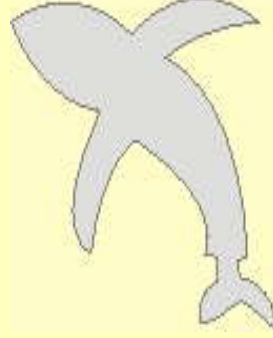
Tantrik Yantra



Mantra, Yantra and Remedies related to planet Rahu



ओं नीलवर्णाय विद्महे सैँहिकेयाय धीमहि तन्नो राहुः प्रचोदयात् ।



राहुः सिंहलदेशजश्च निर्ऋतिः कृष्णाङ्गशूर्पासनो ।
यः पैठीनसि गोत्रसम्भवसमिद् दूर्वामुखो दक्षिणः ॥
यः सर्पाद्यधिदैवते च निर्ऋतिः प्रत्याधिदेवः सदा ।
षट्त्रिस्थः शुभकृच सिंहिकासुतः कुर्यात् सदा मंगलम् ॥

Ratna (Gems) for Planet Rahu



Result of Rahu according to its position in house / Sign

In your horoscope, Rahu is situated in the 4th-house. For this, you will be fortunate in respect of having good education and success in intellectual pursuits. But you may suffer from windy disorders, and your mother might receive injuries through wood or stone. Owing to occasional re-surfacing of some minor problems

intermittently, you may not feel very comfortable at your home or in your native place. If Jupiter is also situated together with Rahu, then thinking of one of your children might become somewhat confused.

In your chart, Rahu is situated in either an angular (kendra) or trinal (trikona) position from the Ascendant. This is a favorable combination; for being placed in such a position, Rahu acts as a temporal benefit-giving (yoga-karaka) planet in the chart. You will do well in academic and/ or intellectual pursuits, and have improvement in your sphere of profession. You will be highly fortunate, and successful in all your endeavors during the period when the Dasha or Bhukti of Rahu will operate. However, you may face some irritating minor problems during the closing period of the same.

In your chart, Rahu is not situated in the unfavorable 8th-house, and it is situated close to Sun (within 3*20'). You may have some problems with your eyesight. Yet it is a favorable combination in certain respects. During sometime in your life when the Dasha or Bhukti of planet Jupiter operates, you are likely to come across a person whose Ascendant is Leo - from whom you will derive benefits.

Other Result of Rahu according to its position in house / Sign

Rahu is situated with Sun or Moon in your horoscope. You may not be able to take any decision or your decisive power may be fewer.

Easy remedies for Planet Rahu

Apply and scented oil on your naval and take bath while facing east. Don't cover your head while having the food and don't eat while facing east. Don't have food while stretching your legs. Don't be jealous of progress of anybody. Behave properly with servants at your home. Don't have food, do intercourse and use harsh words during eclipse, just before or after sunset and before taking out corpse for cremation after death of any person in your neighborhood. Start your day after remembering Vishnu, Shiva or Durga.

- 1-Give your voluntary services in hospitals, orphanages or soldier institutes.
- 2-Don't misbehave with cleaners.

Fasting (Vrata) for Planet Rahu



It may be little difficult for many people to recite hymn (Mantra) properly. Having fast on the ruling day of troublesome planet is an easy remedy for them.

There is no particular day for Rahu. For Rahu, you can have fast on Saturday.

You should have fast on Saturday to diminish the inauspicious effect of Rahu. Fast should start from first Saturday of ascending moon (Waxing Moon) of Jyeshtha month. This fast should perform for 18 Saturdays. You should take bath & wear black clothes on Saturday and recite Beej mantra or Tantrik mantra of Saturn for 324 or 1944 times (3 or 18 rosaries). Then pour water mixed with green grass and Kush (a kind of weed) on root of banyan tree. You should have sweet bread and donate same on this day. Burn a Lamp (Deepak) under banyan tree at night. You will get victory over your enemies, co-operation from government and relief from Rahu - Ketu born diseases by observing this fast.

Respect your parents and elders. You will be happy, long lived and prosperous by practicing it, because it is believed that haven exists in feet of parents. If you serve your parents, take care of them properly, you will get respect and happiness from your children.

As you sow, so as you reap - you will get results according to your actions. You will get mental peace, happiness and prosperity due to your good deeds. On the contrary, you may face various kinds of problems in your life due to bad deeds.

Use of roots to pacify the malefic effects of Rahu



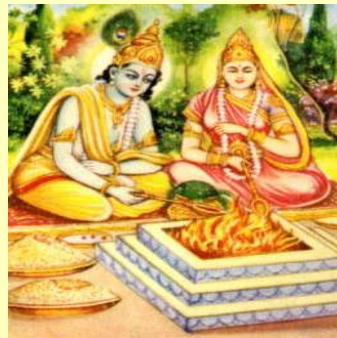
There are several methods of distress pacification of planets like donation, recitation of mantra, wearing of gem etc. Wearing of roots is also an easy method

for it and it is beneficial too.

Dig up and bring the roots on day related to planet during any auspicious time. Before digging up any root, invite after smoldering the Dhoop and pouring water in it in previous evening. Then dig it up next day before sun rise without using any tool. Root should not cut with any tool.

For Rahu, wear the rosary of roots of Malay sandal around your neck, arm or waist on Wednesday or Saturday or Aadra, Swati or Shatbhisha castellation in the evening before sunset.

Hawan stuffs used to pacify the malefic effects of planet Rahu



To get rid from inauspicious results of planet, Hawan is a significant remedy. Materials used in Hawan is enough beneficial. These stuffs make surroundings holy along with pacifying planet. Hawan stuffs contain several kinds of roots and herbs and due to this reason its ashes is also very beneficial and alleviate the some diseases totally.

Materials : Sandal wood
Roots: Ashtagandha root

Bath & Donation for planet Rahu

Mix Kush or Sarkanda, leaves or fruits of Neem, Nagarmotha etc. in water and take bath from same to remove blemishes of Rahu. Donate woolen clothes, blanket, snake made up of metal, Petha, hairy coconut filled with water by keeping in bamboo basket to make Rahu happy.

Yantra for Planet Rahu

Draw yantra on birch by using red sandal, Ashtgandh or sandal mixed with saffron by pen made of gold, silver, basil or pomegranate. Yantra can be drawn on gold,

silver or copper. But these types of yantras can be worshiped only. For wearing purpose, always draw yantra on birch only. Yantra should always wear in an amulet made of gold, silver or copper. Yantra should be made by person who is wearing sacred thread. In this way, Yantra becomes more powerful and gives full impact on wearer.

13	8	15
14	12	10
9	16	11

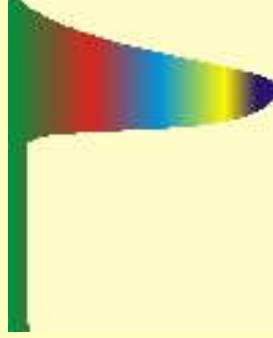
Tantrik Yantra



Mantra, Yantra and Remedies related to planet Ketu



ओं धूम्रवर्णाय विद्महे कपोतवाहनाय धीमहि तन्नः केतुः प्रचोदयात् ।



केतुर्जेमिनिगोत्रजः कुशसमृद् वायव्यकोणे स्थितः ।
चित्राङ्गध्वज लाञ्छनो हिमगुहो यो दक्षिणाशामुखः ॥
ब्रह्मा चैव सचित्र चित्रसहितः प्रत्याधिदेवः सदा ।
षट्त्रिस्थः शुभकृच बर्बरपतिः कुर्यात् सदा मङ्गलम् ॥

Ratna (Gems) for Planet Ketu



Result of Ketu according to its position in house/Sign

In your horoscope, Ketu is situated in the 10th-house. For this, you may have to leave your home or even native place for being commanded by your profession. But it might make you rather happier - since you might not have been very happy while staying at your residence or in native place. If Mars is also situated together

with Ketu, then you're your younger sibling(s) may face some problems of acute sort; but if a natural benefic planet influences Ketu by conjunction or aspect, then you will enjoy a good time in pleasant surroundings.

Easy remedies for Planet Ketu

Apply and scented oil on your naval and take bath while facing east. Don't cover your head while having the food and don't eat while facing east. Don't have food while stretching your legs. Don't jealous of progress of anybody. Behave properly with servants at your home. Don't have food, do intercourse and use harsh words during eclipse, just before or after sunset and before taking out corpse for cremation after death of any person in your neighborhood. Start your day after remembering Vishnu, Shiva or Durga.

- 1-Give your voluntary services in hospitals, orphanages or soldier institutes.
- 2-Don't misbehave with persons who are engage in work of cleanliness.

Fasting (Vrata) for Planet Ketu



It may be little difficult for many people to recite hymn (Mantra) properly. Having fast on the ruling day of troublesome planet is an easy remedy for them.

There is no particular day for Ketu. For Ketu, you can have fast on Saturday.

You should have fast on Saturday to diminish the inauspicious effect of Ketu. Fast should start from first Saturday of ascending moon (Waxing Moon) of Jyeshtha month. This fast should perform for 18 Saturdays. You should take bath & wear black clothes on Saturday and recite Beej mantra or Tantrik mantra of Saturn for 324 or 1944 times (3 or 18 rosaries). Then pour water mixed with green grass and Kush (a kind of weed) on root of banyan tree. You should have sweet bread and donate same on this day. Burn a Lamp (Deepak) under banyan tree at night. You will get victory over your enemies, co-operation from government and relief from Rahu - Ketu born diseases by observing this fast.

Respect your parents and elders. You will be happy, long lived and prosperous by

practicing it, because it is believed that haven exists in feet of parents. If you serve your parents, take care of them properly, you will get respect and happiness from your children.

As you sow, so as you reap - you will get results according to your actions. You will get mental peace, happiness and prosperity due to your good deeds. On the contrary, you may face various kinds of problems in your life due to bad deeds.

Use of roots to pacify the malefic effects of Ketu

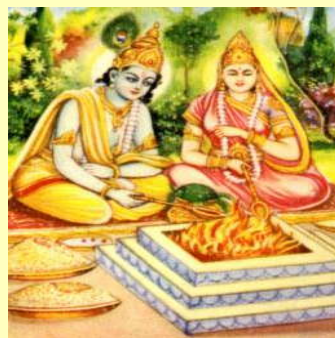


There are several methods of distress pacification of planets like donation, recitation of mantra, wearing of gem etc. Wearing of roots is also an easy method for it and it is beneficial too.

Dig up and bring the roots on day related to planet during any auspicious time. Before digging up any root, invite after smoldering the Dhoop and pouring water in it in previous evening. Then dig it up next day before sun rise without using any tool. Root should not cut with any tool.

For Ketu, wear the root of Asparagus around your neck, arm or waist on Thursday or Ashwini, Magha or Mool castellation during sun rise after sewing it in black or yellow cloth.

Hawan stuffs used to pacify the malefic effects of planet Ketu



To get rid from inauspicious results of planet, Hawan is a significant remedy.

Materials used in Hawan is enough beneficial. These stuffs make surroundings holy along with pacifying planet. Hawan stuffs contain several kinds of roots and herbs and due to this reason its ashes is also very beneficial and alleviate the some diseases totally.

Materials : Seven cereals (Wheat, rice, gram, barley, urd, moong, kangani)
Roots: Vat (Bargad)

Bath & Donation for planet Ketu

Mix Kush or Sarkanda, leaves or fruits of Neem, Nagarmotha and scent in water and take bath from same to remove blemishes of Ketu. Donate bed, coloured blanket, mirror, whole Urad, red pomegranate, hairy coconut filled with water by keeping in bamboo basket, to make Ketu happy.

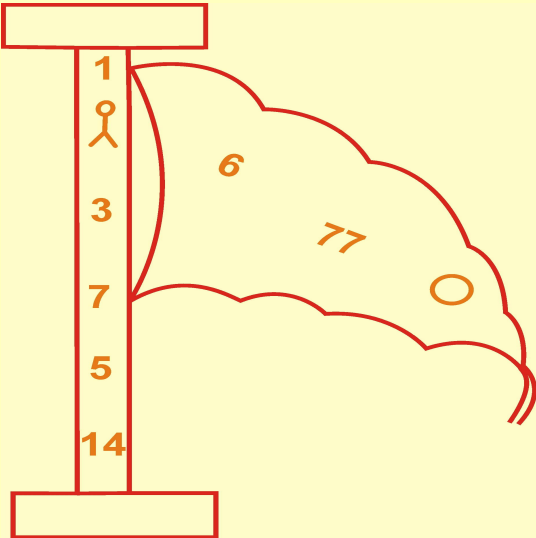
Yantra for Planet Ketu

Draw yantra on birch by using red sandal, Ashtgandh or sandal mixed with saffron by pen made of gold, silver, basil or pomegranate. Yantra can be drawn on gold, silver or copper. But these types of yantras can be worshiped only. For wearing purpose, always draw yantra on birch only. Yantra should always wear in an amulet made of gold, silver or copper. Yantra should be made by person who is wearing sacred thread. In this way, Yantra becomes more powerful and gives full impact on wearer.

14	9	16
15	13	11
10	17	12

Tantrik Yantra

Sample DOB-18:12:1973 TOB-01:45:00 POB-Ballia (up)



Result and remedy of Transit Saturn (Gochar Shani)

द्वादशे जन्मगौ राशौ द्वितीये च शनैश्चर।

सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुर्खैर्युतो भवेत्॥

When Saturn transits in 12th, 1st and 2nd house from birth Moon, that period (Around seven and half years) is known as Shani

Generally it is assumed that during Sadesati of Shani, native suffers from mental, physical and financial troubles. People get worried and an unknown fear is created in their mind. Native have fear of getting inauspicious results like dissatisfaction, disappointment, laziness, loss from sickness, theft or fire, dispute in family or death of any family member etc. but in reality, entire time of seven and half years of any phase of Sadesati is not been like this. Native also gets very auspicious results like marriage, birth of child, advancement in job or business, foreign journey, buying of building, land or vehicle, freedom from debt, contact with people of high society and benefits from them, journey of religious places, comfort and happiness from children

Discription of First phase of Shani Sadesati

Result of 1st Daiya (12th from birth Moon)

Gochar Sign -Leo

Start -07:09:1977

End -04:11:1979

Duration -2 y.1 m.27 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -15:03:1980

End -27:07:1980

Duration -0 y.4 m.12 d.

This phase may be critical for you. You may remain tensed from very beginning of this phase on the account of your children. Your children may oppose everywhere and create new troubles day after day. You may have to spent much for medical treatment of your child. You may create obstacles for your child through your acts. Your children may not agree with you. You may face troubles on account of your children. You should take special care of your children.

You enemies may become very active this time and try to harm you. They may succeed in their attempts. You may have to incur many unexpected expenses. You may undertake many long journeys, but may not get any benefits from them. You may lose your faith in religion and God because of problems arising daily. You should neither borrow nor lend money. It will save you from many problems. You may suffer from abdominal and skin ailments for long time. Your luck may not favour you.

You may come into the contact of low grade people and get benefits from them. But they may expect any kind of benefit or favour from you in future. If you are unable to fulfill their expectations they may turn into your enemies. Therefore it is advised you to form relationship with after thinking twice. You may work very

hard to overcome problems and it may spoil your health. You should take care of your health. You may fall down while walking or from height and get injured.

You should try to become mentally strong. Your maternal uncle and mother's sister may also face several troubles. You may have to face enough impediments in your works. you may face financial troubles and on this account you may go to any other city to earn your livelihood. But you may not succeed in your endeavor there. You may spend excess money on luxuries and costly attires. If your age is inbetween 30 to 46 years, you may be blessed with a son. As you may remain tensed so your mind may not work in right direction you may spend unnecessarily to make yourself successful and may repent later due to this reason.

You may get some comfort in middle of this phase. You may achieve some success through your will power. Your financial condition may improve for sometime and some of your pending or disordered works may be accomplished properly. But this time will exist for short period. After this duration, your enemies will become more active and try to harm you, but they will not succeed. If you are a serviceman, your officials may get angry with you and try to create trouble for you. You should be alert and not be overconfident. You may become victim of theft due to overconfidence, particularly during journey. This time you may meet losses due to your own acts. You may be parted from your brothers. If ,in your horoscope, mahadasha of any benefic planet is running, no. inauspicious results may decline. You will get opportunities of getting benefits at the end of phase, make use of it.

Result of 2nd Daiya (1st from birth Moon)

Gochar Sign -Virgo

Start -04:11:1979

End -15:03:1980

Duration -0 y.4 m.10 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -27:07:1980

End -06:10:1982

Duration -2 y.2 m.10 d.

This phase may be treacherous for you. If, in your horoscope, dasha of any beneficplanet is running, you may get some auspicious results only then. You may start getting inauspicious indications even from the beginning of this phase. You may suffer from mental ailment, skin disease, gas etc. you may face problems oneafter other. You may be agonized and become unable to judge right and wrong. You may become lusty. You may go to any extent to fulfill your sexual desire and be insulted in society. You may become very selfish and look for your personal interest first in every work.

If you are between 34 to 47 this time, you may face more troubles. If you are a serviceman, you may face new problems daily. Your colleagues may turn against you and they may make your complain to senior officers. Consequently your senior officers may also get angry with you and take any action against you. You

may carry out many wrong works in tension and on this account you may get transferred or be expelled. You should do every work thinking twice; otherwise you may be trapped in troubles. You should control your anger and tongue.

You should try to engage yourself in religious activities and worship god. If you are in business, there is possibility of meeting losses on the account of theft or fire. Your money may chunk in business. Borrowers may make excuses when you will ask them to return your money. Losses may gradually increase in business and you may lose your interest in your business. Some of your associates may wait for opportunity to take revenge from you. Therefore you should be alert. Worship the God. There are chances of any government raid in your business this time and you may become the victim of financial punishment. If you are doing business in partnership, your business partner may deceive you. You may not be able to concentrate in your business due to mental troubles and your employee may take the advantage of this situation through stealing etc.

Your father's health may become little upset and he may go through the operation. You may receive any bad news through communication medium and on this account you may become very upset. You may try to repay any old debt taken from your friend, but because of bad financial condition you may not be able to do so. Despite of all these your power will trim down. Your enemies may create obstacles for you, but you should make your efforts and do your job without taking care of them, you will definitely get success.

If you are a journalist, writer, editor or critic you will get much success in your job. You should not worry about what others think. If your job is related to medical or pharmaceutical field, you may meet losses in your profession this time. A medicine given or prescribed by you to any person may cause reaction. Therefore you should take much precaution. If you are engaged in social welfare or benevolence, you may get very good results. During this phase you should maintain your mental stability.

Result of 3rd Daiya (2nd from birth Moon)

Gochar Sign -Libra

Start -06:10:1982

End -21:12:1984

Duration -2 y.2 m.15 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -01:06:1985

End -17:09:1985

Duration -0 y.3 m.17 d.

During this phase you will get mixed results. Nature of results will more depend upon the Mahadasha running in your horoscope. In the beginning you may receive inauspicious results, but after sometime you will start getting good results. Do any work after thinking it twice. Control your tongue and don't do any work in a hurry otherwise you may meet loss. Work pressure may increase, but it will be beneficial for your future. You may earn financial benefit during this time. If you are under

any debt you will be able to pay it. You may purchase any land, building or vehicle. You may get any gift from your mother. You should be beware of your adversaries.

If you are in business, you will make progress through your acumen and hard work. There may be possibility of occurring theft in your business. Be cautious of your employees. You may not give enough time to your family because of more work pressure and on this account your family members may get angry with you. If you are a serviceman, you may take your transfer at your desired place. Your officers may remain happy from you, but your colleagues may try to turn them against you. Don't sign any paper without reading it. If you are in field of financial transaction, you should be more careful. You may face the charge of bribery. Stay away from leaders and don't make them annoyed through any mean.

You will participate in religious activities with lot of keenness and get honour in society on this account. You may take interest in study of religious literature. You may undertake journey to any religious place. If you are a student, work very hard otherwise you may not succeed in examination. Your mother's health may deteriorate in middle of phase and you may not be able to concentrate on your work on this account. After sometime your mother will become healthy again and you will start concentrating on your work. You may not give much time to your family members because of over work burden. Due to this reason your spouse may become angry with you. So try to give enough time to family. You will make financial advancement during this time. Try to make cordial relationship with your relatives and friends. Control your tongue. Your enemies may try to harm you, but they will not succeed. You should keep working your job without taking care of them.

You may suffer from pain in legs. Your body may become weak due to excessive labour and business. However, you don't have scarcity of money, but you may keep on thinking to earn more money. You may wander to get happiness and peace and not pay your attention towards your family. You will keep trying to dominate over people. You may go to a distant place or foreign country to earn money. You may have risk of falling from height, getting injured from animal, vehicle accident, fire or electricity. You should work very carefully and proceed ahead while mediating on God.

Result of Kantak Saturn (4th from birth Moon)

Gochar Sign -Sagittarius

Start -17:12:1987

End -21:03:1990

Duration -2 y.3 m.3 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -20:06:1990

End -15:12:1990

Duration -0 y.5 m.26 d.

Result of this phase may be very inauspicious for you. You may suffer from many

diseases simultaneously. You may become very disappointed due to these diseases. Your father may also face troubles and on this account you may get upset. If you are running under Dasha of any inauspicious / malefic planet, you may have to bear the pain of separation of any close relative. You may get any bad news through communication medium. If you are in service, your colleagues may behave with you like enemy. You may face new charges daily and on this account you may get mentally disturbed. You may be hospitalized. Your job may also be left.

Any of your old enemy may appear in front of you, who can cause mental trouble for you. This time no body will come forward to help you. You may meet various kinds of losses including finance. If you are a businessman, your business may come to an end. If it would have been even saved due to influence of any auspicious planet, you must meet loss. Your enemies may spread bad name of your business. They may try to gather secret information about your business from your employee by offering him any kind of greed and play an important role in putting raid at your place. You may meet losses from government. Some of your payment may be withheld. Whatever you do, think twice and do carefully. Wait for favourable time to come and let this bad time pass while meditating on God.

You should be very careful while driving the vehicle as there may be possibility of meeting accident. Chances of getting head injury may be more. You may receive serious charges from maternal uncle or mother's sister, which may cause mental trouble for your mother. Her health may become deteriorated. Behaviour of your life partner may also change for you. You may become mentally upset on this account. You may attract towards wrong acts. You may get punishment from government. All of your efforts earning money in this phase may get failed and whatever you earn, you may lose the same in wasteful expenses while meeting and enjoying luxuries of life.

If you are between 34 to 47 years of age and Rahu is also inauspicious, you may get imprisonment. If Mars is inauspicious, you may lose your any body part or organ in an accident. You may get separated from your brothers during this time and whatever wealth you get in division, you may spend it in unnecessary activities. You may not be able to take right decisions. Your behaviour may change for others, due to this reason your near and dears may also dislike you. You may not have faith in religion. You should take interest in religion and engage yourself in religious activities.

Result of Ashtam Saturn (8th from birth Moon)

Gochar Sign -Aries

Start -17:04:1998

End -07:06:2000

Duration -2 y.1 m.21 d.

Result of this phase may be very inauspicious for you. If Saturn is positioned in any auspicious house in your horoscope, you will get more auspicious results. You may face physical troubles. Your siblings may be also troubled. You may also fall ill. You may suffer from piles, fistula etc. you may come into contact of women belonging to lower social status and you may become insulted in society. You

should be well behaved and not lose your character. Your illegal relationship may be exposed very soon and conflicts may arise in your family on this account.

If you are a woman and pregnant this time, you should remain alert. There is chance of carrying abortion. If you are between 19 to 25 years of age, you should be careful from boys who are your companion. You may earn bad name because of them and your future may spoil.

If you are a student, you should focus on your society, because there is possibility of slipping out of your track. You may not succeed in your educational sphere. You should have control on your expenses and meet your expenditure within same amount of money which you get from your parents. Don't dream too much.

You may commit many mistakes and repent for those later. But you will keep repeating same mistake due to influence of planets. You may become matter of mockery among your friends and relatives due to your own activities. You may adopt counterfeit means to execute your tasks. People may not trust you. Your own people may go way from you. Your friends may turn into your enemies due to your behavioral change. Your past enemies may create impediments for you. Any of your enemy may get any wrong act done from your after becoming your friend. Be alert.

If you are a businessman, many of your business partners may discontinue dealing with you because of your treacherous behaviour. You may not focus on your business. You may become lazy and get out of race on this account. Your employees may take advantage of it. You may face financial crisis in business and try to escape from lenders. If you are in service, you may not be able to concentrate on work due to physical inability. You may not complete your job in time and your officers may get angry with you on this account and you may get transferred. You may also get punishment. You may see only your own interest this time. You may think about only how to earn money. You may start taking bribe but everyone will come to know about it. Your colleagues may catch you red handed.

You may face more troubles. Most of the time, you may remain ill during this time. But when you gain health, you will always indulge in sexual activities. You may form unnatural relations. On this account you may suffer from secret sexual diseases.

Discription of second phase of Shani Sadesati

Result of 1st Daiya (12th from birth Moon)

Gochar Sign -Leo

Start -01:11:2006

End -10:01:2007

Duration -0 y.2 m.9 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -16:07:2007

End -10:09:2009

Duration -2 y.1 m.25 d.

This phase may be critical for you. You may remain tensed from very beginning of this phase on the account of your children. Your children may oppose everywhere and create new troubles day after day. You may have to spent much for medical treatment of your child. You may create obstacles for your child through your acts. Your children may not agree with you. You may face troubles on account of your children. You should take special care of your children.

You enemies may become very active this time and try to harm you. They may succeed in their attempts. You may have to incur many unexpected expenses. You may undertake many long journeys, but may not get any benefits from them. You may lose you faith in religion and God because of problems arising daily. You should neither borrow nor lend money. It will save you from many problems. You may suffer from abdominal and skin ailments for long time. Your luck may not favour you.

You may come into the contact of low grade people and get benefits from them. But they may expect any kind of benefit or favour from you in future. If you are unable to fulfill their expectations they may turn into your enemies. Therefore it is advised you to form relationship with after thinking twice. You may work very hard to overcome problems and it may spoil your health. You should take care of your health. You may fall down while walking or from height and get injured.

You should try to become mentally strong. Your maternal uncle and mother's sister may also face several troubles. You may have to face enough impediments in your works. you may face financial troubles and on this account you may go to any other city to earn your livelihood. But you may not succeed in your endeavor there. You may spend excess money on luxuries and costly attires. If your age is inbetween 30 to 46 years, you may be blessed with a son. As you may remain tensed so your mind may not work in right direction you may spend unnecessarily to make yourself successful and may repent later due to this reason.

You may get some comfort in middle of this phase. You may achieve some success through your will power. Your financial condition may improve for sometime and some of your pending or disordered works may be accomplished properly. But this time will exist for short period. After this duration, your enemies will become more active and try to harm you, but they will not succeed. If you are a serviceman, your officials may get angry with you and try to create trouble for you. You should be alert and not be overconfident. You may become victim of theft due to overconfidence, particularly during journey. This time you may meet losses due to your own acts. You may be parted from your brothers. If ,in your horoscope, mahadasha of any benefic planet is running, no. inauspicious results may decline. You will get opportunities of getting benefits at the end of phase, make use of it.

Result of 2nd Daiya (1st from birth Moon)

Gochar Sign -Virgo

Start -10:09:2009

End -15:11:2011

Duration -2 y.2 m.5 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -16:05:2012

End -04:08:2012

Duration -0 y.2 m.19 d.

This phase may be treacherous for you. If, in your horoscope, dasha of any benefic planet is running, you may get some auspicious results only then. You may start getting inauspicious indications even from the beginning of this phase. You may suffer from mental ailment, skin disease, gas etc. you may face problems one after another. You may be agonized and become unable to judge right and wrong. You may become lusty. You may go to any extent to fulfill your sexual desire and be insulted in society. You may become very selfish and look for your personal interest first in every work.

If you are between 34 to 47 this time, you may face more troubles. If you are a serviceman, you may face new problems daily. Your colleagues may turn against you and they may make your complain to senior officers. Consequently your senior officers may also get angry with you and take any action against you. You may carry out many wrong works in tension and on this account you may get transferred or be expelled. You should do every work thinking twice; otherwise you may be trapped in troubles. You should control your anger and tongue.

You should try to engage yourself in religious activities and worship god. If you are in business, there is possibility of meeting losses on the account of theft or fire. Your money may chunk in business. Borrowers may make excuses when you will ask them to return your money. Losses may gradually increase in business and you may lose your interest in your business. Some of your associates may wait for opportunity to take revenge from you. Therefore you should be alert. Worship the God. There are chances of any government raid in your business this time and you may become the victim of financial punishment. If you are doing business in partnership, your business partner may deceive you. You may not be able to concentrate in your business due to mental troubles and your employee may take the advantage of this situation through stealing etc.

Your father's health may become little upset and he may go through the operation. You may receive any bad news through communication medium and on this account you may become very upset. You may try to repay any old debt taken from your friend, but because of bad financial condition you may not be able to do so. Despite of all these your power will trim down. Your enemies may create obstacles for you, but you should make your efforts and do your job without taking care of them, you will definitely get success.

If you are a journalist, writer, editor or critic you will get much success in your job. You should not worry about what others think. If your job is related to medical or pharmaceutical field, you may meet losses in your profession this time. A medicine given or prescribed by you to any person may cause reaction. Therefore you

should Take much precaution. If you are engage in social welfare or benevolence, you may get very good results. During this phase you should maintain your mental stability.

Result of 3rd Daiya (2nd from birth Moon)

Gochar Sign -Libra

Start -15:11:2011

End -16:05:2012

Duration -0 y.6 m.0 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -04:08:2012

End -02:11:2014

Duration -2 y.2 m.28 d.

During this phase you will get mix results. Nature of results will more depends upon the Mahadasha running in your horoscope. In the beginning you may receive inauspicious results, but after sometime you will start getting good results. Do any work after thinking it twice. Control your tongue and don't do any work in hurry otherwise you may meet loss. Work pressure may increase, but it will be beneficial for your future. You may earn financial benefit during this time. If you are under any debt you will be able to pay it. You may purchase any land, building or vehicle. You may get any gift from your mother. You should be beware of your adversaries.

If you are in business, you will make progress through your acumen and hard work. There may be possibility of occurring theft in your business. Be cautious of your employees. You may not give enough time to your family because of more work pressure and on this account your family members may get angry with you. If you are a serviceman, you may take your transfer at your desired place. Your officers may remain happy from you, but your colleagues may try to turn them against you. Don't sign any paper without reading it. If you are in field of financial transaction, you should be more careful. You may face the charge of bribery. Stay away from leaders and don't make them annoyed through any mean.

You will participate in religious activities with lot of keenness and get honour in society on this account. You may take interest in study of religious literature. You may undertake journey to any religious place. If you are a student, work very hard otherwise you may not succeed in examination. Your mother's health may deteriorate in middle of phase and you may not be able to concentrate on your work on this account. After sometime your mother will become healthy again and you will start concentrating on your work. You may not give much time to your family members because of over work burden. Due to this reason your spouse may become angry with you. So try to give enough time to family. You will make financial advancement during this time. Try to make cordial relationship with your relatives and friends. Control your tongue. Your enemies may try to harm you, but they will not succeed. You should keep working your job without taking care of

them.

You may suffer from pain in legs. Your body may become weak due to excessive labour and business. However, you don't have scarcity of money, but you may keep on thinking to earn more money. You may wander to get happiness and peace and not pay your attention towards your family. You will keep trying to dominate over people. You may go to a distant place or foreign country to earn money. You may have risk of falling from height, getting injured from animal, vehicle accident, fire or electricity. You should work very carefully and proceed ahead while mediating on God.

Result of Katak Saturn (4th from birth Moon)

Gochar Sign -Sagittarius

Start -26:01:2017

End -21:06:2017

Duration -0 y.4 m.24 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -26:10:2017

End -24:01:2020

Duration -2 y.2 m.29 d.

Result of this phase may be very inauspicious for you. You may suffer from many diseases simultaneously. You may become very disappointed due to these diseases. Your father may also face troubles and on this account you may get upset. If you are running under Dasha of any inauspicious / malefic planet, you may have to bear the pain of separation of any close relative. You may get any badnews through communication medium. If you are in service, your colleagues may behave with you like enemy. You may face new charges daily and on this account you may get mentally disturbed. You may hospitalize. Your job may also be left.

Any of your old enemy may appear in front of you, who can cause mental trouble for you. This time no body will come forward to help you. You may meet various kinds of losses including finance. If you are a businessman, your business may come to an end. If it would have been even saved due to influence of any auspicious planet, you must meet loss. Your enemies may spread bad name of your business. They may try to gather secret information about your business from your employee by offering him any kind of greed and play an important role in putting raid at your place. You may meet losses from government. Some of your payment may withhold. Whatever you do, think twice and do carefully. Wait for favourable time to come and let this bad time pass while mediating on God.

You should be very careful while driving the vehicle as there may be possibility of meeting accident. Chances of getting head injury may be more. You may receive serious charges from maternal uncle or mother's sister, which may cause mental trouble for your mother. Her health may become deteriorated. Behaviour of your life partner may also change for you. You may become mentally upset on this account. You may attract towards wrong acts. You may get punishment from

government. All of your efforts earning money in this phase may get failed and whatever you earn, you may lose the same in wasteful expenses while meeting and enjoying luxuries of life.

If you are between 34 to 47 years of age and Rahu is also inauspicious, you may get imprisonment. If Mars is inauspicious, you may lose your any body part or organ in an accident. You may get separated from your brothers during this time and whatever wealth you get in division, you may spend it in unnecessary activities. You may not be able to take right decisions. Your behaviour may change for others, due to this reason your near and dears may also dislike you. You may not have faith in religion. You should take interest in religion and engage yourself in religious activities.

Result of Ashtam Saturn (8th from birth Moon)

Gochar Sign -Aries

Start -03:06:2027

End -20:10:2027

Duration -0 y.4 m.17 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -23:02:2028

End -08:08:2029

Duration -1 y.5 m.14 d.

Result of this phase may be very inauspicious for you. If Saturn is positioned in anyauspicious house in your horoscope, you will get more auspicious results. You may face physical troubles. Your siblings may be also troubled. You may also fall ill. You may suffer from piles, fistula etc. you may come into contact of women belonging to lower social status and you may become insulted in society. You should be well behaved and not lose your character. Your illegal relationship may be exposed very soon and conflicts may arise in your family on this account.

If you are a woman and pregnant this time, you should remain alert. There is chance of carrying abortion. If you are between 19 to 25 years of age, you should be careful from boys who are your companion. You may earn bad name because of them and your future may spoil.

If you are a student, you should focus on your society, because there is possibility of slipping out of your track. You may not succeed in your educational sphere. You should have control on your expenses and meet your expenditure within same amount of money which you get from your parents. Don't dream too much.

You may commit many mistakes and repent for those later. But you will keep repeating same mistake due to influence of planets. You may become matter of mockery among your friends and relatives due to your own activities. You may adopt counterfeit means to execute your tasks. People may not trust you. Your own people may go way from you. Your friends may turn into your enemies due to your behavioral change. Your past enemies may create impediments for you. Any of your enemy may get any wrong act done from your after becoming your

friend. Be alert.

If you are a businessman, many of your business partners may discontinue dealing with you because of your treacherous behaviour. You may not focus on your business. You may become lazy and get out of race on this account. Your employees may take advantage of it. You may face financial crisis in business and try to escape from lenders. If you are in service, you may not be able to concentrate on work due to physical inability. You may not complete your job in time and your officers may get angry with you on this account and you may get transferred. You may also get punishment. You may see only your own interest this time. You may think about only how to earn money. You may start taking bribe but everyone will come to know about it. Your colleagues may catch you red handed.

You may face more troubles. Most of the time, you may remain ill during this time. But when you gain health, you will always indulge in sexual activities. You may form unnatural relations. On this account you may suffer from secret sexual diseases.

Discription of third phase of Shani Sadesati Result of 1st Daiya (12th from birth Moon)

Gochar Sign -Leo

Start -27:08:2036

End -22:10:2038

Duration -2 y.1 m.25 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -05:04:2039

End -13:07:2039

Duration -0 y.3 m.8 d.

This phase may be critical for you. You may remain tensed from very beginning of this phase on the account of your children. Your children may oppose everywhere and create new troubles day after day. You may have to spent much for medical treatment of your child. You may create obstacles for your child through your acts. Your children may not agree with you. You may face troubles on account of your children. You should take special care of your children.

You enemies may become very active this time and try to harm you. They may succeed in their attempts. You may have to incur many unexpected expenses. You may undertake many long journeys, but may not get any benefits from them. You may lose you faith in religion and God because of problems arising daily. You should neither borrow nor lend money. It will save you from many problems. You may suffer from abdominal and skin ailments for long time. Your luck may not favour you.

You may come into the contact of low grade people and get benefits from them. But they may expect any kind of benefit or favour from you in future. If you are

unable to fulfill their expectations they may turn into your enemies. Therefore it is advised you to form relationship with after thinking twice. You may work very hard to overcome problems and it may spoil your health. You should take care of your health. You may fall down while walking or from height and get injured.

You should try to become mentally strong. Your maternal uncle and mother's sister may also face several troubles. You may have to face enough impediments in your works. you may face financial troubles and on this account you may go to any other city to earn your livelihood. But you may not succeed in your endeavor there. You may spend excess money on luxuries and costly attires. If your age is in between 30 to 46 years, you may be blessed with a son. As you may remain tensed so your mind may not work in right direction you may spend unnecessarily to make yourself successful and may repent later due to this reason.

You may get some comfort in middle of this phase. You may achieve some success through your will power. Your financial condition may improve for sometime and some of your pending or disordered works may be accomplished properly. But this time will exist for short period. After this duration, your enemies will become more active and try to harm you, but they will not succeed. If you are a serviceman, your officials may get angry with you and try to create trouble for you. You should be alert and not be overconfident. You may become victim of theft due to overconfidence, particularly during journey. This time you may meet losses due to your own acts. You may be parted from your brothers. If, in your horoscope, mahadasha of any benefic planet is running, no. inauspicious results may decline. You will get opportunities of getting benefits at the end of phase, make use of it.

Result of 2nd Daiya (1st from birth Moon)

Gochar Sign -Virgo

Start -22:10:2038

End -05:04:2039

Duration -0 y.5 m.13 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -13:07:2039

End -28:01:2041

Duration -1 y.6 m.16 d.

This phase may be treacherous for you. If, in your horoscope, dasha of any benefic planet is running, you may get some auspicious results only then. You may start getting inauspicious indications even from the beginning of this phase. You may suffer from mental ailment, skin disease, gas etc. you may face problems one after other. You may be agonized and become unable to judge right and wrong. You may become lusty. You may go to any extent to fulfill your sexual desire and be insulted in society. You may become very selfish and look for your personal interest first in every work.

If you are between 34 to 47 this time, you may face more troubles. If you are a serviceman, you may face new problems daily. Your colleagues may turn against

you and they may make your complain to senior officers. Consequently your senior officers may also get angry with you and take any action against you. You may carry out many wrong works in tension and on this account you may get transferred or be expelled. You should do every work thinking twice; otherwise you may be trapped in troubles. You should control your anger and tongue.

You should try to engage yourself in religious activities and worship god. If you are in business, there is possibility of meeting losses on the account of theft or fire. Your money may chunk in business. Borrowers may make excuses when you will ask them to return your money. Losses may gradually increase in business and you may lose your interest in your business. Some of your associates may wait for opportunity to take revenge from you. Therefore you should be alert. Worship the God. There are chances of any government raid in your business this time and you may become the victim of financial punishment. If you are doing business in partnership, your business partner may deceive you. You may not be able to concentrate in your business due to mental troubles and your employee may take the advantage of this situation through stealing etc.

Your father's health may become little upset and he may go through the operation. You may receive any bad news through communication medium and on this account you may become very upset. You may try to repay any old debt taken from your friend, but because of bad financial condition you may not be able to do so. Despite of all these your power will trim down. Your enemies may create obstacles for you, but you should make your efforts and do your job without taking care of them, you will definitely get success.

If you are a journalist, writer, editor or critic you will get much success in your job. You should not worry about what others think. If your job is related to medical or pharmaceutical field, you may meet losses in your profession this time. A medicine given or prescribed by you to any person may cause reaction. Therefore you should take much precaution. If you are engaged in social welfare or benevolence, you may get very good results. During this phase you should maintain your mental stability.

Result of 3rd Daiya (2nd from birth Moon)

Gochar Sign -Libra

Start -28:01:2041

End -06:02:2041

Duration -0 y.0 m.9 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -26:09:2041

End -12:12:2043

Duration -2 y.2 m.16 d.

During this phase you will get mixed results. Nature of results will more depend upon the Mahadasha running in your horoscope. In the beginning you may receive inauspicious results, but after sometime you will start getting good results. Do any work after thinking it twice. Control your tongue and don't do any work in hurry

otherwise you may meet loss. Work pressure may increase, but it will be beneficial for your future. You may earn financial benefit during this time. If you are under any debt you will be able to pay it. You may purchase any land, building or vehicle. You may get any gift from your mother. You should be beware of your adversaries.

If you are in business, you will make progress through your acumen and hard work. There may be possibility of occurring theft in your business. Be cautious of your employees. You may not give enough time to your family because of more work pressure and on this account your family members may get angry with you. If you are a serviceman, you may take your transfer at your desired place. Your officers may remain happy from you, but your colleagues may try to turn them against you. Don't sign any paper without reading it. If you are in field of financial transaction, you should be more careful. You may face the charge of bribery. Stay away from leaders and don't make them annoyed through any mean.

You will participate in religious activities with lot of keenness and get honour in society on this account. You may take interest in study of religious literature. You may undertake journey to any religious place. If you are a student, work very hard otherwise you may not succeed in examination. Your mother's health may deteriorate in middle of phase and you may not be able to concentrate on your work on this account. After sometime your mother will become healthy again and you will start concentrating on your work. You may not give much time to your family members because of over work burden. Due to this reason your spouse may become angry with you. So try to give enough time to family. You will make financial advancement during this time. Try to make cordial relationship with your relatives and friends. Control your tongue. Your enemies may try to harm you, but they will not succeed. You should keep working your job without taking care of them.

You may suffer from pain in legs. Your body may become weak due to excessive labour and business. However, you don't have scarcity of money, but you may keep on thinking to earn more money. You may wander to get happiness and peace and not pay your attention towards your family. You will keep trying to dominate over people. You may go to a distant place or foreign country to earn money. You may have risk of falling from height, getting injured from animal, vehicle accident, fire or electricity. You should work very carefully and proceed ahead while mediating on God.

Result of Katak Saturn (4th from birth Moon)

Gochar Sign -Sagittarius

Start -08:12:2046

End -06:03:2049

Duration -2 y.2 m.27 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -10:07:2049

End -04:12:2049

Duration -0 y.4 m.25 d.

Result of this phase may be very inauspicious for you. You may suffer from many diseases simultaneously. You may become very disappointed due to these diseases. Your father may also face troubles and on this account you may get upset. If you are running under Dasha of any inauspicious / malefic planet, you may have to bear the pain of separation of any close relative. You may get any bad news through communication medium. If you are in service, your colleagues may behave with you like enemy. You may face new charges daily and on this account you may get mentally disturbed. You may hospitalize. Your job may also be left.

Any of your old enemy may appear in front of you, who can cause mental trouble for you. This time no body will come forward to help you. You may meet various kinds of losses including finance. If you are a businessman, your business may come to an end. If it would have been even saved due to influence of any auspicious planet, you must meet loss. Your enemies may spread bad name of your business. They may try to gather secret information about your business from your employee by offering him any kind of greed and play an important role in putting raid at your place. You may meet losses from government. Some of your payment may withhold. Whatever you do, think twice and do carefully. Wait for favourable time to come and let this bad time pass while mediating on God.

You should be very careful while driving the vehicle as there may be possibility of meeting accident. Chances of getting head injury may be more. You may receive serious charges from maternal uncle or mother's sister, which may cause mental trouble for your mother. Her health may become deteriorated. Behaviour of your life partner may also change for you. You may become mentally upset on this account. You may attract towards wrong acts. You may get punishment from government. All of your efforts earning money in this phase may get failed and whatever you earn, you may lose the same in wasteful expenses while meeting and enjoying luxuries of life.

If you are between 34 to 47 years of age and Rahu is also inauspicious, you may get imprisonment. If Mars is inauspicious, you may lose your any body part or organ in an accident. You may get separated from your brothers during this time and whatever wealth you get in division, you may spend it in unnecessary activities. You may not be able to take right decisions. Your behaviour may change for others, due to this reason your near and dears may also dislike you. You may not have faith in religion. You should take interest in religion and engage yourself in religious activities.

Result of Ashtam Saturn (8th from birth Moon)

Gochar Sign -Aries

Start -07:04:2057

End -28:05:2059

Duration -2 y.1 m.20 d.

Result of this phase may be very inauspicious for you. If Saturn is positioned in anyauspicious house in your horoscope, you will get more auspicious results. You may face physical troubles. Your siblings may be also troubled. You may also fall ill.

You may suffer from piles, fistula etc. you may come into contact of women belonging to lower social status and you may become insulted in society. You should be well behaved and not lose your character. Your illegal relationship may be exposed very soon and conflicts may arise in your family on this account.

If you are a woman and pregnant this time, you should remain alert. There is chance of carrying abortion. If you are between 19 to 25 years of age, you should be careful from boys who are your companion. You may earn bad name because of them and your future may spoil.

If you are a student, you should focus on your society, because there is possibility of slipping out of your track. You may not succeed in your educational sphere. You should have control on your expenses and meet your expenditure within same amount of money which you get from your parents. Don't dream too much.

You may commit many mistakes and repent for those later. But you will keep repeating same mistake due to influence of planets. You may become matter of mockery among your friends and relatives due to your own activities. You may adopt counterfeit means to execute your tasks. People may not trust you. Your own people may go way from you. Your friends may turn into your enemies due to your behavioral change. Your past enemies may create impediments for you. Any of your enemy may get any wrong act done from your after becoming your friend. Be alert.

If you are a businessman, many of your business partners may discontinue dealing with you because of your treacherous behaviour. You may not focus on your business. You may become lazy and get out of race on this account. Your employees may take advantage of it. You may face financial crisis in business and try to escape from lenders. If you are in service, you may not be able to concentrate on work due to physical inability. You may not complete your job in time and your officers may get angry with you on this account and you may get transferred. You may also get punishment. You may see only your own interest this time. You may think about only how to earn money. You may start taking bribe but everyone will come to know about it. Your colleagues may catch you red handed.

You may face more troubles. Most of the time, you may remain ill during this time. But when you gain health, you will always indulge in sexual activities. You may form unnatural relations. On this account you may suffer from secret sexual diseases.

Remedies of Sadhesati and Dhaiya of Saturn

Practise following remedies to diminish the effects of Sadesati & Dhaiya of Saturn:

Mantra:

1) Recite Mahamrityunjaya mantra for 1,25,000 time (Daily 10 rosary, 125

days)

AUM TRIYAMBKAM YJAMAHE SUGANDHI PUSHTIVARDHANAM
URVARUKMIV BANDHANANMRITYORMUKSHIY MAMRATAT

2) Recite following mantra of Saturn 23000 times in 21 days -

AUM SHANNODEVIRBHISHTAY AAPO BHAVANTU PITAYE
SHANYORBHISRAVANTU NAH. AUM SHAM SHANAISHCHRAY NAMH

3) Mythological Mantra -

AUM NILANJAN SMABHASAM RAVIPUTRAM YAMAGRAJAM
CHHAYAMARTANDSAMBHUTAM TAM NMAMI SHANAISHCHARAM

Strota:

Recite following Shani Strot 11 time or recite Dhashrathkrit Shani Strot

KONASTHAH PINGLO BABHRUH KRISHNO RAUDROSANTKO YAMAH
SAORIH SHANAISHCHARO MANDAH PIPPLADEN SANSTUTAH
TANI SHANI NAMAMI JAPEDSHVATTHSANNIDHAU
SHANAISHCHARKRITA PIDA NA KDACHIT BHAVISHYATI

STROT for deminishing troubles of Sadesati. According to Pipplad: -

NAMASTEY KONASANSTHAY PINGLAY NAMOSTUTE
NAMASTEY BABHRURUPAY KRISHNAY CHA NAMOSTUTE
NAMASTEY RAUDRADEHAY NAMASTEY CHANTKAY CHA
NAMASTEY YAMSANGYAY NAMASTEY SAURAYE

VIBHO

NAMASTEY YAMADSANGYAY SHANAISHVAR NAMOSTUTE

PRASADAM KURU DEVESH DINASYA PRANTASYA CHA

GEM :

You should wear ring of horse shoe of black horse or nail of boat in your middle finger on Saturday.

Fast:

Have fast on Saturday and worship lord Shani. Reciting of Shanivar Vrat Katha also confers benefits. Have fruits during daytime and have dharshan of Lord Hanuman or Bhairav in the evening during fast. You can have Khichadi of black Urd (you can add black salt) or sweet Halva of Urd Dal at night.

Medicine :

You should take bath from water after mixing surma, black sesame, Saunf & Nagarmotha in it.

Donation :

You should donate Urd, oil, Sapphire, sesame, buffalo, iron and black cloth to make Lord Shani happy.

General Remedies of Sadhesati for Virgo Sign :

1) Keep a Saturn yantra at your worshiping place and recite chalisa in front of it.

2) Recite Vishnusahstranam on every Wednesday.

3) Donate some money to eunuchs and take their blessing on Wednesday.

4) Visit Banyan tree on Saturday evening after sun set, mix some green masoor in wheat flour and Make a (lamp) deepak from it under the tree. Pour mustard oil, put one iron nail, 11 grains of green masoor dal in it and place two cotton wicks

parallel in such a way that on lighting them their flames appear as one. Donate this deepak and fresh water to Banyan tree.

5) Select any mantra from Durga Saptasati and repeat the same daily in case of having much troubles.

6) Hammer four iron nail in four legs of your bed couch on which you sleep.

7) Feed 8 girls below 9 year age in any moon light phase and donate them red and green clothes. Repeat same for five months.

8) Donate mustard oil after looking your facial image in same (Chhayadan) on every Saturday.

Special Remedies of Sadesati and Dhaisati of Saturn

If Saturn is auspicious in your horoscope, you may get benefits by making Saturn stronger by worshiping Bhairavji and Shani. If Saturn is inauspicious or malefic, inauspicious results may be wiped out and benefits can be earned by practicing remedies of Saturn. If you are running under Sadesati in your horoscope or suffering from troubles caused by Saturn, you may get benefits by practicing following remedies.

1) Perform Chhayadan and wear sapphire or its substitute gem.

2) Serve black cow on Saturday. Put a mark (Tilak) or bindi on its forehead, tie a red thread (Klaw) around its horn, feed 8 laddu and touch its feet.

3) Feed sweet bread to black dog regularly.

4) If Saturn is situated in ascendant in your horoscope, bury Surma (black gel) under the ground. Boil tree root and surma in milk and apply this paste on your forehead as a mark (tilak) daily.

5) Have fast on Saturday and serve banyan tree. Offer water to same.

6) Don't drink alcohol.

7) Put vermilion into deepak filled with sesame oil and offer red flower while remembering Lord Hanuman to banyan tree in the evening on Saturday.

8) Do not use black pepper and black salt in your food stuffs.

9) Take eight bottles of same size on Saturday and fill mustard oil in every bottle in same quantity. Put 8 whole grains of Urd and one nail in each of eight bottles. Then turn all eight bottles each 8 times around your head and flow all these into running water. Do this procedure continuously for 8 consecutive Saturdays.

10) Recite Shani Chalisa and his 108 names daily.

11) Recite 10 names of Lord Shani and 12 Jyotirling in the morning as you wake

up.

12) Feed bread applying mustard oil on it to a black dog and grams to monkeys on Saturday.

13) Put 8 kg. grams in iron vessel on Friday and pour water into the vessel. On Saturday put the soaked grams in a black cloth. Along with 8 kg. grams put 800 gm. Black urd, 800 gm. Sesame, 800 gm. Oat and one iron foil in cloth. then tie a knot and keep this sac among fish. Do same procedure continuously till 8 months. Do this for 8 months in the beginning. Later it will be enough to do once in a year.

14) Make a deepak from Urd and wheat flour in the evening after Sun set, put two cotton wicks in such a manner that these two blow single flame on burning, fill it with mustard oil and lit it. Put one deepak under banyan tree and other under Vat Vriksh (Bargad). Same time also offer Dhup of Guggul and Sandal scented sticks. Start this remedy from first Saturday.

15) Put black Urd, rice, Gud, black mustard, black sesame, barley, 8 long nails and one bottle of surma & one of scent in a black cloth (remember total weight of all these material should be 800 gms.) and tie the cloth into form of a sack. Take 10 pieces of almonds and visit any temple of Lord hanuman. Keep the sac (potali) and almonds in the temple at any place. Then mix vermilion with Jasmine oil in steelvessel and offer same with yellow flowers & sweets to Lord hanuman. Recite Hanuman Chalisa and do 7 parikrama (move around the Lord Hanuman). After that leave the sac & 5 almonds in the temple and take remaining 5 almonds with you. Tie these almonds in a new red cloth and keep it at the place where you keep money. You will get benefit along with relief from troubles.

16) Feed khichadi made up of black Urd to a Brahmin continuously till 8 Saturday. Donate uncooked rice and black Urd having tied in black cloth in the form of 8 coins.

17) Take black thread 19 times of your weight on first Saturday, make garland of it which you can wear it around your neck. Recite any Shani mantra for 108 times, offer Dhup then wear it around your neck. You will get benefit immediately.

18) Do this remedy while sitting at your place of worship on Saturday. Make 8 deepak of wheat flour and Urd and fill these with mustard oil. Make two wicks but lit them in such a manner that they appear as one and blow a single flame. Put some vermilion, ring of shoe of black horse and one nail in deepak. Recite any Shani Mantra 1188 times (11 rosary) and after that bow your head and leave the place. Next day take the ring out of deepak and wear it in middle finger of your right hand and donate deepak to a banyan tree.

19) Take the root of Shami tree or Bichhua on Shanipushay or Shravan Nakshtra of Saturday, tie it in black cloth and wear it around above portion of your right hand. Avoid meat and alcohol.

20) Don't tell your problems to

others.

- 21) Burry silver foil under threshold at your main gate.
- 22) Wear black cloth.
- 23) Keep an iron vessel at dark place inside your home having filling with mustard oil and putting copper coin inside the vessel.
- 24) Don't take any thing of Saturn from anybody without paying its price.
- 25) Burry shoe of black horse under your main gate.
- 26) Take 8 hair of tail of black horse on Saturday, keep these hairs in wooden box and keep this box for 43 days in your bedroom. On last day burn these hairs to ashes and mix the ashes with mustard oil. Then flow the paste in running water.
- 27) Soak black sesame seeds in water on Friday. Next day grind the seeds and mix the paste with Gud and make laddu of it. Then feed the laddu to black horse. Do this procedure for 8 Saturdays.
- 28) Don't sell your parental property on Saturday; otherwise you may face more trouble.
- 29) At night only donate for Saturn. Don't give thing of Saturn to any body.
- 30) Recite Mahamritunjay Mantra regularly. Problems will diminish.
- 31) Offer wine at any Bhairav temple on Saturday.
- 32) Burry 8 bottles of Surma at any secluded place on any Saturday.
- 33) Pour milk on Shivling.
- 34) Offer coconut in any Hanuman Temple on every Saturday.
- 35) Fix iron nail in all four legs of your bed in bedroom.
- 36) Keep a big stone inside your home in south and west direction.

Result and remedy of Transit Saturn (Gochar Shani) from Lal-Kitab

द्वादशे जन्मगौ राशौ द्वितीये च शनैश्चर।

सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत्॥

When Saturn transits in 12th, 1st and 2nd house from birth Moon, that period (Around seven and half years) is known as Shani

Generally it is assumed that during Sadesati of Shani, native suffers from mental, physical and financial troubles. People get worried and an unknown fear is created in their mind. Native have fear of getting inauspicious results like dissatisfaction, disappointment, laziness, loss from sickness, theft or fire, dispute in family or death of any family member etc. but in reality, entire time of seven and half years of any phase of Sadesati is not been like this. Native also gets very auspicious results like marriage, birth of child, advancement in job or business, foreign journey, buying of building, land or vehicle, freedom from debt, contact with people of high society and benefits from them, journey of religious places, comfort and happiness from children

Discription of First phase of Shani Sadesati

Result of 1st Daiya (12th from birth Moon)

Gochar Sign -Leo

Start -07:09:1977

End -04:11:1979

Duration -2 y.1 m.27 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -15:03:1980

End -27:07:1980

Duration -0 y.4 m.12 d.

Don't lend money to anybody during first Dhaiya, because you may not get your money back. You may make progress in job or business with the help of your spouse. You should remain careful and alert always. Your hidden enemies may try to ruin your works.

Upay -

1. Serve the labours.
2. Go bare footed to temple & apologize to God.

Result of 2nd Daiya (1st from birth Moon)

Gochar Sign -Virgo

Start -04:11:1979

End -15:03:1980

Duration -0 y.4 m.10 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -27:07:1980

End -06:10:1982

Duration -2 y.2 m.10 d.

There may be several changes in your business during second Dhaiya. If you are doing any business in partnership, you may quarrel with your partner. You may quarrel with your spouse often. If your job is related to leather, machinery or stones, you may earn benefit.

Upay -

1. Recite Shani Strot.
2. Feed food to 10 blind men.
3. Wear ring of horse shoe of black horse.

Result of 3rd Daiya (2nd from birth Moon)

Gochar Sign -Libra

Start -06:10:1982

End -21:12:1984

Duration -2 y.2 m.15 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -01:06:1985

End -17:09:1985

Duration -0 y.3 m.17 d.

You may face financial troubles because of meeting losses in business during third Dhaiya. You may have to get insulted in society. If you are in service, you may have to face several problems. Have cordial relations with your spouse & in laws.

Upay -

1. Don't have non vegetarian food stuffs & alcohols.
2. Offer milk to snake.
3. Go to temple & Recite Hanuman Chalisa there continuously for 43 days.

Result of Katak Saturn (4th from birth Moon)

Gochar Sign -Sagittarius

Start -17:12:1987

End -21:03:1990

Duration -2 y.3 m.3 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -20:06:1990

End -15:12:1990

Duration -0 y.5 m.26 d.

If you face any kind of trouble or meet any kind of loss during Katak Shani, practicing of under mentioned remedies will be beneficial for you.

Upay -

1. Flow one liter wine into a river.
2. Don't have non vegetarian food stuffs & alcohols.
3. Recite Shani

Strot.

4. Prepare Laddu of sesames or Urd mixing in sesames oil & burry them in barren land.

Result of Ashtam Saturn (8th from birth Moon)

Gochar Sign -Aries

Start -17:04:1998

End -07:06:2000

Duration -2 y.1 m.21 d.

If you face any kind of trouble or meet any kind of loss during Ashtam Shani, practicing of under mentioned remedies will be beneficial for you.

Upay -

1. Recite Mahamrityunjay mantra.
2. Keep square shaped silver piece always in you pocket.
3. Feed bread to black dog.
4. Flow 8 Kgs. of Urd Dal into river on Saturday.

Discription of second phase of Shani Sadesati

Result of 1st Daiya (12th from birth Moon)

Gochar Sign -Leo

Start -01:11:2006

End -10:01:2007

Duration -0 y.2 m.9 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -16:07:2007

End -10:09:2009

Duration -2 y.1 m.25 d.

Don't lend money to anybody during first Dhaiya, because you may not get your money back. You may make progress in job or business with the help of your spouse. You should remain careful and alert always. Your hidden enemies may try to ruin your works.

Upay -

1. Serve the labours.
2. Go bare footed to temple & apologize to God.

Result of 2nd Daiya (1st from birth Moon)

Gochar Sign -Virgo

Start -10:09:2009

End -15:11:2011

Duration -2 y.2 m.5 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -16:05:2012

End -04:08:2012

Duration -0 y.2 m.19 d.

There may be several changes in your business during second Dhaiya. If you are doing any business in partnership, you may quarrel with your partner. You may quarrel with your spouse often. If your job is related to leather, machinery or stones, you may earn benefit.

Upay -

1. Recite Shani Strot.
2. Feed food to 10 blind men.
3. Wear ring of horse shoe of black horse.

Result of 3rd Daiya (2nd from birth Moon)

Gochar Sign -Libra

Start -15:11:2011

End -16:05:2012

Duration -0 y.6 m.0 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -04:08:2012

End -02:11:2014

Duration -2 y.2 m.28 d.

You may face financial troubles because of meeting losses in business during third Dhaiya. You may have to get insulted in society. If you are in service, you may have to face several problems. Have cordial relations with your spouse & in laws.

Upay -

1. Don't have non vegetarian food stuffs & alcohols.
2. Offer milk to snake.
3. Go to temple & Recite Hanuman Chalisa there continuously for 43 days.

Result of Katak Saturn (4th from birth Moon)

Gochar Sign -Sagittarius

Start -26:01:2017

End -21:06:2017

Duration -0 y.4 m.24 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -26:10:2017

End -24:01:2020

Duration -2 y.2 m.29 d.

If you face any kind of trouble or meet any kind of loss during Katak Shani, practicing of under mentioned remedies will be beneficial for you.

Upay -

1. Flow one liter wine into a river.
2. Don't have non vegetarian food stuffs & alcohols.
3. Recite Shani Strot.
4. Prepare Laddu of sesames or Urd mixing in sesames oil & burry them in barren

land.

Result of Ashtam Saturn (8th from birth Moon)

Gochar Sign -Aries

Start -03:06:2027

End -20:10:2027

Duration -0 y.4 m.17 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -23:02:2028

End -08:08:2029

Duration -1 y.5 m.14 d.

If you face any kind of trouble or meet any kind of loss during Ashtam Shani, practicing of under mentioned remedies will be beneficial for you.

Upay -

1. Recite Mahamrityunjay mantra.
2. Keep square shaped silver piece always in you pocket.
3. Feed bread to black dog.
4. Flow 8 Kgs. of Urd Dal into river on Saturday.

Discription of third phase of Shani Sadesati

Result of 1st Daiya (12th from birth Moon)

Gochar Sign -Leo

Start -27:08:2036

End -22:10:2038

Duration -2 y.1 m.25 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -05:04:2039

End -13:07:2039

Duration -0 y.3 m.8 d.

Don't lend money to anybody during first Dhaiya, because you may not get your money back. You may make progress in job or business with the help of your spouse. You should remain careful and alert always. Your hidden enemies may try to ruin your works.

Upay -

1. Serve the labours.
2. Go bare footed to temple & apologize to God.

Result of 2nd Daiya (1st from birth Moon)

Gochar Sign -Virgo

Start -22:10:2038

End -05:04:2039

Duration -0 y.5 m.13 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -13:07:2039

End -28:01:2041

Duration -1 y.6 m.16 d.

There may be several changes in your business during second Dhaiya. If you are doing any business in partnership, you may quarrel with your partner. You may quarrel with your spouse often. If your job is related to leather, machinery or stones, you may earn benefit.

Upay -

1. Recite Shani Strot.
2. Feed food to 10 blind men.
3. Wear ring of horse shoe of black horse.

Result of 3rd Daiya (2nd from birth Moon)

Gochar Sign -Libra

Start -28:01:2041

End -06:02:2041

Duration -0 y.0 m.9 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -26:09:2041

End -12:12:2043

Duration -2 y.2 m.16 d.

You may face financial troubles because of meeting losses in business during third Dhaiya. You may have to get insulted in society. If you are in service, you may have to face several problems. Have cordial relations with your spouse & in laws.

Upay -

1. Don't have non vegetarian food stuffs & alcohols.
2. Offer milk to snake.
3. Go to temple & Recite Hanuman Chalisa there continuously for 43 days.

Result of Katak Saturn (4th from birth Moon)

Gochar Sign -Sagittarius

Start -08:12:2046

End -06:03:2049

Duration -2 y.2 m.27 d.

There will be influence of Shani Sadesati during time given ahead also due to retrograded Saturn.

Start -10:07:2049

End -04:12:2049

Duration -0 y.4 m.25 d.

If you face any kind of trouble or meet any kind of loss during Katak Shani, practicing of under mentioned remedies will be beneficial for you.

Upay -

1. Flow one liter wine into a river.
2. Don't have non vegetarian food stuffs & alcohols.
3. Recite Shani Strot.
4. Prepare Laddu of sesames or Urd mixing in sesames oil & burry them in barren land.

Result of Ashtam Saturn (8th from birth Moon)

Gochar Sign -Aries

Start -07:04:2057

End -28:05:2059

Duration -2 y.1 m.20 d.

If you face any kind of trouble or meet any kind of loss during Ashtam Shani, practicing of under mentioned remedies will be beneficial for you.

Upay -

1. Recite Mahamrityunjay mantra.
2. Keep square shaped silver piece always in you pocket.
3. Feed bread to black dog.
4. Flow 8 Kgs. of Urd Dal into river on Saturday.

Vimshottari Dasha effects and remedies

Moon Dasha (18:12:1973 To 14:06:1979)

Saturn Antar Dasha (18:12:1973 To 14:04:1975)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Mrityunjay mantra.
2. Donate black cow or buffalo.
3. Worship Lord Hanuman - the incarnation of Rudra, and Mahakali.

Mercury Antar Dasha (14:04:1975 To 13:09:1976)

Mercury is combust or situated in debilitated sign or situated along with malefic planets in your horoscope.

During Antardasha of Mercury, you may suffer from diseases. There may be losses in agriculture, service or business. Your spouse and children may face some problems.

Remedies -

1. Recite Vishnusahasranam.
2. Recite AUM NAMO BHAGAVATE VASUDEVAI mantra for 108 times daily.
3. Your ascendant is Gemini, Virgo, Taurus or Leo. You may wear emerald.

Ketu Antar Dasha (13:09:1976 To 14:04:1977)

Ketu is situated with malefic planets or aspected by same in your

horoscope.

During Antardasha of Ketu, Your enemies may become active and may try to harm you. There is also a possibility of being dispute with your relatives.

Remedies -

1. Recite Mahamrityunjay mantra.
2. Worship Lord Ganesh, Shiva, Goddess Kali or Durga.

Venus Antar Dasha (14:04:1977 To 13:12:1978)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite AUM NAMA SHIVAY mantra daily.
2. Worship Lord Shiva.
3. Donate cow and silver.
4. Worship Shiva-Parvati or Shiva-Durga.

Sun Antar Dasha (13:12:1978 To 14:06:1979)

Sun is situated in 8th or 12th house from ascendant or Moon or situated with malefic planets in your horoscope.

During Antardasha of Sun, you may have danger from snake or thieves. You may suffer from disease. You may go to foreign country and may face some Problems over there.

Remedies -

1. Worship Lord Shiva and recite Shiv mantra.

Mars Dasha (14:06:1979 To 14:06:1986)

Mars Antar Dasha (14:06:1979 To 10:11:1979)

Mars is situated in 8th or 12th house from ascendant in your

horoscope.

During Mahadasha or Antardasha of Mars, you may meet sudden financial loss. Physical problems may bother you. There is possibility of any kind of accident or may suffer from death like pain.

Remedies -

1. Recite Rudra mantra and donate red ox.
2. Worship Lord Kartikeya, Hanuman and Narsingh Vishnu.

Rahu Antar Dasha (10:11:1979 To 28:11:1980)

Rahu is situated with malefic planets or aspected by same in your horoscope.

During Antardasha of Rahu, you may have risk from thief and snakes. You may meet cattle loss. You suffer from gas & bile ailment.

Remedies -

1. Recite Mrityunjay mantra.
2. Worship Naga (Snake).
3. Give food to Brahmins.
4. Worship Lord Shiva and Goddess Durga.

Jupiter Antar Dasha (28:11:1980 To 04:11:1981)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Shivsahastranam.
2. Worship Shiva and Vishnu.

Saturn Antar Dasha (04:11:1981 To 13:12:1982)

Saturn is situated in debilitated or enemy sign in your

horoscope.

Saturn is situated with malefic planets or aspected by same in your horoscope.

During Antardasha of Saturn, you may face problems due to government officials, may meet financial losses, may suffer from diseases, face losses in business or agriculture.

Saturn is situated in 8th or 12th house from Mars along with malefic planets in your horoscope. You may suffer from gastric, losses due to enemies, and death like pain.

Remedies -

1. Recite Mrityunjay mantra and worship Rudra-Shiva.
2. Worship Lord Hanuman, the incarnation of Rudra.

Mercury Antar Dasha (13:12:1982 To 10:12:1983)

Mercury is situated in debilitated sign or is combust in your horoscope.

Mercury is situated in 6th, 8th or 12th house from ascendant or Mars in your horoscope.

During Antardasha of Mercury, you may suffer from heart, abdominal or chest diseases. You may get separated from your kith & kin. You may meet financial and cattle losses. Your spouse and children may also face some problems.

Remedies -

1. Recite Vishnusahasranam.
2. Donate horse.
3. Your ascendant is Taurus, Gemini, Leo, Virgo or Libra. You may wear green emerald.

Ketu Antar Dasha (10:12:1983 To 08:05:1984)

Ketu is situated with malefic planets in your horoscope.

During Antardasha of Ketu, you may suffer from disease and may face physical problems. There may be family dispute and you may have risk from any kind of weapon.

Remedies -

1. Worship Lord Ganesha and Goddess Durga.

Venus Antar Dasha (08:05:1984 To 08:07:1985)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Donate cow or buffalo.
2. Worship Lord Shiva and Goddess Durga.
3. Your ascendant is Taurus, Libra, Gemini, Virgo, Capricorn or Aquarius. You may wear diamond or white topaz or white coral.

Sun Antar Dasha (08:07:1985 To 13:11:1985)

Sun is situated with malefic planets in your horoscope.

During Antardasha of Sun, you may face physical problems and may meet loss in work. You may also suffer from diarrhea or brain ailment.

Remedies -

1. Worship Lord Sun.
2. Recite Gayatri Mantra.

Moon Antar Dasha (13:11:1985 To 14:06:1986)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Goddess Durga and Laxmi and recite the mantra of same.
2. Donate cow or buffalo.

Rahu Dasha (14:06:1986 To 13:06:2004)

Rahu Antar Dasha (14:06:1986 To 24:02:1989)

Generally, you will not face any major problems during this Mahadasha/Antar Dasha. However, if you facing any problem during this Mahadasha, then to diminishinauspicious effects and increasing auspicious effects of Mahadasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Rahu mantra.
2. Worship Lord Hanuman and Goddess Durga.

Jupiter Antar Dasha (24:02:1989 To 20:07:1991)

Jupiter is situated in 6th, 8th or 12th house from ascendant or Rahu in your horoscope.

Jupiter is situated in debilitated sign in your horoscope.

During Mahadasha or Antardasha of Jupiter, you may get inauspicious results like physical problems, financial losses, obstacles in works, heart and abdominal ailmentetc. You may get direct or indirect support and benefits from government departments. Your spouse and children may face problems.

Jupiter is lord of 2nd or 7th house in your horoscope, you may suffer from death like pain.

Remedies -

1. Worship the golden idol of Lord Shiva.
2. Worship Lord Vishnu.

Saturn Antar Dasha (20:07:1991 To 26:05:1994)

Saturn is combust or retrograde in your horoscope.

Saturn is situated with malefic planets or aspected by same in your horoscope.

During Antardasha of Saturn ,you should remain alert from subordinates, servants, enemies and wicked people. They can be dangerous for you. You may get inauspicious results from ruling side. Your spouse and children may face problems. You may become upset due to family disputes. You may suffer from heart

ailment. You may undertake journey of foreign country or any distant place during Antardasha of Saturn.

Remedies -

1. Donate black cow or buffalo.
2. Worship Kaal-Bhairav and Mahakali.
3. Worship black Shivling and black idol of Lord Vishnu.
4. Worship Lord Hanuman on Saturdays and offer oil and vermilion on idol.

Mercury Antar Dasha (26:05:1994 To 13:12:1996)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform followingremedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Vishnusahastranam.
2. Worship Goddess Durga.
3. Your ascendant is Gemini, Virgo, Taurus, Libra or Leo. You may wear green emerald.

Ketu Antar Dasha (13:12:1996 To 31:12:1997)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform followingremedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Lord Ganesha and Goddess Kali or Lord Ganesha and Chamunda Durga.

Venus Antar Dasha (31:12:1997 To 31:12:2000)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform followingremedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Goddess Durga and Laxmi.
2. Worship Lord Shiva.
3. Your ascendant is Taurus, Libra, Virgo, Capricorn or Aquarius. You may wear diamond, white topaz or white coral.

Sun Antar Dasha (31:12:2000 To 25:11:2001)

Sun is situated with malefic planets or malefic planets aspect Sun in your horoscope.

You may often suffer from fever during Antardasha of Sun. Number of your enemies may increase. You may be worried due to family conflict. You may have risk from fire and thieves.

Remedies -

1. Worship Lord Sun.
2. Worship Lord Shiva.

Moon Antar Dasha (25:11:2001 To 26:05:2003)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Donate white cow or buffalo.
2. Worship Lord Shiva and Goddess Durga.

Mars Antar Dasha (26:05:2003 To 13:06:2004)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Donate cow and ox.
2. Worship Lord Hanuman, Narsingh Vishnu and Goddess Durga.

Jupiter Dasha (13:06:2004 To 13:06:2020)

Jupiter Antar Dasha (13:06:2004 To 01:08:2006)

Jupiter is situated in debilitated sign or debilitated Navamsh in your horoscope.

During the Mahadasha or Antardasha of Jupiter, your place may change and you may get demoted. You may be worried due to loss of wealth & property. Your children may face problems. You may face the anger of senior officials. You may suffer from death like pain.

Jupiter is lord of 7th house in your horoscope, you may face physical problems.

Remedies -

1. Recite Shivsahastranam.
2. Donate cow.
3. Recite AUM NAMA SHIVAY & AUM NAMO NARAYAN mantra.

Saturn Antar Dasha (01:08:2006 To 12:02:2009)

Saturn is situated in 6th, 8th or 12th house from Jupiter in your horoscope.

Saturn is situated in 8th or 12th house from ascendant along with malefic planets or in debilitated or enemy sign or is combust in your horoscope.

During Antardasha of Saturn, you may meet financial losses and face impediments in your works. Your brothers may oppose you. Any inauspicious thing may happen at your home. You may meet loss of vehicle & cattle and may lose your job. You may face physical & mental problems.

Remedies -

1. Donate black cow or buffalo.
2. Recite Vishnusahastranam.
3. Worship Lord Hanuman.

Mercury Antar Dasha (12:02:2009 To 20:05:2011)

Mercury is aspected by Mars in your horoscope. During the Antardasha or Mercury, number of your enemies may increase. You may suffer from disease and meet financial losses. Your comfort may reduce.

Remedies -

1. Recite Vishnu Sahstranam.
2. Your ascendant is Taurus, Gemini, Leo, Libra or Virgo. You may wear emerald.

Ketu Antar Dasha (20:05:2011 To 25:04:2012)

Ketu is situated in 6th, 8th or 12th house from Jupiter along with malefic planet in your horoscope.

During Antardasha of Ketu, you may suffer from diseases, meet financial losses, face anger of government officers and may have mental problems.

Remedies -

1. Recite Mahamrityunjay mantra.
2. Worship lord Ganesh, Shiva & Goddess Durga.

Venus Antar Dasha (25:04:2012 To 25:12:2014)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite AUM NAMA SHIVAY mantra on quartz rosary.
2. Donate cow or buffalo.
3. Worship Lord Shiva.

Sun Antar Dasha (25:12:2014 To 13:10:2015)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Lord Shiva and Sun.
2. Recite Aaditya Strot.

Moon Antar Dasha (13:10:2015 To 12:02:2017)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship lord Shiva.
2. Recite Durga Saptasati path.

Mars Antar Dasha (12:02:2017 To 19:01:2018)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Donate ox.
2. Worship Shiva and Durga.

Rahu Antar Dasha (19:01:2018 To 13:06:2020)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Mrityunjay mantra.
2. Worship Lord Shiva and Goddess Durga.

Saturn Dasha (13:06:2020 To 14:06:2039)

Saturn Antar Dasha (13:06:2020 To 17:06:2023)

Saturn is combust or retrograde in your horoscope.

During Mahadasha or Antardasha of Saturn, you may have danger from venom or weapons. Your place may change, you may get transferred or demoted. You may get separated from your parents and your spouse & child may also face problems. You may face impediments in government works. During Antardasha of Saturn, you may have danger from weapons. You may suffer from any blood related disease.

Remedies -

1. Recite Mahamrityunjay Mantra.
2. Worship Lord Rudra-Shiva.
3. Worship Lord Hanuman and offer vermilion and oil on idol.

Mercury Antar Dasha (17:06:2023 To 24:02:2026)

Mercury is situated in 6th, 8th or 12th house from ascendant or Saturn in your horoscope.

You may suffer from diseases, meet losses in your work and remain upset during Antardasha of Mercury.

Remedies -

1. Recite Vishnusahastranam.
2. Recite AUM NAMO BHAGAVATE VASUDEVAY mantra.
3. Donate grains.
4. Your ascendant is Taurus, Gemini, Virgo or Libra. You may wear emerald or Turquoise.

Ketu Antar Dasha (24:02:2026 To 05:04:2027)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Lord Vishnu.
2. Worship Lord Ganesha and Goddess Kali.

Venus Antar Dasha (05:04:2027 To 05:06:2030)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Durga Saptasati Path.
2. Donate cow and buffalo.
3. Worship Shiva and Durga.
4. Your ascendant is Taurus, Gemini, Virgo, Libra, Capricorn or Aquarius. You may wear diamond or white coral.

Sun Antar Dasha (05:06:2030 To 17:05:2031)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Lord Sun and Shiva.

Moon Antar Dasha (17:05:2031 To 16:12:2032)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Goddess Parvati and lord Shiva.
2. Donate cow & buffalo.
3. Wear quartz rosary and recite AUM NAMA SHIVAY from same.

Mars Antar Dasha (16:12:2032 To 25:01:2034)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Donate ox.
2. Worship Lord Hanuman.

Rahu Antar Dasha (25:01:2034 To 01:12:2036)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Mrityunjay mantra.
2. Worship Lord Shiva, Hanuman and Goddess Durga.
3. Donate ox.
4. Your ascendant is Aries, Taurus, Cancer, Virgo, Sagittarius or Pisces. You may wear green emerald or Turquoise.

Jupiter Antar Dasha (01:12:2036 To 14:06:2039)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Shivasahastranam.
2. Donate gold.
3. Worship Lord Vishnu along with Lord Shiva.

Mercury Dasha (14:06:2039 To 13:06:2056)

Mercury Antar Dasha (14:06:2039 To 10:11:2041)

Generally, you will not face any major problems during this Mahadasha/Antar Dasha. However, if you facing any problem during this Mahadasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Mahadasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Vishnusahstranam.
2. Your ascendant is Taurus, Gemini, Leo, Virgo or Libra. You may wear green emerald.

Ketu Antar Dasha (10:11:2041 To 07:11:2042)

Ketu is situated in 6th, 8th or 12th house from Mercury with malefic planets in yourhoroscope.

You may have risk form vehicle, venom or venomous animals, thieves, dacoits or criminal kind of people during Antardasha of Ketu. Your child may face problems. You may try to do any immoral act during this time. Avoid company of wicked people.

Remedies -

1. Worship Lord Ganesha and Vishnu.
2. Wearing of green emerald will be beneficial.

Venus Antar Dasha (07:11:2042 To 07:09:2045)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform followingremedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Durga and recite AUM NAMSHCHANDIKAYE.
2. Your ascendant is Taurus, Gemini, Virgo, Libra, Capricorn or Aquarius. You may wear diamond or white topaz or white coral.

Sun Antar Dasha (07:09:2045 To 14:07:2046)

Sun is situated in 12th house from mercury with Saturn, Mars or Rahu in your horoscope.

You may suffer from bile ailment and headache during Antardasha of Sun. You may face mental problems. You may have risk from fire, weapons, dacoits and thieves.

Remedies -

1. Worship Lord Sun.
2. Worship Lord Shiva, Sun and Vishnu.

Moon Antar Dasha (14:07:2046 To 13:12:2047)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you are facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Donate clothes.
2. Recite Durga Mantra- AUM NAMSHCHANDIKAYE.
3. Your ascendant is Aries, Cancer, Virgo, Libra, Scorpio or Pisces. You may wear white pearl or quartz.

Mars Antar Dasha (13:12:2047 To 10:12:2048)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you are facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Donate cow.
2. Worship Lord Hanuman, Vishnu and Shiva.
3. Recite Mrityunjay mantra.

Rahu Antar Dasha (10:12:2048 To 29:06:2051)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Goddess Durga and Laxmi and recite mantra.
2. Donate cow or buffalo.
3. Your ascendant is Taurus, Gemini, Virgo, Libra, Capricorn or Aquarius. You may wear green emerald.

Jupiter Antar Dasha (29:06:2051 To 04:10:2053)

Jupiter is situated in debilitated sign or is combust or is retrograde in exalted sign in your horoscope.

You may meet loss of wealth, land & agriculture, face family dispute, may have fear from thieves, dacoits, venom etc. during Antardasha of Jupiter. Any government penalty may impose on you. Your reputation may reduce.

Jupiter is lord of 2nd or 7th house in your horoscope. You may suffer from disease.

Remedies -

1. Recite Shivasahstranam.
2. Donate cow and gold.
3. Recite AUM NAMA SHIVAY & AUM NAMO NARAYANAY mantra daily.

Saturn Antar Dasha (04:10:2053 To 13:06:2056)

Saturn is situated with malefic planets or malefic planets aspect Saturn or is combust or retrograde in your horoscope.

During Antardasha of Saturn, you may meet losses in your works or business, undertake journey to any distant place, have fear from your enemies. Your spouse and children may face problems. You may face mental problems.

Remedies -

1. Donate black cow and buffalo.
2. Recite Mrityunjay mantra.
3. Worship Lord Vishnu & recite AUM NAMO NARAYANAY

mantra.

4. Your ascendant is Taurus, Gemini, Virgo, Libra, Capricorn or Aquarius. You may wear sapphire or Turquoise.

Ketu Dasha (13:06:2056 To 14:06:2063)

Ketu Antar Dasha (13:06:2056 To 10:11:2056)

Generally, you will not face any major problems during this Mahadasha/Antar Dasha. However, if you facing any problem during this Mahadasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Mahadasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Durgasaptsati Path and Mahamrityunjay mantra.
2. Worship lord Shiva, Ganesha & goddess Durga.

Venus Antar Dasha (10:11:2056 To 10:01:2058)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Ganesha - Laxmi or Shiva - Durga.
2. Recite Durgasaptsati Path.
3. Donate cow or buffalo.
4. Wear rosary of quartz.
5. Your ascendant is Taurus, Gemini, Libra, Virgo, Capricorn or Aquarius. You may wear diamond, quartz, white topaz or white coral.

Sun Antar Dasha (10:01:2058 To 17:05:2058)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Lord Sun, Shiva and Ganesha.
2. Donate gold and cow.

Moon Antar Dasha (17:05:2058 To 16:12:2058)

Moon is weak or situated in debilitated sign in your horoscope.

You may face impediments in your work, get separated from your parents, meet losses in business, face mental and physical problems, meet wealth and cattle loss during Antardasha of Moon. You may have differences with your brothers and relatives. Your comfort may reduce.

Remedies -

1. Perform recitation and donation of Moon.
2. Worship Lord Ganesha, Shiva and Goddess Parvati.

Mars Antar Dasha (16:12:2058 To 14:05:2059)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Donate ox.
2. Worship Lord Hanuman, Ganesha and Goddess Durga.

Rahu Antar Dasha (14:05:2059 To 01:06:2060)

Rahu is situated in 8th or 12th house from ascendant with malefic planets or malefic planets aspect Rahu in your horoscope.

You may have risk from venom, suffer from urine, kidney ailment and fever during Antardasha of Rahu.

Remedies -

1. Recite Durgasaptasati Path.
2. Worship Lord Ganesh and Goddess Durga.

Jupiter Antar Dasha (01:06:2060 To 08:05:2061)

Jupiter is situated in 6th, 8th or 12th house from ascendant or Ketu in debilitated sign or is combust or situated with malefic planets in your horoscope.

You may meet financial loss, have risk from thieves, dacoits and snakes, suffer from any disease during Antardasha of Jupiter.

Jupiter is lord of 2nd or 7th house in your horoscope, you may suffer from death like pain.

Remedies -

1. Worship Lord Vishnu, Ganesh and Shiva.
2. Recite Shivsahstranam and Vishnusahstranam.

Saturn Antar Dasha (08:05:2061 To 17:06:2062)

Saturn is situated in 6th, 8th or 12th house from Ketu along with malefic planet in your horoscope.

During Antardasha of Saturn, you may face impediments in your works, become lazy, and get separated from your parents. Your reputation may decline. You may face physical problems.

Remedies -

1. Donate black cow or buffalo.
2. Perform Hawan with sesame.
3. Worship Lord Ganesh, Vishnu and goddess Kali.

Mercury Antar Dasha (17:06:2062 To 14:06:2063)

Mercury is situated in 6th, 8th or 12th house from Ketu in your horoscope. You may face physical problems.

You may meet loss of wealth & property, face opposition from government and stay at other's home during Antardasha of Mercury.

Remedies -

1. Recite Vishnu Sahastranam.
2. Worship lord Ganesha and

Vishnu.

3. Your ascendant is Taurus, Gemini, Leo, Libra or Virgo. You may wear green emerald.

Venus Dasha (14:06:2063 To 14:06:2083)

Venus Antar Dasha (14:06:2063 To 13:10:2066)

Generally, you will not face any major problems during this Mahadasha/Antar Dasha. However, if you facing any problem during this Mahadasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Mahadasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Durga Path.
2. Donate cow.
3. Worship Shiva and Laxmi.
4. Your ascendant is Taurus, Gemini, Virgo, Libra, Capricorn or Aquarius. You may wear diamond, white topaz or white coral.

Sun Antar Dasha (13:10:2066 To 13:10:2067)

Sun is situated in debilitated sign or with malefic planets or malefic planets aspect Sun in your horoscope.

You may meet loss in business and agriculture and suffer from ailment during Antardasha of Sun. You may face anger of government officials. You may suffer from problems.

Remedies -

1. Worship Lord Sun.

Moon Antar Dasha (13:10:2067 To 14:06:2069)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Goddess Parvati and Lord Shiva.
2. Donate white cow.

Mars Antar Dasha (14:06:2069 To 14:08:2070)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Donate ox.
2. Worship Lord Hanuman, Shiva and Goddess Durga.

Rahu Antar Dasha (14:08:2070 To 14:08:2073)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Durgasaptasati Path.
2. Worship Lord Shiva and Goddess Durga.

Jupiter Antar Dasha (14:08:2073 To 13:04:2076)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Worship Lord Vishnu and Shiva.
2. Recite Mahamrityunjay mantra.

Saturn Antar Dasha (13:04:2076 To 14:06:2079)

Saturn is situated in 6th, 8th or 12th house from Venus in your horoscope.

During Antardasha of Saturn, you may meet financial, business and agricultural losses, undertake journey to any distant place, face various problems. There may be dispute in your family.

Remedies -

1. Recite Mahamrityunjay mantra and Durgasaptsati Path.
2. Worship Lord Hanuman and Shiva.

Mercury Antar Dasha (14:06:2079 To 14:04:2082)

Mercury is situated in 6th, 8th or 12th house from ascendant with malefic planet or is combust in your horoscope. You may meet loss in business.

Remedies -

1. Recite Vishnusahasranamam.
2. Worship Lord Vishnu and Goddess Laxmi.
3. Your ascendant is Taurus, Gemini, Leo, Virgo or Libra. You may wear emerald.

Ketu Antar Dasha (14:04:2082 To 14:06:2083)

Ketu is situated in 6th, 8th or 12th house from Venus with malefic planets in your horoscope.

You may have risk from fire, venom or venomous animals, thieves, dacoits or criminal kind of people during Antardasha of Ketu. Your expenses may rise. You may suffer from headache, undertake journey of any distant place, and meet losses in your work. You may entangle in unnecessary mutual disputes.

Remedies -

1. Worship Lord Ganesha, Shiva and Goddess Durga.
2. Recite Mrityunjay mantra.

Sun Dasha (14:06:2083 To 14:06:2089)

Sun Antar Dasha (14:06:2083 To 01:10:2083)

Remedies -

1. Recite Mrityunjay Mantra. Worship Lord Sun and Shiva & perform recitation and donations related to them.

Moon Antar Dasha (01:10:2083 To 01:04:2084)

Moon is weak or situated with malefic planets or malefic planets are aspecting Moon in your horoscope.

This Antardasha may be troublesome for you. Your spouse or child may face problems. You may face physical and mental problems. You may get inauspicious results like losses in work, differences with subordinates, financial losses, place change, dispute with people etc.

Remedies -

1. Donate white cow.
2. Worship Lord Shiva & Goddess Parvati and wear rosary of Quartz (Sphatic).
3. Recite AUM NAMA SHIVAYA daily for 108 time with Quartz festoon/rosary.
4. Your ascendant is Aries, Cancer, Virgo, Libra, Scorpio or Pisces. You may wear White Pearl in silver ring on Monday during Antardasha of Moon.

Mars Antar Dasha (01:04:2084 To 07:08:2084)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Ved and donate ox.
2. Wear rosary of red sandal and recite Gayatri Mantra from same rosary.

Rahu Antar Dasha (07:08:2084 To 02:07:2085)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However,

if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Durga Path and donate black cow.
2. Worship Lord Hanuman and Goddess Durga.
3. Don't wear any gem for Rahu.

Jupiter Antar Dasha (02:07:2085 To 20:04:2086)

Jupiter is situated in 6th, 8th or 12th house from ascendant or Sun in your horoscope.

During Antardasha of Jupiter, you may be bother about diseases, mental tensions and problems. Your spouse and child may face problems, may meet financial and work losses, and may face anger of Government officials.

Remedies -

1. Donate gold and Kapila cow.
2. Worship your deity.
3. Worship Lord Shiva and Vishnu.

Saturn Antar Dasha (20:04:2086 To 02:04:2087)

Saturn is situated with malefic planet in your horoscope.

During Antardasha of Saturn, you may suffer from disease, may meet financial losses, loss in work, may face family conflict and separation form near & dears.

Remedies -

1. Donate black cow or buffalo.
2. Recite Mahamrityunjay Mantra.
3. Worship Rudra- Shiva or Lord Hanuman, the incarnation or Rudra and Mahakali.

Mercury Antar Dasha (02:04:2087 To 06:02:2088)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious

effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Vishnu Sahastranam and Donate silver idol of Vishnu.
2. Your ascendant is Taurus, Gemini, Leo or Virgo. You may wear emerald in little finger.

Ketu Antar Dasha (06:02:2088 To 13:06:2088)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Durga and Shatchandi Path.
2. Worship lord Ganesh.

Venus Antar Dasha (13:06:2088 To 14:06:2089)

Generally, you will not face any major problems during this Antardasha. However, if you facing any problem during this Antardasha, then to diminish inauspicious effects and increasing auspicious effects of Antardasha, you may perform following remedies with consultation of learned astrologer.

Remedies -

1. Recite Mrityunjay and Rudra mantra. Donate cow or buffalo.
2. Your ascendant is Taurus, Virgo, Libra, Capricorn or Aquarius. You may wear white topaz or diamond or white coral.

Vimshottari Dasha effects and remedies in Lal Kitab

Moon Dasha (18:12:1973 To 14:06:1979)

At present you are running under Mahadasha of Moon. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, disease etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Wear pearl in silver ring.
2. Donate silver lotus.
3. Recite Mahamrityunjay Mantra.

Saturn Antar Dasha (18:12:1973 To 14:04:1975)

At present you are running under Antardasha of Saturn during Mahadasha of Moon. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to enemy, mother, brother, relative, debt etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Shani Strot daily.
2. Recite Mahamrityunjay Mantra & perform Hawan.
3. Donate cow or buffalo made up of gold.

Mercury Antar Dasha (14:04:1975 To 13:09:1976)

At present you are running under Antardasha of Mercury during Mahadasha of Moon. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to business, wealth - property, children, spouse, reputation etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Worship Goddess Durga and serve female kids.
2. Recite Vishnusahasranamam.
3. Donate a goat.

Ketu Antar Dasha (13:09:1976 To 14:04:1977)

At present you are running under Antardasha of Ketu during Mahadasha of Moon. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to work (Service / business), father, disease etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej Mantra of ketu for 17,000 times in 21 days.
2. Recite Sarvasampatpradayak Mritunjay Mantra.
3. Recite 108 names of lord Ganesha.

Venus Antar Dasha (14:04:1977 To 13:12:1978)

At present you are running under Antardasha of Venus during Mahadasha of Moon. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to government job, friends, family members, wealth, property etc., then you should practice following remedies to

enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Dig a pit on Friday, keep 200 grams curd inside the pit and cover it with white cloth and ashes.
2. Recite Durga Sukta.
3. Donate idol of Goddess Durga made up of silver.

Sun Antar Dasha (13:12:1978 To 14:06:1979)

At present you are running under Antardasha of Sun during Mahadasha of Moon. During this Dahsa period, you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth - property, father, birth place, eyesetc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Offer water to Sun after along with sugar and red flower.
2. Worship Lord Shiva.
3. Recite Aaditya Hriday Strot.

Mars Dasha (14:06:1979 To 14:06:1986)

At present you are running under Mahadasha of Mars. During this Dahsa period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, blood, family, spouse, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Wear copper wristlet.
2. Donate copper lotus.
3. Have fast on Tuesday.

Mars Antar Dasha (14:06:1979 To 10:11:1979)

At present you are running under Antardasha of Mars during Mahadasha of Mars. During this Dahsa period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to blood, vehicle, accident, poisonous creatures etc., you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej Mantra of Mars for 10000 times in 43 days.
2. Recite Shiv Chalisa
3. Recite Hanuman Chalisa.

Rahu Antar Dasha (10:11:1979 To 28:11:1980)

At present you are running under Antardasha of Rahu during Mahadasha of Mars. During this Dahsa period, you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth - property, vehicle, accident, court etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Feed food & sweet to 11 Brahmins and donate some money to them.
2. Donate silver

snake.

3. Have food while sitting in kitchen.

Jupiter Antar Dasha (28:11:1980 To 04:11:1981)

At present you are running under Antardasha of Jupiter during Mahadasha of Mars. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to government job, wealth - property, brother, court case etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Brahaspati Strot daily.
2. Recite Shivashtanam & perform Hawan.
3. Keep a ripen and hollowed gourd (Sitaphal) inside temple etc.

Saturn Antar Dasha (04:11:1981 To 13:12:1982)

At present you are running under Antardasha of Saturn during Mahadasha of Mars. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth - property, family conflict, service or business, children, addiction etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate black cow.
2. Recite Mahamrityunjay mantra.
3. Recite Hanuman Chalisa along with Bajrang Ban.

Mercury Antar Dasha (13:12:1982 To 10:12:1983)

At present you are running under Antardasha of Mercury during Mahadasha of Mars. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to fire, vehicle accident, job, wealth - property, court case, honour etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Offer water on Shivling daily.
2. Donate silver mare.
3. Recite Vishnusahasranam.

Ketu Antar Dasha (10:12:1983 To 08:05:1984)

At present you are running under Antardasha of Ketu during Mahadasha of Mars. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to spouse, blood, wealth - property, children, dignity etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Ketu Strot.
2. Recite Mahamrityunjay mantra & perform Hawan.

Venus Antar Dasha (08:05:1984 To 08:07:1985)

At present you are running under Antardasha of Venus during Mahadasha of Mars. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth - property, addiction, honour,

blame etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate white cow or silver cow.
2. Recite Durgasaptati.
3. Feed grass to white cows on Friday.

Sun Antar Dasha (08:07:1985 To 13:11:1985)

At present you are running under Antardasha of Sun during Mahadasha of Mars. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to blood, vehicle, accident, poisonous creatures etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej Mantra of Sun for 7000 times.
2. Aadityahriday Strot.
3. Tie 7 square shaped copper pieces in pink cloth after applying saffron on these and bury in forest after Sunset. During this time your face should be in east direction.

Moon Antar Dasha (13:11:1985 To 14:06:1986)

At present you are running under Antardasha of Moon during Mahadasha of Mars. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to service, business, wealth - property, spouse, children, and pet animals etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate white cow.
2. Fill 21 grains of rice in a Conch or Oyster and flow into the river.
3. Worship Goddess Laxmi & Durga.

Rahu Dasha (14:06:1986 To 13:06:2004)

At present you are running under Mahadasha of Rahu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, foreign stay, quarrel etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate seven cereals (Urad, Mung, wheat, gram, rice, barley, kangni).
2. Donate gold vessel or snake.
3. Recite Beej mantra of Rahu.

Rahu Antar Dasha (14:06:1986 To 24:02:1989)

At present you are running under Antardasha of Rahu during Mahadasha of Rahu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to service, business, wealth - property, spouse, debt, family members, honour etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Flow 2 coconuts & 10 coins in river.
2. Donate a silver pair of male- female snakes.
3. Recite Nrasingh Kavach.

Jupiter Antar Dasha (24:02:1989 To 20:07:1991)

At present you are running under Antardasha of Jupiter during Mahadasha of Rahu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to heart, vehicle accident, wealth - property, spouse, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Apply saffron (Keshar) around your naval continuously for 43 days. Start this process from Thursday.
2. Recite Shivasahstranam Strot.
3. Do the Rudrabhishek of Lord Shiva from water.

Saturn Antar Dasha (20:07:1991 To 26:05:1994)

At present you are running under Antardasha of Saturn during Mahadasha of Rahu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to heart, wealth - property, family life etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Durgasukta.
2. Donate black cow or buffalo.
3. Recite Shani Strot.

Mercury Antar Dasha (26:05:1994 To 13:12:1996)

At present you are running under Antardasha of Mercury during Mahadasha of Rahu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to business, spouse, breath etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Gopalsahastranam.
2. Recite Vishnusahastranam.
3. Feed sweets to female kids continuously for 43 days.

Ketu Antar Dasha (13:12:1996 To 31:12:1997)

At present you are running under Antardasha of Ketu during Mahadasha of Rahu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to children, spouse, mother, father, family members, etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Wear snake shaped silver ring.
2. Recite Ganpatisahstranam.
3. Worship Lord Ganesha on Ganesh Chaturthi.

Venus Antar Dasha (31:12:1997 To 31:12:2000)

At present you are running under Antardasha of Venus during Mahadasha of Rahu. During this Dahsa period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to service, spouse, father, honour etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej mantra of Shukra for 16,000 times in 21 days.
2. Recite Srisukta.
3. Burry 9 square shaped silver pieces under the stem of Neem tree.

Sun Antar Dasha (31:12:2000 To 25:11:2001)

At present you are running under Antardasha of Sun during Mahadasha of Rahu. During this Dahsa period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to fire, vehicle accident, land, business, wealth - property etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate wheat, Gud and a copper piece for 11 Sundays.
2. Recite Mahamrityunjay Mantra.
3. Flow 2 coconuts & 100 gms. barley in river for 5 Saturdays.

Moon Antar Dasha (25:11:2001 To 26:05:2003)

At present you are running under Antardasha of Moon during Mahadasha of Rahu. During this Dahsa period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to service, business, wealth - property, family members etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Offer milk on Shivling with white flower on Monday.
2. Donate Silver cow.
3. Recite Durgasaptasati.

Mars Antar Dasha (26:05:2003 To 13:06:2004)

At present you are running under Antardasha of Mars during Mahadasha of Rahu. During this Dahsa period, you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to service, business, wealth - property, spouse, childre, accident, family members etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Rinmochanstrot.
2. Recite Sunderkand.
3. Give 8 tandoor breads to dogs on Tuesday.

Jupiter Dasha (13:06:2004 To 13:06:2020)

At present you are running under Mahadasha of Jupiter. During this Dahsa period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, family members, spouse, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej mantra of Brihaspati.
2. Donate gold or Yellow Sapphire.
3. Wear Yellow Sapphire embedded in gold ring during Jupiter castellation on Thursday.

Jupiter Antar Dasha (13:06:2004 To 01:08:2006)

At present you are running under Antardasha of Jupiter during Mahadasha of Jupiter. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, family members, spouse, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Perform the Rudrabhishek of Lord Shiva from water.
2. Recite Shivsahtranam.
3. Have fast on Purinma (Full Moon) & perform Satyanarayan Katha.

Saturn Antar Dasha (01:08:2006 To 12:02:2009)

At present you are running under Antardasha of Saturn during Mahadasha of Jupiter. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, brothers, spouse, profession etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results.

Remedies -

1. Feed 700 grams of black gram pulse to black buffalo on Saturday.
2. Recite Vishnu Sahastranam.
3. Donate black cow or buffalo.

Mercury Antar Dasha (12:02:2009 To 20:05:2011)

At present you are running under Antardasha of Mercury during Mahadasha of Jupiter. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, partners, profession, eyes etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Make pierce your nose.
2. Recite Vishnu Sahatranam.
3. Donate black goat.

Ketu Antar Dasha (20:05:2011 To 25:04:2012)

At present you are running under Antardasha of Ketu during Mahadasha of Jupiter. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, spouse, father, family members etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite 12 names of Ketu daily.
2. Recite Mahamrityunjay mantra.
3. Do the Pradkshina of banyan tree root for 11 Thursday.

Venus Antar Dasha (25:04:2012 To 25:12:2014)

At present you are running under Antardasha of Venus during Mahadasha of Jupiter. During this Dahsa period, you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to parental property, service, spouse, brothers, family members etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej mantra of Venus.
2. Donate white cow or buffalo.
3. Recite Durgasukta.

Sun Antar Dasha (25:12:2014 To 13:10:2015)

At present you are running under Antardasha of Sun during Mahadasha of Jupiter. During this Dahsa period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to brothers, eyes etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej mantra of Sun for 7000 times.
2. Recite Aaditya Hriday Strot.
3. Offer water to Sun continuously for 43 days with red flower.

Moon Antar Dasha (13:10:2015 To 12:02:2017)

At present you are running under Antardasha of Moon during Mahadasha of Jupiter. During this Dahsa period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to mother, father, service, honouretc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite beej mantra of Moon for 11,000 times.
2. Recite Durgasukta.
3. Donate moon of silver or gold.

Mars Antar Dasha (12:02:2017 To 19:01:2018)

At present you are running under Antardasha of Mars during Mahadasha of Jupiter. During this Dahsa period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, home, spouse, blood etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Have fast on Tuesday & recite Beej mantra of Mars for 10,000 times in 21 days.
2. Recite 108 names of Lord Hanuman.
3. Keep a copper vessel filled with water near your bed (towards your head) at night & pour the same water on Bargad (Vat) tree in the morning.

Rahu Antar Dasha (19:01:2018 To 13:06:2020)

At present you are running under Antardasha of Rahu during Mahadasha of Jupiter. During this Dahsa period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to parental property, family clash, brothers, business, wealth- property etc., then you should practice following remedies to

enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Feed pellets of barley flour to fish continuously for 43 days after starting from the day of Rahu castellation.
2. Recite Mahamrityunjay mantra.
3. Donate silver elephant of 51 grams by weight.

Saturn Dasha (13:06:2020 To 14:06:2039)

At present you are running under Mahadasha of Saturn. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth, property, vehicle accident, materialistic comforts etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Have fast on Saturday & recite Shani Strot.
2. Donate blue sapphire, iron, oil of sesame & mustard.
3. Recite Beej mantra of Saturn.

Saturn Antar Dasha (13:06:2020 To 17:06:2023)

At present you are running under Antardasha of Saturn during Mahadasha of Saturn. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, family members, spouse, service, honour, debt etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate 7 almonds & 700gms. of black Urd on Saturday at any religious place or to a beggar.
2. Recite Mahamrityunjay mantra & perform Hawan.
3. Recite Shani Strot daily.

Mercury Antar Dasha (17:06:2023 To 24:02:2026)

At present you are running under Antardasha of Mercury during Mahadasha of Saturn. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to children, spouse, service or business etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej mantra of Mercury for 9000 times in 17 days.
2. Recite Vishnusahasranam.
3. Donate goat or cereals.

Ketu Antar Dasha (24:02:2026 To 05:04:2027)

At present you are running under Antardasha of Ketu during Mahadasha of Saturn. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to children, spouse, accident, business etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Flow 800 grams of white sesame & 800 grams black sesame into the

Ganga.

2. Recite Mahamrityunjay mantra.
3. Serve the black dog.

Venus Antar Dasha (05:04:2027 To 05:06:2030)

At present you are running under Antardasha of Venus during Mahadasha of Saturn. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to brothers, spouse, service, honour, eyes etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej mantra of Venus for 16000 times.
2. Recite Durgasukta.
3. Donate white cow or black buffalo.

Sun Antar Dasha (05:06:2030 To 17:05:2031)

At present you are running under Antardasha of Sun during Mahadasha of Saturn. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, brothers, service, business, honour etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej mantra of Sun for 7000 times.
2. Have fast on Sunday & offer water to Sun.
3. Recite Arunsahatranam.

Moon Antar Dasha (17:05:2031 To 16:12:2032)

At present you are running under Antardasha of Moon during Mahadasha of Saturn. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to mother, father, wealth loss, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Perform Hawan with sesames & donate Gud, Ghee, curd - rice, white cow etc.
2. Worship Lord Shiva and offer belptra to Shivling.
3. Worship Goddess Durga.

Mars Antar Dasha (16:12:2032 To 25:01:2034)

At present you are running under Antardasha of Mars during Mahadasha of Saturn. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth loss, brother, spouse, service, debt etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Rinmochan Path for debt. Recite Hanuman chalisa along with Bajranban for general troubles.
2. Perform Shanti Hawan & donate ox.
3. Recite Bhujang Strot.

Rahu Antar Dasha (25:01:2034 To 01:12:2036)

At present you are running under Antardasha of Rahu during Mahadasha of Saturn. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, family, friends etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej mantra of Rahu for 18000 times with performing Anushthan.
2. Recite Mahamrityunjay mantra.
3. Donate goat.

Jupiter Antar Dasha (01:12:2036 To 14:06:2039)

At present you are running under Antardasha of Jupiter during Mahadasha of Saturn. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to business, service, spouse, children, accident, relatives etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate gold.
2. Recite Shivsahtranam.
3. Perform Katha of God Satyanarayan.

Mercury Dasha (14:06:2039 To 13:06:2056)

At present you are running under Mahadasha of Mercury. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, friends, family, honour, agriculture, children, education etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Have fast on Wednesday & recite Beej mantra of Mercury.
2. Donate gold vessel.
3. Wear emerald on Wednesday or in Mercury's constellation.

Mercury Antar Dasha (14:06:2039 To 10:11:2041)

At present you are running under Antardasha of Mercury during Mahadasha of Mercury. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth - property, job, business, family members, brothers etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Budh Strot.
2. Serve the goat.
3. Recite Vishnusahatranam.

Ketu Antar Dasha (10:11:2041 To 07:11:2042)

At present you are running under Antardasha of Ketu during Mahadasha of Mercury. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth - property, spouse, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Wear Cat's eye gem in middle finger in Ketu's castellation.
2. Recite Ganpati Strot.
3. Serve black dog.

Venus Antar Dasha (07:11:2042 To 07:09:2045)

At present you are running under Antardasha of Venus during Mahadasha of Mercury. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to spouse, honour, brothers etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate silver cow.
2. Recite Laxminarayan Hriday Path.
3. Worship Goddess Durga.

Sun Antar Dasha (07:09:2045 To 14:07:2046)

At present you are running under Antardasha of Sun during Mahadasha of Mercury. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to accident, business, court case etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Wear Ruby in ring finger on Sunday or in Sun's castellation.
2. Donate copper cow.
3. Offer water with red flower to Sun continuously for 43 days at 12 o'clock sharp at noon.

Moon Antar Dasha (14:07:2046 To 13:12:2047)

At present you are running under Antardasha of Moon during Mahadasha of Mercury. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to friends, colleagues, job, business, spouse, brothers etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej mantra of Moon with Anushthan.
2. Recite Durgasukta Path.
3. Donate white cloth.

Mars Antar Dasha (13:12:2047 To 10:12:2048)

At present you are running under Antardasha of Mars during Mahadasha of Mercury. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to parental property, family, court case, business, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Mangalstrot.
2. Recite Mahamrityunjay mantra & perform Hawan.
3. Donate copper ox.

Rahu Antar Dasha (10:12:2048 To 29:06:2051)

At present you are running under Antardasha of Rahu during Mahadasha of Mercury. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth - property, business, brothers etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate green clothes to female kids.
2. Flow 2 coconuts 7 10 coins into the water on Wednesday.
3. Make an elephant of coin and keep it at your home after putting into Gangajal.

Jupiter Antar Dasha (29:06:2051 To 04:10:2053)

At present you are running under Antardasha of Jupiter during Mahadasha of Mercury. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth - property, accident, spouse, children, father, family life etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Shivsahstranam.
2. Donate religious books.
3. Donate cow.

Saturn Antar Dasha (04:10:2053 To 13:06:2056)

At present you are running under Antardasha of Saturn during Mahadasha of Mercury. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to profession, wealth loss, spouse, children, brothers etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Mix Urd dal & gram flour, fry same into mustard oil and feed these Pakauda to black dog on Saturday or in Saturn's castellation.
2. Recite Mahamrityunjay mantra.
3. Donate black cow or buffalo.

Ketu Dasha (13:06:2056 To 14:06:2063)

At present you are running under Mahadasha of Ketu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, vehicle, fire water, education, spouse, children, family, friends etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate seven cereals (Urd, Moong, wheat, Gram, Rice, Barley, Kangni)
2. Donate silver vessel.
3. Have fast of Ganesh Chauth.

Ketu Antar Dasha (13:06:2056 To 10:11:2056)

At present you are running under Antardasha of Ketu during Mahadasha of Ketu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to place change, income, debt, honour, spouse, children, brothers etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Mahamrityunjay mantra.
2. Have 18 fasts of Sankat Chaturthi.
3. Serve black dog.

Venus Antar Dasha (10:11:2056 To 10:01:2058)

At present you are running under Antardasha of Venus during Mahadasha of Ketu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth - property, income, service, business, spouse, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Feed Gol -Gappe to female kids.
2. Recite Durgasaptasati.
3. Donate white cow or silver cow.

Sun Antar Dasha (10:01:2058 To 17:05:2058)

At present you are running under Antardasha of Sun during Mahadasha of Ketu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to service, business, mother, father etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Give green grass to red cow continuously for seven Sunday.
2. Donate copper or silver cow.
3. Recite Surya Strot.

Moon Antar Dasha (17:05:2058 To 16:12:2058)

At present you are running under Antardasha of Moon during Mahadasha of Ketu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to parental property, family, relatives, mother, spouse, brothers etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate white cow.
2. Recite Durga Sukta.
3. Recite Chnadrastrot.

Mars Antar Dasha (16:12:2058 To 14:05:2059)

At present you are running under Antardasha of Mars during Mahadasha of Ketu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to service, family members, debt, family life, spouse, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Burry silver vessel filled with honey under the foundation of your home.
2. Donate red ox or copper ox.
3. Recite Mahamrityunjay mantra.

Rahu Antar Dasha (14:05:2059 To 01:06:2060)

At present you are running under Antardasha of Rahu during Mahadasha of Ketu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth - property, service or business etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite beej mantra of Rahu with Anusthan.
2. Recite Durgasukta.
3. Flow 11 kgs. of raw coals into the river on Wednesday.

Jupiter Antar Dasha (01:06:2060 To 08:05:2061)

At present you are running under Antardasha of Jupiter during Mahadasha of Ketu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth -property, profession, honour, spouse, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Have fast on full Moon (Purnima). Wear yellow clothes during this time.
2. Recite Shivsahtranam with Anushthan.
3. Recite Shivsankalp.

Saturn Antar Dasha (08:05:2061 To 17:06:2062)

At present you are running under Antardasha of Saturn during Mahadasha of Ketu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to debt, business, service, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Mahamrityunjay mantra & perform Hawan.
2. Donate black cow or buffalo.
3. Recite Shanistrot.

Mercury Antar Dasha (17:06:2062 To 14:06:2063)

At present you are running under Antardasha of Mercury during Mahadasha of Ketu. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth -property, business, honour, spouse, children, relatives etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Mahasudrshan mantra.
2. Recite Vishnusahatranam with anushthan.
3. Donate goat.

Venus Dasha (14:06:2063 To 14:06:2083)

At present you are running under Mahadasha of Venus. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth- property, vehicle, spouse, children, friends etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Draw Shukra Yantra on square shaped silver piece & keep it with you.
2. Recite Durga Path.
3. Donate white things.

Venus Antar Dasha (14:06:2063 To 13:10:2066)

At present you are running under Antardasha of Venus during Mahadasha of Venus. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth -property, brother, job, spouse etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate white cow.
2. Recite Lalitasahatranam with Anushthan.
3. Recite Durgasukta.

Sun Antar Dasha (13:10:2066 To 13:10:2067)

At present you are running under Antardasha of Sun during Mahadasha of Venus. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth -property, business, job, spouse, children, father etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate Urd, Moong, wheat, Gram, Barley, Rice, Kangni, old clothes & money on the day of Sankranti.
2. Wear Ruby on Sunday or in Sun castellation.
3. Do the Rudrabhishek of Shiv from milk.

Moon Antar Dasha (13:10:2067 To 14:06:2069)

At present you are running under Antardasha of Moon during Mahadasha of Venus. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to debt, mother, children, brother, spouse etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej mantra of Moon for 11000 times.
2. Offer belptra on Shivling 7 recite AUM NAMH SHIVAY mantra for 108 times (Onerosary)
3. Have fast for 11 Mondays & donate milk - sugar candy (misri).

Mars Antar Dasha (14:06:2069 To 14:08:2070)

At present you are running under Antardasha of Mars during Mahadasha of Venus. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth -property, farms, home, service, father, vehicle accident etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Hanuman Chalisa on Tuesday & offer vermilion to Lord Hanuman.
2. Recite Laxmi Kavach.
3. Recite Sunderkand for 32 times.

Rahu Antar Dasha (14:08:2070 To 14:08:2073)

At present you are running under Antardasha of Rahu during Mahadasha of Venus. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to mother, father, family members, honour, debt etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Flow barley & mustard after filling in earthen pot into running water.
2. Recite Durgasukta Path.
3. Donate silver elephant.

Jupiter Antar Dasha (14:08:2073 To 13:04:2076)

At present you are running under Antardasha of Jupiter during Mahadasha of Venus. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to theft, wealth -property, business, place change, service, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Tie yellow thread around stem of Banyan tree for 11 Thursdays.
2. Recite Mahamrityunjay Mantra.
3. Recite Brihaspati Strot.

Saturn Antar Dasha (13:04:2076 To 14:06:2079)

At present you are running under Antardasha of Saturn during Mahadasha of Venus. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to honour, job, mother, father, spouse, children etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Shanistrot.
2. Recite Mahamrityunjay mantra.
3. Donate Black Cow.

Mercury Antar Dasha (14:06:2079 To 14:04:2082)

At present you are running under Antardasha of Mercury during Mahadasha of Venus. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth -property, honour, business, spouse etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Donate goat.
2. Recite Vishnusahstranam daily.
3. Worship Saligram & have 3 or 6 leaves of Tulsi.

Ketu Antar Dasha (14:04:2082 To 14:06:2083)

At present you are running under Antardasha of Ketu during Mahadasha of Venus. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to income, place change, journey, father, spouse, theft etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Serve black dog.
2. Recite Mrityunjay mantra.
3. Recite Durgasaptasati Path.

Sun Dasha (14:06:2083 To 14:06:2089)

At present you are running under Mahadasha of Sun. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to brother, wife, son, father etc., then you should practise following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Offer (Arghaya) water to Sun in the morning from copper vessel.
2. Donate lotus of gold when you get inauspicious results.
3. Recite Beej Mantra of Sun for 7000 times.

Sun Antar Dasha (14:06:2083 To 01:10:2083)

At present you are running under Antardasha of Sun during Mahadasha of Sun. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to brother, wife, son, father etc., you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Mahamrityunjay Mantra.
2. Offer (Arghaya) water with red flower to Sun continuously for 43 days..
3. Recite Beej Mantra of Sun for 7000 times.

Moon Antar Dasha (01:10:2083 To 01:04:2084)

At present you are running under Antardasha of Moon during Mahadasha of Sun. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to spouse, wealth & property, debt, enemy etc., you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej Mantra of Moon for 11,000 for times.
2. Donate white cow.
3. Recite yourself or make recite from other learned priest Durgasaptasati Path.

Mars Antar Dasha (01:04:2084 To 07:08:2084)

At present you are running under Antardasha of Mars during Mahadasha of Sun. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to wealth, property, land etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Have fast on 21 Tuesdays and recite Beej Mantra of Moon for 10,000 times.
2. Donate white cow or cow made up of silver to a Brahmin.
3. Worship Goddess Chamunda.

Rahu Antar Dasha (07:08:2084 To 02:07:2085)

At present you are running under Antardasha of Rahu during Mahadasha of Sun. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or

getting any inauspicious result related to home, job, fire etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej Mantra of Rahu for 18,000 times in 21 days.
2. Recite DurgaSaptshati Path.
3. Donate 7 black cows or buffaloes.

Jupiter Antar Dasha (02:07:2085 To 20:04:2086)

At present you are running under Antardasha of Jupiter during Mahadasha of Sun. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to spouse, children, wealth - property etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite 108 names of Lord Vishnu.
2. Donate Kapila cow.
3. Wear Yellow Sapphire of 4 or 5 Ratti.

Saturn Antar Dasha (20:04:2086 To 02:04:2087)

At present you are running under Antardasha of Saturn during Mahadasha of Sun. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to spouse, children, wealth - property, job etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Shani Strot.
2. Donate ring of five metals and black shocks.
3. Recite Mahamrityunjay mantra & perform Hawan.

Mercury Antar Dasha (02:04:2087 To 06:02:2088)

At present you are running under Antardasha of Mercury during Mahadasha of Sun. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to spouse, children, wealth - property, job etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Beej Mantra of Mercury for 9000 times in 21 days.
2. Recite Vishnusahasranam.
3. Donate cereals and idol of Sun.

Ketu Antar Dasha (06:02:2088 To 13:06:2088)

At present you are running under Antardasha of Ketu during Mahadasha of Sun. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to teeth, father, friends, family members etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Serve the black

dog.

2. Recite Ganpatisahastranam.
3. Recite Durga Sukta.

Venus Antar Dasha (13:06:2088 To 14:06:2089)

At present you are running under Antardasha of Venus during Mahadasha of Sun. During this Dasha period, if you are facing any kind of physical or mental trouble or getting any inauspicious result related to spouse, children, family, home etc., then you should practice following remedies to enhance auspicious results and diminish inauspicious results:

Remedies -

1. Recite Shiv Strot.
2. Recite Mahamrityunjay mantra and perform Hawan.
3. Donate white cow.

Anapatya Blemish applicable in your horoscope

In astrology, there is enough importance of person's deeds which he / she did in previous births. It is assumed that every person gets results of his / her past actions in one form or other, whether these may be good results or bad results. Result of past good deeds will be good and of bad deeds will be bad. Abortion, devoid of progeny, in conceive or birth of dead baby etc. may be result of bad deeds did in previous birth. If you bait anyone in your previous births, then in your current birth, his/her curse (shap) may cause some problems, which is known as Anapatya Dosh. This blemish is directly related to progeny.

However, every blemish has remedy, which is been capable to diminish bad influence to enough extent.

Serpent Curse (Sarp-Shap)

If anyone beats snakes or bait them or try to discommode them by any way in current birth or previous birth, then due to curses of those snakes, there may be childlessness.

Serpent Curse (Sarp-Shap) is not applicable in your horoscope.

Father Curse (Pitra-shap)

If anyone insult father or bait him or try to discommode him by any way in current birth or previous birth, then due to curses of father, there may be childlessness.

Father Curse (Pitra-shap) is not applicable in your horoscope.

Mother Curse (Matri-Shap)

If anyone insult mother or bait her or try to discommode her by any way in current birth or previous birth, then due to curses of mother, there may be childlessness.

Mother Curse (Matri-Shap) is not applicable in your horoscope.

Brother Curse (Bhratri-Shap)

If anyone insult own brothers or bait them or try to discommode them by any way in current birth or previous birth, then due to curses of those brothers, there may be childlessness.

Brother Curse (Bhratri-Shap) is not applicable in your horoscope.

Maternal Uncle Curse (Matul-Curse)

If anyone insult own maternal uncles or bait them or try to discommode them by any way in current birth or previous birth, then due to curses of those maternal uncles, there may be childlessness.

Maternal Uncle Curse (Matul-Curse) is not applicable in your horoscope.

Brahm Curse (Brahm-Shap)

If anyone insult Brahmins or bait them or try to discommode them by any way in current birth or previous birth, then due to curses of those Brahmins, there may be childlessness.

Brahm Curse (Brahm-Shap) is applicable in your horoscope.

In your horoscope, Rahu is situated in Sagittarius or Pisces sign and Jupiter is situated in 5th house. You may not have any child or your comfort of child may be less due to brahm curse.

Remedies-

- 1-Have fast of Chandrayan, give foods to Brahmins and donate cow & five gems with some donation (Dakshina).
- 2-Help poor Brahmin, erudite and students as much as possible.

Wife Curse (Patni-Shap)

Women are always respectable. If anyone bait mother, spouse or any otherwoman or try to discommode them by any way in current birth or previous birth, then due to curses of those women, there may be childlessness.

Wife Curse (Patni-Shap) is not applicable in your horoscope.

Ghost Curse (Pret-Shap)

By not performing the Shradh rituals of own dead manes, the soul of manes may not get free and it becomes ghost. Due to curses of those manes, there may be childlessness.

Ghost Curse (Pret-Shap) is not applicable in your horoscope.

Lagna (Ascendant Sign) based Rudraksha recommendation

As your Lagna (Ascendant Sign) is Virgo, 4-faced Rudraksha is being recommended for you.



The presiding deity of this Rudraksha is Brahma. To the wearer, it confers creativity and ensures long life. It removes blemish of Brahma Hatya. It confers religion, lust, wealth, honour & emancipation.



Thread four-faced rudraksh in red thread on Thursday, make it touch to banana tree after sunrise and wear it around neck after enchanting from AUM BRAHMA DEVAY NAMH.

As your Lagna (Ascendant Sign) is Virgo, 6-faced Rudraksha is being recommended for you.



The presiding deity of this Rudraksha is Kartikeya. To the wearer, it represents the Pancha Tatwa (or the five elements), and confers health, peace, prosperity, and happiness. It removes blemish of Brahma Hatya when one wears it around right arm. It confers intellectual & physical gains when one wears it around neck.



Thread 3 beads of six-faced rudraksh in red thread on Monday, make it touch to Shivling and wear it around neck while enchanting AUM NAMA SHIVAY KARTIKEYA NAMA.

Time for wearing Rudraksha



Generally Monday is considered as auspicious day for wearing rudraksh, but to wear on day of Shivaratri is best. Besides this, auspicious time for wearing rudraksh is mentioned below:

Auspicious Month (Hindi Masa)

Aashwin & Kartik Months - Best
Margshirsh & Falgun Months - Good
Aasharh & Sravan months - Below Average
Bhadrapad, Paush & More Month (Malamas) - Inauspicious

Auspicious Day

The day on which planet & castellation are favorable to name sign of wearer, he / she should wear rudraksh on that day.

Sunday, Monday, Wednesday, Thursday and Friday are best for wearing Rudraksha, while Tuesday and Saturday are considered as inauspicious.

Auspicious Phase (Paksha)

For materialistic comforts, Rudraksh should wear during Waxing Moon (Shukla Paksha) and for spiritual gain rudraksh should wear during Waning Moon (Krishna Paksha).

Auspicious Tithi

2nd, 5th, 10th, 13th & Full Moon light (Purnima) dates of Hindi months are best for wearing rudraksh.

Auspicious Ascendant

Aries, Cancer, Libra, Scorpio, Capricorn & Aquarius are auspicious ascendant for wearing rudraksh.

Auspicious Constellation (Star)

Swati, Vishakha, Rohini, Jyeshtha, Uttaraphalguni, Uttarasharha, Hast, Ashwini, Dhanishtha, Shatbhisha & Shravan constellations are auspicious for wearing rudraksh. Besides this, wearing rudraksh during any eclips, Makar Sankranti, Ayan, Shiv Chaudas, Basant Panchami and full dark night (Amawasya) is also good.

Desired Rules for wearing Rudraksh (Shshstroka rules)



Clean your mouth after becoming fresh in the morning. Recitation or enchanting

done from unclean mouth may not produce desired results.

मुखशुद्धि विहीनस्य न मंत्रः फलदायकः ।
दंतजिह्वा विशुद्धिं च ततः कुर्यात् प्रयत्नतः ॥

After it, take pure water for bath. After taking bath, concentrate your mind and start worship. Before starting of worship, you must purify land. Mantra for purification of land:

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ॥

Use Kush (a kind of weed) Aasan (Seat) for sitting while worshipping and face towards East. Keep a vessel filled with pure water during worship. Keep coconut on the vessel and perform Pran Pritishta proceeding. Invite all Goddess & Gods along with Kuldevta and worship rudraksh.

First of all, wash the Rudraksha from cow dung, cow's urine, milk, curd, ghee etc. (Panchgavya), then wash it again with Ganges water or pure water. Now, take 9 banyan leaves in a bronze dish and form eightpedaled (ashtadal) lotus from 8 leaves out of taken 9 leaves and keep one leaf at centre of lotus. Keep rudraksha on centre leaf. Now, recite 'Om Namah Shivaya' mantra for three times. After that, pour water on yourself and all the materials are being used in worship, while reciting following mantra for three times -

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ॥
ॐ गुरुभ्यो नमः । ॐ गणेशाय नमः । ॐ कुलदेवताभ्यो नमः । ॐ इष्टदेवताभ्यो नमः । ॐ
मातृपितृचरणकमलेभ्यो नमः ।

Now take ganges water in right hand with spoon and drink it while reciting each following mantra -

ॐ केशवाय नमः । ॐ नारायणाय नमः । ॐ माधवाय नमः ।

Now, wash your hand while reciting following mantra and leave the water on ground -

ॐ गोविन्दाय नमः ।

Now, take ganges water in right hand and recite following mantra of Pranayam Viniyoga and leave the water on ground -

ॐ प्रणवस्य परब्रह्म ऋषिः परमात्मा देवता देवी गायत्री छंदः प्राणायामे विनियोगः ।

Then, perform three Pranayama with following mantra -

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः ॐ जनः ॐ तपः ॐ सत्यम् ।
ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि ।
धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐ आपो ज्योतिः रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरोम् ।

Now, recite following mantra while pouring water on rudraksha through Kush or spoon -

ॐ सद्योजातं प्रपद्यामि सद्योजाताय नमो नमः ।
भवे भवेनाति भवे भावस्वमान भवोद्भवाय नमः ॥

Then, recite following mantra while adhibiting sandal and fragranced oil in flower and make it touch to redraksha -

ॐ वामदेवाय नमः, ॐ ज्येष्ठाय नमः, ॐ श्रेष्ठाय नमः, ॐ रुद्राय नमः, ॐ कलविकरणाय
नमः, ॐ बलविकरणाय नमः, ॐ बलाय नमः, ॐ बलप्रमथनाय नमः, ॐ सर्वभूतदमनाय
नमः, ॐ मनोन्मनाय नमः ।

Then, recite following mantra while offering Dhoop -

ॐ अघोरेभ्यो अघघोरेभ्योः घोर घोरतरेभ्यः ।
सर्वेभ्यः सर्व शर्वेभ्यो नमस्तेस्तु रुद्ररूपेभ्यः ॥

Then apply sandal and fragranced oil with flower while reciting Rudra Gayatri mantra -

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात् ।

After applying sandal, concentrate on bead of rudraksh and recite Ishan mantra -

ॐ ईशानः सर्वविद्यानामीश्वरः सर्वभूतानां ।
ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपतिः ब्रह्मा शिवो मे अस्तु सदा शिवोम् ॥

Specific rules for wearing 4-face Rudraksha

Viniyoga -

Take Ganges water in spoon in the right hand, recite following Viniyoga Mantra and leave the water on the ground.

ॐ अस्य श्री ब्रह्म मंत्रस्य भार्गव ऋषिः, अनुष्टुप छन्दः, ब्रह्मा देवता, वां बीजं, क्रां
शक्तिः, सिद्धयर्थे रुद्राक्ष धारणार्थे जपे विनियोगः ।

Rhishyadinyas -

Touch your own body parts - head, mouth, heart and legs respectively by your right hand while reciting following mantra.

ॐ भार्गव ऋषिः नमः शिरसि, अनुष्टुप छन्दसे नमः मुखे, ब्रह्मदेवतायै नमः हृदि, वां
बीजाय नमः गुह्ये, क्रां शक्तये नमः पादयो, विनियोगाय नमः सर्वांगे ।

Karmyas -

Touch thumb, index finger, middle finger, ring finger, little finger and front-back side of your palm while reciting following mantra.

ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ वां तर्जनीभ्यां नमः, ॐ क्रां मध्यमाभ्यां नमः, ॐ तां
अनामिकाभ्यां नमः, ॐ हां कनिष्ठिकाभ्यां नमः, ॐ ईं कर्तल करपृष्ठाभ्यां नमः ।

Hridyadinyas -

Touch your heart, head, both arms and eyes while reciting following mantra and by the last mantra, take your hands above your head, take a round from back to front and give a clap on left hand by index finger and middle finger.

ॐ ॐ हृदयाय नमः, ॐ वां शिरसे स्वाहा, ॐ क्रां शिखायै वषट्, ॐ हां कवचाय
हुम् । ॐ तां नेत्रत्रयाय वौषट्, ॐ ईं अस्त्राय फट् ।

Dhyan Mantra -

First of all, meditate on presiding deity of Rudraksha Lord Brahma.

प्रणम्य शिरसा शाश्वदष्टनेत्रं चतुर्मुखम् ।
गायत्रीसहितं देवं नमामि विधिमीश्वरम् ॥

Recite one of the following mantra for 1188 times. After completing recitation, keep rudraksh in a copper vessel. After doing Pranayam, take vessel filled with water in left hand and touch lower part of vessel from right hand and remove the right hand. Then sprinkle water on rudraksh and wear it.

१-ॐ वां क्रां तां हां इं (मूल मंत्र)

२-ॐ ह्रीं हूं नमः

३-ॐ ह्रीं

४-ॐ ह्रीं नमः (पंचाक्षरी मंत्र)

५-ॐ नमः शिवाय

६-ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिंपुष्टिवर्धनम्, उर्वारुकमिवबंधनान्मृत्योर्मुक्षीय

माऽमृतात् ।

Specific rules for wearing 6-face Rudraksha

Viniyoga -

Take Ganges water in spoon in the right hand, recite following Viniyoga Mantra and leave the water on the ground.

ॐ अस्य मंत्रस्य दक्षिणामूर्ति ऋषिः, पंक्ति छन्दः, श्री षष्ठमुखी देवता, ऐं बीजं, सौं शक्तिः, क्लीं कीलकं, रुद्राक्ष धारणार्थं जपे विनियोगः।

Rhishyadinyas -

Touch your own body parts - head, mouth, heart and legs respectively by your right hand while reciting following mantra.

ॐ दक्षिणामूर्ति ऋषये नमः शिरसि, पंक्ति छन्दसे नमो मुखे, कार्तिकेय देवतायै नमो हृदि, ऐं बीजाय नमो गुह्ये, सौं शक्तये नमः पादयो, क्लीं कीलकायै नमः नाभौ, विनियोगाय नमः सर्वांगे ।

Kamyas -

Touch thumb, index finger, middle finger, ring finger, little finger and front-back side of your palm while reciting following mantra.

ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः, ॐ श्रीं मध्यमाभ्यां नमः, ॐ क्लीं अनामिकाभ्यां नमः, ॐ सौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः, ॐ ऐं करतल करपृष्ठाभ्यां नमः।

Hridyadinyas -

Touch your heart, head, both arms and eyes while reciting following mantra and by the last mantra, take your hands above your head, take a round from back to front and give a clap on left hand by index finger and middle finger.

ॐ ॐ हृदयाय नमः, ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा, ॐ श्रीं शिखायै वषट्, ॐ क्लीं कवचाय हुम्। ॐ सौं नेत्रत्रयाय वौषट्, ॐ ऐं अस्त्राय फट्।

Dhyan Mantra -

First of all, meditate on presiding deity of Rudraksha Lord Kartikeya.

कौञ्चपर्वतविदारणलोलो

दानवेन्द्रवनिताकृतलण्डः।
चूतपल्लवशिरोमणिचोदी भोष्पडानन जगत्परिपाहि।।

Recite one of the following mantra for 1188 times. After completing recitation, keep rudraksh in a copper vessel. After doing Pranayam, take vessel filled with water in left hand and touch lower part of vessel from right hand and remove the right hand. Then sprinkle water on rudraksh and wear it.

- १-ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं सौं ऐं (मूल मंत्र)
- २-ॐ ह्रीं नमः
- ३-ॐ ह्रूम्
- ४-ॐ हूं नमः
- ५-ॐ ह्रीं हुं नमः (पंचाक्षरी मंत्र)
- ६-ॐ नमः शिवाय
- ७-ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिंपुष्टिवर्धनम्, उर्वारुकमिवबन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ।

General Rules for wearing Rudraksh

First of all, wash rudraksha with ganges water on any Mondays or any other auspicious day. Then, apply sandal on rudraksha. After that, offer Dhoop, lamp (Deep) etc. on rudraksha and then offer flower. After that, make it touch with Shivalinga and recite 'Om Namah Shivaya' mantra for at least 11 times. Now, remember Lord Shiva and wear it or keep it at worshipping place.

After wearing Rudraksha follow these instructions.

मद्यं मांसं च लासुनं पलांडुं शिग्रुं एव च ।
श्लेषं अंतकं विड्वाराहं भक्षयं वर्जये नरः ॥

Don't have non-vegetarian food stuffs, drugs (alcohol etc.), garlic, onion or any prohibited food stuff after wearing of Rudraksh. Always have vegetarian food.

Don't make Rudraksh a show off thing.

Don't wear rudraksh at night and keep it at worshipping place & after taking bath in the morning wear it while reciting AUM NAMA SHIVAY at least 5 times. Whenever you put off the rosary, do keep it at worshipping place.

Don't have

proud.

Be benevolent.

Don't insult or misuse rudraksh.

Control your temperament.

Behave & think virtuously.

Don't abuse anybody.

Follow the Brahmcharya.

Pour Gangajal on Rudraksh.

Don't use soap while taking bath.

Keep place clean and untainted while worshipping or wearing rudraksh.

Maintain the holiness of rudraksh.

Always wear rudraksh after getting done routine work and having bath.

Don't criticize any person or religion.

Stay away from dirtiness.

Have faith in rudraksh.

Give up lust, anger, lure & greediness.

Never hang rudraksh rosary on wall.

Keep away rudraksh from the woman whose menstrual cycle is on.

Don't go in any cremation while wearing rudraksh.

Important Note :

Since a genuine Rudraksha is hot, if you are an aged person or physically have a weak constitution, then instead of Rudraksha, you should better wear a Bhadraksha.

Bhadraksha is like the Rudraksha, but of milder color and much less heat. It confers divine blessings of Gouri-Shankara. It is excellent for good health and smooth-running comfortable life with family and friends.

Mantra for Bhadraksha

ओऽम् गौरी शंकराय नमः।

Subha Mantra for Bhadraksha

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वथा साधिके
श्रणये त्रयम्बके गौरी नारायणी नमस्तुते ।

Some Tests for checking the genuineness of the Rudrakshas

Floatation test:

When a genuine Rudraksha seed is gently placed on water, it will sink; but if a fake one is placed on water, it will always float.

Copper Test:

A genuine Rudraksha is very hot, and has electromagnetic attraction with Copper. If beads are held with a string over a small round thin piece of Copper metal sheet (like a piece of Copper coin of old days), they tend to show a slow gradual rotational movement. If the rotation is observed to be in clockwise direction, then it is considered auspicious; otherwise, it is to be rejected – as it might be defective.

Milk test:

If an authentic Rudraksha seed is kept in a cup of milk for a day, the milk will not get spoilt. But if it is a fake one, the milk is to become spoilt.

Birth Nakshatra (Star) based Rudraksha recommendation

As your birth nakshatra is Hastha, 2-faced Rudraksha is being recommended for you.



The presiding deity of this Rudraksha is Ardha-Narishwara. To the wearer, it ensures unity of two persons as a continuation like Guru-Shishya parampara for continuity of knowledge, husband-wife unity for harmonious continuation of the family, etc. It fulfils the wish and removes the blemish of Gohatya. It confers virtue and wipes out sins and bestows comforts.



Thread Two-faced rudraksh in red thread, make it touch with Shivaling or feet of Goddess Bhagavati on Monday and wear it while reciting AUM ARDHYANARESHWARDEVAY NAMAHA.

Time for wearing Rudraksha



Generally Monday is considered as auspicious day for wearing rudraksh, but to wear on day of Shivaratri is best. Besides this, auspicious time for wearing rudraksh is mentioned below:

Auspicious Month (Hindi Masa)

Aashwin & Kartik Months - Best
Margshirsh & Falgun Months - Good
Aasharh & Sravan months - Below Average
Bhadrapad, Paush & More Month (Malamas) - Inauspicious

Auspicious Day

The day on which planet & castellation are favorable to name sign of wearer, he / she should wear rudraksh on that day.

Sunday, Monday, Wednesday, Thursday and Friday are best for wearing Rudraksha, while Tuesday and Saturday are considered as inauspicious.

Auspicious Phase (Paksha)

For materialistic comforts, Rudraksh should wear during Waxing Moon (Shukla Paksha) and for spiritual gain rudraksh should wear during Wanning Moon (Krishna Paksha).

Auspicious Tithi

2nd, 5th, 10th, 13th & Full Moon light (Purnima) dates of Hindi months are best for wearing rudraksh.

Auspicious Ascendant

Aries, Cancer, Libra, Scorpio, Capricorn & Aquarius are auspicious ascendant for wearing rudraksh.

Auspicious Constellation (Star)

Swati, Vishakha, Rohini, Jyeshtha, Uttaraphalguni, Uttarasharha, Hast, Ashwini, Dhanishtha, Shatbhisha & Shravan constellations are auspicious for wearing rudraksh. Besides this, wearing rudraksh during any eclips, Makar Sankranti, Ayan, Shiv Chaudas, Basant Panchami and full dark night (Amawasya) is also good.

Desired Rules for wearing Rudraksh (Shstrokta rules)



Clean your mouth after becoming fresh in the morning. Recitation or enchanting done from unclean mouth may not produce desired results.

मुखशुद्धि विहीनस्य न मंत्रः फलदायकः ।
दंतजिह्वा विशुद्धिं च ततः कुर्यात् प्रयत्नतः ॥

After it, take pure water for bath. After taking bath, concentrate your mind and start worship. Before starting of worship, you must purify land. Mantra for purification of land:

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ॥

Use Kush (a kind of weed) Aasan (Seat) for sitting while worshipping and face towards East. Keep a vessel filled with pure water during worship. Keep coconut on the vessel and perform Pran Pritishta proceeding. Invite all Goddess & Gods along with Kuldevta and worship rudraksh.

First of all, wash the Rudraksha from cow dung, cow's urine, milk, curd, ghee etc. (Panchgavya), then wash it again with Ganges water or pure water. Now, take 9 banyan leaves in a bronze dish and form eightpedaled (ashtadal) lotus from 8

leaves out of taken 9 leaves and keep one leaf at centre of lotus. Keep rudraksha on centre leaf. Now, recite 'Om Namah Shivaya' mantra for three times. After that, pour water on yourself and all the materials are being used in worship, while reciting following mantra for three times -

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।

यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः ॥

ॐ गुरुभ्यो नमः । ॐ गणेशाय नमः । ॐ कुलदेवताभ्यो नमः । ॐ इष्टदेवताभ्यो नमः । ॐ मातृपितृचरणकमलेभ्यो नमः ।

Now take ganges water in right hand with spoon and drink it while reciting each following mantra -

ॐ केशवाय नमः । ॐ नारायणाय नमः । ॐ माधवाय नमः ।

Now, wash your hand while reciting following mantra and leave the water on ground -

ॐ गोविन्दाय नमः ।

Now, take ganges water in right hand and recite following mantra of Pranayam Viniyoga and leave the water on ground -

ॐ प्रणवस्य परब्रह्म ऋषिः परमात्मा देवता देवी गायत्री छंदः प्राणायामे विनियोगः ।

Then, perform three Pranayama with following mantra -

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः ॐ जनः ॐ तपः ॐ सत्यम् ।

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि ।

धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐ आपो ज्योतिः रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरोम् ।

Now, recite following mantra while pouring water on rudraksha through Kush or spoon -

ॐ सद्योजातं प्रपद्यामि सद्योजाताय नमो नमः ।

भवे भवेनाति भवे भावस्वमान भवोद् भवाय नमः ॥

Then, recite following mantra while adhibiting sandal and fragranced oil in flower and make it touch to redraksha -

ॐ वामदेवाय नमः, ॐ ज्येष्ठाय नमः, ॐ श्रेष्ठाय नमः, ॐ रुद्राय नमः, ॐ कलविकरणाय नमः, ॐ बलविकरणाय नमः, ॐ बलाय नमः, ॐ बलप्रमथनाय नमः, ॐ सर्वभूतदमनाय नमः, ॐ मनोन्मनाय नमः ।

Then, recite following mantra while offering Dhooop -

ॐ अघोरेभ्यो अघघोरेभ्योः घोर घोरतरेभ्यः ।
सर्वेभ्यः सर्व शर्वेभ्यो नमस्तेस्तु रुद्र रूपेभ्यः ॥

Then apply sandal and fragranced oil with flower while reciting Rudra Gayatri mantra -

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात् ।

After applying sandal, concentrate on bead of rudraksh and recite Ishan mantra -

ॐ ईशानः सर्वविद्यानामीश्वरः सर्वभूतानां ।
ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपतिः ब्रह्मा शिवो मे अस्तु सदा शिवोम् ॥

Specific rules for wearing 2-face Rudraksha

Viniyoga -

Take Ganges water in spoon in the right hand, recite following Viniyoga Mantra and leave the water on the ground.

अस्य श्री देवदेवेश मंत्रस्य अत्रि ऋषिः, गायत्री छन्दः, देवदेवेशो देवता, क्ष्मां शक्तिः,
चतुर्वर्गसिद्धयर्थे रुद्राक्ष धारणार्थे जपे विनियोगः ।

Rhishyadinyas -

Touch your own body parts - head, mouth, heart and legs respectively by your right hand while reciting following mantra.

ॐ अत्रि ऋषये नमः शिरसि, गायत्री छन्दसे नमो मुखे, देवदेवेश देवतायै नमः, हृदि
क्ष्मीं बीजाय नमः, गुह्ये क्ष्मीं शक्तये नमः, पादयो विनियोगाय नमः सर्वांगे ।

Karnyas -

Touch thumb, index finger, middle finger, ring finger, little finger and front-back side of your palm while reciting following mantra.

ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ क्ष्मीं तर्जनीभ्यां नमः, ॐ ह्रीं मध्यमाभ्यां नमः, ॐ क्ष्मीं
अनामिकाभ्यां नमः, ॐ व्रीं कनिष्ठिकाभ्यां नमः, ॐ ॐ करतल करपृष्ठाभ्यां नमः ।

Hridyadinyas -

Touch your heart, head, both arms and eyes while reciting following mantra and by the last mantra, take your hands above your head, take a round from back to front and give a clap on left hand by index finger and middle finger.

ॐ हृदयाय नमः, ॐ क्षीं शिरसे स्वाहा, ॐ ह्रीं शिखायै वषट्, ॐ क्षौं कवचाय
हुम् । ॐ व्रीं नेत्रत्रयाय वौषट्, ॐ ॐ अस्त्राय फट् ।

Dhyan Mantra -

First of all, meditate on presiding deity of Rudraksha three eyed, blue necked, moonlight resembling, wearing fearless posture, holder of discus, bow, Moon Lord Ardhanarishwar Shiva.

तपनसोमहुताशनलोचनं घनसमानगलं शशिसुप्रभम् ।
अभय-चक्रपीनाकवशन्करैर्दधतमिन्दुधरं गिरीशं भजेत् ॥

Recite one of the following mantra for 1188 times. After completing recitation, keep rudraksh in a copper vessel. After doing Pranayam, take vessel filled with water in left hand and touch lower part of vessel from right hand and remove the right hand. Then sprinkle water on rudraksh and wear it.

१-ॐ श्रीं नमः

२-ॐ खम्

३-ॐ ॐ नमः (पंचाक्षरी मंत्र)

४-ॐ नमः

५-ॐ क्षीं ह्रीं क्षौं वीं ॐ (मूल मंत्र)

६-ॐ नमः शिवाय

७-ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिपुष्टिवर्धनम्, उर्वारुकमिवबन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय
माऽमृतात् ।

General Rules for wearing Rudraksh

First of all, wash rudraksha with ganges water on any Mondays or any other auspicious day. Then, apply sandal on rudraksha. After that, offer Dhoop, lamp (Deep) etc. on rudraksha and then offer flower. After that, make it touch with Shivalinga and recite 'Om Namah Shivaya' mantra for at least 11 times. Now, remember Lord Shiva and wear it or keep it at worshiping place.

After wearing Rudraksha follow these instructions.

मद्यं मांसं च लासुनं पलांडुं शिग्रुं एव च ।
श्लेषं अंतकं विड्वाराहं भक्षयं वर्जये नरः ॥

Don't have non-vegetarian food stuffs, drugs (alcohol etc.), garlic, onion or any prohibited food stuff after wearing of Rudraksh. Always have vegetarian food.

Don't make Rudraksh a show off thing.

Don't wear rudraksh at night and keep it at worshipping place & after taking bath in the morning wear it while reciting AUM NAMA SHIVAY at least 5 times. Whenever you put off the rosary, do keep it at worshipping place.

Don't have proud.

Be benevolent.

Don't insult or misuse rudraksh.

Control your temperament.

Behave & think virtuously.

Don't abuse anybody.

Follow the Brahmcharya.

Pour Gangajal on Rudraksh.

Don't use soap while taking bath.

Keep place clean and untainted while worshipping or wearing rudraksh.

Maintain the holiness of rudraksh.

Always wear rudraksh after getting done routine work and having bath.

Don't criticize any person or religion.

Stay away from dirtiness.

Have faith in rudraksh.

Give up lust, anger, lure & greediness.

Never hang rudraksh rosary on wall.

Keep away rudraksh from the woman whose menstrual cycle is on.

Don't go in any cremation while wearing rudraksh.

Important Note :

Since a genuine Rudraksha is hot, if you are an aged person or physically have a

weak constitution, then instead of Rudraksha, you should better wear a Bhadraksha.

Bhadraksha is like the Rudraksha, but of milder color and much less heat. It confers divine blessings of Gouri-Shankara. It is excellent for good health and smooth-running comfortable life with family and friends.

Mantra for Bhadraksha

ओऽम् गौरी शंकराय नमः।

Subha Mantra for Bhadraksha

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वथा साधिके
श्रणये त्रयम्बके गौरी नारायणी नमस्तुते ।

Some Tests for checking the genuineness of the Rudrakshas

Floatation test:

When a genuine Rudraksha seed is gently placed on water, it will sink; but if a fake one is placed on water, it will always float.

Copper Test:

A genuine Rudraksha is very hot, and has electromagnetic attraction with Copper. If beads are held with a string over a small round thin piece of Copper metal sheet (like a piece of Copper coin of old days), they tend to show a slow gradual rotational movement. If the rotation is observed to be in clockwise direction, then it is considered auspicious; otherwise, it is to be rejected – as it might be defective.

Milk test:

If an authentic Rudraksha seed is kept in a cup of milk for a day, the milk will not get spoilt. But if it is a fake one, the milk is to become spoilt.

Janma Rashi(Moon Sign) based Rudraksha recommendation

As your birth rashi (Moon Sign) is Virgo, 4-faced Rudraksha is being recommended for you.



The presiding deity of this Rudraksha is Brahma. To the wearer, it confers creativity and ensures long life. It removes blemish of Brahma Hatya. It confers religion, lust, wealth, honour & emancipation.



Thread four-faced rudraksh in red thread on Thursday, make it touch to banana tree after sunrise and wear it around neck after enchanting from AUM BRAHMA DEVAY NAMH.

As your birth rashi (Moon Sign) is Virgo, 6-faced Rudraksha is being recommended for you.



The presiding deity of this Rudraksha is Kartikeya. To the wearer, it represents the Pancha Tatwa (or the five elements), and confers health, peace, prosperity, and happiness. It removes blemish of Brahma Hatya when one wears it around right arm. It confers intellectual & physical gains when one wears it around neck.



Thread 3 beads of six-faced rudraksh in red thread on Monday, make it touch to Shivling and wear it around neck while enchanting AUM NAMA SHIVAY KARTIKEYA NAMA.

Time for wearing Rudraksha



Generally Monday is considered as auspicious day for wearing rudraksh, but to wear on day of Shivaratri is best. Besides this, auspicious time for wearing rudraksh is mentioned below:

Auspicious Month (Hindi Masa)

Aashwin & Kartik Months - Best
Margshirsh & Falgun Months - Good
Aasharh & Sravan months - Below Average
Bhadrapad, Paush & More Month (Malamas) - Inauspicious

Auspicious Day

The day on which planet & castellation are favorable to name sign of wearer , he / she should wear rudraksh on that day.
Sunday, Monday, Wednesday, Thursday and Friday are best for wearing Rudraksha, while Tuesday and Saturday are considered as inauspicious.

Auspicious Phase (Paksha)

For materialistic comforts, Rudraksh should wear during Waxing Moon (Shukla Paksha) and for spiritual gain rudraksh should wear during Waning Moon (Krishna Paksha).

Auspicious Tithi

2nd, 5th, 10th, 13th & Full Moon light (Purnima) dates of Hindi months are best for wearing rudraksh.

Auspicious Ascendant

Aries, Cancer, Libra, Scorpio, Capricorn & Aquarius are auspicious ascendant for wearing rudraksh.

Auspicious Constellation (Star)

Swati, Vishakha, Rohini, Jyeshtha, Uttaraphalguni, Uttarasharha, Hast, Ashwini, Dhanishtha, Shatbhisha & Shravan constellations are auspicious for wearing rudraksh. Besides this, wearing rudraksh during any eclips, Makar Sankranti, Ayan, Shiv Chaudas, Basant Panchami and full dark night (Amawasya) is also good.

Desired Rules for wearing Rudraksh (Shshstroka rules)



Clean your mouth after becoming fresh in the morning. Recitation or enchanting

done from unclean mouth may not produce desired results.

मुखशुद्धि विहीनस्य न मंत्रः फलदायकः ।
दंतजिह्वा विशुद्धिं च ततः कुर्यात् प्रयत्नतः ॥

After it, take pure water for bath. After taking bath, concentrate your mind and start worship. Before starting of worship, you must purify land. Mantra for purification of land:

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ॥

Use Kush (a kind of weed) Aasan (Seat) for sitting while worshipping and face towards East. Keep a vessel filled with pure water during worship. Keep coconut on the vessel and perform Pran Pritishta proceeding. Invite all Goddess & Gods along with Kuldevta and worship rudraksh.

First of all, wash the Rudraksha from cow dung, cow's urine, milk, curd, ghee etc. (Panchgavya), then wash it again with Ganges water or pure water. Now, take 9 banyan leaves in a bronze dish and form eightpedaled (ashtadal) lotus from 8 leaves out of taken 9 leaves and keep one leaf at centre of lotus. Keep rudraksha on centre leaf. Now, recite 'Om Namah Shivaya' mantra for three times. After that, pour water on yourself and all the materials are being used in worship, while reciting following mantra for three times -

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ॥
ॐ गुरुभ्यो नमः । ॐ गणेशाय नमः । ॐ कुलदेवताभ्यो नमः । ॐ इष्टदेवताभ्यो नमः । ॐ
मातृपितृचरणकमलेभ्यो नमः ।

Now take ganges water in right hand with spoon and drink it while reciting each following mantra -

ॐ केशवाय नमः । ॐ नारायणाय नमः । ॐ माधवाय नमः ।

Now, wash your hand while reciting following mantra and leave the water on ground -

ॐ गोविन्दाय नमः ।

Now, take ganges water in right hand and recite following mantra of Pranayam Viniyoga and leave the water on ground -

ॐ प्रणवस्य परब्रह्म ऋषिः परमात्मा देवता देवी गायत्री छंदः प्राणायामे विनियोगः ।

Then, perform three Pranayama with following mantra -

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः ॐ जनः ॐ तपः ॐ सत्यम् ।
ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि ।
धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐ आपो ज्योतिः रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरोम् ।

Now, recite following mantra while pouring water on rudraksha through Kush or spoon -

ॐ सद्योजातं प्रपद्यामि सद्योजाताय नमो नमः ।
भवे भवेनाति भवे भावस्वमान भवोद्भवाय नमः ॥

Then, recite following mantra while adhibiting sandal and fragranced oil in flower and make it touch to redraksha -

ॐ वामदेवाय नमः, ॐ ज्येष्ठाय नमः, ॐ श्रेष्ठाय नमः, ॐ रुद्राय नमः, ॐ कलविकरणाय
नमः, ॐ बलविकरणाय नमः, ॐ बलाय नमः, ॐ बलप्रमथनाय नमः, ॐ सर्वभूतदमनाय
नमः, ॐ मनोन्मनाय नमः ।

Then, recite following mantra while offering Dhoop -

ॐ अघोरेभ्यो अघघोरेभ्योः घोर घोरतरेभ्यः ।
सर्वेभ्यः सर्व शर्वेभ्यो नमस्तेस्तु रुद्ररूपेभ्यः ॥

Then apply sandal and fragranced oil with flower while reciting Rudra Gayatri mantra -

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात् ।

After applying sandal, concentrate on bead of rudraksh and recite Ishan mantra -

ॐ ईशानः सर्वविद्यानामीश्वरः सर्वभूतानां ।
ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपतिः ब्रह्मा शिवो मे अस्तु सदा शिवोम् ॥

Specific rules for wearing 4-face Rudraksha

Viniyoga -

Take Ganges water in spoon in the right hand, recite following Viniyoga Mantra and leave the water on the ground.

ॐ अस्य श्री ब्रह्म मंत्रस्य भार्गव ऋषिः, अनुष्टुप छन्दः, ब्रह्मा देवता, वां बीजं, क्रां
शक्तिः, सिद्धयर्थे रुद्राक्ष धारणार्थे जपे विनियोगः ।

Rhishyadinyas -

Touch your own body parts - head, mouth, heart and legs respectively by your right hand while reciting following mantra.

ॐ भार्गव ऋषिः नमः शिरसि, अनुष्टुप छन्दसे नमः मुखे, ब्रह्मदेवतायै नमः हृदि, वां
बीजाय नमः गुह्ये, क्रां शक्तये नमः पादयो, विनियोगाय नमः सर्वांगे ।

Karmyas -

Touch thumb, index finger, middle finger, ring finger, little finger and front-back side of your palm while reciting following mantra.

ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ वां तर्जनीभ्यां नमः, ॐ क्रां मध्यमाभ्यां नमः, ॐ तां
अनामिकाभ्यां नमः, ॐ हां कनिष्ठिकाभ्यां नमः, ॐ ईं कर्तल करपृष्ठाभ्यां नमः ।

Hridyadinyas -

Touch your heart, head, both arms and eyes while reciting following mantra and by the last mantra, take your hands above your head, take a round from back to front and give a clap on left hand by index finger and middle finger.

ॐ ॐ हृदयाय नमः, ॐ वां शिरसे स्वाहा, ॐ क्रां शिखायै वषट्, ॐ हां कवचाय
हुम् । ॐ तां नेत्रत्रयाय वौषट्, ॐ ईं अस्त्राय फट् ।

Dhyan Mantra -

First of all, meditate on presiding deity of Rudraksha Lord Brahma.

प्रणम्य शिरसा शाश्वदष्टनेत्रं चतुर्मुखम् ।
गायत्रीसहितं देवं नमामि विधिमीश्वरम् ॥

Recite one of the following mantra for 1188 times. After completing recitation, keep rudraksh in a copper vessel. After doing Pranayam, take vessel filled with water in left hand and touch lower part of vessel from right hand and remove the right hand. Then sprinkle water on rudraksh and wear it.

१-ॐ वां क्रां तां हां इं (मूल मंत्र)

२-ॐ ह्रीं हूं नमः

३-ॐ ह्रीं

४-ॐ ह्रीं नमः (पंचाक्षरी मंत्र)

५-ॐ नमः शिवाय

६-ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिंपुष्टिवर्धनम्, उर्वारुकमिवबंधनान्मृत्योर्मुक्षीय

माऽमृतात् ।

Specific rules for wearing 6-face Rudraksha

Viniyoga -

Take Ganges water in spoon in the right hand, recite following Viniyoga Mantra and leave the water on the ground.

ॐ अस्य मंत्रस्य दक्षिणामूर्ति ऋषिः, पंक्ति छन्दः, श्री षष्ठमुखी देवता, ऐं बीजं, सौं शक्तिः, क्लीं कीलकं, रुद्राक्ष धारणार्थं जपे विनियोगः।

Rhishyadinyas -

Touch your own body parts - head, mouth, heart and legs respectively by your right hand while reciting following mantra.

ॐ दक्षिणामूर्ति ऋषये नमः शिरसि, पंक्ति छन्दसे नमो मुखे, कार्तिकेय देवतायै नमो हृदि, ऐं बीजाय नमो गुह्ये, सौं शक्तये नमः पादयो, क्लीं कीलकायै नमः नाभौ, विनियोगाय नमः सर्वांगे ।

Kamyas -

Touch thumb, index finger, middle finger, ring finger, little finger and front-back side of your palm while reciting following mantra.

ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः, ॐ श्रीं मध्यमाभ्यां नमः, ॐ क्लीं अनामिकाभ्यां नमः, ॐ सौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः, ॐ ऐं करतल करपृष्ठाभ्यां नमः।

Hridyadinyas -

Touch your heart, head, both arms and eyes while reciting following mantra and by the last mantra, take your hands above your head, take a round from back to front and give a clap on left hand by index finger and middle finger.

ॐ ॐ हृदयाय नमः, ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा, ॐ श्रीं शिखायै वषट्, ॐ क्लीं कवचाय हुम्। ॐ सौं नेत्रत्रयाय वौषट्, ॐ ऐं अस्त्राय फट्।

Dhyan Mantra -

First of all, meditate on presiding deity of Rudraksha Lord Kartikeya.

कौञ्चपर्वतविदारणलोलो

दानवेन्द्रवनिताकृतलण्डः।
चूतपल्लवशिरोमणिचोदी भोष्पडानन जगत्परिपाहि।।

Recite one of the following mantra for 1188 times. After completing recitation, keep rudraksh in a copper vessel. After doing Pranayam, take vessel filled with water in left hand and touch lower part of vessel from right hand and remove the right hand. Then sprinkle water on rudraksh and wear it.

- १-ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं सौं ऐं (मूल मंत्र)
- २-ॐ ह्रीं नमः
- ३-ॐ ह्रूम्
- ४-ॐ हूं नमः
- ५-ॐ ह्रीं हुं नमः (पंचाक्षरी मंत्र)
- ६-ॐ नमः शिवाय
- ७-ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिंपुष्टिवर्धनम्, उर्वारुकमिवबन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ।

General Rules for wearing Rudraksh

First of all, wash rudraksha with ganges water on any Mondays or any other auspicious day. Then, apply sandal on rudraksha. After that, offer Dhoop, lamp (Deep) etc. on rudrakhsa and then offer flower. After that, make it touch with Shivalinga and recite 'Om Namah Shivaya' mantra for at least 11 times. Now, remember Lord Shiava and wear it or keep it at worshipping place.

After wearing Rudraksha follow these instructions.

मद्यं मांसं च लासुनं पलांडुं शिग्रुं एव च ।
श्लेषं अंतकं विड्वाराहं भक्षयं वर्जये नरः ॥

Don't have non-vegetarian food stuffs, drugs (alcohol etc.), garlic, onion or any prohibited food stuff after wearing of Rudraksh. Always have vegetarian food.

Don't make Rudraksh a show off thing.

Don't wear rudraksh at night and keep it at worshipping place & after taking bath in the morning wear it while reciting AUM NAMA SHIVAY at least 5 times. Whenever you put off the rosary, do keep it at worshipping place.

Don't have

proud.

Be benevolent.

Don't insult or misuse rudraksh.

Control your temperament.

Behave & think virtuously.

Don't abuse anybody.

Follow the Brahmcharya.

Pour Gangajal on Rudraksh.

Don't use soap while taking bath.

Keep place clean and untainted while worshipping or wearing rudraksh.

Maintain the holiness of rudraksh.

Always wear rudraksh after getting done routine work and having bath.

Don't criticize any person or religion.

Stay away from dirtiness.

Have faith in rudraksh.

Give up lust, anger, lure & greediness.

Never hang rudraksh rosary on wall.

Keep away rudraksh from the woman whose menstrual cycle is on.

Don't go in any cremation while wearing rudraksh.

Important Note :

Since a genuine Rudraksha is hot, if you are an aged person or physically have a weak constitution, then instead of Rudraksha, you should better wear a Bhadraksha.

Bhadraksha is like the Rudraksha, but of milder color and much less heat. It confers divine blessings of Gouri-Shankara. It is excellent for good health and smooth-running comfortable life with family and friends.

Mantra for Bhadraksha

ओऽम् गौरी शंकराय नमः।

Subha Mantra for Bhadraksha

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वथा साधिके
श्रणये त्रयम्बके गौरी नारायणी नमस्तुते ।

Some Tests for checking the genuineness of the Rudrakshas

Floatation test:

When a genuine Rudraksha seed is gently placed on water, it will sink; but if a fake one is placed on water, it will always float.

Copper Test:

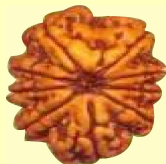
A genuine Rudraksha is very hot, and has electromagnetic attraction with Copper. If beads are held with a string over a small round thin piece of Copper metal sheet (like a piece of Copper coin of old days), they tend to show a slow gradual rotational movement. If the rotation is observed to be in clockwise direction, then it is considered auspicious; otherwise, it is to be rejected – as it might be defective.

Milk test:

If an authentic Rudraksha seed is kept in a cup of milk for a day, the milk will not get spoilt. But if it is a fake one, the milk is to become spoilt.

Birth tithi based Rudraksha recommendation

As you had been born in Navami Tithi, 9-faced Rudraksha is being recommended for you.



The presiding deity of this Rudraksha is Shakti (Devi Durga). It is worn during Nava-ratra (during Dusshera or Durga Puja). To the wearer, it confers energy and power - which leads to wealth, and success in all endeavors. When any one wear it around left arm, wearer becomes form of all God (Sarveshvar). It removes blemish of Brahma Hatya and feticide and confers immense power.



Thread nine-faced rudraksh in red thread on Monday, make it touch to feet of Goddess Durga after taking bath & worshiping and wear it around neck while enchanting AUM DURGAY NAMA. It overcomes the troubles and confers Ashtasiddhi.

Time for wearing Rudraksha



Generally Monday is considered as auspicious day for wearing rudraksh, but to wear on day of Shivaratri is best. Besides this, auspicious time for wearing rudraksh is mentioned below:

Auspicious Month (Hindi Masa)

Aashwin & Kartik Months - Best
Margshirsh & Falgun Months - Good
Aasharh & Sravan months - Below Average
Bhadrapad, Paush & More Month (Malamas) - Inauspicious

Auspicious Day

The day on which planet & castellation are favorable to name sign of wearer , he / she should wear rudraksh on that day.

Sunday, Monday, Wednesday, Thursday and Friday are best for wearing

Rudraksha, while Tuesday and Saturday are considered as inauspicious.

Auspicious Phase (Paksha)

For materialistic comforts, Rudraksh should wear during Waxing Moon (Shukla Paksha) and for spiritual gain rudraksh should wear during Waning Moon (Krishna Paksha).

Auspicious Tithi

2nd, 5th, 10th, 13th & Full Moon light (Purnima) dates of Hindi months are best for wearing rudraksh.

Auspicious Ascendant

Aries, Cancer, Libra, Scorpio, Capricorn & Aquarius are auspicious ascendant for wearing rudraksh.

Auspicious Constellation (Star)

Swati, Vishakha, Rohini, Jyeshtha, Uttaraphalguni, Uttarasharha, Hast, Ashwini, Dhanishtha, Shatbhisha & Shravan constellations are auspicious for wearing rudraksh. Besides this, wearing rudraksh during any eclips, Makar Sankranti, Ayan, Shiv Chaudas, Basant Panchami and full dark night (Amawasya) is also good.

Desired Rules for wearing Rudraksh (Shshstroka rules)



Clean your mouth after becoming fresh in the morning. Recitation or enchanting done from unclean mouth may not produce desired results.

मुखशुद्धि विहीनस्य न मंत्रः फलदायकः ।
दंतजिह्वा विशुद्धिं च ततः कुर्यात् प्रयत्नतः ॥

After it, take pure water for bath. After taking bath, concentrate your mind and start worship. Before starting of worship, you must purify land. Mantra for purification of land:

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ॥

Use Kush (a kind of weed) Aasan (Seat) for sitting while worshipping and face towards East. Keep a vessel filled with pure water during worship. Keep coconut on the vessel and perform Pran Pritishta proceeding. Invite all Goddess & Gods along with Kuldevta and worship rudraksh.

First of all, wash the Rudraksha from cow dung, cow's urine, milk, curd, ghee etc. (Panchgavya), then wash it again with Ganges water or pure water. Now, take 9

banyan leaves in a bronze dish and form eightpedaled (ashtadal) lotus from 8 leaves out of taken 9 leaves and keep one leaf at centre of lotus. Keep rudraksha on centre leaf. Now, recite 'Om Namah Shivaya' mantra for three times. After that, pour water on yourself and all the materials are being used in worship, while reciting following mantra for three times -

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।

यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ॥

ॐ गुरुभ्यो नमः । ॐ गणेशाय नमः । ॐ कुलदेवताभ्यो नमः । ॐ इष्टदेवताभ्यो नमः । ॐ मातृपितृचरणकमलेभ्यो नमः ।

Now take ganges water in right hand with spoon and drink it while reciting each following mantra -

ॐ केशवाय नमः । ॐ नारायणाय नमः । ॐ माधवाय नमः ।

Now, wash your hand while reciting following mantra and leave the water on ground -

ॐ गोविन्दाय नमः ।

Now, take ganges water in right hand and recite following mantra of Pranayam Viniyoga and leave the water on ground -

ॐ प्रणवस्य परब्रह्म ऋषिः परमात्मा देवता देवी गायत्री छंदः प्राणायामे विनियोगः ।

Then, perform three Pranayama with following mantra -

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः ॐ जनः ॐ तपः ॐ सत्यम् ।

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि ।

धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐ आपो ज्योतिः रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरोम् ।

Now, recite following mantra while pouring water on rudraksha through Kush or spoon -

ॐ सद्योजातं प्रपद्यामि सद्योजाताय नमो नमः ।

भवे भवेनाति भवे भावस्वमान भवोद्भवाय नमः ॥

Then, recite following mantra while adhibiting sandal and fragranced oil in flower and make it touch to redraksha -

ॐ वामदेवाय नमः, ॐ ज्येष्ठाय नमः, ॐ श्रेष्ठाय नमः, ॐ रुद्राय नमः, ॐ कलविकरणाय नमः, ॐ बलविकरणाय नमः, ॐ बलाय नमः, ॐ बलप्रमथनाय नमः, ॐ सर्वभूतदमनाय नमः, ॐ मनोन्मनाय नमः ।

Then, recite following mantra while offering Dhoop -

ॐ अघोरेभ्यो अघघोरेभ्योः घोर घोरतरेभ्यः ।
सर्वेभ्यः सर्व शर्वेभ्यो नमस्तेस्तु रुद्ररूपेभ्यः ॥

Then apply sandal and fragranced oil with flower while reciting Rudra Gayatri mantra -

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात् ।

After applying sandal, concentrate on bead of rudraksh and recite Ishan mantra -

ॐ ईशानः सर्वविद्यानामीश्वरः सर्वभूतानां ।
ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपतिः ब्रह्मा शिवो मे अस्तु सदा शिवोम् ॥

Specific rules for wearing 9-face Rudraksha

Viniyoga -

Take Ganges water in spoon in the right hand, recite following Viniyoga Mantra and leave the water on the ground.

ॐ नारद ऋषये नमः शिरसि, गायत्री छन्दसे नमो मुखे, श्री भैरवो देवतायै नमः हृदि,
वं बीजाय नमो गुह्ये, ह्रीं शक्तये नमः पादयो, विनियोगाय नमः सर्वांगे ।

Rhishyadinyas -

Touch your own body parts - head, mouth, heart and legs respectively by your right hand while reciting following mantra.

ॐ नारद ऋषये नमः शिरसि, गायत्री छन्दसे नमो मुखे, श्री भैरवो देवतायै नमः हृदि,
वं बीजाय नमो गुह्ये, ह्रीं शक्तये नमः पादयो, विनियोगाय नमः सर्वांगे ।

Karnyas -

Touch thumb, index finger, middle finger, ring finger, little finger and front-back side of your palm while reciting following mantra.

ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः, ॐ वं मध्यमाभ्यां नमः, ॐ यं
अनामिकाभ्यां नमः, ॐ रं कनिष्ठिकाभ्यां नमः, ॐ लं करतल करपृष्ठाभ्यां नमः ।

Hridyadinyas -

Touch your heart, head, both arms and eyes while reciting following mantra and by the last mantra, take your hands above your head, take a round from back to front and give a clap on left hand by index finger and middle finger.

ॐ ॐ हृदयाय नमः, ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा, ॐ वं शिखायै वषट्, ॐ यं कवचाय
हुम् । ॐ रं नेत्रत्रयाय वौषट्, ॐ लं अस्त्राय फट् ।

Dhyan Mantra -

First of all, meditate on presiding deity of Rudraksha Goddess Shakti (Maa Durga).

कपालहस्तं धुलगोपवीतं कृष्णलविं दण्डधरं त्रिनेत्रम् ।
अचिन्त्यमाद्यमनुपानमत्तं हृदि स्मरेद्भैरवमिष्टदं नृणाम् ॥

Recite one of the following mantra for 1188 times. After completing recitation, keep rudraksh in a copper vessel. After doing Pranayam, take vessel filled with water in left hand and touch lower part of vessel from right hand and remove the right hand. Then sprinkle water on rudraksh and wear it.

- १-ॐ ह्रीं वँ यँ रँ लँ (मूल मंत्र)
- २-ॐ ह्रीं नमः
- ३-ॐ जूम्
- ४-ॐ हं नमः
- ५-ॐ ह्रीं नमः (पंचाक्षरी मंत्र)
- ६-ॐ नमः शिवाय
- ७-ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिंपुष्टिवर्धनम्, उर्वारुकमिवबन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय
माऽमृतात् ।

General Rules for wearing Rudraksh

First of all, wash rudraksha with ganges water on any Mondays or any other auspicious day. Then, apply sandal on rudraksha. After that, offer Dhoop, lamp (Deep) etc. on rudraksha and then offer flower. After that, make it touch with Shivalinga and recite 'Om Namah Shivaya' mantra for at least 11 times. Now, remember Lord Shiva and wear it or keep it at worshiping place.

After wearing Rudraksha follow these instructions.

मद्यं मांसं च लासुनं पलांडुं शिग्रुं एव च ।
श्लेषं अंतकं विड्वाराहं भक्षयं वर्जये नरः ॥

Don't have non-vegetarian food stuffs, drugs (alcohol etc.), garlic, onion or any prohibited food stuff after wearing of Rudraksh. Always have vegetarian food.

Don't make Rudraksh a show off thing.

Don't wear rudraksh at night and keep it at worshipping place & after taking bath in the morning wear it while reciting AUM NAMA SHIVAY at least 5 times. Whenever you put off the rosary, do keep it at worshipping place.

Don't have proud.

Be benevolent.

Don't insult or misuse rudraksh.

Control your temperament.

Behave & think virtuously.

Don't abuse anybody.

Follow the Brahmcharya.

Pour Gangajal on Rudraksh.

Don't use soap while taking bath.

Keep place clean and untainted while worshipping or wearing rudraksh.

Maintain the holiness of rudraksh.

Always wear rudraksh after getting done routine work and having bath.

Don't criticize any person or religion.

Stay away from dirtiness.

Have faith in rudraksh.

Give up lust, anger, lure & greediness.

Never hang rudraksh rosary on wall.

Keep away rudraksh from the woman whose menstrual cycle is on.

Don't go in any cremation while wearing rudraksh.

Important Note :

Since a genuine Rudraksha is hot, if you are an aged person or physically have a

weak constitution, then instead of Rudraksha, you should better wear a Bhadraksha.

Bhadraksha is like the Rudraksha, but of milder color and much less heat. It confers divine blessings of Gouri-Shankara. It is excellent for good health and smooth-running comfortable life with family and friends.

Mantra for Bhadraksha

ओऽम् गौरी शंकराय नमः।

Subha Mantra for Bhadraksha

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वथा साधिके
श्रणये त्रयम्बके गौरी नारायणी नमस्तुते ।

Some Tests for checking the genuineness of the Rudrakshas

Floatation test:

When a genuine Rudraksha seed is gently placed on water, it will sink; but if a fake one is placed on water, it will always float.

Copper Test:

A genuine Rudraksha is very hot, and has electromagnetic attraction with Copper. If beads are held with a string over a small round thin piece of Copper metal sheet (like a piece of Copper coin of old days), they tend to show a slow gradual rotational movement. If the rotation is observed to be in clockwise direction, then it is considered auspicious; otherwise, it is to be rejected – as it might be defective.

Milk test:

If an authentic Rudraksha seed is kept in a cup of milk for a day, the milk will not get spoilt. But if it is a fake one, the milk is to become spoilt.

Gems, Rudraksha, Mantra, Yantra and Remedies from Numerology



Your Date of birth is - 18:12:1973

Your Root Number (Pshycic Number, Moolank) is - 9

Your Root Number's Rulling Planet is - Mars

Deity



Lord Hanuman is your deity. He is symbol of selfless service. He is egoless and humble servant of Lord Ram, the incarnation of Lord Vishnu. He presumes that all his powers and strength are not of his own, these are just because of his Lord Sriram. You should understand this properly and not feel proud of your powers. You should learn the lesson of devotion from Hanuman and practice it in your life.

Meditation (Dhayana & Upasana)

You should mediate on Hanuman or coral half an hour before or after Sun rise. You may use a Mars yantra engraved on a copper plate for meditation.

Mantra (Japa)

You should repeat mantra within ascending cycle of Moon and repeat in given numbers of time. You should repeat this mantra 108 times daily.

ॐ नमो हनुमते हुं ॐ

Fasting (Vrata) for Planet Mars



It may be little difficult for many people to recite hymn (Mantra) properly. Having fast on the ruling day of troublesome planet is an easy remedy for them.

You should have fast on Tuesday to diminish the inauspicious effect of Mars. Fast should start from first Tuesday of ascending moon (Waxing Moon) of Jyeshtha month. This fast should perform minimum for 21 Tuesdays and maximum for 45 Tuesdays. If it is possible, you can have fast for long life. Having only jaggery and Halwa will be better during fast. You may distribute Halwa among poor according to your capacity. Before breaking the fast, you should wear red clothes and recite Beej mantra or Tantrik mantra of Mars for 108, 540 or 756 times (1, 5 or 7 rosaries) according to your available time. You should feed Gud to bull. If you have this fast, you will become debt free, get child and devastate your enemies. On last Tuesday perform Holocaust with Hawan and donate Red Cloth, Copper, Masoor, Gud and Coconut to poor people as per your capacity.

Respect your parents and elders. You will be happy, long lived and prosperous by practicing it, because it is believed that haven exists in feet of parents. If you serve your parents, take care of them properly, you will get respect and happiness from your

children.

As you sow, so as you reap - you will get results according to your actions. You will get mental peace, happiness and prosperity due to your good deeds. On the contrary, you may face various kinds of problems in your life due to bad deeds.

Use of roots to pacify the malefic effects of Mars

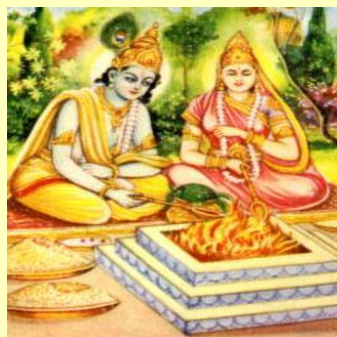


There are several methods of distress pacification of planets like donation, recitation of mantra, wearing of gem etc. Wearing of roots is also an easy method for it and it is beneficial too.

Dig up and bring the roots on day related to planet during any auspicious time. Before digging up any root, invite after smoldering the Dhoop and pouring water in it in previous evening. Then dig it up next day before sun rise without using any tool. Root should not cut with any tool.

For Mars, wear the root of Anantmool or cactus around your neck, arm or waist on Tuesday or during Mrigshira, Chitra or Ghanishtha castellation during sunrise after sewing it in red cloth.

Hawan stuffs used to pacify the malefic effects of planet Mars



To get rid from inauspicious results of planet, Hawan is a significant remedy. Materials used in Hawan is enough beneficial. These stuffs make surroundings holy along with pacifying planet. Hawan stuffs contain several kinds of roots and herbs

and due to this reason its ashes is also very beneficial and alleviate the some diseases totally.

Materials : Jasmine oil, Kumkum, Dry Ginger
Roots: Saunf, Nag Jivha, Anantmool

Bath & Donation for planet Mars

You should take bath from water after mixing red sandal or Belpatra in it. Donation of red flowers, red sandal, ghee, wheat, Masoor or copper vessel filled with bettle nut makes Mars happy.

Gems (Ratna) Recomendation from Numerology

Physical Attributes of Coral

Coral is a bright stone, which is available in Red, pink, and reddish-orange. Carnelian and Bloodstone are substitutes for Coral. Red Coral is considered for planet Mars.

Benefits of wearing Coral

By wearing Red Coral, obstacles get removed. It minimizes chances of accidents, disputes and fights. It increases wealth and property and wearer gets free from debt. It brings prosperity and nullifies Kuja Dosha (Mangalik Blemish). Wearer enjoys happy married life. It cures diseases caused by bad effects of malefic mars. Apart from curing boils and pimples, it also purifies blood. Ladies get help during pregnancy and child birth. It increases enthusiasm, affection and love in wearer. It gives success and happiness.

Impact of Coral on diseases

By wearing Red Coral or using its ash, following diseases get cured - blood related problems, cough, lack of appetite, physical weakness, spleen, epilepsy, heart diseases etc.

Important instructions for wearing Coral



Wearer should always wear Red Coral with good luster, clean color and free from blemishes, it will increase fortune. Red Coral should be worn in ring or locket made of gold. It should be in constant touch with the skin, so wearing in ring will be more beneficial. The weight of Red Coral should be 3-11 ratti (minimum 6 ratti). Men should wear stones in right hand and women should wear in left hand. When Moon or Mars is transiting through Aries or Scorpio sign on Tuesday and there is also Mrigshira, Chitra, Anuradha or Dhanishtha constellation on that day, then set Red Coral in ring made of gold between sunrise to 11 AM.

On Tuesday, take a bath and wear clean/fresh clothes. After that, sit in front of the idol of Lord Ganesha to perform worship while facing towards east. First of all, light a lamp filled with Ghee and light some incense sticks, then offer flowers, fruits and sweets to deity. After that, wash the gemstone ring or locket with Panchamrita (mix of milk, curd, ghee, sugar and honey). Now re-wash this gemstone ring or locket with Ganga Jala or pure water and place it to the feet of deity.

Now, recite the beeja mantra of Mars for 19 times. After this, recite dhyana mantra and rigveda mantra for once. And at the end, recite Angarak ashtottara shatanamavali (108 names of Mars). Now, hold your palms together, close your eyes and concentrate on Lord Mars and kneel down. After that, wear ring in middlefinger of left hand or locket around your neck with full faith.

Procedure for donation of Coral

Mars Yantra

8	3	10
9	7	5
4	11	6

Write Mars Yantra on copper plate, set a Red Coral in the middle of yantra and perform 'Prana-Pratishtha'. Then enchant the Red Coral by Mars mantra. Worship yantra for continuous 7 days and on 8th day donate yellow cow, gold, wheat, lentil, jaggery, ghee, red cloth, saffron and dakshina to the priest. All the malefic effects gets removed and desires gets fulfilled by donating this way.

Time period for effect of Coral

Starting from the day, stone settled in ring, Red Coral remains effective till 3 years 3 days and after that it becomes ineffective. So, wearer should change Red Coral after above time period.

Destiny Number (Life Path Number, Bhagyank) based Rudraksha recommendation



Your Date of birth is - 18:12:1973

Your Destiny Number is - 5

As your destiny number (Bhagyank) is 5, 5-faced Rudraksha is being recommended for you.



The presiding deity of this Rudraksha is Kalagni Rudra. To the wearer, it represents the Pancha Tatwa (or the five elements), and confers health, peace, prosperity, and happiness.



Thread five-faced rudraksh in red thread and wear it around neck after reciting AUMNAMAH SHIVAY as many times as you can.

Time for wearing Rudraksha



Generally Monday is considered as auspicious day for wearing rudraksh, but to wear on day of Shivaratri is best. Besides this, auspicious time for wearing rudraksh is mentioned below:

Auspicious Month (Hindi Masa)

Aashwin & Kartik Months - Best
Margshirsh & Falgun Months - Good
Aasharh & Sravan months - Below Average
Bhadrapad, Paush & More Month (Malamas) - Inauspicious

Auspicious Day

The day on which planet & castellation are favorable to name sign of wearer , he / she should wear rudraksh on that day.

Sunday, Monday, Wednesday, Thursday and Friday are best for wearing Rudraksha, while Tuesday and Saturday are considered as inauspicious.

Auspicious Phase (Paksha)

For materialistic comforts, Rudraksh should wear during Waxing Moon (Shukla Paksha) and for spiritual gain rudraksh should wear during Wanning Moon (Krishna Paksha).

Auspicious Tithi

2nd, 5th, 10th, 13th & Full Moon light (Purnima) dates of Hindi months are best for wearing rudraksh.

Auspicious Ascendant

Aries, Cancer, Libra, Scorpio, Capricorn & Aquarius are auspicious ascendant for wearing rudraksh.

Auspicious Constellation (Star)

Swati, Vishakha, Rohini, Jyeshtha, Uttaraphalguni, Uttarasharha, Hast, Ashwini, Dhanishtha, Shatbhisha & Shravan constellations are auspicious for wearing rudraksh. Besides this, wearing rudraksh during any eclips, Makar Sankranti, Ayan,

Shiv Chaudas, Basant Panchami and full dark night (Amawasya) is also good.

Desired Rules for wearing Rudraksh (Shstrokta rules)



Clean your mouth after becoming fresh in the morning. Recitation or enchanting done from unclean mouth may not produce desired results.

मुखशुद्धि विहीनस्य न मंत्रः फलदायकः ।
दंतजिह्वा विशुद्धिं च ततः कुर्यात् प्रयत्नतः ॥

After it, take pure water for bath. After taking bath, concentrate your mind and start worship. Before starting of worship, you must purify land. Mantra for purification of land:

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ॥

Use Kush (a kind of weed) Aasan (Seat) for sitting while worshipping and face towards East. Keep a vessel filled with pure water during worship. Keep coconut on the vessel and perform Pran Pritishta proceeding. Invite all Goddess & Gods along with Kuldevta and worship rudraksh.

First of all, wash the Rudraksha from cow dung, cow's urine, milk, curd, ghee etc. (Panchgavya), then wash it again with Ganges water or pure water. Now, take 9 banyan leaves in a bronze dish and form eightpedaled (ashtadal) lotus from 8 leaves out of taken 9 leaves and keep one leaf at centre of lotus. Keep rudraksha on centre leaf. Now, recite 'Om Namah Shivaya' mantra for three times. After that, pour water on yourself and all the materials are being used in worship, while reciting following mantra for three times -

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ॥
ॐ गुरुभ्यो नमः । ॐ गणेशाय नमः । ॐ कुलदेवताभ्यो नमः । ॐ इष्टदेवताभ्यो नमः । ॐ
मातृपितृचरणकमलेभ्यो नमः ।

Now take ganges water in right hand with spoon and drink it while reciting each following mantra -

ॐ केशवाय नमः । ॐ नारायणाय नमः । ॐ माधवाय नमः ।

Now, wash your hand while reciting following mantra and leave the water on ground -

ॐ गोविन्दाय नमः।

Now, take ganges water in right hand and recite following mantra of Pranayam Viniyoga and leave the water on ground -

ॐ प्रणवस्य परब्रह्म ऋषिः परमात्मा देवता देवी गायत्री छंदः प्राणायामे विनियोगः।

Then, perform three Pranayama with following mantra -

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः ॐ जनः ॐ तपः ॐ सत्यम्।

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि।

धियो यो नः प्रचोदयात्। ॐ आपो ज्योतिः रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरोम्।

Now, recite following mantra while pouring water on rudraksha through Kush or spoon -

ॐ सद्योजातं प्रपद्यामि सद्योजाताय नमो नमः।

भवे भवेनाति भवे भावस्वमान भवोद् भवाय नमः ॥

Then, recite following mantra while adhibiting sandal and fragranced oil in flower and make it touch to redraksha -

ॐ वामदेवाय नमः, ॐ ज्येष्ठाय नमः, ॐ श्रेष्ठाय नमः, ॐ रुद्राय नमः, ॐ कलविकरणाय नमः, ॐ बलविकरणाय नमः, ॐ बलाय नमः, ॐ बलप्रमथनाय नमः, ॐ सर्वभूतदमनाय नमः, ॐ मनोन्मनाय नमः।

Then, recite following mantra while offering Dhoop -

ॐ अघोरेभ्यो अघघोरेभ्योः घोर घोरतरेभ्यः।

सर्वेभ्यः सर्व शर्वेभ्यो नमस्तेस्तु रुद्र रूपेभ्यः ॥

Then apply sandal and fragranced oil with flower while reciting Rudra Gayatri mantra -

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्।

After applying sandal, concentrate on bead of rudraksh and recite Ishan mantra -

ॐ ईशानः सर्वविद्यानामीश्वरः सर्वभूतानां।

ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपतिः ब्रह्मा शिवो मे अस्तु सदा शिवोम् ॥

Specific rules for wearing 5-face Rudraksha

Viniyoga -

Take Ganges water in spoon in the right hand, recite following Viniyoga Mantra and leave the water on the ground.

ॐ अस्य श्री मंत्रस्य ब्रह्माऋषिः, गायत्री छन्दः, सदाशिव कालाग्नि रुद्रो देवता, ॐ
बीजं, स्वाहा शक्तिः, रुद्राक्षधारणार्थं जपे विनियोगः।

Rhishyadinyas -

Touch your own body parts - head, mouth, heart and legs respectively by your right hand while reciting following mantra.

ब्रह्माऋषिः नमः शिरसि, गायत्री छन्दसे नमः मुखे, सदाशिव कालाग्निरुद्रो देवतायै
नमो हृदि, ॐ बीजाय नमो गुह्ये, स्वाहा शक्तिः नमः पादयो, विनियोगाय नमः
सर्वांगे।

Karnyas -

Touch thumb, index finger, middle finger, ring finger, little finger and front-back side of your palm while reciting following mantra.

ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ ह्रां तर्जनीभ्यां नमः, ॐ आं मध्यमाभ्यां नमः, ॐ क्ष्म्यौ
अनामिकाभ्यां नमः, ॐ स्वाहा कनिष्ठिकाभ्यां नमः, ॐ ह्रां आं क्ष्म्यौ स्वाहा करतल
करपृष्ठाभ्यां नमः।

Hridyadinyas -

Touch your heart, head, both arms and eyes while reciting following mantra and by the last mantra, take your hands above your head, take a round from back to front and give a clap on left hand by index finger and middle finger.

ॐ ॐ हृदयाय नमः, ॐ ह्रां शिरसे स्वाहा, ॐ आं शिखायै वषट्, ॐ क्ष्म्यौ कवचाय
हुम्। ॐ स्वाहा नेत्रत्रयाय वौषट्, ॐ ह्रां आं क्ष्म्यौ स्वाहा अस्त्राय फट्।

Dhyan Mantra -

First of all, meditate on presiding deity of Rudraksha Lord Kalagni Rudra.

हावभावविलसार्द्धनारिकं भीषणार्धमथवा महेश्वरम् ।
दाशसोत्पलकपालशूलिनं चिन्तये जपविधौ विभूतये ॥

Recite one of the following mantra for 1188 times. After completing recitation, keep rudraksh in a copper vessel. After doing Pranayam, take vessel filled with water in left hand and touch lower part of vessel from right hand and remove the right hand. Then sprinkle water on rudraksh and wear it.

- १-ॐ ह्रां आं क्ष्म्यौँ स्वाहा (मूल मंत्र)
- २-ॐ श्रीं नमः
- ३-ॐ ह्राम्
- ४-ॐ हूं नमः
- ५-ॐ ह्रीं नमः (पंचाक्षरी मंत्र)
- ६-ॐ नमः शिवाय
- ७-ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिंपुष्टिवर्धनम्, उर्वारुकमिवबंधनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ।

General Rules for wearing Rudraksh

First of all, wash rudraksha with ganges water on any Mondays or any other auspicious day. Then, apply sandal on rudraksha. After that, offer Dhoop, lamp (Deep) etc. on rudraksha and then offer flower. After that, make it touch with Shivalinga and recite 'Om Namah Shivaya' mantra for at least 11 times. Now, remember Lord Shiva and wear it or keep it at worshipping place.

After wearing Rudraksha follow these instructions.

मद्यं मांसं च लासुनं पलांडुं शिग्रुं एव च ।
श्लेषं अंतकं विड्वाराहं भक्षयं वर्जये नरः ॥

Don't have non-vegetarian food stuffs, drugs (alcohol etc.), garlic, onion or any prohibited food stuff after wearing of Rudraksh. Always have vegetarian food.

Don't make Rudraksh a show off thing.

Don't wear rudraksh at night and keep it at worshipping place & after taking bath in the morning wear it while reciting AUM NAMAH SHIVAY at least 5 times. Whenever you put off the rosary, do keep it at worshipping place.

Don't have proud.

Be benevolent.

Don't insult or misuse rudraksh.

Control your temperament.

Behave & think

virtuously.

Don't abuse anybody.

Follow the Brahmcharya.

Pour Gangajal on Rudraksh.

Don't use soap while taking bath.

Keep place clean and untainted while worshipping or wearing rudraksh.

Maintain the holiness of rudraksh.

Always wear rudraksh after getting done routine work and having bath.

Don't criticize any person or religion.

Stay away from dirtiness.

Have faith in rudraksh.

Give up lust, anger, lure & greediness.

Never hang rudraksh rosary on wall.

Keep away rudraksh from the woman whose menstrual cycle in on.

Don't go in any cremation while wearing rudraksh.

Important Note :

Since a genuine Rudraksha is hot, if you are an aged person or physically have a weak constitution, then instead of Rudraksha, you should better wear a Bhadraksha.

Bhadraksha is like the Rudraksha, but of milder color and much less heat. It confers divine blessings of Gouri-Shankara. It is excellent for good health and smooth-running comfortable life with family and friends.

Mantra for Bhadraksha

ओऽम् गौरी शंकराय नमः।

Subha Mantra for Bhadraksha

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वथा साधिके
श्रणये त्रयम्बके गौरी नारायणी नमस्तुते ।

Manglik Blemish (Kuja Dosh)



Rules for determination of Mangala Dosh (Mangalik Blemish) :

लग्ने व्यये च पाताले यामित्रे चाऽष्टमे कुजः।
कन्या भर्तृविनाशाय वरः कन्याविनाशकृत् ॥

If Mars is situated in 1st, 4th, 7th, 8th or 12th house from the Ascendant in the horoscope, then Mangala Dosh or Kuja Dosh occurs.

If Mars is situated in 1st, 4th, 7th, 8th or 12th house from the Moon in the horoscope, then Mangala Dosh or Kuja Dosh occurs.

If Mars is situated in 1st, 4th, 7th, 8th or 12th house from the Venus in the horoscope, then Mangala Dosh or Kuja Dosh occurs.

Applicability of manglik blemish(Kuja Dosh) in your horoscope :

In your horoscope, Mars is situated in the 8th-sign from the Ascendant. Kuja-Dosh (or Mangalik blemish) present in your horoscope.

In your horoscope, Mars is situated in the 8th-sign from the Moon. Kuja-Dosh (orMangalik blemish) present in your horoscope.

In your horoscope, Mars is situated in the 4th-sign from the Venus. Kuja-Dosh (orMangalik blemish) present in your horoscope.

In your horoscope, Mars is situated in the 4th from the sign occupied by Venus. This apparently constitutes 'Kuja-Dosha' (or Mangalik blemish). But since Mars is situated in a sign owned by Mars, it becomes an exceptional case -- as this blemish gets automatically cancelled. Kuja-Dosha will be considered to be technically 'absent' in your horoscope.

In your horoscope, Mars is situated in a 'chara' (movable) sign. Some people opine that it is an exceptional case, where it is not even necessary to check for the apparent presence of Kuja-Dosha. You are free from Martian blemish -- you are not a 'Mangalee'. (However, this opinion does not enjoy the support of majority.)

Effect of Mangala Dosha (Mangalik Blemish) :

Due to effect of Mangala Dosha (Mangalik Blemish), marriage may get delayed or may have to face many hurdles and obstacles in getting married. After marriage, groom or bride or both partners may have to face many difficulties related with physical, mental and financial matters. There may be mutual differences/disputes between them, may make allegations on each other and even may lead to divorce. If Mangala Dosha is pronounced, then one or both of the married couple may remain ill or may end with untimely death.

Remedies of Mangala Dosha (Mangalik Blemish):



To remove the Mangala Dosha (Mangalik Blemish), perform following remedies

from Vedic Astrology:

Do fasting on Tuesdays (Sunrise to next day Sunrise). Don't consume salt during daytime and if possible, then only consume liquid material like tea, coffee, milk, fruitjuice and curd. In the evening, make triangle with Roli on any plate and worshipwith Panchopachara (Red Sandalwood, Red Flower, Dhoop, Lamp, and Eatables). After that, consume wheat bread, ghee and jaggery before sunset.

If Mangala Dosha (Mangalik Blemish) is pronounced, then recite Mangala Chandika Strot 21 times daily for continuous 108 days. In the morning, light a five stroked lamp while facing towards eastern direction and worship your deity (Ishta Deva) and planet Mars with Panchopachara and recite the following manta:

रक्ष रक्ष जगन्मातर्देवि मंगलचंडिके । हरिके विपदां राशे हर्षमंगलकारिके ॥
हर्षमंगलदक्षे च हर्षमंगलदायिके । शुभे मंगलदक्षे च शुभे मंगलचंडिके ॥
मंगले मंगलार्हे च सर्वमंगलमंगले । सदा मंगलदे देवि सर्वेषां मंगलालये ॥

Manglik blemish (dosh) in Lal Kitab



According to Lal Kitab, in your Kundali, Mars is placed either in the 1st, 4th, 7th, 8th or 12th house. According to Lal Kitab, in this condition, there is a mangalik blemish being imposed on your Kundali.

The effects of Mars situated in the 8th house on family life -

In your Kundali, Mars is placed in the 8th house. According to Lal Kitab, you may be a very idealistic and a lazy person. Your idealism may become the cause of disputes in your family life.

General Remedies for Manglik blemish (dosh) :

- 1-Always tread the path of virtues.
- 2-Always speak the truth.
- 3-Do not give false testimony for anyone.
- 4-Do not consume alcohol and non-vegetarian foods.
- 5-Do not accept anything from anyone for free.
- 6-Do not buy land and property from a childless couple.
- 7-Do not live in the house whose entrance is towards the southern direction.
- 8-Eat honey early in the morning.
- 9-Eat sweets made by you and also give it to

others.

10-Distribute sweets on occasions like birthdays etc.

11-Serve sweets to the guests who come home.

12-Whenever you go to the house of your sister, daughter or aunt, take sweets with you.

13-Take good care of your spouse.

14-Take care of your brother's children.

15-Take care of your uncles.

16-Help the widows as much as possible.

17-Do not keep ivory or articles made out of ivory in your house.

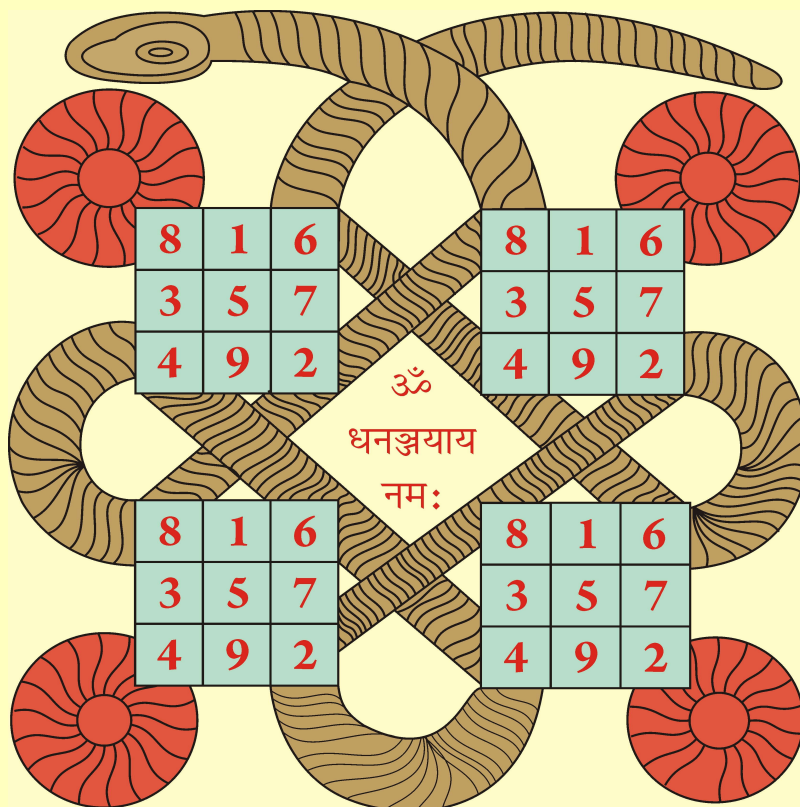
18-Do not keep rusted iron weapon or arms in your house.

Special Remedies for Manglik blemish (dosh) :

Wear a wristlet made of silver and studded with a nail of copper.

Colour a silver bangle red and let your wife wear it.

What is KaalSarpa Yoga?



When all the planets are hemmed between Rahu and Ketu i.e., the moon's north node and the moon's south node KaalSarpa Yoga is formed. Complete KaalSarpa yoga is formed only when half of the chart is unoccupied by planets. Even if one planet is outside the Rahu Ketu Axis there is no KaalSarpa Yoga.

The general impacts of KaalSarpa dosha are following :

1. Hurdles in every important and auspicious work.
2. Lesser Mental peace.
3. Low self-confidence.
4. Deterioration of health and reduces longevity.
5. Poverty and destruction of wealth.
6. Destruction of business and loss of job.
7. Anxiety and unnecessary Tensions.
8. Bad Relations with family members and friends.
9. Treachery from friends and colleagues.
10. Very less help from relatives and friends.

You don't have KaalSarpa Yoga in your kundali.

Sample DOB-18:12:1973 TOB-01:45:00 POB-Ballia (up)

Matrikaa Blemish (Dosha)

Maatrika Blemish (Dosha) is applied for children of 1 to 12 years. You have already crossed that age

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्मृतिभिः सीद सादनम् ॥

यह स्तुति हमारी शक्ति और सच्चे आत्म आनन्द को जानने और उसका अनुभव करने में हमारी सहायता करती है तथा इससे सार्वभौमिक एकता, मधुरता और खुशहाली में प्रगति होगी।

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपं महाद्युतिम् ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ॥

अर्थ— जो गुड़हल के फूल के समान लाल है, जिसका जन्म कश्यप परिवार में हुआ है, जो बहुत उज्ज्वल है तथा अंधकार का शत्रु है और जो सभी पापों का नाश करता है, मैं उस दिवाकर को प्रणाम करता हूँ।

सार— नव ग्रह केवल भौतिक अर्थों में ही ग्रह या नक्षत्र नहीं हैं, वे केवल नौ में नहीं हैं, बल्कि संपूर्ण ब्रह्माण्ड के भौतिक अस्तित्व में उपस्थित सभी ग्रहों व नक्षत्रों में अंतर्निहित शक्ति हैं। सूर्य यहां सिर्फ पौधों द्वारा किए जाने वाले प्रकाशसंश्लेषण के लिए भौतिक उर्जा या गर्मी का स्रोत मात्र का प्रतिनिधि नहीं है, अपितु यह संपूर्ण ब्रह्माण्ड के लिए चेतना का प्रतीक है। जैसेकि हम चेतना में जागते हैं, तो हम कम लड़खड़ाते हैं और कम गलतियां व पाप करते हैं तथा चेतना में नहीं उठते हैं, तो अधिक लड़खड़ाते हैं और अधिक गलतियां व पाप करते हैं (सभी पाप कार्य संपूर्ण स्वास्थ्य के बिगड़ने का कारण होते हैं)। अतः यहां सूर्य का उल्लेख सभी पापों का नाश करने के लिए किया गया है। सूर्य उज्ज्वल है और इसलिए यह अंधेरे का शत्रु है, ना केवल भौतिक अर्थों में बल्कि अज्ञानता के अंधकार का शत्रुहोने के संदर्भ में भी।

यह स्तुति नींद, जड़त्व और निष्क्रियता पर विजय प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगी। यह अवसाद और हताशा पर विजय प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगी।

दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदारणवसम्भवम् ।
नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम् ॥

अर्थ— मैं उस चंद्रमा को प्रणाम करता हूँ, जो दही, शंख और ओस की बूंदों के समान सुन्दर और दीप्तिमान है, जिसका जन्म समुद्र मंथन से हुआ है, जो शशक का प्रतीक है तथा जो भगवान शिव के मुकुट/मस्तक की शोभा बढ़ाता है।

सार— चंद्रमा की सुन्दरता का वर्णन करने का वास्तविक उद्देश्य उस सिद्धान्त की ओर संकेत करने से है, जो सार्वभौमिक अथवा ब्रह्माण्ड के मस्तिष्क के समान है। ब्रह्माण्डीय मन को पौधों का पालन-पोषण करने वाला कहा जाता है। इससे लगता है कि चंद्रमा से उपचारात्मक गुण पौधों में हस्तांतरित होते हैं। मन संपूर्ण संसार में आरोग्यसाधक के रूप में सुविख्यात है।

जब हम चंद्रमा के सिद्धान्त का व्यक्तिगत स्तर पर विचार करते हैं, तो केंद्रिय तंत्रिका प्रणाली से संबंधित तीन विशेषताएं दिखाई देती हैं— समुद्र के दूध से जन्म होना, शशक के समान होना तथा शिव के मस्तक की शोभा बढ़ाना। मन का जन्म अच्छी तरह से फैले हुए श्वेत तंत्रिका प्रणाली से, बुद्धि के साथ होना तथा मन जब वास्तव में स्वच्छ होता है, तो शिव के मुकुट की अथवा व्यक्तिगत रूप में स्वयं की सुन्दरता को बढ़ाता है।

यह स्तुति कमजोर और कोमल मन को दृढ़ बनाती है तथा व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों से लड़ने और उन पर विजय प्राप्त करने में शक्ति प्रदान करती है।

**धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम् ।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणामाम्यहम् ॥**

अर्थ— जिसका जन्म धरती के गर्भ से हुआ है, बिजली के चमकने जैसे उज्ज्वल, और जिसकी शक्तिशाली भुजाएं हैं, मैं उस युवा मंगल को प्रणाम करता हूँ।

सार— भारतीय ज्योतिष के अनुसार, मंगल अग्नि के ब्रह्माण्डीय सिद्धान्त का प्रतिनिधित्व करता है तथा शौर्य, उद्यमशीलता, गतिशीलता, प्रलय, भयानक आग, महामारी, दंगे, चक्रवात और युद्ध का कारक माना जाता है। यह स्तुतिअग्नि सिद्धान्त को विनियमित करने के लिए अभिप्रेरित करता है तथा इसे रचनात्मक दिशा में श्रृंखलाबद्ध करता है। यह एक राजा के सिद्धान्त के समान है।

संभवतः यह स्तुति उन सभी स्थिति में सहायता करता है, जो उपापचय को कम करे तथा शरीर को मंदगति, आलस्यपूर्ण और कमजोर बनाए। यह उर्जा प्रदान करके शरीर के सभी अंगों को सक्रिय कर सकता है। इसके अतिरिक्त, संभवतः यह शारीरिक प्रणाली के उत्तेजना, क्रोध और अत्यधिक सक्रियता को नियंत्रित करता है।

**प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणामाम्यहम् ॥**

अर्थ— लालिमा युक्त श्याम वर्ण के दिखने वाले और अशोक के वृक्ष की कली के समान अद्वितीय सुन्दर शांत प्रकृति के बुध को मैं प्रणाम करता हूँ।

यह स्तुति स्पष्ट रूप से बुद्धिमत्ता और संयम से संबंधित है। धूसर बिन्दू मस्तिष्क की बुद्धि को दर्शाता है, जो कि असम्य और बर्बर भावना व स्वभाव पर नियंत्रण रखता है। अतः यह संयम और अनुग्रह का शासकीय सिद्धान्त है।

**देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसनिभम् ।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ॥**

अर्थ— जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, जो सुनहरे वर्ण के हैं तथा जो त्रिलोक के बुद्धि के स्वामी हैं, उन बुद्धिमान बृहस्पति को मैं प्रणाम करता हूँ।

सार— यह स्तुति स्पष्ट रूप से बुद्धिमान व्यक्ति को समर्पित है, जिसका मस्तिष्क के सभी केन्द्रों पर शासन है और इसप्रकार से वह चेतना के सभी तीन स्तरों स्वप्न, नींद और जागरण पर भी शासन करता है। सुनहरा वर्ण उस श्रेष्ठतम प्रकाश का सूचक लगता है, जो प्रत्येक गतिविधि पर शासन करता है। यह केंद्रीय तंत्रिका प्रणाली में जालीदार प्रणाली का प्रतिनिधित्व भी करता है, जो कि मस्तिष्क में सभी केन्द्रों की गतिविधि को सुनिश्चित करता है।

**हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम् ।
सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणामाम्यहम् ॥**

अर्थ— जो बेला के फूल और बर्फ के समान दीप्तिमान हैं, जो असुरों के सर्वश्रेष्ठ गुरु हैं तथा जो सभी शास्त्रों के प्रवक्ता हैं, मैं उस शुक्र को प्रणाम करता हूँ।

सार— यह स्तुति उस शुक्र को समर्पित है, जो भावनाओं एवं अन्तर्निहित प्रकृति के व्यवस्थित प्रशासन के लिए उत्तरदायी सिद्धान्त का सूचक प्रतीत होता है। ब्रह्माण्ड के हित के लिए इस सिद्धान्त के द्वारा यौन शक्ति और भौतिकशक्ति, जो कि दुराचारी हो सकती हैं, उन पर प्रत्यक्ष रूप से शासन किया जाता है। संरचनात्मक रूप से यह मस्तिष्क में संपूर्ण अंग तंत्र के संचालन का प्रतिनिधित्व करता है।

यह स्तुति जीवन और ब्रह्माण्ड के स्थायीकरण, स्फूर्ति, पर्याप्तता, उत्साह और प्रेम का प्रतिफल प्रतीत होता है।

**नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥**

अर्थ— मैं उस स्थिर शनि को प्रणाम करता हूँ, जो नीले काजल के समान आभा वाले हैं, जो सूर्य के पुत्र हैं, यम के बड़े भाई हैं, तथा जिनका जन्म सूर्य और उनकी पत्नि छाया से हुआ है।

सार— यह स्तुति शनिदेव को समर्पित है, जो कि स्थिरता के देवता प्रतीत होते हैं। यदि अनजाने में अभिव्यक्त किया जाता है, तो यह प्रगति को धीमा कर सकता है, यदि उचित रूप से अभिव्यक्त किया जाता है, तो यह असामान्य और अव्यवस्थित घटनाओं को रोक सकता है। 'यम का बड़ा भाई' होना यह दर्शाता है, कि यम जीवन और मृत्यु के नियमन के लिए जिस सिद्धान्त अथवा देवत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं, उसके समायोजन में स्थिरता महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 'सूर्य का पुत्र' होना यह दर्शाता है, कि इसमें ज्ञान और अज्ञानता का प्रकाश व अंधकार की शक्ति है,। यह विकास की सीमा, जैविक क्षमता, शरीर में नकारात्मक उर्जा तंत्र का प्रतिनिधित्व कर सकता है।

**अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम् ।
सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ॥**

अर्थ— मैं उस शक्तिमान और साहसी राहु को प्रणाम करता हूँ, जो अर्ध शरीर वाला है, जो सूर्य और चंद्रमा तक को भी पीड़ित कर सकता है तथा जिसका जन्म सिंहिका के गर्भ से हुआ है।

सार— यह स्तुति राहु को समर्पित है। राहु अंतरिक्ष और समय में स्थित एक बिन्दु है, जब चंद्रमा धरती द्वारा सूर्य के परिक्रमा पथ को काटते हुए उत्तर की ओर चला जाता है।

यह ब्रह्माण्ड आश्चर्यों से भरा हुआ है। इस ब्रह्माण्ड के सृजन और विकास में अनेक समूहों और देवताओं का योगदान है। जो इस जगत में नकारात्मक और बुरा प्रतीत होता है, वह भी इसी सृजन का ही एक भाग है। इसलिए सार्वभौमिक कल्याण के लिए यह स्तुति राहु को समर्पित है।

पौराणिक कथाओं में राहु को विप्रचिती और सिंहिका का पुत्र कहा गया है। ये दो कक्षों के मिलन बिन्दु का प्रतीक जान पड़ता है, जिससे राहु उत्पन्न होता है, ताकि वे मानसिक अंधेरों के लिए उत्तरदायी भौतिक बलों का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। अतः व्यक्तिगत दृष्टि कोण से राहु उस स्थान और समय का प्रतिनिधित्व करता है, जब व्यक्ति मानसिक अंधकारों, भ्रम, कमजोर स्मरण शक्ति से पीड़ित होता है, तथा जब वह किसी भूत के अधीन होने का काल्पनिक चित्र बना सकता है।

हालांकि, निद्रा, विस्मृति का उचित सीमा तक होना स्वास्थ्यवर्द्धक होता है। अतः राहु को शुभ फलदायक कहा जाता है, सिवाय जन्म कुण्डली में स्थित कुछ परिस्थितियों और नक्षत्रों को छोड़कर।

**पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् ।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ॥**

अर्थ— जो पलाश के फूलों के समान लाल है, जो तारों और ग्रहों का मस्तक है और जो रौद्र रूप वाला भयावह है, मैउस केतु को प्रणाम करता हूँ।

सार— यह स्तुति केतु को समर्पित है। केतु वह बिन्दु है, जब चंद्रमा धरती द्वारा सूर्य के परिक्रमा पथ को काटते हुए दक्षिण की ओर चला जाता है।

केतु व्यक्ति के स्वभाव में अथवा ब्रह्माण्ड में हिंसा के सिद्धान्त को दर्शाता है। 'रुद्र' शब्द विनाश का प्रतीक है। सार्वभौमिक एवं साथ ही व्यक्तिगत जीवन में अधिकांश लोगों को विनाश और हिंसा से खतरा होता है। हालांकि, ब्रह्माण्डीय घटनाओं से विनाश और हिंसा को पृथक नहीं किया जा सकता है और जब यह उचित रूप में होता है, तो यह जीवन के आवश्यक और स्वास्थ्यवर्द्धक निर्माण में सहायक होता है। शरीर रचना, शारीरिक क्रिया विज्ञान और गर्भविज्ञान की पुस्तकों में विनाश की अनेक प्रक्रियाओं का वर्णन किया गया

है।

अतः व्यक्तिगत जीवन और स्वभाव में हिंसा को नियंत्रित करने वाले केतु की स्तुति कहीं अधिक उचित है।

फलश्रुति

**इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति।।**

अर्थ— अब यह स्तुति समाप्त होती है। जो भी व्यक्ति महर्षि व्यास द्वारा रचित इस स्तुति को दिन अथवा रात्रि के समय एकाग्रचित्त और शांतचित्त होकर पढ़ता या सुनता है, वह सभी प्रकार की आपदाओं से मुक्त हो जाता है।

सार— नवग्रहों और नक्षत्रों की स्तुति वास्तविक रूप में व्यक्ति को सच्चे आत्म का ज्ञान करवाता है तथा अब तक अनुपलब्ध उन उर्जा या शक्तियों को प्राप्त करने में सहायता करता है, जो कि विभिन्न रूपों में देवताओं के प्रतीक मानी जाती हैं।

**नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशम्।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम्।।**

अर्थ— नर, नारी और शासक को अतुलनीय समृद्धि, स्वास्थ्य और शक्ति की प्राप्ति होती है तथा उनके बुरे स्वप्नों व विचारों का नाश होता है।

सार— सभी ग्रहों और नक्षत्रों की स्तुति से सुख—समृद्धि, स्वास्थ्य व शक्ति प्राप्त होती है। विनाशक गुणों के कारण सभी प्रकार की दरिद्रता, बुरे स्वप्न और बुरे विचार लुप्त हो जाते हैं।

**ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः।।**

अर्थ— जैसा कि व्यास ऋषि ने कहा है जो कि निःसन्देह, अचूक और सत्य है, कि ग्रहों और नक्षत्रों के अशुभ प्रभाव के कारण उत्पन्न चोर, अग्नि आदि की समस्याएं निरस्त हो जाती हैं।

सार— इस प्रकार महर्षि व्यास इस सत्य की घोषणा करते हैं, कि इन स्तुतियों का जाप व अध्ययन करने से सभी ग्रहों के प्रकोप और आपदाओं से मुक्ति मिलती है।

श्री महर्षि व्यास द्वारा रचित नवग्रह स्तोत्र समाप्त।

Astrological Remedies for Diseases

1 - The first thing useful for treating any disease is proper Remedies. 'AUSHADHI' is a direct means of diagnosis of disease. In astrology, this remedy is called 'Remedial Measures'.

2 - In astrology, chanting of names of divine powers, Mantras, praise, exhortation etc. is also considered as a means of remedies. This is called 'chanting method'.

3 - Donating to poor and needy people, donating in religious organizations, temple etc. is also considered as astrological remedies of disease, which is called 'charity'.

4 - Offering from holistic and accomplished Brahmins for the remedies of diseases and sacrificing them in the fire by chanting, making the sacred things like GHEE, GUR, JAU in the fire is called 'HOMA' a method of pleasing divine powers.

5 - In astrology, getting proper gem in accordance with the person's disease is called 'RATNA DHARAN' method to get diagnosis.

6 - In bathing water, by adding plants, leaves or items etc containing medicinal properties will be beneficial for getting cured. This is called 'AUSHADHI SNAN' method.

7 - Attempts are made to get relief from diseases by bathing in holy rivers. In astrology, it is called the 'PILGRIMAGE' method.

8 - In Astrology, any person can be freed from disease by holding/wearing a suitable talisman according to the person's disease and planet. It is called the 'YANTRA DHARAN' method to hold the sacred talisman by chanting mantra.

9 - In astrology, wearing a suitable colored garment according to its planetary combination, disease and day, reduces the pain of suffering from disease. The method of wearing a customized color for a particular person is called the 'VASHTRA DHARAN' method.

10 - The prayer made to get a relief by offering flowers to god-goddesses is called 'PUSHPARCHAN'.

11 - To get rid of disease by wearing a flower according to specific person or disease, is called 'PUSHPA DHARAN' method.

12 - Pooja of Navagrahas is considered very important for the remedies of diseases in astrology. To get rid of disease by pleasing the Navagrahas, is called 'NAVAGRHA POOJAN' method.

13 - Reading of holy religious scripts such as RAMAYANA, MAHABHARATA, BHAGWATGITA etc. will also be beneficial for getting cured from disease.

14 - In Astrology, SHASHTANG DANDVAT with chanting mantras in front of God-Goddess for getting cured from disease is called 'NAMASKAR'.

15 - POOJA, ARCHANA and ARADHANa of the deities related to planets are also useful for the remedies of disease. This method is called 'GRAHA ADHIDEVTA BHAJAN'.

16 - Visiting temples etc. for the remedies of diseases is called 'KSHETRA

DHARSHAN'.

17 - Religious sacrifice/Balidan is also useful for the remedies of disease. This method is called 'BALIKARM'.

18 - Striving for peace of physical and mental sufferings by making proper and harmonious relationship with holy and religious people is called 'SATSANGAM'.

19 - Serving the sick person also provides peace in the pain. This method is called 'ROGI PARICHARAN'.

Malefic effects of all planets and remedies

Blemish related to Planet Sun and their Remedies



Sapat (Sun with Rahu or Ketu) blemish

If sun is situated with Rahu or Ketu in your birth horoscope, then Sapat (with Rahu or Ketu) Sun blemish is applicable in your horoscope. Your decision making power may be affected and you may meet with any sudden accident.

Sapat (with Rahu or Ketu) Sun blemish is applicable in your horoscope.

Remedies for peace -

You should recite Rudrasukta Path along with Traymbakam mantra as Samput to remove this blemish. Every year on your birth day, give 28 or 108 Aahuti by dipping green grass (Doob) in Ghee with Traymbakam mantra. Have fast on same day.

Easy remedies for Planet Sun

After getting up in the morning, wash your mouth and recite Gayatri mantra for 10 or 28 times while facing towards east. After taking bath, recite Dwadashakshar mantra of Lord Ganesha and Surya kavach and then offer water to Sun. Recite Ashtakshar mantra of Sun for 10 or 28 times while facing towards Sun. Recite Gayatri mantra for 10 or 28 times before sleeping at night.

- 1-Don't discharge urine or feces while facing towards Sun & Moon or in running water, river or pond.
- 2-Don't disrespect your parents.
- 3-Stay away from mental or physical violence, malicious behavior.
- 4-Don't lose your temper without any reason.

Blemish related to Planet Moon and their Remedies



If you have born in castellation of your siblings or parents, One castellation birth blemish is applicable in your horoscope. This blemish can create disturbances in comforts and peace of entire family. It may affect your health badly.

Remedies for peace -

Make a worshipping place at a clean place in your home and install a Kalash in Ishan Kone from that place. Cover the Kalash with new cloth. Then worship all the castellation after worshipping god. Now worship birth castellation deity on Kalash specifically. Perform Hawan by giving 108 Aahuti from mantra of birth castellation. Donate grains, clothes according to your capacity. You should perform this remedy in favorable transit of Moon during Waxing Moon (From 9th Tithi to Poornima), auspicious accendant, Rikta Tithi and Bhadra Karan.

Moon in Ascendant blemish

If Moon is situated in ascendant in your birth horoscope, then this blemish is applicable in your horoscope. Your ideology may be so strong that you can not change it with time. You may be obstinate and somewhat impractical. Your mental condition may affect your working ability.

Moon is in ascendant blemish is applicable in your horoscope.

Remedies for peace -

You should recite Rudrasukta Path along with practicing simple remedies of Moon to remove this blemish.

Weak Moon Blemish

If you have born on any day between 8th day of Krishna Paksha to 5th day of Shukla Paksha. Then weak Moon blemish is applicable in your horoscope. You may be short tempered, careless and doer of aimless work. Sometimes you may get depressed.

Weak Moon blemish is applicable in your horoscope.

Remedies for peace -

Apart from easy remedies for peace of Moon, worshipping of lord Shiva is one of the best remedy to remove this blemish. The worship should be in proportion of weakness of Moon, i.e., weaker the Moon, more the worship.

Kemdruma yoga

If there is no any planet is situated in previous and next houses of Moon. Then Kemdrum Yoga is applicable in your horoscope. You may face the scarcity of money through out the life and your family comfort and mental peace may reduce on this account. If any planet is situated with Moon or any planet aspects Moon or any planet is situated in quadrant from Moon or ascendant in your horoscope, then influence of Kemdrum Yoga is reduced.

Kemdrum Yoga blemish is applicable in your horoscope.

Remedies for peace -

Apart from easy remedies for peace of Moon, you should recite Daridrayadahan Strot of lord Shiva written by sage Vashishth to remove this blemish.

Easy remedies for Planet Moon

First of all have Darshan of Sun and recite Gayatri mantra. Then have bath and recite mantra of Ganesha, lord Shiva and Goddess Parvati. then Recite AUM NAMA SHIVAYA mantra for 108 times. Recite Moon Kavach and offer water to Sun. Don't have non vegetarian food and alcohol on Monday.

- 1-Don't discharge urine or feces while facing towards Sun & Moon or in running water, river or pond.
- 2-Don't disrespect your parents.
- 3-Stay away from mental or physical violence, malicious behavior.
- 4-Don't lose your temper without any reason.

Blemish related to Planet Mars and their Remedies



Mars is situated in Aries sign in your horoscope. Your disposition may be violent and tyrant. Member of opposite sex may feel special attraction towards you.

Mars is situated in 8th house in your horoscope. Health of your spouse may be cause of concern for you. You may get separated from him / her due to any reason.

If health of your spouse is not good, recite 'Mangal Kashta Nivaran' mantra for 8 times daily.

If relation with your spouse is not very harmonious, recite Sunderkand of Ramcharitmanas.

If there is no peace at your home, recite following mantra for 108 times. If this recitation is done by chief of home or his wife, chances of getting benefits are more.

If you lack enthusiasm or are unable to express your thoughts or are very shot tempered, recite Mangal Gayatri mantra for 28 times.

If you are getting hurt again and again due to Mars blemish, you should recite 'Mangal Kavach'.

If your child is suffering from bad effects of Mars and his / her health does not remain good or he/ she doesn't listen to you, you should recite 'Mangal Kashta Nivarak' mantra daily.

If you are worried due to financial losses, increasing debts, have fast on Tuesday regularly for one year. It can remove sign or house produced blemish of Mars.

Easy remedies for Planet Mars

You should recite Rudrasukt Path daily. Worship to Lord Hanuman and Bhairav regularly. Recite Hanuman Chalisa daily. If recitation of Rudrasukt is difficult, recite following mantra for 28 times daily-

Affectionate and warm behavior with friends and relatives diminishes inauspicious influence of Mars.

Blemish related to Planet Mercury and their Remedies



Mercury is situated in Scorpio sign in your horoscope. You may be clever and quarrelsome. Your friends may be selfish and you may meet financial losses due to this

reason.

Mercury is situated in 3rd, 6th or 12th house in your horoscope. Sometimes you may become very hesitant and get disappointed.

If you have speech defect like stammering etc. or your mind is weak or you don't have control on your tongue, recite Kartikeya mantra for 10 times while sitting under banyan tree. Start this process from Pushya Nakshtra and continue for next 27 days.

If you are unable to express your thoughts or speak before mass gathering, recite Budh Kavach regularly.

If you are not able to sleep well due to tension or see bad dreams, you should recite 'Mercury Gaytri Mantra' 3 for times during day time.

If you are unable to save your money or your earning is less, you should recite Srisukta Path.

If you are unable to save your money or your earning is less, you should recite Srisukta Path.

If you are suffering from any skin disorder, recite Sheetla mantra for 10000 times to cure same. Then offer 1000 Aahuti from same mantra after accomplishing recitation.

If you are not getting success in business due to any blemish of Mercury, You should recite Mercury Gayatri mantra for 10000 times. Donate Moong, ghee, silver or thing made up of ivory according to your capacity after recitation.

Easy remedies for Planet Mercury

You should recite Vishnusahstranam daily or on every Wednesday. Recite Dwadashakshari Vishnu Mantra AUM NAMO BHAGAVATE VASUDEVAYA for 28 or 108 times daily.

- 1-Don't abuse anybody.
- 2-Behave in affectionate manner with your younger.
- 3-Don't adopt wrong practices to do your work.

Blemish related to Planet Jupiter and their Remedies



Jupiter is situated in Capricorn sign in your birth horoscope. You may lack patience and intelligence. You may not get appropriate success even after enough hard work. Your married life may not be harmonious. You may not be able to understand what is right or wrong for you. Your brothers or relatives may not adore and cooperate you enough.

If you are not able to amass wealth due to weakness of Jupiter, recite Jupiter Gaytri mantra for 10 times during day time.

Sprinkle Gangajal at your work place after enchanting it from 8 'Jupiter Mantra' for progress in business.

If you have differences with your spouse, recite 'Jupiter Gaytri' mantra daily for 10 times in the morning.

If you have clashes with your spouse, worship Shiv - Parvati and recite Ardhanarineshwar Stot during morning and evening.

If marriage of girl is not settling, worship 300 Parthiv Ling. If marriage of boy is not settling, recite 17 lessons of Durgasaptasati.

Easy remedies for Planet Jupiter

You should recite Brahaspati Stot written in Skand Puran to remove the blemishes caused by Jupiter and hear Satyanarayan Katha on full Moon (Poornima) day. You should offer rice coloured in turmeric, yellow flowers, yellow sandal. Donate gram pulse, salt, turmeric etc. on Thursday.

- 1-Behave warmly with teachers, preachers, saints, old people and highly educated people.
- 2-Don't tell a lie in court being as a witness.

Blemish related to Planet Venus and their Remedies



Venus is situated in Capricorn sign in your horoscope. You may have close contact with an elder person of opposite sex, which may harm you. You may suffer from heart ailment.

For the comfort of child, don't hurt the girls. Worship girls during Navaratri and give them food and clothes according to your capacity. Gift a photograph of Shiva - Parvati or Vishnu -Laxmi to any person once in year or donate a bed sheet, pillow or a pair of clothes to a Brahmin. Recitation of Saundarya Lahari Strot or Devi Sukta and Srikavach daily will be also beneficial.

If you don't have any control on your lustful desire or are attracted towards unnatural sex, recite Shiv Sankalp Sukta for one time mentioned in Atharva Ved daily before going to bed. You may recite Shukra Gayatri Mantra for 10 times daily.

If there is poverty in your home or you have financial problem, recite Arglā and Kilak Stort in the morning.

You should recite Ratrisukta in morning and at night before sleeping, if you feel laziness or your works are not being completed due to drowsiness.

You should recite Shukra Stavaraj Path, if you are facing impediments in your marriage or your marriage is not settling down.

You should recite Shukra Kavach, if you are getting injury again and again or suffering from any physical disorder.

Easy remedies for Planet Venus

Recite following mantra for one time after offering water to Osmium (Tulsi) plant inthe morning after taking bath. Then recite Tulsi Kavach while standing over there.

1-Have contact with your spouse

only.

2-Respect others' women and girls.

Blemish related to Planet Saturn and their Remedies



Saturn is situated in Gemini sign in your horoscope. You may often face trouble due to debts.

Saturn is situated in 10th house in your horoscope. you may have differences with senior officers. There is possibility of your suffering from any mental or head ailment. You may face trouble due to your in-laws.

To remove the blemishes of Saturn due to its sign position or house position, Gaytri mantra of Saturn for a certain times daily while standing on Aasan (seat).

If your life is in trouble due to any kind of disease or accident during Dasha or Gochar of Saturn, you should recite Mahamrityunjay mantra of Lord Shiva written by Markandey ji.

If your child is not listening you and disobeying you, you should recite following Shani Gayatri mantra daily for 28 or 108 times. Recitation of Bhujang Strot of lord Hanuman while mediating on Hanumanji or Shivtandav Strot will be beneficial for you.

During Sadesati ,Gochar period or Dasha or Anterdasha of Saturn, if you are getting inauspicious results, recite Saturn Stavaraj mantra.

If you are getting injured again and again during Dasha or Gochar of Saturn or suffering from anydisease, you should recite Shanashcharashtak Strot.

Easy remedies for Planet Saturn

Massage mustard oil on body on Monday, Wednesday and Saturday and then take bath. General blemishes of Saturn are removed spontaneously if you will keep yoursurrounding clean. You should recite prayer of Lord Shiva, Hanuman or Bhairavdaily after taking bath. Don't use broken vessels or mirror or

cots.

Don't misbehave with servants, laborers, employees and don't cut their remunerations what they deserve. Don't insult them.

Disease related Yogas available in horoscope

Yogas related to Brain Related Problems available in horoscope

In your horoscope, Saturn, Moon and Gulik are situated in angular house. You may not be able to differentiate between right and wrong or your mind may be numb.

You are born at night and in your horoscope, Saturn is situated in 10th house. You may be timid.

Yogas related to Eyes Related Problems available in horoscope

In your horoscope, Moon or Mars is situated in ascendant and Jupiter or Venus is aspecting it. You may suffer from any eye related problem.

In your horoscope, Sun is 2nd house or expense house lord and Gulik and Saturn are aspecting it. You may suffer from any eye related disease due to cough or bile.

In your horoscope, 2nd house and expense house lords are situated in navamsha in trine house. You may suffer from any eye related disease.

Yogas related to Ear Related Problems available in horoscope

In your horoscope, Mercury is combust and ascendant is inauspiciously affected. There may be injury inside your ear and you may need to operate it.

In your horoscope, malefic planets are aspecting 6th house lord and Mercury. You may have any hearing related problem or suffer from any other ear related ailment.

In your horoscope, Moon is situated in ascendant in any sign other than Cancer, Aries and Taurus. You may be partially deaf.

Yogas related to Mouth Related Problems available in horoscope

In your horoscope, Venus is lord of 9th house. You may stammer while speaking.

Yogas related to Neck Related Problems available in horoscope

In your horoscope, any debilitated sign, enemy sign or combust planet is situated in 3rd house and inauspicious planets are aspecting it. You may suffer from any throat related disease.

In your horoscope, Rahu or Ketu is situated in trine house. You may suffer from throat related

disease.

Yogas related to Breath Related Problems available in horoscope

In your horoscope, Sun is situated with Saturn being lord of a trine house or aspected by Saturn. You may suffer from asthma.

In your horoscope, lords of signs of Sun and Moon are in debilitated or combust position. You may suffer from plurisy.

In your horoscope, Sun is lord of 6th, 8th or 12th house and Saturn is aspecting it. You may suffer from asthma.

You are born in Taurus, Virgo, Libra or Capricorn ascendant. You may often suffer from cold or chronic cough.

Yogas related to Tuberculosis available in horoscope

In your horoscope, Ketu is situated with lord of 6th house or aspecting 6th house lord. You may suffer from tuberculosis.

Yogas related to Leprosy available in horoscope

In your horoscope, malefic planets are situated in 1st house and ascendant lord is not situated in 1st house with Mars. You are likely to suffer from white leprosy.

In your horoscope, 6th house lord is situated in ascendant or 8th or 10th house with Rahu or Ketu. You are likely to suffer from leprosy.

Yogas related to Male Related Problems available in horoscope

In your horoscope, Saturn is situated in 6th, 8th or 12th house from Venus. You may suffer from temporary infertility.

In your horoscope, Saturn is situated in 6th house or expense house from Saturn. Your reproductive power may be weak. Consult with a qualified doctor.

In your horoscope, Venus is situated in Capricorn sign. Your reproductive power may be weak. Consult with a qualified doctor.

Yogas related to Piles available in horoscope

In your horoscope, inauspicious planets are affecting Saturn or Mars or both planets. You may suffer from piles.

In your horoscope, ascendant lord, situated in sign of Mars or Mercury, is aspected by its enemy. You may suffer from any anus related problem.

Yogas related to Injury, Wound and Accidents available in horoscope

In your horoscope, Sun and Rahu are situated in Karkamsh and no auspicious planet is aspecting them. You are likely to be bitten by snake and on this account you may have unbearable pain.

Yogas related to Fear From Water and Fire available in horoscope

In your horoscope, ascendant lord is debilitated or combust and any malefic planet is situated in 4th house. You should not bath into river, pond etc. as there is possibility of any accident.

In your horoscope, 4th house lord is debilitated or combust and any malefic planet is situated in 4th house. You should not bath into river, pond etc. as there is possibility of any accident.

In your horoscope, 6th house lord is situated with Rahu or Ketu. You may have to meet loss of lives and properties due to theft or fire.

In your horoscope, Mars is situated in 8th house. You should stay away from fire as there is possibility of any accident.

In your horoscope, 6th house lord is situated Rahu or Ketu. You should remain careful from snakes.

In your horoscope, Saturn is lord of 6th house and is situated with Rahu or Ketu. You may have risk from wild animals.

In your horoscope, Sun is situated in Karkamsh and malefic planets are aspecting it. You may get hurt by a snake and face trouble.

Disease related Yogas available in horoscope and Remedies

Reasons and remedies of Brain Related Problems



Yogas of Brain Related Problems available in horoscope

In your horoscope, Saturn, Moon and Gulik are situated in angular house. You may not be able to differentiate between right and wrong or your mind may be numb.

You are born at night and in your horoscope, Saturn is situated in 10th house. You may be timid.

Ratna and Upratna Related to Brain Related Problems

- (1). Epilepsy- Wear white pearl of 1-6 whits or emerald of 5 whits or white pearl of 12 whits.
- (2). Wear emerald and moonstone. Wearing gem of ascendant lord will be beneficial.
- (3). Dementia- Wear emerald of 6 whits, topaz of 4 whits and peral of 4 whits.
- (4). Unconsciousness - Wear emerald of 5 whits, sapphire of 4 whits and pearl of 5 whits.
- (5). Insomnia- Wearing aquamarine, zircon, white opal and pearl will be beneficial. Wearing gemof 12th house will be beneficial. One can wear yellow topaz also.
- (6). Encephalitis - Wearing red coral, yellow topaz and emerald will be beneficial.
- (7). Weak Memory problem- Wear pearl or ruby around neck. Wear emerald of 6 whits in one hand and coral of 9 whits in other hand in silver ring. Wearing bracelet made of mixed metals - silver, gold and copper will also be beneficial.
- (8). Mental disorder- Wearing moonstone, yellow topaz and emerald bring mental peace. Wearing red coral will also be beneficial.

(9). Intracerebral hemorrhage -

- 1- Wear gem of lord of ascendant.
- 2- Wear red coral of 7-8 whits and moonstone or white pearl in silver.
- 3- Embed gem of lord of ascendant, coral and topaz in a triangular pendant keeping ruby in center. Wearing this kind of pendant can reduce the effect of this disease.

(10). Brain related disease -

- 1- Make ascendant lord, Sun and Moon powerful by wearing their gems.
- 2- Recite Kavach Path of ascendant lord, Sun and Moon and wear Yantras related to them.
- 3- Wear red coral and emerald in same ring or pendant.
- 4- Wear emerald and yellow topaz or red coral and Chandrakant together.
- 5- Wear emerald and Chandrakant together.
- 6- Wearing pearl and coral will be beneficial.
- 7- Wearing red coral and emerald together will prove beneficial.

Totke Related to Brain Related Problems

A person suffers from head related diseases, if he/she has enmity with Brahmins. One should wear holy thread/Janeu as a remedy.

Depression- Native should keep handful barley mixing in raw milk near headboard and flow the same into water anywhere as he/she gets up in the morning. if there is no water around, pour it out on root of any tree.

Recitation of following lines of Sita Anupras gives mental peace and concentration increases. Mental recitation of these lines is very beneficial. You can do it in spare time or busy in any work.

Sundar Sanjivini Sudha Sadbhav Sukrat Sansar Suman.
Sam Saral Sugam Sumadhur Sumanohar Sukhad Smunnat Sarvsharan.
Shashwat Shubh Satya Sanatan Satta Saras Sudhar Sadgun Paavan
Sankat Shanka Sandeh Sani Sanshay Sanishchari Shakti Shaman.
Sarvopari Savantaryamini Sarveshwarishwari Sudhi Sulagan.
Sanstheti Sanhaar Srishti Saagar Santaran Setu Sambal Sadhan
Sankaadik Surguru Savitaa Shuk Sheesh Shekhar Shankar Sankashan
Sharda Saraswati Saavitri Shailja Shachi Shruti Saar Srajan
Shree Srishti Sutikaa Swayam Shrey Swamini Swamini Swatantra Sita Sucharan
Samarsadwait Sachchidanand Dhan me hai, Sarvapratham Sunaman.

For removing tension and mental disturbance : 1 - Keep your head towards east while sleeping. You should wear Chandramani of 5 whits embedding in silver in ring finger of right hand on Monday while chanting Chandramase Namh after rise of Moon and a ring made of Ashatadhatu in middle finger. Recite Hanuman Chalisa everyday. Hang alum wt. 200 gms. In your bed room. Wash Chandramani with raw milk and then with Ganga Jal before wearing it. Faith is very much

required.

2- Mental disturbance is result of any past sin. This remedy is very beneficial for removing it. Daily worship Lord Hanuman and remember him. Must recite Hanuman Chalisa. Start remedy from 1st Tuesday of Moon phase. Keep a small knife near your headboard while sleeping. Light camphor in the room where you sleep. It resolves the problem. Sins of past birth start vanishing and situations start turning into your favour and one gets rid of from mental disturbance.

3- If Moon is sin afflicted or inauspicious in native's horoscope, he/she face family disturbance, shortage of money and obstacles in works. Pour some raw milk in silver or steel glass and keep it near your headboard on Sunday before going on bed. Pour the same milk on acacia tree in the morning on Monday.

Precaution: Don't cover glass from any utensil.

4- Establish Gayatri Yantra and Gita Yantra on Monday in your home and see them daily with faith. Wear pearl necklace around neck and recite following mantra daily:
Om Namoh Bhagvate Vaasudevay

5- All members of family should keep their head towards east or South while sleeping. Before sleeping light camphor lamp or its small piece in your bedroom.

6- Worship Lord Hanuman daily. Offer oil to Lord Shani on every Saturday. Donate one pair of your used slippers to any poor on Saturday. Wear pearl of 5 whits, you will be benefitted.

7- Worship Lord Hanuman daily and remember him. Recite Hanuman Chalisa. Start remedy from 1st Tuesday of Moon phase. Keep a small knife near your headboard while sleeping. Light camphor in the room where you sleep. It resolves the problem. Sins of past birth start vanishing and situations start turning into your favour and one gets rid of from mental disturbance.

8- If any family member is mentally tensed, he/she sleep over sheet of deer skin spreading on bed. Tension will remove gradually. Also, if you have nightmares, keep a vessel filled with water near your headboard. Pour the same water on rose or any thorny plant. Recite 'Madhav' 11 times in the mind, nightmare will come to nothing.

9- Recite following mantra 11 times in the morning while raising your both hands and looking towards Sun:
Om Ghranih Suryay Namh. You will remain tension free throughout the day and diseases will also be cured.

10- Light lamp under Ashok tree in the evening on Diwali. Worship it with faith. Then bring 3 tender leaves of the same tree to your home. Clean and wash them and chew them in the morning. It will remove all kinds of worries.

11- Offer sugar mixed raw milk in the root of jambolan. Start this remedy from Saturday of Moonphase. Drink water in silver glass. Also, offer sweet kheer in temple in the evening on Amavasya day. You will get benefit soon.

12- Keep your head towards east while sleeping. Wear emerald of 5 whits embedding in silver ring in ring finger during auspicious time. Keep 2 kg. alum in a porcelain plate without covering it at your work place. As a special remedy, keeping 3 kg. salt in a red pitcher in your bed room will remove all

problems.

13- If you are worried about your future, mix a cup of milk in water and take bath from it.

14- Always keep your head towards east or south while sleeping. Magnetic lines of force go from feet to head of a person who sleeps keeping head towards south. These lines push more blood towards head. Consequently, a person remains free from various diseases and has a sound sleep.

For removing laziness- Bring a red coral on Tuesday. Wear it in silver ring on Tuesday on Moon phase. Recite 'Shri Ram Dootaay Hanuman Namh' or 'Shri Hanumatte Namh' while touching it to feet of Lord Hanuman and then wear it. You will get rid of laziness within one month.

Insomnia: 1- If you have sleeping related problem, recite following mantra. Leave your body relaxed and loose after lying on bed and count till 108. Then recite following mantra: Kumbhakamaay Namh. You will sleep soon. No sleeping pills will be required.

2- Sometimes, any child or person gets up while startling, keep a piece of alum near his/her headboard. Problem will be solved. It is a tested remedy.

For epilepsy: Epilepsy patient should draw himself/herself Yantra of 15 as written above from pen of pomegranate and ink of red sandal on birch leave. Keep some amount of pure asafoetida over Yantra. Then wear it around your neck keeping it with asafoetida in an amulet. Use red silk thread to wear around neck.

Lal-Kitab remedies related to Brain Related Problems

Epilepsy- 1. Worship Lord Sun faithfully.

2. Worship and chant mantra of Goddess Kali or Durga.

3. Use green or blue curtains and bed-sheets in your bedroom.

Dementia- 1. Use green or blue curtains and bed-sheets in bedroom of patient.

2. Keep patient away from red colour.

3. Donate Janeu to Brahmins.

Delirium- Worship and chant mantra of Goddess Kali or Durga.

Rudraksha Related to Brain Related Problems

Worship ek-mukhi rudraksh and wear panchmukhi and dwadashmukhi rudraksh.

A person who wears teenmukhi rudraksh is very intelligent and his memory is very sharp.

He/she who suffers from depression, blood disorder, plegue, digestion related problem, blood pressure, weakness or ulcer, should wear teenmukhi rudraksh.

Teenmukhi rudraksh should be worn always around neck. It increases knowledge and spritual power.

Who suffers from mental disorder, paralysis, jaundice, blood circulation related problem, fever and cough, he/she should wear charmukhi rudraksh.

Beesmukhi rudraksh bestows good education and mental peace.

Reasons and remedies of Eyes Related Problems



Yogas of Eyes Related Problems available in horoscope

In your horoscope, Moon or Mars is situated in ascendant and Jupiter or Venus is aspecting it. You may suffer from any eye related problem.

In your horoscope, Sun is 2nd house or expense house lord and Gulik and Saturn are aspecting it. You may suffer from any eye related disease due to cough or bile.

In your horoscope, 2nd house and expense house lords are situated in navamsha in trine house. You may suffer from any eye related disease.

Ratna and Upratna Related to Eyes Related Problems

- (1). Wear ruby of 10 or 12 whits in ring finger on Sunday during Moon phase.
- (2). Blindness- Wearing white pearl, moonstone and coral will be beneficial.
- (3). Eye protuberance- Wear emerald to diminish effect of this disease. Besides, wearing moonstone, opal, zircon is also enough beneficial in eye diseases.
- (4). Cataract- Emerald is considered helpful in increasing vision of eyes and pearl is considered helpful in regaining lost vision. Wear ruby during treatment of disease. Wear red coral in place of ruby in summer. Wear coral, pearl and emerald of 3 whits each embedding together in a ring or pendant. It will be beneficial.
- (5). Colourblindness- Wearing red ruby or coral with pearl is very beneficial in colourblindness.

(6). If you are suffering from eye related disease, you should wear aquamarine and peridot gem. It will help you to get well soon.

Totke Related to Eyes Related Problems

Sun worship and Surya Naman are beneficial in eye disease. Therefore, patient of this disease should smell sunflower after getting in the morning and drop pure rose water into eyes.

One should donate rice, milk, Ghee and moong (green gram) and perform Ambika Raksha Havan. A person who harms cow suffers from night-blindness. Donate idol of Lord Krishna as remedy.

Recite Chakshushmati Vidya Path. Who recite it daily, does not suffer from eye related problem and no one gets blind in his family.

400 tola of galena should be donated having one day fast. Any person suffers from eye diseases because of harming others, ungratefulness, bad intentions for other women etc.

Lal-Kitab remedies related to Eyes Related Problems

Kheer of Moong, gold and ghee should be donated to reduce the effect of eye disease.

Recite Suryaashatak and Chaakshushopanishad.

Kheer of Moong, gold and ghee should be donated to reduce the effect of eye disease.

Practice celibacy on Sunday.

Recite Adityahridayastrot. Don't eat oil, salt and ginger on Sunday.

Have fast on Sunday and don't have salt. Do Surya Namskar in the morning and evening and donate Sun related things.

Offer water to Sun mixing red sandal and red flower.

Wake up one hour before to Sun rise, fill mouth with water and spray cold on eyes for 20 times. You will get benefit in one month. Eyes will get normal within 3-4 months.

Rudraksha Related to Eyes Related Problems

Naumukhi rudraksh- Who suffers from fever, eye related problems, skin diseases, lung diseases and intense bodyache, he/she should wear naumukhi rudraksh.

Ek-mukhi rudraksh is ruled by Sun and it is worn as a remedial measure to cure asthma, TB,

paralysis, stroke, heart related diseases, mental ailments, eye related diseases, pain in bones, headache etc.

Ayurvedic remedies Related to Eyes Related Problems

Soak 4 almonds in water at night and eat in the morning with 4 black peppers and powdery sugar candy and then drink milk. By doing so, vision will not weaken.

Take fennel seeds and coriander seeds in equal amount, pound and sieve them and mix sugar powder. Now take one tola of this mixture regularly in the evening. It increases vision very soon.

Corrade tamarind seed on stone like sandal. Then apply this paste on eye sty. It cools eye and reduce eye sty within few hours. And, it will never occur in future.

Mix two whits of alum powder in 30 gms. rose water. Drip 2 drops of this lotion twice or thrice in eyes every day. It cures pain and redness of eyes. It is very beneficial for pain in eyes. If you don't find rose water, you can use distil water or boiled water.

When you feel ache in eyes, place cotton at once in ear of same side which eye has ache. If you feel ache in both eyes, place cotton in both eyes. You will get relieve within 2-3 hours.

If one drips one drop of pure honey in eyes 1-2 times in a week, his/her eyesight never weakens, rather increases with age.

Mix bitter gourd juice and sesame oil in 4:1 ratio and boil till its water becomes dry. Then massage the mixture on your head. It increases eyesight.

Rub beetle nut with water on stone and apply the paste on eyes. It removes swelling.

Dip cotton in cucumber or potato juice and apply all around the eyes. It removes darkness around eyes.

Take almond, fennel seeds and sugar candy (Mishri) in equal amount and grind it to fine powder and keep in any glass vessel. Now have 10 gms. of this powder with 250 gms. milk at night before going to bed continuously for 40 days. It increases eyesight and removes spectacle, if any. Give half amount to children for increasing their eyesight. For getting more benefit, don't drink water after having this medicine. It also increases memory.

If you drip one drop of lemon juice in eyes once in month, you will not have pain in your eyes in future.

Wash eyes with Amla decoction to get relief in eye problems.

If you are facing continuous problem of eye sty, have 3gms. Triphala powder with cow milk twice a day continuously for two weeks. It will cure the problem.

Mix ripe banana with some curd and water and have twice a day. You will get benefit in eye diseases.

Burn root to Aak (calotropis) ashes and mix water. Apply this mixture at edge of eyelids to get

relief in 'SULAPH' disease.

Drink tomato juice mixing some mint leaves, salt and lemon juice in it. It cures dark circle around eyes. Rub a piece of lemon clockwise under eyes for 5 minutes. Then rinse off after sometime. Spots are removed slowly.

Extract juice from Babool leaves and drop it into eyes. It removes pain in eyes.

Wash eyes from clean and fresh water several times daily. Don't have very hot or very cold things and have nutritious foods. It increases eyesight.

Dripping one drop of pure honey into eyes continuously for 3-4 weeks during early stage of cataract helps to cure the same.

Grind Nirmali seeds (Cleaning nut tree) and mix with pure honey. Then apply it as smut to cure cataract.

Mix seeds of green cardamom with one table spoon of honey and have it daily. It increases eyesight.

Rub sandal wood and apply paste in eyes regularly. It diminishes possibility of cataract.

Tie a swag of tamarind flowers on eyes. It removes swelling.

Sprinkle cold water on eyes in the morning, at noon and in the evening.

Apply juice of Chirmiti/Gunja (Crab's eye) and Kagzi nimboo in eyes to cure cataract.

Take Sendha Namak (Rock Salt) and mix sugar candy (Mishri) in double amount of the salt and grind the mixture. Then apply it as smut to cure cataract.

Keep fine powder of turmeric in a bottle. Then apply it in your eyes at night. It is beneficial in 'PHOOLA' disease.

Eating tomato by cutting with teeth cures problem of night-blindness quickly.

Eating Bathua (Goosefoot) cures night-blindness.

Drinking a glass juice of Chaulai (Amaranthus) leaves daily cures cataract.

Rub turmeric with water on a stone and apply the paste in eyes to cure eye problems.

Applying potato as smut after rubbing it on stone is beneficial for eyes.

Carrot juice is beneficial in night-blindness.

Reasons and remedies of Ear Related Problems



Yogas of Ear Related Problems available in horoscope

In your horoscope, Mercury is combust and ascendant is inauspiciously affected. There may be injury inside your ear and you may need to operate it.

In your horoscope, malefic planets are aspecting 6th house lord and Mercury. You may have any hearing related problem or suffer from any other ear related ailment.

In your horoscope, Moon is situated in ascendant in any sign other than Cancer, Aries and Taurus. You may be partially deaf.

Totke Related to Ear Related Problems

Gold, grains, land, blanket etc. should be donated and recite Vedic Mantra of Sun.

Ayurvedic remedies Related to Ear Related Problems

Extract juice of 25 gms. Neem leaves. Mix salt into it and boil it on slow flame. Drop lukewarm mixture into ear. Repeat same process next day. You will get relief soon.

Extract onion juice and boil it on slow flame. Drip two drops of lukewarm juice into ear. It cures discharge of ear (Otorrhoea).

Peel off two garlic cloves and boil on slow flame after putting them into two spoon mustard oil. When cloves burn to black, remove it from flame and filter it through cloth. When oil cools down, drip 2-4 drops of it into ears. It cures ear pain.

Roast two leaves of Neem and cloves into mustard oil. Dropping this oil into ear cures ear pain.

Possibility of ear pain increases in winter. If you have pain in ear or difficulty in hearing or pustule in ear, drop juice of clean garlic into ears.

Grind fenugreek seeds in milk, filter the paste and boil it on slow flame. It cures discharge of ear (Otorrhoea).

Fill conch with water and keep it for whole night. Drink the same water in the morning as well as hear sound of conch as much as possible. You will get benefit in ear related problems.

Take a yellow Aak leaf without any hole and bake it on fire. Now squeeze its juice into ears.

Drop oil of peach pips into ear regularly. It cures deafness.

Extract ginger juice and filter it. Warm it lightly and drip 4 drops into ear. It cures pain of ears.

Extract juice from Tulsi leaves and warm it. When it cools down, drip two drops into ears. It gives relief in ear pain.

Boil 4 garlic cloves into a table spoon mustard oil. Then drip two drops of it into ears for curing ear ache.

Warm beetroot juice and drop into ear to get relief in ear ache.

Drip two drops of mustard oil into ears and foment with warm cloth. It gives relief in ear pain.

Take pure Ghee and camphor in equal amount and heat it. When it cools down, drip 3-4 drops of it into ears and stuff with cotton. It gives quick relief in ear pain.

Extract onion juice and warm it. When it cools down, drip two drops into ears. It gives relief in ear pain.

Drop lukewarm juice of Tulsi plant into ears to get relief in ear pain.

Boil garlic into mustard oil. When it cools down, drop it into ears. It gives relief in ear pain.

Put 1 Or 2 drops of juice of leaves of marigold or spider flower into to cure pain in ear.

Putting lukewarm onion juice into ear cures deafness.

Putting lukewarm tulsi juice into ear cures earache.

Putting oil of bitter almond into ear cures deafness.

Corrade pure asafoetida with woman milk and put into ear. It is beneficial in deafness.

Wash ear from decoction of neem leaves by spraying and put 2 drops of lukewarm neem oil into ear. It will kill the germs.

Take lukewarm onion juice and put 2-3 drops into ear. It will cure earache.

Reasons and remedies of Mouth Related Problems



Yogas of Mouth Related Problems available in horoscope

In your horoscope, Venus is lord of 9th house. You may stammer while speaking.

Ratna and Upratna Related to Mouth Related Problems

- (1). If you are suffering from pimples, you should wear amethyst gem. It will help you to get well soon.
- (2). Tooth cavities or toothache- Wearing white or red coral will be beneficial.
- (3). Wearing moonstone and yellow hessonite will be beneficial. Wearing topaz and pearl is also auspicious. It reduces effect of mouth related ailment.
- (4). Wear white coral of 8 or 10 whits or pearl of 4-10 whits in middle finger. Additionally, wear lapis lazuli in small finger. If coral is not favourable, wear only silver ring. It reduces effect of mouth related ailment.
- (5). Wear quartz, pearl and moonstone. Must wear red clothe or red thread. Wearing coral in copper ring reduces effect of mouth related ailment.

Ayurvedic remedies Related to Mouth Related Problems

Make paste by crushing Tulsi leaves and mixing lemon juice in it. Rub this paste on face. It will remove skin spots, marks and heat spots.

Brushing teeth and rinsing mouth immediately after having meal removes bad smell of mouth.

Rinsing mouth from mustard oil after keeping it for sometime in mouth strengthens jaw. Voice becomes loud and impressive, face becomes healthful and sensing power increases to feel all kinds of six joys. Doing this process throat is not dried out and lips are not cracked. Dental roots get strong, eating sour things don't have bad effect on teeth and there is not pain in teeth.

Chewing green leaves of black berry and Tulsi like betel leaf is beneficial in diseases of

mouth.

Soak some charoli in milk and make its paste after crushing it finely. Apply this paste on face in the evening. Wash the face when it becomes dry. It makes face shiny.

Make a paste by corradng inner side of Neem bark. Apply this paste on face. It cures pimples.

Apply mixture of lemon juice and rose water mixing in equal quantity. Wash face after half an hour. repeating same process for 10-15 days cures pimples and spots on face. Or rub lemon rind slowly on face before having bath and wash with lukewarm water after sometime. Doing so for few days cures pimples.

Taking powder of peepal, deodar and dry ginger with lukewarm water cures hiccup.

Mix finely crushed sugar candy and camphor in 8:1 ratio. Apply this mixture on blisters in mouth and tongue. It cures blisters and mouth ulcer. It is very beneficial for children.

Cut a lemon and fill two pinches of black salt and black pepper powder in a lemon slice. Then heat it on a hotplate keeping on slow flame. Sucking it makes mouth taste good. It cures indigestion and increase hunger.

If indigestion causes bad breath, chew half a spoon fennel seeds after lunch and dinner. It also cures mouth disease and dry cough.

Rub nutmeg with cow milk on a stone and make a paste. Apply this paste on face and leave it for some time to dry. Then remove it while rubbing gently and wash with lukewarm water. Doing this remedy twice a day cures pimples. It removes spots and marks and makes skin shiny.

Chewing tender leaves of Arahar (Cajan pea) daily cures blisters of mouth.

Mix juice of cucumber (Kheera and kakadi) and lemon in equal quantity and apply the same on face before taking bath. It makes face radiant.

Take juice of cucumber and rub gently with it under eyes. Wash it after 20-25 min. It removes dark circles.

Rinsing mouth with tomato juice and fresh water removes blisters in mouth, tongue and cheeks.

Chewing cardamom and fennel seeds helps to get rid of bad smell of mouth.

Make a paste mixing lime water and pure honey. Rub this paste on face and wash after sometime. It makes face radiant.

Mix coconut and sugar candy (Mishri) in equal amount and have it. It cures hiccup.

Chewing liquorice or green cardamom removes bad breath.

Use datoon to brush your teeth. Neem datoon will be better. Twiddle soft mop of this datoon over face. It cures pimples forever.

Chew 2-4 leaves of Tulsi daily and drink little water afterward. It cures bad breath and mouth

blisters.

Take juice of carrot, tomato and beet root in 3:2:1 ratio respectively and drink the same regularly for 15-20 days. It cures wrinkles, spots, pimples on face and makes skin glowing.

Filter 10 gms. lemon juice twice through cloth and mix 10 gms. Glycerin and 10 gms rose water in it. Apply this lotion on face daily before going to bed. It removes spot, black heads, pimples and melasma and makes face soft and glowing.

Take mint, dry coriander and sugar candy (Mishri) in equal amount and chew it and keep flowing saliva. It helps to cure mouth blisters quickly.

Wet a cloth with dew drops fallen on small plants in morning. Now rub this wet cloth on face. By doing so, face becomes shiny.

Grind small haritaki (harad). Apply it on mouth and tongue blisters. It surely cures blisters and mouth ulcer. Apply it twice a day.

Clove should be chewed after meal to remove bad breath.

Keep spitting after chewing jasmine leaves helps in mouth blisters.

Gargling from mixture of curd and water cures burning of tongue.

Applying olive oil daily on face cures pimples and pustules and also removes spots and marks.

Mix fine powder of parched borax in 15 gms. glycerin and keep this mixture. Apply it over mouth and tongue blisters twice a day. It cures blisters soon.

Inhaling smoke of dry mango leaves stops hiccups.

One clove should be soaked keeping in mouth in case of bad taste of mouth. It also kills germs of mouth.

Rinsing mouth from lemon water (Juice of one lemon in a glass of water) daily in the morning removes bad smell of mouth.

Make paste of crushed Massor Dal, turmeric and olive oil. Apply it over face and entire body. Then take bath after some time. It glows skin of face and body.

Chewing green coriander cures mouth blisters.

Rinsing mouth from mixture of tomato juice and water cures mouth, lip and tongue blisters

Chewing fennel seeds after meal cures bad breath.

Boil crushed nutmeg in water and cool it. Rinsing mouth with water cures blisters.

Chewing tender leaves of cajanus (Arhar) cures cracking of tongue and mouth blisters.

Soak henna in water and rinse mouth with it. It cures mouth blisters.

Chewing night jasmine cures every kinds of palate disease.

Applying deshi ghee in mouth cures mouth blisters.

Squeeze a lemon in honey. Rub this paste gently over face and then wash it. It makes skin glowing.

Chewing 2-3 Tulsi leaves removes bad breath.

Applying burnt rind of water melon over lips cures lip related ailments.

Who often suffer from mouth blisters should have tomato juice.

Chewing cardamom and fennel seeds removes bad breath.

Make a paste mixing salt and vinegar in honey. Applying this paste over face removes melasma.

Bathing from lemon juice mixed water or applying lemon juice on body before taking bath or rubbing lemon on body makes skin colour fair.

Reasons and remedies of Neck Related Problems



Yogas of Neck Related Problems available in horoscope

In your horoscope, any debilitated sign, enemy sign or combust planet is situated in 3rd house and inauspicious planets are aspecting it. You may suffer from any throat related disease.

In your horoscope, Rahu or Ketu is situated in trine house. You may suffer from throat related disease.

Ratna and Upratna Related to Neck Related Problems

(1). Jewellery should be donated to get rid of ailment related to neck/throat.

(2). Wear yellow sapphire or citrine in gold or silver ring. Wear pure coral of 5 whits embedding in silver ring in ring finger. you can wear coral or yellow sapphire pendant in neck.

Lal-Kitab remedies related to Neck Related Problems

Drink blue coloured water and apply blue glycerine Shakti, if tonsils or blisters are in throat.

If you are suffering from throat disease, do Singhasan.

Ayurvedic remedies Related to Neck Related Problems

Chocking of throat due to having cold water after eating something hot- Put 1 gm. licorice (Mulethi) powder in mouth when go to bed at night and keep masticating it for some time. Then sleep keeping it in mouth as it is. Throat will be fine by morning. If it is consumed putting in a betel leaf, it is more beneficial. By doing so, it removes throat pain and swelling besides clearingthroat.

Having fruits and boiled pumpkin and zucchini with meal is beneficial in tonsillitis.

Boil two spoons celery seeds in 500 gms. water for 15 min. and filter it. Now add some salt to it and gargle with it twice a day and at night before going to bed. It is helpful in curing swelling and pain in throat. If throat is swelled and phlegm is forming in excess quantity, masticate 2 gms. celery seeds before going to bed at night and then drink warm water. It reduces amount of phlegm.

Sipping lukewarm mixture of honey and onion juice clears throat.

Gargling with decoction prepared from fenugreek seeds repeatedly cures swelling of throat and tonsillitis within few days.

Take dry coriander and sugar candy (Mishri) in equal amount, mix them and chew one spoon of mixture 2-3 times in a day. It gives relief in neck pain and also cures mouth blisters.

Have one small glass of carrot juice daily at 3-4 PM for 2-3 months in case of tonsillitis or mumps. It is beneficial.

Gargling with one tea spoon honey mixed in one glass lukewarm water clears the throat.

Mix 100 gms. juice of each carrot and spinach and have it 3-4 times in a day or have a cup of carrot juice only thrice a day clears the throat.

Putting tailed pepper (Kabab Chini) in mouth cures throat infection (loss of voice).

Take a glass of lukewarm water and mix half a spoon salt in it. Gargle with this water 3-4 times in a day. It gives relief in sore throat, pain in throat, and throat infection.

If hoarseness is caused due to cold or cough, mix black pepper and Batashe in equal amount and sleep at night while chewing this mixture. It cures hoarseness.

If tonsils are swelled, mix half a spoon salt in one glass lukewarm water and gargle with it 2-3 times in a day. It gives relief.

Mix half a spoon turmeric powder in 250 gms. milk and boil it 2-3 times. Now filter it. Then mix sugar in lukewarm milk and have it for 2-3 days at night. It gives relief in sore throat.

Mix lemon juice in lukewarm water and gargle with it. It cures tonsillitis.

Chewing and sucking Mishri and black pepper cures hoarseness.

Hoarseness due to speaking or talking loudly- Keep half a gm. raw borax into mouth and keep sucking.

When borax melts, it gives instant relief. Throat gets clear after 2-3 hours. It is very good remedy for preachers and singers to clear their throat.

Mix half a spoon alum in 250 gms. water and gargle 2-3 times with it. It will give you relief in sorethroat and pain, tonsillitis and mouth sores. If it is not possible, mix half a spoon salt in lukewarm water and gargle with it.

Gargling with mixture of one glass lukewarm water and half a tea spoon salt clears throat.

Reasons and remedies of Breath Related Problems



Yogas of Breath Related Problems available in horoscope

In your horoscope, Sun is situated with Saturn being lord of a trine house or aspected by Saturn. You may suffer from asthma.

In your horoscope, lords of signs of Sun and Moon are in debilitated or combust position. You may suffer from plurisy.

In your horoscope, Sun is lord of 6th, 8th or 12th house and Saturn is aspecting it. You may suffer from asthma.

You are born in Taurus, Virgo, Libra or Capricorn ascendant. You may often suffer from cold or chronic cough.

Ratna and Upratna Related to Breath Related Problems

- (1). Pneumonia- Wearing red coral and yellow sapphire is auspicious in this disease.
- (2). Influenza- Wearing red coral and yellow sapphire is auspicious in this disease. If disease is relapsing again and again, wear black hakik, ruby and jasper together in a locket.
- (3). Asthma- Wear black or red Akik in nine-metal ring. Wearing red coral of 8-9 whits and hessonite of 3-5 whits in Ashtadhatu (eight-metal) will be beneficial.
- (4). Whooping cough- Wearing marakata (emerald) or peridot will be beneficial.

Lal-Kitab remedies related to Breath Related Problems

Whooping cough- Wear red clothes to child and copper bracelet. It is auspicious. Wearing copper chain in neck will also be auspicious.

Ayurvedic remedies Related to Breath Related Problems

Having 3 raisins with 2 cloves of garlic gives relief in cough. If you have problem of excessive sneezing, it is beneficial in it.

Grind 10 seeds of black pepper and partake it with honey in the evening and morning. It gives relief in dry cough.

Take 8-10 basil leaves and wash them properly. Now put one cup water, basil leaves, 1-2 garlic cloves, half a inch long pounded ginger piece and 4-5 whole black pepper in a pan and boil the mixture. Boil till water reduces to one fourth cup. Then cool it and have it. It cures cough soon.

Pound one tola flaxseeds and boil in 250 gms. water. When water reduces to half, mix 2 tola honey in it and drink it. It gives relief in cough and asthma both.

If a 6-12 months old child suffers from cold, chest cough, chest pain and fast movement of ribs due to cold, take 10-12 carom seeds, mix in half a cup water and boil it till water reduces to half. Now filter it. Give this mixture to child two times in day and once at night before going to bed. It will be very beneficial.

Take 7-8 basil leaves and wash them properly. Now grind them and mix with honey. Now have

this mixture for 2-3 weeks. It cures sinusitis within 15 days.

Parch ripened banana over slow flame and have it with black pepper and salt. It gives relief in asthma.

Keep clove in mouth and suck it. It gives relief in cough. Consuming clove is beneficial in cough, asthma and respiratory diseases.

Corrade nutmeg with cow milk and apply it on chest and back. It gives relief in cold.

Smelling mint leaf in cold is beneficial in cold and cough.

Sucking pomegranate rind and liquorice (Multhi) helps to get rid of phlegm cough.

Make syrup by grinding 10 basil leaves, 3 cloves, 15 black pepper, 2 cardamoms and candy sugar. It gives relief in all kinds of coughs.

Boil tea leaves and sugar and then filter it. Now add 15-20 lemon drops to it and sip the same. It gives relief in cold and cough.

Make powder of dry ginger, black pepper and turmeric separately. Take 4 spoon powder of each and mix them together. Then keep this mixture in a bottle. Take half a spoon mixture with lukewarm water twice a day. It gives relief in bronchitis i.e. swelling and pain of trachea.

Take two jots of parched alum and two jots of sugar. Mix them and give it to children twice. Give double quantity to adults. If it is not possible to have without water, have 1-2 sips of water. It cures whooping cough within 5 days.

Applying paste of nutmeg corraded with lukewarm water over forehead above nose gives relief in headache and cold.

Sucking black salt or acacia gum or mulheti keeping in mouth at night gives relief in restless cough.

Partaking paste of corrade almond with water cures cough of children.

Mix juice of basil leaves, ginger juice and honey in equal amount and have a small spoon of this mixture after every 6 hours. It cures cough.

Mix old ghee or camphor in mustard oil and massage with it on chest. It gives relief in cough.

Having water mixed with one gm. rock salt and one gm. sugar twice in a day cures cold.

Boil one spoon carom seeds in 250 gms. water. When it reduces to one fourth, filter it. Then have it hot before going to bed and sleep covering your body with a cloth sheet. Having twice in a day for 5-7 days cures chest pain. If two spoons of this mixture are taken continuously for few days, movement of ribs is cured.

Having 3 gms. powder of black pepper and 50 gms. fresh curd in the morning for few days is beneficial in cold and cough.

Heat sesame oil and mix some rock salt into it. Now apply this mixture on chest. It gives relief in

asthma.

If a child over one year of age suffers from asthma, give him mixture of 5 finely ground basil leaves and honey till 3-4 weeks in the morning and evening. Take two drops of basil leaves juice and mix with honey.

Give this mixture twice to kids lesser than one year. It cures asthma as well as various kinds of diseases related to respiratory system.

Having garlic daily cures chronic cough, excessiveness of phlegm and respiratory diseases.

Having one glass lukewarm water mixing half a spoon turmeric powder and half a spoon salt at night gives relief in cough.

If you sneeze more, smell coriander leaves or sandal. It will give a much relief.

Take juice of one lemon, one tea spoonful ginger juice and honey in same quantity. Mix all these ingredients with lukewarm water and have it. It gives relief in asthma.

Always drink water after one hour after having meal. It makes digestive power strong and problem of cough doesn't occur.

Sucking half a gm. ash of cowries putting in betel leaf gives relief in dry cough.

Mix one spoonful turmeric powder into a cup of milk and have it. It cures cold.

Chronic painful cough is cured by massaging ghee and rock salt over chest.

Mix half a spoon black pepper in some honey and have it thrice a day. It cures cough.

Grind 3 gms. mustard seeds in honey. Partake this mixture 3-4 times in a day. It gives relief in dry cough.

Boil sesame and candy sugar in water and have it. It cures dry cough.

Keep pomegranate rind in mouth and suck it. It cures cough.

Reasons and remedies of Tuberculosis



Yogas of Tuberculosis available in horoscope

In your horoscope, Ketu is situated with lord of 6th house or aspecting 6th house lord. You may suffer from tuberculosis.

Ratna and Upratna Related to Tuberculosis

- (1). Wear red coral of 7.5 whits, yellow sapphire of 5 whits and emerald of 5 whits.
- (2). TB- Effect of this disease can be reduced by wearing yellow sapphire, white pearl or red coral.
- (3). Cold fever- Wear ruby of 7-8 whits in silver ring. Wear copper bracelet, ring or any other jewellery to pacify Mars.

Lal-Kitab remedies related to Tuberculosis

If you are suffering from tuberculosis or asthma, do Shirshasan, Siddhasan or Bhujangasan.

Shiva Sahstra Naam and Rudra Sukta should be recited for treatment of this disease. Performing Hawan with mantra of Agni and Moon is also beneficial.

Daily worship Mangal Yantra.

Include red colour in any form in your clothes.

Rudraksha Related to Tuberculosis

Ek-mukhi rudraksh is ruled by Sun and it is worn as a remedial measure to cure asthma, TB, paralysis, stroke, heart related diseases, mental ailments, eye related diseases, pain in bones, headache etc.

Solahmukhi rudraksh is helpful in curing TB, paralysis and wealth related problems.

Ayurvedic remedies Related to Tuberculosis

Soak one date palm in 250 gms. milk in the evening. Boil this milk with date palm at night. Then remove core and eat date palm while chewing properly. Now drink milk mixing sugar into it. Having it in the morning and evening in case of TB gives great power to lungs.

Peel of two cloves of garlic and grind finely. Put them into 250 gms. milk and boil. When it becomes thick like Kheer, then remove it from gas and keep for some time. Have this lukewarmmilk daily either in the morning or at night. Having it for 1-2 months cures

TB.

Take 10 gms. bark of peepal and corrade with hot milk of a goat. Having it daily cures TB.

Having butter, honey and sugar is beneficial in TB.

Having white ashes of half a gm. coal with butter, cream or milk in the morning and evening cures haematesis.

Have 10 or 20 gms. milk of healthy and mulching black cow 10 times in a day for 21 days.

Reasons and remedies of Leprosy



Yogas of Leprosy available in horoscope

In your horoscope, malefic planets are situated in 1st house and ascendant lord is not situated in 1st house with Mars. You are likely to suffer from white leprosy.

In your horoscope, 6th house lord is situated in ascendant or 8th or 10th house with Rahu or Ketu. You are likely to suffer from leprosy.

Ratna and Upratna Related to Leprosy

(1). Wear ruby and emerald.

Totke Related to Leprosy

Native suffer from leprosy should donate silver.

Perform recitation of Bhawani and ritual.

Worship Lord Sun and perform

ritual.

Take medicinal bath.

Recite Ruktasukt to reduce the effect of leprosy. Donation of gold Sun and ox and Kushmand hawan are beneficial.

Grahshanti should get done to reduce effect of leprosy.

Ayurvedic remedies Related to Leprosy

Soak 25-30 gms. black gram and 10 gm. Triphala powder in water and leave it for 12 hours. Then tie them in a clean cloth and leave for 12 hours. Having it in vitiligo is very beneficial.

Grind black urd and apply it daily on vitiligo for some time. It cures white spots.

Make decoction from peepal bark. have it daily and apply it on affected skin area. It helps in leprosy.

Take flowers, fruits and leaves of neem in equal quantities and grind them finely on Sil with water. Have two spoonful on first day. Later on, keep increasing dosage. Do it for 40 days. It helps in white leprosy.

Reasons and remedies of Male Related Problems



Yogas of Male Related Problems available in horoscope

In your horoscope, Saturn is situated in 6th, 8th or 12th house from Venus. You may suffer from temporary infertility.

In your horoscope, Saturn is situated in 6th house or expense house from Saturn. Your reproductive power may be weak. Consult with a qualified doctor.

In your horoscope, Venus is situated in Capricorn sign. Your reproductive power may be weak. Consult with a qualified doctor.

Ratna and Upratna Related to Male Related Problems

- (1). Wear pearl beads in silver chain. Wearing diamond and yellow sapphire is also very beneficial in hernia disease.
- (2). Moonstone, Yellow Sapphire and blue sapphire should be worn to save from AIDS and one can wear necklace of pure pearls.
- (3). Wearing white diamond is very beneficial in case of impotency.

Totke Related to Male Related Problems

Childlessness- A person has no child, if he/she kills a child, eats eggs, has enmity with heir of property of any other person, separates children from their mother, kills dear in young age, ignores Shraddh Karma etc. Cow idol made up of gold should be donated as remedy.

Recitation of following mantra is very beneficial for getting child or life of a child after his/her birth. This mantra should be recited 108 times daily by husband or wife before idol or picture of Lord Krishna with all rituals. Auspicious result of this mantra will definitely come within one year. The person who is not medically capable of getting child, he/she should not have any expectation from this mantra.

Mantra :

Om Klim Shrim Hrim Jeem Om Bhurbhuvah Swah.
Om Devakisut Govind Vaasudev Jagtpate
Dehi Me Tanayam Krishan Tvaamham Sharanam Gatah
Om Om Svah Bhuvah Bhooh Ji Hrim Shrim Tvee Om.

Rudraksha Related to Male Related Problems

6 mukhi rudraksh increases concentration and makes brain very sharp. It increases willpower, self-strength and sexual pleasure.

He/she, who suffers from pain in bones and muscles, paralysis, impotency, stomachache, nerve related problems etc., should wear 7 mukhi rudraksh.

Domukhi rudraksh is ruled by Moon and very helpful in curing impotency, nerve related problems, stress, mental disorder, negative thinking, eye related problems, hysteria etc.

Ayurvedic remedies Related to Male Related Problems

Take old jaggery and black sesame in equal quantities and pound them together. Make small balls out of it weighing 1 gm. each. Have one ball thrice a day gives relief in frequent

urination.

Boil date palms in milk and have them. Then drink remaining milk. It increases semen volume.

Take juice of green amala. Add turmeric and honey to it and have it. It cures gonorrhoea.

Have ground onion with curd for few days. It cures burning in urine.

Have one sesame Laddu made with jaggery daily in the morning and evening. It helps in frequent urination.

Have laddu 4-5 times in a day as per need. It is very beneficial for winter.

Having one and half to three Masha of basil blossoms and jaggery in same quantity with milk cures impotency.

Mix three spoonful green amala juice and 3 spoonful honey with one cup of lukewarm water. Having it daily in the morning increases numbers of sperms.

Mix 250 gms. cow milk, 250 gms. water and some sugar together. Having it cure burning in urine and clears urination.

Fill milk of Bargad in a batasha and it in the morning for 3-4 days. It cures gonorrhoea.

Soak 10 gm. dry coriander seeds in water at night. Then grind and filter it in the morning and add candy sugar to it. Having it gives relief in burning in urine.

Having vegetable of green fenugreek daily cures excessive urination and mucus in stool. Have it for 1-2 weeks.

Having turnip and radish in equal amount gives relief in urinary burning.

Soak 10 gms. whole coriander seeds in a soil pot at night. Grind it finely in the morning and filter through cloth. Now add 8-10 batash to it and drink the same. It eases urination.

Having green coconut water increases number of sperms.

Mix boiled leaves of tea with crumbed ice and wrap it in a cloth. Now put it on your eyes. You will get rid of tiredness as well as eyes become brighter. Dip cotton in cow milk and put on eyes. It gives relief. Don't use much elevated pillow while sleeping.

If you are suffering from any kidney related problem, have salt peter (Kalmi Shora) mixing in Lassi. It clears urine.

Grind 2 gms. cumin seeds and 2 gms. candy sugar together. Having this powder clears obstructed urine.

Have 2 tablets of Chandrabhavati and one tablet of Tarkeshwar juice with honey in the morning and evening. Then have powder of ripened ficus with honey. It helps in getting rid of frequent urination.

Having roasted alum with honey in the morning and evening cures chronic gonorrhoea.

Having 2 Masha ground basil seeds at night before going to bed cures impotency.

If formation of urine is ceased due to any kind of kidney problem, have juice of radish and its leaves. It restart formation of urination. It cures burning sensation and pain in urine.

Have 2 ripened bananas after having lunch for few days in case of excessive urination or burning micturination. It cures such problem.

Having grapes cures habit of frequent urination.

Boil two and half tola flowers of butter tree (Mahua) with 250 gms. of milk. Having this milk cures impotency.

Dry out Bathua. When you don't get green bathua, use it a vegetable or mixing in bread. It increases sperm count.

Mix half a chhatak honey in one chhatak amala juice and have it with some water. It cures burning micturination.

Grind seeds of green cardamom and have with milk daily in the morning and at night before going to bed. It clears urine.

Having butter milk (Chhachh) with old jaggery daily in the morning cures dysuria.

Have 5 tola amala juice with 2 tola of honey twice a day. It clears urine.

Soak 10 gms. tamarind seeds in water in the morning. Peel off them at night and eat white part (Mingi) inside and then have milk. It stops frequent urination.

Having rice and milk or rice-milk kheer helps in formation of fresh semen and increases virility.

Having banana with sugar and amala juice cures problem of frequent urination.

Having Bel leaves makes semen thick and healthy.

Fill Bargad milk in a batasha and have it. It increases sperm count.

Having ripened custard apple daily helps in formation of semen.

Take raw milk and water in equal quantities in summer days and have it in the morning 5-6 times with sugar. It clears urine.

Boil date palms with milk and have them. Then drink remaining milk. It increases sexual power and makes semen strong.

Boil coconut with milk and have it. Then drink remaining milk. It increases sperm count.

Mix soaked grams and almonds together and have them with milk. It gives much power.

Prepare halwa mixing 25 gms. water chestnut flour, 25 gm. ghee, 50 gms. sugar, 50 gms. milk

and 5 gms. almond, 5 gms. walnuts, 5 gms. chironji, 5 gms. pistachio, 5 gms. coconut, 2 small cardamoms together. Having it helps in curing weakness of sperm.

Chewing basil leaves with betel leaf increases semen.

Prepare halwa mixing 50 gms. date palms, 50 gm. ghee, 500 gms. cow milk and 2 small cardamoms together. Having it helps in curing weakness of sperm.

Reasons and remedies of Piles



Yogas of Piles available in horoscope

In your horoscope, inauspicious planets are affecting Saturn or Mars or both planets. You may suffer from piles.

In your horoscope, ascendant lord, situated in sign of Mars or Mercury, is aspected by its enemy. You may suffer from any anus related problem.

Ratna and Upatna Related to Piles

(1). Wear coral and white sapphire.

(2). Wearing white pearl, moonstone and red coral will also be beneficial.

Totke Related to Piles

Perform Pranayam. Ashvin Mudra is beneficial in which anus has to contract and dilate.

Perform Agnisar, Kapal-Bhanti, Bhramari, Hast or Paad Uttaasan, Matsyaasan, Shashank Asan, Dhanurasan, Makarasan, Shavasan and Supt Vrajasan.

Perform Ganesh Kirya.

Lal-Kitab remedies related to Piles

Donate gold and cow.

Jewellery and elephant statue made up of silver or gold or only gold should be donated.

Chant Gayatri Mantra.

Recite Vedic mantra of Sun and Rudra Sukta according to Vedas.

Ayurvedic remedies Related to Piles

Don't have yums, ladyfingers, brinjals, garlics, jaggery, chutney, chilly, tea, ginger etc.

Reasons and remedies of Injury, Wound and Accidents



Yogas of Injury, Wound and Accidents available in horoscope

In your horoscope, Sun and Rahu are situated in Karkamsh and no auspicious planet is aspecting them. You are likely to be bitten by snake and on this account you may have unbearable pain.

Ratna and Upratna Related to Injury, Wound and Accidents

- (1). Accident and sprain- Wear moonstone embedding in iron, copper or silver ring.
- (2). Wearing yellow sapphire also reduces possibilities of accident.
- (3). Wearing red coral and white pearl also reduces possibilities of accident.
- (4). Coral is helpful in healing wounds and pearl makes skin normal.

Totke Related to Injury, Wound and Accidents

Sudden accident- If any person is facing accident or ruin, he/she should recite following mantra until danger is moved away. Mantra can be recited 108 times daily before picture or idol of Goddess Durga as a preventive measure.

Mantra :

Sharanaagatdeenartam Paritranparaayane
Sarvasyaartihare Devi Naaraayani Namustate.

Hath Jodi is a very rare herb. If one gets it from anywhere, keep it submerging into sesamum oil first of all. Then take it out from oil on any Sunday of Moon phase and keep it in a silver box with vermilion, camphor, clove, cardamom and basil leaves while chanting Gaytri Mantra. Always keep the same box at your worship place in your home. It has miraculous divine power. Where it is placed, it saves all members of house from court cases, enemies, accidents and poverty. Members become happy and prosperous and get success in their efforts due to divine power.

Take blue coloured water and blue colour charged oil when get injured.

If any person chants Mahamritunjay Mantra daily in the morning as he/she gets up from tranquil mind, he/she remains safe from any sudden accident. Recitation of Mahamritunjay Mantra saves from untimely death and it is a vitalizing mantra. In today's time, possibility of accidents exist every moment. This Mahamantra saves from all kinds of sudden accidents from rail, motor, snake-biting, electricity, sky, water etc. Besides, recitation of this mantra with rituals removes incurable diseases and bestows peace, comfort, happiness and longevity.

Mahamritunjay Mantra is following :

Tryambaka? yajamahe sugandhim pustivardhanam
Urvarukamiva bandhananmrtymuksiya mamrtat

Lal-Kitab remedies related to Injury, Wound and Accidents

Donate jewellery to Brahmins.

Rudraksha Related to Injury, Wound and Accidents

According to Sri Madbhagvat Puran, 10 mukhi rudraksh has power to remove effect of adverse planets, evil or inauspicious power, misfortune, accident and worldly miseries.

12 mukhi rudraksh bestows wealth, power, boldness, happiness and intelligence. Also, it saves during accidents.

It is assumption that 14 mukhi rudraksh awakens 6th sense of wearer or provide such power to wearer that he/she exactly estimate the future incidents. It helps wearer to take right precaution before occurrence of future accidents, sorrows and troubles.

18 mukhi rudraksh bestows fame, honour, success, creativity etc. It also saves wearer from accidents.

Rosary of rudraksh is considered very good for chanting mantra. Use of this rosary gives Auspicious effect of mantra soon. It saves wearer from diseases like heart related diseases, high and low blood pressure, depression, mental disturbance, non-functioning of brain etc. and saves from accident. Wearer becomes more fortunate, happier and more prosperous after wearing it. His/her conduct becomes good and bad thoughts don't come in the mind. Every saintwear rudraksh rosary for sanctity of mind.

Ayurvedic remedies Related to Injury, Wound and Accidents

Kerosene oil is very beneficial in stopping bleeding caused due to cut from a sharp weapon. Tie a cloth immediately dipping in kerosene oil on bleeding part. It will stop bleeding and reduce pain. If injury is not much serious, use kerosene oil on affected area for 3-4 days. It will heal wound.

If cut or scratch is normal, apply alum powder to check bleeding. It clots blood and stops bleeding.

Make a paste mixing turmeric in mustard oil. Apply it on injured part or tie a strip. It cures injury pain or swelling.

Massaging with bitter gourd leaves juice is beneficial in case of burning from fire.

Have a spoonful turmeric powder and then drink lukewarm milk or have one glass of lukewarm milk mixing one spoonful turmeric powder. It gives relief in pain caused due to injury.

If bleeding is occurring from a cut caused due to knife, sword etc. dip a cotton in real turpentine oil and put tampon on cut. It stops bleeding after sometime.

Boil tamarind leaves in water. Foment injured part with this water and tie a strip dipping in this water. It gives relief in injury.

If bleeding is occurring from a wound caused due to cut from blade or knife, tie a strip wetting from your urine. It will stop bleeding, and wound will heal quickly. Immediately apply your urine when injured part is bleeding. Doing it for few days heals wound.

Have mustard oil and water in equal amounts. It quickly heals injury.

Washing eyes with amala decoction gives relief in eye's wound.

Apply paste made up from fenugreek seeds with water on burnt part. It vanishes burning and stop blistering.

If you cut from a sharp weapon and wound is bleeding, put a tampon dipped in turpentine oil. Bleeding will stop after some time.

Make a swag of green leaves of fenugreek and tie on injured area. It cures swelling of injured part.

Apply pure honey on burnt part. It soothes burning and stops blistering.

Rub a turmeric knot on stone with water and apply this paste on eye wound. It is beneficial.

In case of burning from fire, mash ripened banana and apply a thick layer of it on burn. It cures.

In case of burning from fire, grind carrot and apply on burn. It soothes burning and prevents from festering.

Reasons and remedies of Fear From Water and Fire



Yogas of Fear From Water and Fire available in horoscope

In your horoscope, ascendant lord is debilitated or combust and any malefic planet is situated in 4th house. You should not bath into river, pond etc. as there is possibility of any accident.

In your horoscope, 4th house lord is debilitated or combust and any malefic planet is situated in 4th house. You should not bath into river, pond etc. as there is possibility of any accident.

In your horoscope, 6th house lord is situated with Rahu or Ketu. You may have to meet loss of lives and properties due to theft or fire.

In your horoscope, Mars is situated in 8th house. You should stay away from fire as there is possibility of any accident.

In your horoscope, 6th house lord is situated Rahu or Ketu. You should remain careful from snakes.

In your horoscope, Saturn is lord of 6th house and is situated with Rahu or Ketu. You may have risk from wild animals.

In your horoscope, Sun is situated in Karkamsh and malefic planets are aspecting it. You may

Sample DOB-18:12:1973 TOB-01:45:00 POB-Ballia (up)

get hurt by a snake and face trouble.